

REPORT

OH

THE SETTLEMENT

OF THE

AJMERE & MHAIRWARRA DISTRICTS

J. D. LA TOUCHE, ESQUIRE, B.C.S.,

SETTLEMENT OFFICES, JIMBER & MEAIRWARRA,

1875.



Published by Authority,

CALCUTTA:
OFFICE OF THE SUPERINTERDENT, GOVERNMENT PRINTING, INDIA.
1900.



INDEX.

| SECTION | | | | Stri | CT | | | | | - | Page. |
|---------|---------------------------------|-------|-------------|-------|--------|--------|------------|-----|---|-----|-------------|
| | Спат | TER | 1 — | BEFE | ME I |)ISCR: | 7710 | t, | | | |
| 1 | Boundaries and ar | | | | | | | | | ٠.١ | 1 |
| 2 | Sudder stations ar | ւմ յա | risdic | tion | | | | | | .1 | 1 |
| 3 | The Aravali Rang | • • | | • | | • | | | | | 2 |
| 4 | The watershed | | | | | | | | | • 1 | 22222440 |
| 5 | Passes . | | | | | | | | | | 2 |
| 6 | Rivers and stream | 1 | | | | | | | | • 1 | 3 |
| 7 | Water-supply for | Irrig | ation | • | | | • | • | | | 3 |
| 8 | Oli Tank embank | | | | : | | | • | • | - 1 | 4 |
| 9 | Description of the | | | • | • | • | | | | -1 | 4 |
| 10 | History of their c | onstr | actio | n, | | • | • | • | | | 6 |
| 11 | I ffects of the tank | | | | | • | | | | | 5 |
| 12 | Produce of the tar | | | | • | | | • | | • [| |
| 13 | Natural reservoir | | | | | | | | | • | 5 |
| 14 | lloads . | | | • | • | • | | • | | | 8 |
| 15 | | | | | | | | | | | 6 |
| 16 | Telegraph . | • | | | | | | | | | 6 |
| 17 | Post Office | | • | | : | | | | | • ; | 6 |
| 18 | Minerals . | | • | : | • | • | | | : | • ' | 7 7 8 |
| 19-20 | Stone products | • | | | : | ٠ | | | • | | 7 |
| 21 | Lime . | | | • | • | • | • | | • | | 8 |
| 22 | Boad metal | ٠ | | | • | • | | • | • | | 8 |
| 23-26 | Forests and trees | • | • | : | | | | | | | . 8 |
| 27 | Wild animals and | gım | e | | • | • | | | | | 10 |
| 29 | Bubdiristone | • | • | • | • | : | | | | | 10 |
| 29-33 | Ra nfall | | • | • | | • | • | | | | 11 |
| 81. | Chief Towns, Aja | ere | ٠ | • | : | : | • | • | | | 13 |
| 25 | Seths . | • | | | • | • | | • | | | 13 |
| 36 | Indurket | • | | • | | | | • | | | 14 |
| 37 | Water supply | • | • | ٠ | | • | • | | | | 14 |
| 38 - 39 | The Durgah | _ | | •. | • | | | • | | | 11 |
| 40 | The Dorgah The " Arbai din i | a Jh | omp | 77 | | | | | | | 15 |
| 41 | Taraghur Fort | | | | | • | • | | | | 16 |
| 42 | Fort of Aymere | | • | | | | | | | :1 | 16 |
| 43-44 | Beaut | • | ٠ | • | • | • | • | • | | • | 16 |
| 45 | Kekres . | • | • | • | • | • | • | | | - | 17 |
| 46-49 | Poorbkur . | • | • | • | • | • | • | • | | | 17 |
| 49 | Other towns | • | • | • | • | • | ٠ | • | | • | 18 |
| | | Cı | ILPT: | en II | -u | 370E | r . | | | 1 | |
| | | Par | <i>1.</i> – | Hust | ory øj | dj# | ere | | | | |
| 50 | Legendary histor | y of | £1& | | | | | | | _ 1 | 18 |
| 51 | Other Choban Ir | incer | 1 | · | | _ | • | : | • | : | 19 |
| 5.3 | I rithri I aj aud ! | Shah | b-ud | -dia | | - | | | • | : | 10 |
| 63 | Kuth-ad-dia | | | | | | • | : | : | • 1 | 20 |
| 81 | Rans humbho of | Mer | WAT | - | : | • | • | : | : | • | 20 |
| 53 | Kings of Malaa | | | | ٠. | | | - : | : | - 1 | 20 |
| 56 | Mogul Puperors | | | : | : | - : | | | • | :1 | 21 |
| 57 | I shtores of Mart | rer | : | | | - : | • | : | : | • • | 21 |
| 63 | Mahrattas . | | | | | | | : | : | _ [| 22 |
| | 1 | | - | - | - | - | - | - | • | - 1 | |

| | _ | | |
|----------------|--|-----|----------|
| SECTION. | Subject. | | Page. |
| | Part I.—History of Afriere-could, | | |
| | | | |
| EU | Cession to the British Government | • | 23 |
| CO | Dynastic changes The mutiny of 1857 | • [| 22 22 |
| 61 | the mutiny of 1884 | • | خند |
| | Part II History of Mlaiemarra. | | |
| CO CO | First intercourse with the country | | 23 |
| 61-63 61-63 | | 1 | |
| 66 | A rean naments for the administration | . i | 24 |
| 67 | Trinties with Ooderpoor and Jodhneor | • ! | 24 |
| 70-74 | Transfers with Oodeypoor and Jodhpoor | • ! | 25 |
| | CHAPTER IIITENTERS. | | |
| | | | 26 |
| 75 | General remarks | •] | 26 |
| | Khalea | • ; | 28 |
| 83 - 85 | Istumrar | - | 30 |
| 80-87 | Bhoom | • | 30 |
| 88-55 | Bhoom | . 1 | 32 |
| 23 | The State | | 82 |
| 23 | Absence of sales | . ! | 32 |
| 58 | Non-proprietary cultivators | • ; | 52 |
| 20 | Absence of sales | | • |
| | CHAPTER IV POPULATION AND CASTES. | | , |
| | CHAPTER 14 POPULATION AND CARREST | - | _ |
| 27 | Census Statistics | • } | 33 |
| 28-22 | 1.70 . 5 | • } | S3 |
| 100 | Jats Jats Legend of Tejaji Customs of the Jats Custom of Natha | • } | 34 34 |
| 101 | Legend of Tejaji | • ! | 05 |
| 102 | Customs of the Jats | | |
| 103 | Legend of Tejaji Customs of the Jats Custom of Natha Other Customs | | |
| 104 | | | 36 |
| 105 | Goojurs Brahmans and Vaisya | | 36 |
| 106 | Brahmans and Vaisya | . ! | 37 |
| 107 | Mahomedans | - 1 | 37 |
| 108 | Christians and Parsees | • | 37 |
| 109 | CHAPTER VMHAIRWAERA CLANS. | | |
| | CHAPTER 1MHAIRWAREA CERTAIN | | 0.00 |
| *** | General remarks | ٠ | 87 88 |
| 110—111 112 | | • | 38 |
| 113115 | Chita | • | <u> </u> |
| 116-118 | Barar | | 40 |
| 119 | Powar claus | | 41 |
| 120 | Tildren. | • | 41 |
| 121 | Gehlot | | 41 |
| 102 | Other claus Religion and Customs | • | 42 |
| 123 | Religion and Customs Religions tendency | • | 43 |
| 124 | | | |
| | CHAPTER VI.—RAJFOOTS AND OTHER NOTEWORTHY | P | |
| | FAMILIES. | | |
| | a I want of the Literary Estates | | 43 |
| 125-129 | General account of the Isodanial | | 52 |
| 130 | Chohan | | 1 |

| Section | Subject | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | CHAPTER VI RAIFOOTS AND OTHER NOTEWORING | | | | | | | | | | |
| | Pamilies—confd | | | | | | | | | | |
| 131 | Gor | . 52 | | | | | | | | | |
| 132 | Rehtore | · 63 | | | | | | | | | |
| 133 134 | Kishenghur Bhoom | £3 | | | | | | | | | |
| 35-138 | Gangwara 14th ra 1 sangun, Junia and Mel ron | 54 | | | | | | | | | |
| 139 | Govirdghor family | 57 | | | | | | | | | |
| 140 | Abarwa family | 57 | | | | | | | | | |
| 341 | Mewaria family | 1 59 | | | | | | | | | |
| 11°-149 | Descendants of Laran Sen | 83 | | | | | | | | | |
| 143 144 | Bandanwara | 63 | | | | | | | | | |
| 145-146 | Dewal s | 69 | | | | | | | | | |
| 147-148 | Deogaon Raghers | - 12 | | | | | | | | | |
| 149 | Santoleh | 63 | | | | | | | | | |
| 150-163 | Descendants of Du laji | 63 | | | | | | | | | |
| 151 | Richmal an and Sethran | r3 | | | | | | | | | |
| 153—153 154 | Massocia family | 65 | | | | | | | | | |
| 155 | Descendants of R must and Chou lajee | 65 | | | | | | | | | |
| 166 | Resodia | 65 | | | | | | | | | |
| 157 | Sawar . | f 5 | | | | | | | | | |
| 148 | Chohan Meensa |) Ç: | | | | | | | | | |
| 160 160 | Charan | - 61 | | | | | | | | | |
| | hachtraha | 1 6 | | | | | | | | | |
| 161 | Neweb Abdool herim hhan | 67 | | | | | | | | | |
| | Newed Abdool Lerim Lhan | 61 | | | | | | | | | |
| | Newsh Abdool Lerim Lhan | 67 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Reverte Administration of Mr. P. Walter | 67 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 | Neweb Abdool Kerim Khan CHAPTER VII.—History of the Land Reverte Administration of Mr F Walder Administration of Mr Milleton | . 6 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Reveve Administration of Mr P Walter Administration of Mr M Milleton Administration of Mr we will be a Administration of Mr when the milleton administration of Mr we would be a millet | . 69 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173 | Neweb Abdool Kerim Khan CHAPTER VII.—History of THE LAND REVENUE ADMINISTRATION Administration of Mr. F. Walder Administration of Mr. Midleton Administration of Mr. Cavenllet Major See | . 6 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173 174—176 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Revevue Administration of Mr P Walter Administration of Mr Midleton Administration of Ur Midleton Administration of Ur Cavenlist Major Sper s Mr Edmonaton's actilement | • 69 7: | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Reveve Administration of Mr P Walter Administration of Mr Midleton Administration of Mr Midleton Administration of Mr Cavenlist Mr Execution as edifferent Colonel Satherland a proposals Historyee | . 6 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173—176 177—178 179 160—188 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTEN VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTRATION Administration of Mr F Walder Administration of Mr Sevenies Administration of Mr Cavenies Major Spers H. Chamouston's actificances H. Chamouston's actificances H. Colonel Discourse admin state on Colonel Discourse admin state on | • 69 7: | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173—176 177—178 179 160—188 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Reveve Administration of Mr P Wilder Administration of Mr Midlieton Administration of Mr Cavenllet Administration of Mr Cavenllet Mr Edge on a settlement Colonel Satherland a proposals Historyee Colonel Disnuta sidn state on Mr Thomas a wis 10 a dimere | 777 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—173 174—176 177—179 160—168 181 182—186 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTER VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTRATION Administration of Mr F Walder Administration of Mr Audillated Administration of Mr Cavenlist Major Sper s Hir Elimoustan's actificances Colonel Birderland a proposats Colonel Historia simin stata m Mr Thomson a wis to Ajmere Colonel Mingra simin stata m Mr Thomson a wis to Ajmere Colonel Mingra regular stelleme t | 65 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173—176 177—178 179—188 181—186 182—186 | Neweb Abdool Kerim Khan Charten VII.—History of the Land Reverte Administration of Mr P Walder Administration of Mr Midleton Administration of Mr Midleton Administration of Mr Cavenllet Major by a result of the Cavenllet Major a result of the Cavenllet Mittory and the Colonel Mison a regular settlement of Major and Major a result of Major and Maj | 6. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 7 | | | | | | | | | |
| 163-167 163-167 169-169 170-162 173-173 174-176 177-178 160-188 182-186 187 187 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTER VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTEATION Administration of Mr P Walder Administration of Mr And Milleton Administration of Mr Cavenlist Major Sper s Mr Edmouston's actificated Colonel Statherland a proposals Histospeet Colonel River actification Colonel River a regular settlings Settlement of Malawarra Close of the area of material improvement | 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7: 7 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—12 173—178 177—178 179—188 181 182—186 181 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Revevue Administration of Mr P Walder Administration of Mr Midlieton Administration of Mr Avenilet Major Sper s Mr Edmoustan's actilement Colonel Sutherland a proposals Historyeet Colonel Bison's admin stat on Mr Thomaso a via two Ajmere Colonel Rison aregular etiliene Contain the era of material Improvement Contain Rison aregular etiliene Contain Rison | . 6. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. 77. | | | | | | | | | |
| 161 103—107 109—100 170—172 173 174—176 177—179 180—188 181 182—186 190—191 192 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTEN VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTRATION Administration of Mr F Walder Administration of Mr Sevenist Administration of Mr Cavenist Major Sper re HIT Commonton's actifement HIT Commonton's actifement HIT Commonton's actifement Colonel Bismu's admin state on Mr Thomses a wis to Ajmore Colonel Riven argular settlement Selfement of Shainware Close of the real of majorital Improvement Close of the real of majorital Improvement Major Hoyd, Deputy Common selente Major Hoyd, Deputy Commissioner Sesson (From 1860-66 | 60 777 777 777 777 777 777 777 88 8 8 8 8 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—12 173 174—170 177—179 180—181 182—186 181 182—186 189 190—191 190—191 193 194 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Revevue Administration of Mr P Wilder Administration of Mr P Wilder Administration of the Midliston Administration of the Cavenlist Major Spers Mr Edmonston's actilement Colonel Satherland a proposals Ritraspect Colonel Bison's administration Mr Thomaso wish to Ajmore Colonel Ritra regular retilient Telliment of Shaliware the Colonel Ritra regular retilient Colonel Ritra retil | 61 77 77 77 88 88 88 | | | | | | | | | |
| 103—167 103—167 103—167 174—176 177—178 180—181 182—186 190—191 192 193 194 105 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTEN VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTRATION Administration of Mr P Walder Administration of Mr Audillation Administration of Mr Cavenlist Major Sper rs His Edmontant actifement Colonel Binary admin state on Mr Thomson a wist to Ajmere Colonel Binary admin state on Mr Thomson a wist to Ajmere Colonel Binary admin state on Mr Thomson a wist to Ajmere Colonel Binary admin state on Mr Thomson a wist to Ajmere Colonel Binary administration Great of the and material Improvement Captain Brocks Deputy Communication Application 1800-06 Mr Bildslaid Settlewent Officer Mr Bildslaid Settlewent Officer Mr Fildslaid Settlewent Officer Mr Fildslaid Settlewent Officer Mr Fildslaid Settlewent Officer Mr Fildslaid Settlewent Officer Mr Fildslaids Settlewent | G 777777777777777777777777777777777777 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 163—167 170—172 174—176 177—173 181 182—186 187 189—191 190—191 193 194 195—204 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Revenue Administration of Mr. P. Wilder Administration of Mr. P. Wilder Administration of Mr. Mid Helen Administration of Mr. Cavenliel Major Sper Mr. Edmouston's actilement Colonel Satherland a proposals Historycet Colonel Bisnu's admin strat on Mr. Thomas or wis 150 Ajmere Colonel History actilement Colonel History Colonel History Colonel History Mr. Colonel Mr. History Mr. History Mr. Colonel Mr. History Mr. Colonel Mr. Colonel Mr. History Mr. Colonel Mr. | 00 777 777 777 777 777 777 777 88 8 8 8 | | | | | | | | | |
| 103—167 103—167 103—167 174—176 177—178 180—181 182—186 190—191 192 193 194 105 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTEN VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSEREATION Administration of Mr P Walder Administration of Mr And Milleton Administration of Mr Cavenlist Major Sper s Hir Edmonstan's actificancest Colonel Ringer's administration Nr Thomson a wist to Ajmere Colonel Ringer's administration Nr Thomson a wist to Ajmere Colonel Ringer's administration Nr Thomson a wist to Ajmere Colonel Ringer's administration Very Colonel Ringer's | 60 7777 7777 68 8 8 6 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 | | | | | | | | | |
| 163—167 163—167 163—160 170—172 174—173 174—173 181 182—186 180—181 182—186 190—191 192 193 194 195—201 | Neweb Abdool Kerlin Khan Charten VII.—History of the Land Revenue Administration of Mr. P. Wilder Administration of Mr. P. Wilder Administration of Mr. Mid Helen Administration of Mr. Cavenliel Major Sper Mr. Edmouston's actilement Colonel Satherland a proposals Historycet Colonel Bisnu's admin strat on Mr. Thomas or wis 150 Ajmere Colonel History actilement Colonel History Colonel History Colonel History Mr. Colonel Mr. History Mr. History Mr. Colonel Mr. History Mr. Colonel Mr. Colonel Mr. History Mr. Colonel Mr. | 00 777 777 777 777 777 777 777 88 8 8 8 | | | | | | | | | |
| 161 163—167 169—169 170—172 173—176 177—178 179—188 181—186 181 182—186 191 192—193 193—193 194—191 195—202 203 204 205 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTEN VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTRATION Administration of Mr F Walder Administration of Mr Sevenies Administration of Mr Cevenies Major Sper rat Major Sper rat Colonel Residences Colonel Residences Colonel Residences Colonel Residences Colonel Residences Colonel River admin state on Mr Thomseo a via 10 A junere Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River a regular settleme 1 Sellement of Shairware Colonel River Deputy Comm selonge Major Deviden, Deputy Commissioner Major Deviden, Deputy Commissioner From no of 1674 CJ commissioner From no of 1674 CJ commissioner Residuant to Mila reserva | 500 7777 7777 7777 7777 7777 7777 7777 | | | | | | | | | |
| 101 103—107 109—109 109—109 177—173 177—179 177—179 180—181 182—186 189—191 190—191 192 193 194 195 196—201 203 203 | Neweb Abdool Kerlin Khan CHAPTER VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE ADMISSISTEATION Administration of Mr P Walder Administration of Mr Mid Heton Administration of Mr Cavenlist Major Sper s Mr Edmoustan's actificancest Colonel Statherland a proposals Histospeet Colonel History administration Out Thomson a site to Ajmere Colonel History actification of Mr Cavenlist Selficancest of Majority Colonel History Colonel History actification of Selficancest Colonel History actification of Selficancest Colonel History actification of Selficancest Selficancest of Majority Commissioner Major Hold, Deputy Commissioner Major Bestle Selficancest Officer Major | 77777777777777777777777777777777777777 | | | | | | | | | |

| SECTION. | Subject. | | | | | | | | | Page. |
|-----------------|---|---------------|---------|-------------|--------|--------|--------|----------|------|----------|
| | Part I.— | Tisto | ru of | Ajme | 'rr- C | onld. | | | | |
| | | | • | _ | | | | | | 22 |
| <u> </u> | Cession to the British C Dynastic changes | iover | mmen, | t | • | • | • | • | | 22 22 |
| 60 61 | The mutiny of 1857 | • | : | • | : | : | • | • | | 22 |
| 0.1 | | | | | | | | | 1 | |
| | Part II. | — <i>II</i> i | story | of M | hairu | arra. | • | | 1 | |
| 62-53 | First intercourse with t | lie en | nntre | | | | | | | 23 |
| 64 - 65 | Conquest of the country Arrangements for the a Treaties with Ooderpoor Administration of Color | , | • | | • | • | | • | • | 23 |
| 66 | Arrangements for the a | dmini | strati | nn | • | • | • | • | • | 24 |
| 67 | Treaties with Ooderpoo | r and | Jodh | POOR | • | • | • | • | • | 24 25 |
| 70-74 | Administration of Color | nels I | Inll or | nd Di | ZOD | • | • | • | • | 23 |
| | Cn. | APTEI | t III. | – Tr | NUBE | 3. | | | l | |
| 75 | General remarks | _ | | _ | | | | | ٠, ا | 26 |
| 76—82 | Tholen | • | • | • | • | • | • | • | | 26 |
| 83 - 85 | Istumrar | • | | • | • | • | • | • | | 28 |
| 86-87 | Inghire | • | • | • | • | • | • | • | • | 30 |
| 88-92 | Bhoom | • | • | • | • | • | • | • | - | 30 32 |
| 93 | The State | • | • | • | • | • | • | • | • | 32 |
| 91 | Absorption . | • | • | • | • | • | • | • | • | 32 |
| 95 96 | Istumrar Jaghire Bhoom The State Munirwarra Absence of sales Non-proprietary cultiv | ntora | • | • | • | : | : | : | | 82 |
| 20 | atom in obstating cutting | | • | • | • | · | • | • | - | - |
| | CHAPTER 1 | V T | | | | Cie | TTG | | | , |
| | I CHAPTER I | ۱ ۱ | OPC I. | X110 | ו אא ה | CAS | 11.5, | | | |
| 97 | Consus Statistics . | • | • | | | • | • | • | • | 33 |
| 98-99 | Rajpoots | • | • | | • | ٠ | • | • | • | 33 34 |
| 100 | Legend of Tejnji Unstones of the Juts Custom of Natha | • | • | • | • | • | • | • | • | 34 |
| 101 | Legend of Tejnji | • | • | • | • | • | • | • | | 35 |
| 102 103 | Custom of Natha | • | • | • | • | • | • | • | | 35 |
| 103 | Other Customs | • | • | • | • | : | • | | | 36 |
| 105 | Goojurs | • | : | • | · | • | • | | | 36 |
| 106 | Brahmans and Vaisya | • | • | • | • | • | • | • | • | 36 |
| 307 | Kayeths and other cas | tes | • | • | • | • | • | • | • | 37 37 |
| 108 | Other Customs Goojurs Brahmans and Vaisya Kayeths and other cas Mahomedans Christians and Parson | • | • | • | • | • | • | • | • | 37 |
| 109 | Christians and Parsees | 3 | • | • | • | • | • | • | • | , |
| | CHAPTE | R V | -Mus | uw. | ARRA | CLAN | 9. | | | |
| 10—111 | General remarks . | _ | | _ | | | | | | 37 |
| 112 | Chohan Meenas . | : | • | • | | | • | | | |
| 13115 | Chita | • | • | | | • | • | • | | 38 |
| 116-118 | Barar | • | • | • | • | • | • | • | • | 39 40 |
| 119 | Powar clans . | • | • | • | • | • | • | • | • | 41 |
| 120 121 | Moteo | • | • | • | • | • | • | • | • | 41 |
| 122 | Other clans | • | • | • | • | • | • | : | : | 41 |
| 123 | Religion and Customs | | • | : | : | | • | • | • | 42 |
| 124 | Religious tendency | • | • | • | • | • | • | • | • | 43 |
| | CHAPTER VI | P . ~~ | | | | *** | PW | T) E2 T* | | |
| | OHATIAB IL | ration T.(| IZAT | | THE | . NUI. | an UR' | | | 1 |
| | | | | | | | | | | 40 |
| 125—129 | | e Isti | ımrar | Esta | tes | • | • | • | • | 43 52 |
| 130 | Chohan | • | • | • | • | • | • | • | • | 04 |

| SECTION | Subject | | PAGE |
|---|--|-------|--|
| | CHARTER VI RASTOCTS AND OTHER NOTEWORTH | T | |
| | | i | |
| 111 | Gor | • • | £3 |
| 133 | Kishenghur Rhoom | : : | 23 |
| 131 | Cangwana jaghira Pisangun, Junia and Mehron | : : | 63 |
| 35 138 | Pasangun, Junta and Mehron | | 54 |
| 139 | Govindgbur family | · • į | 5.7 |
| 140 141 | Kharwa family Mewaris family | | 67 |
| 12-140 | Deacendants of Karan Sen | : . | 68 |
| 143 | lihinae | - 1 | 60 |
| 341 | Handanwara | | 63 |
| 47-148 | Dewalis | | 60 |
| 47-148 | Deogaon Raghera | | F2 |
| 140 50—163 | | | £3 £3 |
| 151 | Richwallan and Sethran | 1 1 | r3 |
| 52-153 | Alsesoods family | | C) |
| 164 | Karal | | 65 |
| 155 | Descendants of Rimnal and Choudajee | .] | 65 |
| 156 | Serodia | • • | 23 |
| 157 158 | | | £5 £6 |
| 169 | Charan | ; : | 63 |
| 160 | Kacharaha | : :1 | 02 |
| 161 | Nameb Abdool Karim Khan | 1 | 67 |
| | l |] | |
| | CHAPTER VII,- SISTORY OF THE LAND RETEND | | |
| | CHAPTER VII.—HISTORY OF THE LAND REVENUE | 72 | |
| 100 100 | ADMINISTRATION. | :2 | |
| 163—167 169—163 | Administration of Mr. F. Willer | | 63 |
| 69-163 | ADMINISTRATION. | : : | 71 |
| 169—163 170—172 173 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. Mid listen Administration of Mr. Cavendish Major Power | | |
| 169—163 170—172 173 174—176 | Administration of Mr. F. Wikler Administration of Wr. J. Killiston Administration of Wr. Cavonish Major Speirs Mr. Edwantson's settlement | | 71 72 |
| 170—172 173 174—176 177—178 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. M. Wilder Administration of Mr. Cavendish Major pairs Mr. Edmonstor's settlement Colonel Soltherland's proposals | | 71 73 74 75 |
| 170—169 170—172 173 174—176 177—178 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. Cavonish Administration of Mr. Cavonish Major Papir Mr. Edmonton's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect | | 71 73 74 75 76 |
| 170—169 170—172 173 174—176 177—178 | Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. Cavendiah Administration of Mr. Cavendiah Mr. Edmenston's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect Colonel Diran's administration | | 71 73 74 75 76 76 |
| 169-169 170-172 173 174-176 177-178 177 160-169 181 183-186 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Wr. F. Wilder Administration of Wr. S. Milleton Administration of Mr. Cavendish Major Speira Mr. Edmonton's settlement Mr. Edmonton's settlement Colonel Bencherlands proposals Colonel Birn's administration Mr. Thomseson's visit to Almere Colonel Birn's administration Mr. Thomseson's visit to Almere Colonel Birn's reculus retilement | | 71 73 74 75 76 76 |
| 169-169 170-172 173 174-176 177-178 177 180-169 181 183-186 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Vr. M. Millitton Administration of Vr. M. Millitton Major typin Mr. Edmonston's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect Colonel Distra's administration Mr. Thomseson's visit to Ajmere Mr. Thomseson's visit to Ajmere Settlement of Milliterer Settlement of Milliterer Settlement of Milliterer Settlement of Milliterer | | 71 73 74 75 76 76 |
| 169—169 170—172 173 174—176 177—178 177—189 181 182—189 187 189 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Wr. F. Wilder Administration of Wr. St id listen Administration of Mr. Carconish Major Eprira Mr. St identification Mr. Theoretical Proposals Retrospect Colonel Bigna's administration Mr. Thouseou's visit to Almere Colonel Bigna's administration Mr. Thouseou's visit to Almere Colonel Bigna's require retilement Settlement of Silainwarra Close of the ray of material lapprovement | | 71 73 74 75 76 77 77 60 80 |
| 69—169 70—172 174—176 177—178 177 180—189 181 182—186 187 189 180—191 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. St Millston Administration of Mr. Cavoulish Major Speirs Mr. Edmonston's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect Colonel Diran's administration Mr. Thouseon's wisit of Ajmere Colonel Diran's regular settlement Colonel Diran's regular settlement Settlement of Shialwarer Close of the era of material Improvement Captale Brocke, Deputy Communicate | | 71 72 73 74 75 76 77 77 60 80 |
| 169—169 170—172 173 174—176 177—178 177 180—189 181 182—186 187 189 190—101 102 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Wr. F. Wilder Administration of Wr. S. Wilder Administration of Wr. Cavendish Major Speirs Mr. Edmonton's settlement Mr. Edmonton's settlement Colonel Biron's administration Mr. Thomseon's visit to Almere Colonel Biron's administration Mr. Thomseon's visit to Almere Colonel Biron's requise retifement Settlement of pilainwarra Close of the ran of material Improvement Captale Brocke, Depaty Communionee Major I loyd, Denny Communionee | | 71 72 73 74 75 76 76 77 77 60 80 81 |
| 169—169 170—172 173—173 174—176 177—178 170—169 181 182—186 187 189 190—101 102 103 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. It Milleton Administration of Mr. Caronish Major Speirs Mr. Edmonton's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect Colonel Diran's administration Mr. Thousand with Admere Colonel Diran's administration Mr. Thousand with Admere Colonel Diran's edifference Settlement Settlement Settlement Colonel Diran's communicate Major I loyd, Dennyt Communicate Captale Birocke, Depaty Communicate Major I loyd, Dennyt Communicate Rescuest from 1860-60 Mr. Bildalle, Settlement Officer | | 71 72 73 74 75 76 77 77 60 80 |
| 69—169 170—172 173 174—176 177—178 177—189 181 182—186 187 189 190—101 102 103 104 193 | Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. S. Miller Administration of Mr. S. Miller Administration of Mr. Cavendish Administration of Mr. Cavendish Mr. D. Miller Mr. D. | | 71 72 73 74 75 76 77 77 60 81 81 |
| 169—169 170—172 173—176 174—176 177—178 177—178 180—189 182—186 182—186 180—101 102 103 104 195 196—201 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Wr. M. Milliton Administration of Wr. M. Milliton Major typira Mr. Edmonston's settlement Colonel Sotherland's proposals Retrospect Colonel Distran's administration Mr. Thousson's visit to Ajmer Colonel Distran's administration Mr. Thousson's visit to Ajmer Colonel Distran's Mr. Milliton's Settlement of Blainwers Colonel Distrant of Milliton's Colonel Distrant of Milliton's Colonel Distrant of Milliton's Colonel Distrant of Milliton's Colonel Milliton's Colonel Milliton's M | | 71 72 73 74 75 76 77 60 80 81 81 |
| 169—169 170—172 173—173 174—176 177—178 171 180—189 181 182—186 187 180—101 102 103 104 105 106—201 | Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. F. Wikler Administration of Mr. S. Miller Administration of Mr. S. Miller Administration of Mr. Cavendish Administration of Mr. Cavendish Mr. D. S. Miller Mr. D. Miller Mr. | | 71 72 73 74 756 777 600 81 83 84 84 85 |
| 169—163 170—172 173—176 174—176 177—178 176—168 181 182—186 187—189 180—101 102 103 104 105—101 105—101 105—101 105—101 105—101 105—101 105—105—101 105—105—105 105—201 105—201 105—201 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. M. Milleton Administration of Mr. Cavonish Major Speira Mr. Edmonton's settlement Colonel Statemant Colonel Statemant Administration Colonel Brone sequence settlement Colonel Brone sequence settlement Colonel Brones sequence settlement Settlement of Blainwarra Close of the res of material improvement Captal Brocks, Depaty Communioner Major I loyd, Depaty Communioner Seasons from 1860-60 Mr. Blakala, Settlement Officer Major Davidson, Depaty Communioner Frames of 1953 69 History of collection during the fa sine Collections to Marvarra | | 71 72 73 74 75 76 77 77 76 80 81 84 84 85 87 |
| 169—163 170—172 173—174 174—176 177—178 180—189 181—180 182—186 187—186 180—191 190—191 191 194 195—195 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Wr. F. Wilder Administration of Wr. Y. Mil Histon Administration of Wr. Statement Administration of Wr. Cavendish Major Epeira Mr. Edmontor's estitement Colored Biron's administration Mr. Thomsson's visit to Almere Colored Biron's administration Mr. Thomsson's visit to Almere Colored Biron's requise retilement Settlement of Silainwarra Close of the ran of material Improvement Captalo Birocky. Depaty Commissioner Major Hoyd, Denaty Commissioner Research from 1860-66 Misr Holdalia, Estitement Officer Major Boyd, Denaty Commissioner Major Boyd, Denaty Composity Mr. Hildalia, Estitement Officer Major Boyd Commissioner Major Colorection during the famine Collections in Officer of the famine Collections of Marrayra | | 71 72 73 4 75 76 77 77 60 81 81 81 85 87 88 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 |
| 169—163 170—172 173 174—176 177—178 177—178 181 182—186 181 182—186 187 180—101 102 103 104 195 105—201 202 203 204 205 207 207 207 207 207 207 207 207 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. Y. Mil Histon Administration of Mr. Caronish Major Speira Mr. Edmonton's settlement Colonel Biron's administration Mr. Thomseno's vide to Almere Colonel Biron's administration Mr. Thomseno's vide to Almere Colonel Biron's requise retifement Settlement of Silainwarra Close of the ran of material Improvement Captale Brocke, Depaty Communicate Major Hoyd, Denaty Communicate Major Hoyd, Denaty Communicate Major Hoyd, Denaty Communicate Major Davidson, Depaty Communicate Major Davidson, Depaty Commissioner Framoso of 1504 Col. Mr. Hibatale, Estlement Officer Major Davidson, Depaty Commissioner Framoso of 1504 Col. Mr. Hibatale, Estlement Officer Major Davidson, Depaty Commissioner Framoso of 1504 Col. Mr. Hibatale, Estlement Officer Major Davidson, Depaty Commissioner Framoso of 1504 Col. Mr. Hibatale, Estlement Officer Mr. Hibatale, Mr. Hibatale Mr. Hibatale, Mr. Hibatale Mr. Hibatale, Mr. Hibatale | | 71 72 73 74 75 76 77 77 76 80 81 84 84 85 87 |
| 169-163 170-172 173-173 174-176 177-178 177-178 170-169 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 182-186 193-193 194-193 195-193 203 204 205 205 205 205 205 205 205 205 | Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. F. Wilder Administration of Mr. M. M. Histon Administration of Mr. Cavendish Administration of Mr. Cavendish Mr. Edmenstor's estitement Colonel Stockerland's proposals Retrospect Colonel Diran's administration Mr. Thousson's visit to Ajmen Colonel Diran's administration Mr. Thousson's visit to Ajmen Colonel Diran's estitement Settlement of Alf material improvement Capital Encoke. Depay Communicate Major I loyd, Depay Communicate Major I loyd, Depay Communicate Major Mr. Hidsialo, Estitement Office Mr. Hidsialo, Estitement Office Major Davidson, Depay Commissioner Frames of 1574 CD. Collections of Min reserva Results of the former Results of the Marserva Results of the former | | 71 72 73 4 75 76 77 77 76 80 8 8 8 8 8 8 8 7 8 8 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 |

| SECTION. | Subject. | | | | | | | | |
|--|--|---------|------------|--|--|--|--|--|--|
| | CHAPTER VIII CROPS AND VALUE OF PRODUC | CE. | | | | | | | |
| 209-216 217 | Crops and value of produce Number of owners and tenants Average profits of a cultivator | • | 93 98 | | | | | | |
| 218-220 | Average profits of a cultivator | • | 99 | | | | | | |
| | CHAPTER IX.—TRADE MANUFACTURES, EDUCATION INSTITUTIONS. | I, AND | ! • | | | | | | |
| 221 - 225 226 | Ajmere trade Beawur trade Exports from the district Manufactures Ajmere College Elementary schools Mission Schools Literature and the Press Mayo College Dispensaries Poor-honses | | 100 | | | | | | |
| 227-228 | Exports from the district | • • | 102 | | | | | | |
| 229 | Vanufactures | • • [| 102 103 | | | | | | |
| 231-232 | Aimere College | • | 103 | | | | | | |
| 233-234 | Elementary schools | | 103 | | | | | | |
| 235 | Mission Schools | | 104 | | | | | | |
| 236 | Literature and the Press | | 104 | | | | | | |
| 237 - 239 | Mayo College | | 104 | | | | | | |
| 240 | Dispensaries | | 105 | | | | | | |
| 241 | Poor-honses | · · | 106 | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | CHAPTER X.—OPERATIONS OF THE PRESENT REVISION TO ASSESSMENT. | 7 PRIOR | - | | | | | | |
| 242 - 245 | Measurement operations Form of khusra adopted Boundaries | | 106 | | | | | | |
| 246-247 | Form of khusra adopted | | 107 | | | | | | |
| 248 | Boundaries | | 108 | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | | |
| | CHAPTER XI.—GENERAL PRINCIPLES OF ASSESSM | ENT. | | | | | | | |
| 249 | Mode of assessment bitherto adopted | 1 | 109 | | | | | | |
| 250 | Preliminary orders of Government Subsequent orders of Government Division into assessment circles Ajmere assessment circles Beawar assessment circles Todghur assessment circles Classification of tanks | • • • } | 109 | | | | | | |
| 251-254 | Subsequent orders of Government | | 103 | | | | | | |
| 255 | Division into assessment circles | | 111 | | | | | | |
| 25ช | Aimere assessment circles | : : | 111 | | | | | | |
| 257 | Beampr assessment circles | | 112 | | | | | | |
| 258 | Todohur assessment circles | | 112 | | | | | | |
| 259 | Assessment of water revenue | : :1 | 113 | | | | | | |
| 260 | Classification of tanks | | 114 | | | | | | |
| 261 | Alternative schemes for the collection of the water rever | nne - | 115 | | | | | | |
| 262-264 | Explanation of the system adopted | | 115 | | | | | | |
| 265 | Treatment of submerged land | | 117 | | | | | | |
| 266 | Treatment of submerged land Rate-report | | 118 | | | | | | |
| | • | · I | | | | | | | |
| | CHAPTER XII.—ASSESSMENT STATISTICS. | 1 | | | | | | | |
| Land Company of the C | CHAPTER ATI.—ASSESSMENT STATISTICS. | | | | | | | | |
| ٠. | Part I-Ajmere. | î | | | | | | | |
| | Luit L'Egintiti | 1 | | | | | | | |
| .1 | Statement of area | | 119 | | | | | | |
| 268 | Percentages and agricultural wealth | | 121 | | | | | | |
| 269 | Comparison with former statistics | | 121 | | | | | | |
| / -271 | Past and present demand | • • | 121 | | | | | | |
| | Part II.—Mhairwarra. | | | | | | | | |
| APA APA | St. J of a | 1 | 123 | | | | | | |
| 272—273 | Statement of area | • | 126 | | | | | | |
| 274 | Percentage and agricultural wealth | | 127 | | | | | | |
| 275 276 | Past and present demand Revenue and area of Meywar and Marwar-Mbairwaria | | 127 | | | | | | |
| 210 | The sende and elea or medical and mainer-mouth white | ٠ ' | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |

| SECTION | Subject | _ | | _ | . | Page |
|---------------|---|-------|-------|--------------|------|------|
| | CHAPTER XIII GRYERAL RESULTS OF | A25 | ESSME | 3 7 , | - - | |
| 277 | Espiring and present revenue with rates of | Part | and | prese | 1 | |
| | assessment . | | | | • | 128 |
| 278 | Waight of the assessment | • | ٠ | | • | 129 |
| 79-280 281 | Argument from farmers' collections Argument from jagbiredars' collections | • | | • | • | 129 |
| 282 | Argument from Colonel Dizon's direct collect | | | • | • | 130 |
| 83-281 | Colonel Dixon's Mhairwarra assessment | | _ | : | :1 | 131 |
| 85 - 286 | Conclusions | : | • | : | : | 132 |
| | CHAPTER XIV,-Maares Hou | 1708 | | | 1 | |
| 287 | Jaghira | | | | .[| 133 |
| 298 | Bloom no longer a revenue free tenure . | | | | • [| 133 |
| 89291 | بغيب بنباه ببديد سكتك فالمساهدات | | - 1 | | - 1 | 133 |
| 2)2 203 | • • • • • | | | • | • | 114 |
| 293 | 1 | | | • | ٠. | 185 |
| 95-296 | | | | • | ٠, | 133 |
| 297 | | | • | : | :1 | 137 |
| 299 | . '44.1. | | | | :1 | 133 |
| 219 | Grants during good behaviour . | | | | : | 135 |
| 800 | Service land | • | • | | | 133 |
| 361 | Cosses on mastee holdings | • | • | • | - } | 1:8 |
| 302 | Maxfee holdings in jagbire estates . | • | | • | 1 | 130 |
| | CHAPTER IV -Becombs. | | | | | |
| 303 | New system of record a dopted | | | | | 140 |
| 301 | Description of the record | | | | -1 | 140 |
| 305 | Attestation | | ٠ | | ٠. | 140 |
| 306 207 | Distribution of the revenue assessed | • | • | • | H | 141 |
| 207 | Completion of the settlement mist . Receipt books given to each owner . | • | | • | ٠. | 141 |
| 203 | meethe podes kives to each owner . | | | • | 1 | 141 |
| | CHAPTER XVI -MISCELLAVE | 270 | | | ١ | |
| 209 310 | Mbairwarra villages in which the revenue is | spain | d | • | | 141 |
| 311 | Circle of keadmen | : | : | : | .1 | 143 |
| 313 | Lumberdars | : | : | : | Ш | 143 |
| 13-314 | Patels | | | | | 143 |
| 815 | ilsadmen in jegtire villages | | | | | 143 |
| 16-317 | Patwarees | • | | | • | 143 |
| 318 | Jagbire Pniwarces Chowkeeders | ٠ | • | • | • | 145 |
| 320 | District Lunds | • | • | • | • | 145 |
| 821 | ettlement charges | : | • | • | : | 145 |
| 813 | Notice of officers . | - | | - | 1 | 146 |

APPENDICES.

| | | PAGE. |
|---|------|-------|
| AList of tanks whose water revenue has been separately assessed in | n s | |
| lump sum | | 148 |
| B.—Statement showing the collections of farmers | | 151 |
| C.—Statement of area of Istumrar Estates under the Court of Wards . | | 152 |
| D.—Territorial distribution of Mhairwarra | | 153 |
| E.—Statement showing territorially the revenue and cesses of Mhairwarra | | 154 |
| F Statement showing water revenue and cesses | • | 155 |
| G.—Statement of Bhoom holdings | | 156 |
| H.—Government tanks other than those whose revenue has been assessed | in s | |
| lump sum | • | 162 |
| I.— Total revenue of Ajmere District from 1849-50 | | 377 |
| J.—Prices of produce during the famine of 1868-69 | | 178 |
| K Form of settlement misl | • | 179 |
| L.—Area of jaghire estates and Bhoom | | 200 |



under one officer in A.D. 1842, and now form the charge of the Deputy Commissioner of Ajmere-Mhairwarra. The immediate revenue, magisterial, and civil jurisdictions of Mhairwarra are vested in an Assistant Commissioner whose head-quarters are at Nyanuggur, the only town in Mhairwarra. The sudder station, however, takes its name from that of the pergunnah in which it is situated and is known as Beawar. The head-quarters of the Deputy Commissioner are at Ajmerc, from which place Beawar is 83 miles distant. The united districts form also a Chief Commissionership under the Foreign Department of the Government of India, the Chief Commissioner being the Agent to the Governor-General for the States of Rajpootana whose head-quarters are at Mount Aboo. The controlling authority is vested in a Commissioner with the powers of a Sessions Judge, whose head-quarters are at Ajmere, and under whose direct management are placed the Police, Registration, Jails, and Education of the province; departments which in larger administrations are kept distinct.

- 3. The Aranali Range.—The Sanskrit word "Meru," a bill, is a component part of the names of both districts, and the distinguishing feature of the country is the Aravali Range, the "strong barrier," which divides the plains of Marwar from the high table-land of Meywar. The range which commences at the "ridge" at Delhi first crops out in any size near the town of Ajmere, where it appears in a parallel succession of hills, the highest being that on which the fort of Taraghur is built immediately above the city, and which is 2,855 feet above the level of the sea and between 1,300 and 1,400 feet above the Ajmere valley. The "Nagpahar," or Serpent Hill, three miles west of Ajmere city, is nearly as high. About ten miles from Ajmere the hills disappear for a short distance, but in the neighbourhood of Beawur form a compact double range by which the pergunnah of Beawur is enclosed. The two ranges approach each other at Jowaja, 14 miles south of Beawur, and finally meet at Kukra in the north of the Todghur Tehsil, from which village there is a succession of hills and valleys to the furthest extremity of the Mhairwarra District. The range on the Marwar side gradually becomes bolder and more precipitous till it finally meets the Vindhya Mountains near the isolated Mount of Aboo.
- 4. The Watershed.—From the hills which bound the Ajmere valley, the country slopes to all points of the compass, and the range of hills between Ajmere and Nusseerabad marks the watershed of the Continent of India. The rain which falls on the one side finds its way by the Clumbul into the Bay of Bengal, that which falls on the other side is discharged by the Looni into the Gulf of Cutch. Further south the watershed is still more clearly marked and is the high wall of rock which separates Marwar from Mhairwarra. The portion of Ajmere, east of the range which connects Srinuggur with Rajghur including the pergunnah of Ramsar and the estates of the Talookdars generally, is an open country with a slope to the east and broken only by gentle undulations. West of the Nagpahar the pergunnah of Pooshkur stands quite apart from the rest of the district and is a sea of sand.
- 5. Passes.—Mhairwarra is a narrow strip about 70 miles long and with a varying breadth of from 15 to 1 mile. There are no important

mantains; the highest hills are to te met with about Todybur where the peaks attain an elevation of 2,555 feet ah we the level of the sea. The average level of the valleys is about 1,500 feet. In Lover Minitworra, corresponding with the Teheil of Beawur, there are three well-known passes. The Barr Pass on the west iv a portion of the Imperial road from Agra to Ahmedabad, is metalled throughout, and kept up by Imperial Funds. On the eastern side are the Pakharra and Sheopoora Châtis, the first leading to Massoodh, and the second to Meswar, and held are under the District Committee. In Upper Minitwarra or the Todyhur Teheil there are the Kachbuli, Pupli, Umdabati and Diwer Passes, leading from Minitwarra into Marwar, These are mero mountain tracks through which the salt of Pachbudra and the grain of Meywar are extracted with difficulty on Benjara builceks. There are no passes deserving of the name in Ajmere; the road to Poosikur six miles east of Ajmere passes through a dp in the Nagpabar range and is metalled throughout from local fonds.

- 6. Rivers and Streams -As a necessity of its position on tho watershed of the continent, the district is devoid of any stream which can be dignified with the name of a river. The Bruns River which takes its rise in the Aravali about 40 miles north-west of Ooderpoor touches the south-eastern frontier wishout entering the district and affects only the setumrar pergunnah of Sawar. This river during the rains is unfordeble for many days, and as there are no ferries, trivellers from Kotali and Decleo only cross into the Ajmero District by means of bents extemporated for the occasion. Besides the Bauss there are four streams, the Kharce Nuddee, the Das Nuddee, the Sagarmets, and the paraswatce. These pro mere rivalets in the hot weather over which the foot-pasterger walks unbeeding, but become torrints in the rains. Nother they nor the Banns are used for the transport of product. The Klime Nuddee takes its rise in the State of Oods; poor, and after forming the boundary between Meywar and Ajmere falls into the Banns at the northern extremity of the Sawar Pergunuab, The Das Nudder is arrested lu the early part of its course by the Nearn embankment. Thence it flows by Serwar (belonging to Kishenghur) and Baghein and eventually also empties itself into the Banas. The Sogarmatee rises in the Ana Signr Links at Ajmere, and after flowing through and fertilizing thin Ajmere valley, takes a sweep northwards by Bluonta and Pisangua to Govindghur. Here it meets with the Spraswatee which carries the drainings of the Possikur veller, and the muted stream from this point till it falls into the Rann of Cutch is designated the Looni or Salty River, and it is on this stream that Marwar chiefly depends for what fertility it bas. The affluents of these streams are many, and there are some independent streams running northwards into the Samthur Lake, but none of them have obtained a name, and they are mere drainage channels turning only in the rainy season.
- 7. Water-apply for irrigition.—There is no permanent supply in the wells of the district; they all depend upon the randall, in the Ajmere District where the beds of the nullsha merandry n sufficient mucunt of water is absorbed during the rains to supply the wells on either bank, but wells on only profitably be made within a sicri distance from the stream, and beyond that stretches nonringated layd to the

base of the hills on either side. In Mhairwarra where the beds of the drainage channels are rocky and the slope of the country greater, the rainfall if unarrested rapidly flows off into Marwar and Meywar, and but little benefits the country as the soil is shallow and unretentive of moisture. The configuration of the districts with a more or less rapid slope from the watershed, rendered it imperative to provide for the retention of the rainfall by artificial means, while the undulations of the ground and the gorges through which the hill streams had worn a passage, rendered it practicable to retain the rainfall by a system of embankments.

- 8. Old Tank embankments.—The idea of such embankments was one which early presented itself to the minds of those conversant with the district. The Beesalya Tank was made by Beesil Deo Chohan about the year 1050 A. D., his grandson, Ana, constructed the Ana Sagar; the tank at Ramsar was built by Ramdeo Pramar. In Mhairwarra the large tanks of Dilwara, Kalinjar, Jowaja, and Balad date from long before our rule. They are a wide earthen embankment generally faced on both sides with that stones laid horizontally, and closing gorges in the hills. With ordinary care they will last as long as the hills which they unite, and their construction furnishes a substantial proof that before our rule the principles of subordination and co-operation were not unknown in Mhairwarra.
- 9. Description of these works .- The tank embankments of the district at present number 419, of which 168 are in Ajmere, 183 in the Beawur Tehsil, and 68 in the Todghur Tehsil. They have been often described, and Colonel Dixon, in his "Sketch of Mhairwarra", Chapter XII. et sequitur, has given a very full account of them. The best site for an embankment is a narrow gorge, where by uniting the hills on each side the drainage of the valley above can be stopped, and the water thrown back to form a lake which will irrigate direct by a sluice and feed the wells below by percolation. Such sites are however very limited in number and nearly all of them have been already utilized, though in many cases the embankment is capable of much improvement. In the open parts of the district, where Colonel Dixon made a large number of tanks, the embankments run a considerable distance from one rising ground to the other. Some are nearly two miles in length. The centre portion of the dam arrests the flow of a drainage channel, and the water spreads on each side to the rising ground. Every tank is provided with an escape to prevent the water topping the embankment during floods. These tanks are generally very shallow and seldom have any water in them after the autmun harvest has been irrigated. Colonel Dixon attempted at first to form earthen embankments, but the soil is so devoid of tenacity that the plan was early abandoned. There are three kinds of embankments in the district: Firstly, a wall of dry stone backed by an earthen embankment and faced with a coating of mortar; there is generally a dry stone retaining wall in these embank-ments. Secondly, a masonry wall backed with earth, the masonry and embankment being of greater or less strength in proportion to the weight of the water to be retained Thirdly, a wall of masonry without any embankment. This last is the best and was adopted in the more billy parts of the district where the gorges did not exceed 100 yards

in width. Similar to these are the small massory weirs thrown across a nullah in its course through the hills, in order to ensure a supply to the wells on either hale.

- 10 History of their construction With the exception of the few tanks constructed before 1818 and seven tanks built by Colonel Hall in Mhairwarra the rem inder owe their existence to the onaidot and untiring energy of one man who ruled Whairwarra from 1938 to 1812. and the onited districts from 1942 in 1857 when he died at Beawur The name of Colonel Dixon will be remembered in Arrere and Mhairwarra for many generations For years he worked steadily at this single object without help or sympaths, and without much encourage. ment, for until the works were c mul t d they attracted hat little atteotion, and the district was too remote to allow of the Geveroment of the North-Western Provinces taking at first an intelligent interest to the norl . With soch help as his Tehsildaes and a few trained Chapprassees could give Columel Dixon constructed all these works, and it was only in 1553, when the tanks had been completed, that the appointment of an Uncoveninted Puropean Assistant was saccioord Nothing wirthy af not was done after Colonel Dixon's death tall the estab ishment of the A inners Irrigation Division of Public Works in the beginning of 1863. The tack, which has now been constructed at the jightre village of Bir, is a fine example of the best class of tank embankment,
- Il Affects of the tanks Colonel Dixon was of elimion that the tanks had raised the water level of the country, and there is no doubt that subsequently to their construction wells were made in many places where the experiment had before I een tried and proved innuccessfol, The oning in of a Committee assembled in 1874 to discuss the splined of water revenue assessment was that about half the wells in the district owed their supply to filtration from the tanks Major Llad, Deputy Commissioner, writing in 1860, was of opinion " that from the moisture preserved in the soil and the great increase of vegetation they have helped to create, the reservoirs have been to some extent instrumental la causing the increased supply of rain which his becomeasure t in tho last few years" There has been another ondoubted effect of the res rveirs, and this is a deteriorating influence. This is il'throughout the perguniah of Ramsar is impregnated with salt, and the effect of tha pressure of the head of water to the tank and the couldary attraction of the water used in irrigation has been to force up impure salts to the surface. Not much land has been reodered eatirsly unculturable, and if this laid gets manure, it wilds axcellent crops, but without minnre the find vields a very inferior return. The village of Nearan, where is one of Color el Diann's largest reservairs, as generally brought forward ss an instance of this effect, and here it has been found occessary to reduce the agreesment twice within the last 20 years
 - 12. Preduce of the lasts.—Nearly all the tanks are dry hy the month of March, and the bels of his majority are cultivated for a spring crop. There is no produce from the reservoirs themselves. Water not are not grown, and Caheries are unknown. The people do not eat fish, and it is only in the Aus Sagar and the sacred lake of Poother that few permanently cast, while religious prejudice prevents their being killed to the latter lake.

- 13. Natural reservoirs —Besides the artificial reservoirs there are four natural reservoirs in the district which in less dry countries would hardly deserve mention. These are the sacred lake of Pooshkur and the lake known as old Pooshkur near the former. Both are depressions among sand hills without any outlet, but exercise a considerable influence by percolation through the sand hills on the low sandy bottoms in their vicinity. In Mhairwarra there are two natural basins, that of Surgaon, and that of Karantia, both near Beawur. A passage for the escape of the water of the former has been cut through the encircling sand hills, and the bed is now regularly cultivated for the spring crop. That of Karantia lies amongst hills and is of no use for irrigation.
- 14. Communications—Roads.—The famine of 1869 gave a great stimulus to the construction of metalled roads. Before that year the only metalled roads in the district were 14 miles between Ajmere and Nn-secrabad, and seven miles between Ajmere and Gangwana on the Agra road. Now the Agra and Ahmedabad road is metalled throughout from the border of Kishenghur territory to the border of Marwar. From Nussrerabad a metalled road extends to the Cantonment of Deolee, 56 miles, and another in the direction of Neemuch and Mhow now rapidly falling into disrepair. Mhairwarra was a country without roads before the famine, but it now possesses a tolerable road to Todghur and fair roads over the Pakhuriawas and Sheopoora Passes into Massooda and Meywar. Except station roads and roads to Pooshkur, six miles, and to Srinuggur, ten miles, there are no metalled roads under the District Fund Committee.
- 15. Railways.—The R ilway between Agra and Ajmere is rapidly advancing towards completion, and the earthwork has been finished to Ajmere. The Western Rajpootana Railway Survey has completed the regular survey of the line from Ajmere to Ahmedabad which will connect Agra with Bombay. A Railway from Ajmere to Nusseerabad has been sanctioned, and its extension through Neemuch to join the Holkar (State) Railway is only a matter of time. All these Railways have been or will be laid on the metre gauge.
- 16. Telegraph.—There are two Telegraph Stations in the district, one at Ajmere, and the other at Nusscerabad. The total number of messages sent from the Ajmere Office in 1873 was 3,471; from the Nusscerabad Office 962, total 4,453. The Ajmere Office received 6,265 messages, and that of Nusscerabad 1,255, total 7,520. The telegraph receipts in the Ajmere Treasury for the year 1873-74 on account of Rajpootana were Rupees 16,793, the disbursements were Rupees 31,525. Until 1872 there was a third station at Beawur, but it was found not to pay, and was closed in that year much to the regret of the residents of the rising town of Nyanuggur. The Western Rajpootana Railway, however, will pass close to Beawur, so before long Mhairwarra may hope to obtain a Telegraph Office.
- 17. Post Office.—There are five Imperial Post Offices in the district—Ajmere, Nusseerabad, Beawur, Declee and Kekree, but the latter was converted into a branch office in 1871-71. On the reorganization in 1871, a Chief Inspector of Post Offices was sanctioned for Rajpootana, which had previously been under the Postmaster-General of the North-Western Provinces. The revenue of the Post Offices in Rajpootana for the years

1873-74 was Rupees 104,488, the expenditure Rupees 1,33,654 The following stitement shows the number of covera sent for delivery through, and received for despatch from, the Imposual and District Peet Offices for the years 1860-61, 1865-86, and 1870-71. Statistics of the District Peet are not 1 receivable for 1860-61.

| | | Reci | IVED | | Posten | | | | |
|----------------|----------|----------------|----------|-------|---------|----------------|---------|-------|--|
| NAME OF TEAR. | Latters. | News papers | Parcels. | Books | Letters | News papers | Parcels | B∞ks | |
| Imperial Post | <u></u> | | | | ' | <u>'</u> | | | |
| 1561-62 | 801 850 | 12 130 | 8,613 | 2,120 | 282 ~90 | 6 055 | 1 255 | 447 | |
| 1*6>66 . | 374 632 | 26 203 | 3,753 | 3 149 | 8 6 215 | 3 86L | 1,479 | £°1 | |
| 3840 71 | 367,936 | 81,337 | 3 533 | 6 825 | 572 687 | 3 950 | 2374 | 2 660 | |
| District Post. | 1 | 1 | [| 1 | 1 | ĺ | | | |
| 1865-66 | 21 635 | 873 | 225 | | 23 633 | 81 | 76 | _ | |
| 1570-71 | 16 3GS | 1 413 | 578 | - | 17,533 | 60 | 141 | | |

18 Menerale -The Geological Survey has not yet been extended to this district, but the Aravah Hills well repay the labor of the Geologut They abound in minoral wealth, though for many years this source of revenue has been extinct. The Targhur Hill is not in lead, and cor per and from mines have been worked, but did not pay their experses The lead mines of Taraghur were farmed by the Muhrattas for Rupees 5,000 yearly, the custom being for the miners to receive three-fourths of the value of the metal as the wares of their labor and to cover their esperses in sinking shafts Mr. Wilder, the first Superintendent of Aprece, took the mines under direct management, and they produced annually from 10,000 to 17,000 manuals of lead which was sold at Rupees II per mani d The Ajmere Magazine was the chief enstomer, and on its cessing to take the metal in 18t6 the mines were closed. The lead is universally allewed to be purer and of a better quality than European 11.z-ead, and it is chiefly nwing to the want of fuel and of proper means of transport that it has been driven from the market. When landed in Agra which is the nearest market, the lead costs Rupses 16 a machd, ar one-e ghtle more tran the same quantity of higheli lead. Perhaps the extension of a rulway to Almere may revive this now extinct industry , the miners who were the people of the Indurket still live in Ajmere, but the demand for the metal, the ullapring of the troublous times in the beginning of the century, no longer exists.

10 Stone Products - Good building materials abound throughout the district, and stone is largely need for purposes for which wood is templored elsewhere in India. Door frames are often made of sitne, and the best roofing is formed of slab-stones resting on srches or on stone beams, while thin alabs have lately been used as slates. Slab-stones are used for roofing, for figgitones, and for spanning culverts.

The best quarries in the vicinity of Ajmere are at Sillora (in Kishenghurterritory) and at Srinuggur, where slabs 12 or 14 feet long by 3 or 4 feet or even more in width can be obtained. At the former place beams 20 feet or upwards in length by 1½ feet in width are procurable. Near Beawur slabs not quite so large and generally too hard to be dressed with a chisel-are quarried at Abitmand. At Kheta Khera, about 6 miles north-east of Beawur, limestone slabs are found which can be dressed. Near Todghur good slabs have not been found, but beams 10 or 12 feet long and uneven in thickness are procurable. Good slab-stones can be got at Deoghur about 10 miles south-east from Todghur, but the roads are not good enough to allow of their being carried any considerable distance.

- 20. Suitable clay is not obtainable for bricks, and bricks are seldom used, but for rubble masonry stone is everywhere to be met with. The best quarries are in the range of hills running from Kishenghur between Ajmere and Nusseerabad and down the east side of Mhairwarra. The stone here is found in slabs of almost any size, both sides perfectly parallel, and if it is carefully quarried one smooth face can generally be obtained. For Ashlar work limestone, granite, and marble of a coarse kind are procurable while sandstone is brought from a distance in Marwar.
- 21. Lime.—Lime is burnt from kankar and from limestone, and the latter description is preferred by the Natives. The limestone generally used in the city of Ajmere is a grey stone obtained near the village of Nareilli, about 6 miles from the city. The lime burned from this stone is not very pure, but is tenacious and bears a large admixture of At Makhopoora, Kalesra, Kholai, and other villages a pure white limestone is found, but the stone is hard and difficult to burn. Limestone is also found in abundance near Beawur. Kankar is to be met with in all parts of the district, but varies considerably in quality as a carbonate of lime. That which breaks with a blue fracture, and which when breathed on causes the moisture to adhere, is considered fit for lime-burning. Kankar lime has higher hydraulic properties than stonelime and is generally used by the Department of Public Works. material however producing good hydraulic lime has yet been discovered in the district. A natural cement called "kaddi" is brought from Nagor, 80 miles north-west from Ajmere. It has been examined in Calcutta and pronounced to be" a very valuable and hydraulic cement" when carefully burnt. It is however generally over-burnt and disintegrates when exposed to water, and is consequently only used by the Natives for the i sterior of their buildings.
- 22. Road metal.—Materials for road-making are everywhere abundant. For heavy traffic broken limestone, the refuse of a slab-stone quarry or granite, is more suitable and lasting than kankar, which, though it very generally distributed, is not found in blocks, and which, though it makes a smooth even road, does not stand heavy traffic. For district roads any coarse britle stone if not too micaceous or an inferior kind of gravel called "barha" may be substituted for stone or kankar. Both descriptions of material are to be met with in all parts of the district, are easily dug, and answer the purpose very well where the traffic is light,
- 23. Forests.—In old times the hills about Ajmere were probably covered with scrab jungle, and where the growth has been unmolested,

ne on the west side of the Nagpahr Hill, there are still some trees on the hill et le. With his creet tion, however, the Ajmere District was deninded of trees long before the e-minencement of British rule, and the Mahratias are generally given the errit of the denindation. The parts of Mhairwarra adj cent to Ajmere are described by Mr. Willer, an ero witness in 1819, as an "impenetrable jungle," through now, except in the extreme south, where there is no local demand, and from whose carriage till recently was quite impracticalle, Mhairwarra is not much better off in this respect than Ajmere. The trees which existed could only have been seen but the best, and the demand of the town of Beawur, of the Cantonment of Nosscrahud, and for wood to burn lime for the tank embankments, jound to the absence of all attempts in replacing what was destroyed, has left but few irres in any necessible part of the district, and wood of all kinds is exceedingly scare, and dear.

- 2) The indigenous trees are the habil, nim, and khejra, which are generally found on the jlans and on the low slopes on the hilts; dhos and kher are met with on the intermediate slipes, and sall recorpies the summits. Of these the bible is the only tree which furnishes need meetin for any other purposes than find. The pipal and har too ffewer religies a and Indice) are also finall, but only to favoared localities. In place of trees the hills about Apines are exercised with 'tor' hosh or Empioch is, which is cut and direct and used largely for fool in the city. This indigenous trees will all growersile from seed, and if the rainful is favourable planted trees require no artificial ringstion. The Lophurbia is easily transplanted and stakes root at one.
- 25 The exetic kinds of tree are difficult to rear and will only grow nour wells or after having been artificially irrigited. They are the farmel, sirls, gular, tamirind, mohan, mango, ja mun, seesham, the cork tree, and a few others. None of these will grow on the h li sides and only thrive in good soil, while the necessity of irrigating the plants when young renders their uniture expensive. Colinel I ixon devited much attention to the planting of trees as d the gardens of Amere, and the min trees of Beawer owe their existence to him After his death, however, no attempt was made either to plant in the plans or to refuses the hills as they rapidly became have In 1871 thorem. ment sanctioned the proposal for the as pointment of an Assistant topseriator and Sub Assistant Conservator of Forests, more for the paragraph of creating than of conserving forests. Threst niciations in Americans not intended as directly probable speculations on the jart of Government; their principal ann an i object is an indirect an I climatic advantage to prevent the rainful rushing down the bare bill sides carrying in its course what I tile soil remains, and to cause it to peretrate into the crevices of the ricks and fill the springs. The roots of the trees and the vegetation will relain and create soil on the steep slopes, while the lo vering of the temperature of the bills may ultimately have the effect of couring the clouds, which now too often pass over the district, to just with their moisture within its boundaries
- 26 Apait, however, from the intrinsic difficulty of refriesting the and hills it was not easy to ultim the land. The waste had been made over to the village communities by the sattlement of 1850.

they had of old been made use of by the people for grazing purposes, and as a support to fall lack upon in years of distress by the sale of wood, and it was naturally the hills where there was most wood that the Forest Officer was most auxious to take up and the people most loth to part with. It was therefore determined to resume the management of cermin chosen tracts and to take up the land under an ordinance of the Governor-General in Council, the proprietary right to vest in Government as long as the land is required for forest purposes and the villagers being allowed certain privileges as to cutting wood and grass. A total area of 54,746 neres has been selected, 7,045 acres in Ajmere, 7,516 in Benwur, and 40,185 acres in Todghur. It is intended to exclude all gents, cuttle, and fires, and to scatter seed broadcast in the rains without going to the expense of artificial irrigation. Several nurseries have been established in all parts of the district, especially in the Government Gardens near Ajmere, and land has been taken up and planted in the estates of the Talookdars under the Court of Wards. There are no fruit gardens except in the suburbs of Ajmere city, and mangoes, though tolerably plentiful, are stringy and bad.

27. Wild animals and game.—There is not much cover for large game in the district, but leopards are found in the western hills from the Nagnahar, where they are regularly trapped down to Diwer. Hyenas and wolves are rare. Tigers are said to stray newards now and then from the southern portion of the Aravali; but if they do come, they find no cover nor water and go back again. Rewards are given for the destruction of wild animals—Ruppes 5 a female leopard, and Rupees 2 male leopard, female wolves, and hyenus. The males of the last two animals are paid for at 1 Rupce a head. The total amount expended in 1-73 on the destruction of wild animals was Rupees 43. No rewards are given for snake-killing. The number of deaths from snake-bite recorded in 1873 was 30. Wild pigs are preserved by most of the Thakoors who have large estates, for pig-shooting is the favorite amusement of Rajpoots. There is also a tent club at Nus-ecrabad which extends its operations beyond British territory, but the pigs love the shelter of the kills, and in many places the ground is too rough and stony to ride over. Autolope and ravine deer are in no great numbers, and are shy and difficult to approach. Of small game the bustard occasionally finds its way in from Marwar; and florikin pre met with when the rains has provided cover for them. Geese, duck, and snipe are found about the tanks in the cold weather, but good snipe ground is very limited and three or four brace is a good day's bag. The small sandgrouse is found in abundance, the large sandgrouse is rare. Hares were nearly annihilated by the famine and have not yet recovered their numbers. The quail-shooting is tolerable, and the common, grey, useless, partridge cries in every direction.

28. Subdivisions.—The District of Ajmere in Colonel Dixon's time contained three Tehsils, Ajmere, Ramsar, and Rajghur, which were established in order to provide constant supervision of the tanks. The Rajghur Tehsil was abolished after Colonel Dixon's death, and the Ramsar Tehsil was abandoned on the reorganization of the district in 1871. Ajmere proper has now only one Tehsil at head-quarters. The owners of the Istumrar Estates, which in area are more than double the khalsa, pay their revenue direct into the Sudder Treasury without the interven-

tion of a Sub-Collector. Mhairwarra is divided into two Tebeils, thut of Beawur and Tedghur. A third Tebeil, thut of Saroth, was after Colonel Dison's deuth amilgamated with Beawur. Ajmere contina twelve perguinah, of which Ajmere P. ... Band a Park and Albaha, Kekree has ono Bhinne Massooda, Sawa . : by Istumrirdars. The Military Contoument of Nosserrabad with the surrounding villages forms a Civil Sul division, and Kehree has been placed under an Extra Assistant Commissioner. The Tehsil of Beawur contoins the pergunaahs of Beawur, Jak, Chong, and Saroth. Beawur is British territory. Jak is British territory, but belongs chiefly to the Thicknors of Massoods and Kharwa. Chang belongs to Marwur, and Suroth belongs to Morwer. The pergunnah of Beawur was at various times subdivided into four pergunnalis and their names still occasionally crop up and breed confusion. The distant villages of Beawir pergunnah were formed into a separate pergunnali of 33 villages and annexed to the Saroth Tehal under the name of Pergunnah Jowsia. The Pergunnah of Litana consists of eight villages founded by Colonels Hall and Dixon in Meywar wisto, and the Berkochran Pergunnah has the same origin and contains nine villages The Teheil of Todghar contains four pergunnaliz, of which Bhaclun is British territory , Lot Kerana belongs to Marwar ; and thwor and Todghar belong to Meywar. At the recent settlement the hand has been divided into assessment eircles, and statistics have been compiled according to encles and not according to pergunnulz.

29. Rainfall.—A statement is appended showing the minfall measured at the Stations of Ajmere, Bawar, and laddlur from the year 180 Since 1803 by rain gauge at Ajmere has been pieced in charge of the Meteorological Department, which is superintended by the Circl Surgeon. The registers of Beawar and Todghur are in charge of the Tehnillars.

| Year | Atu | REEKLY | | Baswer. | | nts | RSVASTA. | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | luches. | Cests | 1 pches. | Cente | Inches | Cents | 1,-22.2. | |
| 1800 . 1801 . 1802 . 1802 . 1804 . 1804 . 1804 . 1809 . 1809 . 1809 . 1872 . 1873 . | 10 25 43 27 17 16 27 27 27 27 22 22 21 21 | 77 50 40 84 74 47 10 27 25 92 97 70 | 6 19 42 22 20 10 16 16 5 17 17 21 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 | 19 49 69 69 69 69 69 69 69 69 69 69 69 69 69 | 12 18 23 21 21 26 21 21 21 21 21 21 21 22 21 22 21 22 24 25 25 25 26 26 26 27 27 27 27 27 27 27 27 27 27 27 27 27 | 36 60 18 6 8 9 7 2 4 90 20 10 | Scarelty. 20 inchre is August. 13 inches in August. Famins. 13 inches in September. | |
| Avenge | . :2 | ;2 | 18 | 23 | 20 | 10 | | |

- 30. This table, which is not perhaps quite reliable, gives an idea of the precariousness and partiality of the rainfall. The province is on the border of what may fairly be called the " avid zone," and is the debatable land between the north-eastern and south-eastern monsoons, and beyond the full influence of either. The south-west monsoon sweeps up the Nerbudda Valley from Bombay, and crossing the table land at Neemach gives copious supplies to Malwa, Jhallawar, and Kotah and the countries which lie in the course of the Chambul River. The clouds, which strike Kattywar and Kutch, are deprived of a great deal of their moisture by the influence of the hills in these countries, and the greater part of the remainder is deposited on Aboo and the higher slopes of the Aravali, leaving but little for Mhairwarra where the hills are lower, and still less for Ajmere. It is only when this monsoon is in considerable force that Mhairwarra gets a plentiful supply from it, and it is only the heaviest storms which get as far Jodhpoor, where the average rainfal does not exceed 4 or 5 inches, while beyond this is the ramless land of Sinde. The north-ea-tern monscon sweeps up the valley of the Ganges from the Bay of Bengal and waters the northern part of Rajpootana, but hardly penetrates furth r west than the longitude of Ajmere. On the conflicting strength of these two monsoons the rainfall of the district depends.
- 31. The prevailing wind during the rainy season is a south-westerly one, but there is but little rain which comes from this direction. The south-west-monsoon is exhausted before it reaches even Mhairwarra, and if this monsoon is in the ascendant, the weather will be cloudy, and there will be light and partial showers, but no heavy rain. When the wind veers round to the west, as it often does, there will be no rain. It is from the north-east that Ajmere, Beawur and Todghur obtain their heaviest rainfalls, though the south-western monsoon has naturally more effect a. Todghur than at Ajmere. The central portions of the province often receive heavy falls from the north-west, the north-east monsoon being apparently diverted from its course by the winds from the desert. The direction of the wind is most changeable and the rainfall is exceedingly partial.
- 32. Not only, however, is the rainfall most precarious and partial, varying in total amount very much from year to year and from place to place, and falling with fury upon one side of a hill, while the other side is re-fectly dry, but it is most irregularly distributed over the rainy season, and most uncertain as to the intensity of the fall. This last question is a most important one with reference to the filling of the reservoirs. If the rain fall in light showers, even though it be on the whole an average fail, the soil will absorb it, the nullahs will not run, and the tanks will remain empty. If the fall is sudden and heavy and at the same time general within the catchment area of a tank, the chances are that the embankment will be damaged. The best rainy senson is one which includes a fall of 3 or 4 inches in the 24 hours in June, and a similar fall in September with intermediate showers; then the tanks fill, and are replenished for the rubbee harvest, and the khureef crop is not drowned with excessive rain.
- 33. These peculiarities may be illustrated from the history of the years for which the rainfall has been given. The years immediately

before 1860 were years of heavy rain, averaging in Ajmere over 80 inches, but the rainy staron of 1860 was a very bad one: what rain there was fell to showers insufficient to fill the tanks, and there was no rain in September. The khareef bervest fuled, and but that Marwar bad fertunately good rains and form-hed supplies of both grun and grass, the secretty which ensued would have amounted to a familie north-east monsoon faned over the North-Western Provinces this year, but Marwar got more than its usual supply from the south-west. In 1:81 the north east mooncoon appears to have been in the ascendant, but lardly reached to Todghar. 1862 was a year of extraordinarily heavy rain, the fall was apread over a long time, and was not violent enough to damage the tanks The kl meef failed, however, from excess of m stare, but the ral bee was splendil. In 1864 there was no average fall but it all fell before the second week in August. In 1-65 there was no rain till the second week in August, and it ce sed entirely in the second week of September, only I meh 18 cents being registered in Amere in that month There were some heavy showers, however, which filled the tanks. In 1866 the rams began in the second werk of August ard fell continuously till the end of the month. In some places the tanks were not filled, in others there were very heavy falls. But for the tanks each of these three seasons would have been one of very severculations. The year of 1867 was favourable, but the full awing year was one of famue, the average fall of all be statums being only 7'4 mehes Tho rains of 1869 were not unfatourable as rigards the amount of the fall, but no rain fell till the middle of July, and there was no rain again for nearly two months. The rainfall of 1870 was below the avorage, but was pretty well distribut d. The last three years have been averige years, but the fall was pregularly dis'ributed. In Amore in 1571 there were 8 mehes during the month of June, and half an inch in August. In 1879 there was one moh in June, and 18 incl es fell in August. The rainfall of July and September was nearly equal In 1873 the greater portion of the run fell in July.

33 Chief Thurs, Agnere — Ajmera has a population of 26,629 according to the census of 1872, and is the largest town in the distint. It is built on the lower slop of the Taraghur Hill, is surrounded by a stone walk, and possesses five gateways. The town is well built, with some wife and open streets, and several fine houses. About cur-limit of the p-polation is Mahomedan, nearly all Khadi ns of the shinne of Minhimud din Chiefi. The town was formed into a Minicipal ty under Act VI of 1868 and the meane in .872 was Rupers 26,0 0. Of this sum Rupers 22,278 are due to octor, and Rupers 2,104 to notical garders. The expenditure is well within the nonce, at the end of 1872 the Minicipality had a bilarce to its credit of Rupers 2,002, if which Rupers 2,1500 hall be in interied in Government laper. A project of diamage of the valley, which is much medal and which has been very long in preparation, as well as other necessary improvements, will, it is loyed, soon stook bith balance.

55. Selás - Ajmere is the residence of the heads of several important firms of Seths, who have establishments throughout Rajpootana and in other parts of India, where they carry on a trade in grain, cotton. and opium. In Ajmere their chief occupation, almost their sole occupation, is that of banking business proper, and is confined to the sale and purchase of hoondees, especially hoendees for the payment of tribute due by Native States. Their money-lending business has much dimini-hed within the last few years, owing to the Istumrardars, who were their principal constituents, having been prevented from borrowing, and to the action of the Courts in giving decrees with protracted instalments. The Seths complain that this procedure of the Courts has rendered the village bunnas indifferent about paying their debts when they are due, and the Seths find the return of their money so slow as to render it no longer profitable to lend.

- 36. Indurkot.—The original town of Ajmere was built inside the valley, through which the road leads to Taragaur, and this place, known as Indurkot, is still the residence of a number of Mussalman families, Sheikhs, l'athaus, and Synds. These people state they are the descendance of the soldiers who came to Ajmere in the time of Shahab-ud-din, and are a peculiarly dark race; they own no land and get their livelihood chiefly by farming the gardens around Ajmere. The old "baoris" or reservoirs and the Juin Temple, to be hereafter described, are almost the sole relics of the ancient town.
- 37. Water supple.—The city is well supplied with water from the Ana Sagar Lake, but for drinking purposes the people almost universally use the water of the "Jhalra," which is a deep eleft in the rocks at the base of the Taragbur Hill, and which is filled by a never-failing spring. There is a similar natural spring on the Nusseerabad side of the city, which was opened out by Colonel Dixon and is known as the "Diggee."
- 38. Objects of interest. The Durgah.—The chief objects of interest are the Durgah, the Jam Temple, and the fort of Taraghur. Khwaja Mahin-ud-dim Chishi, the saint known as Khwaja Sahib, emigrated from toor to Hindustan in the year 1143 A.D. He first took up his abode on the hill which overlooks the Dowlut Bagh and subsequently at the Tripoliya Darwaja, where he lived till his death, which occurred, according to tradition, in the 97th year of hisage. After his death people began to make pilgrimages to his tomb, which commands the veneration of all Mahomedaus in India. The Durgah was commenced in the time of Shams-ud-dim Altamsh, enlarged in that of Ghiyas-ud-din, and in the reign of Akbar a mosque was built, now partially in rums. Shah Jehan built the present marble mosque. Gladwin relates how the Emperor Akbar performed a pilgrimage to this shrine, and the large pillars erected every two miles between Ajmere and Delhi to mark the route of the King are still in excellent preservation.

An "Urs Mela" is held for six days in the mouth of Rajab at the tomb of this saint, for it is uncertain on what day he died. One peculiar custom of this festival may be mentioned. There are two large chaldrons inside the Durgah enclosure, one twice the size of the other, which are known as the great and little "deg." Pilgrims to the shrine, according to their ability or generosity, propose to offer a "deg." The smallest amount which can be given for the large "deg" is 80 mannels of rice, 28 mannels of ghee, 35 of sugar, and 15 of almonds and raisins,

brailes saffrou end other spices, and the minimum cost is Rupces 1,000. The larger the proportion it spices, augus, and fruit, the greater is the glove of the donor. Tairty-two years ago the Nazir Ilmas of Jodhpoor offered a "deg" which cost Rupces 2,500, and its awest even is still releient in the precincts of the Durgais. The donor of the Irage "deg," besides the actual cost of its contents, has to pray about Rupces 20 as present to the officials of the shrine an las offerings in the tomb. The annul "deg" costs exactly helf the large one.

39. When this gigintie rice-padding is cooked it is looted boiling hot. Eight earthen pots of the mixture are first set apart for the foreign pilgrims, and it is the hereditary privilego of the people of Inducket and of the menials of the Durga to despoil the chalde in of the remainder of its contents. One In fort of seizes a large from ladle and mounting the platform of the "deg" ladles near vigoroudy. All the men who take part in this hereditary provilege are swad lied up to the ever in clothes to avoid the effect of the scalding flind, Euch tokes a ledle-full of the stuff in the skirt of his coat and not nucommouly finds the heat so overpowering that he is obliged to drop it. When the chaldron is nearly empty, all the induratorie tumble in together and scrape it elem. There is story that Imdad Khan, n Resaldar of Jodhpoor, wished on one occasion to make a fair and equable division scrape it eleun to all, and partially accomplished his project, but on his return from the featival he was atricken by a ballet directed by an unseen, if not supernatural, hand and died. There is no doubt that the custom of looting the "deg" is very notient, though no eccount of its origin can be given. The number of pilgrims at this festival is estimated at 20,000, but no having or selling is done except that of pediar's Wates.

40. "The Arker-den-ke He-pra."-From an untiquarian point of view the most interesting sight in Ajmere is the remains of a very uncient Jain Temple to the old town, which is known as the "Arhnidin-ka-Jhompra, or the temple of two and a half days. Various accounts of the origin of this name have been given, the most proba le perliaps, or at least the only one which does not rest on an inbourd appernatural barre, is that Shahab adedon on victing Ajmere ; essed the temple oo his way to Taraghur and enjouned that by his return in two half days It should be fit for 1 m to pay his devotions in Accordingly, by the appointed time, it was transformed into a Mshomedan mingue. The building is constructed of a fine grained yellow san istone, and consists of two thetract portions. The made is a full with a domed rouf aupported by lofty, graceful, and heautifully fluted pillers, after the fashion of the Jam Temple at Helhi. The ontside portion is a screen of Saracenio architecture covered with Arabic inscriptions. General Cunningham, Director-General of the Archeological Survey, writes as follows at out this temple :- "There is no builting in India which either for Ilstorical interest or archaeological importance is more worthy of preservation. It is the accord olde-t muerid in India, being only a few years later in date than the great Kuth Musjid at Delhi. In an archmological point of view, it is especially valuable as the great arch as surmounted by two small minarcts, one of which is inscribed with the

name and titles of Sultan Altamsh, the third Mahomedan King of Delhi. These minarets are, as far as I know, the first specimens of small mazinghs attached to a musjid. The Kuth musjid at Delhi has one single lotty minar, and we know that the two musjids at Ghaznee had only one minar each, the minar in all these instances being detached from the building. I am specially anxious therefore for the preservation of the great arch and the two small minarets which surmount it." The building is much out of repair, and estimates have been framed for the preservation of what remains. To restore the building to its integrity, to raise the fallen pillars and rebuild the broken domes will certainly cost more than is likely to be allotted for the work.

- 41. Taraghur Fort .- The Hill Fort of Taraghur, which has played so prominent a part in the history of the province, overhangs the city of Ajmere and commands it at every point. The walls of the battlements where they have not been built on the edge of an inaccessible precipice are composed of huge blocks of stone, cut and squared so as to make a dry wall of 20 feet thick and as many high. The space within the walls is 80 acres, and is much longer than broad with an acute salient angle to the south. There are several tanks inside the fort which are filled during the rains and generally contain water throughout the year. From 1x18 to 1832 the fort was occupied by a company of Native Infantry, but on the visit of Lord William Bentinck in 1832 it was dismantled. Since 1860 it has been used as a sanatarium for the European troops at Nusse-rabad, and the accommodation was increased in 1873, so as to allow of the residence of 100 men. The summit is crowned by the shrine of Meeran Hossein whose history has been related in Chapter II. The shring is endowed with three villages, the average annual revenue of which is Rupees 4,367. Immediately around the shrine are the residences of the khadims or servitors. Jubbar Khan, Chamberlain in the time of Akbar, built the mosque, and the present conspicuous gareway, from which there is a magnificent view of the surrounding country, was built by Gumanjee Rao Sindia.
- 42. Fort of Ajmere.—There is a massive square fortified palace built by Akbar on the north side of the city which from 1818 to 1863 was used as the Rujputana Arsenal, but has now been turned into a Tehsil and treasury. It is a prominent object in the landscape from all parts of the valley, but has no great pretensions to beauty. The marble palaces on the artificial embaukment of the Ana Sagar are now occupied by the Commissioner and Deputy Commissioner as residences and offices; and their beauty has been much marred by the additions necessary to convert them into modernized houses. New and more commodious court houses have been commenced and the offices will be removed thither when they are completed.

The city of Ajmere is in latitude 26° 26′ 30″ and longitude 74° 39′ 31′. It is 677 miles from Bombay and 228 miles from Agra.

43. Beavur.—The thriving town of Beawur or Nyanugur next claims notice as the chief mart of the cotton trade and the only other municipality in the district. The income of the municipality in 1872 was Rupees 17,035, of which sum Rupees 15,457 were contributed by octroi. The incidence of taxation per head of population was Rupees

1-12.6 while in Ajmerc in the same veer st was 13 annus 2 j re. The reserve in the hands of the municipality at the end of 1972-73 was Rupees 15,409. In the previous year it was over Rupees 17 000,

- 11 Nynnaggur is the only town in Mharwarra and is the creation of Colonel Dixon Refore 1535 there was only a small village of some 30 or 40 houses close to the Cantonment of Berwur, on the site of the present town Colonel Dixon issued notifications of his intention to huld n town, and in due course cand dates for 40 shops ny peared. The work was then commenced, the streets were marked off at right angles. the main streets having all readth of 72 feet and being planted on each side with trees. Mobillas were allotted to the different castes, and as the town grew and prospered, Government sanctioned the building of a wall of stone set in mud and plastered outside, which cost Ruyees 23 840, and which has lasted execulingly well. Colonel Dixon estimated the population in 1818 at 9 00 0 souls, but at that time it was probably not so large. The town now contains 2 021 houses with a population, according to the census of 1972, of 9 511 souls. The houses ore generally of inventry with slab-toofs There is a colony of smithe, whose from work is exported to Ajmere Megwar and Marwar, and also a colony of ilveis
- 15 Actree—With the exception of the town of Nusseeral ad, which his grown up with the cantonin ats there are no other towns in the district with a population above 5000. Actree has alout 5,000. This town is 50 miles from Ajmere and in the early veryof Br tish rulo hil fur to rival Ajmere as a trading mart. It has however, been long in a decluing state. I veept its position as regards habite iteratory tho town possesses no all antages in itself. Where of any kird is server and sweet water can only be of timed from wells sunk in the led of the tink adjoining the town. Ackne has a will and is the residence of an Ixra Assistant Commissioner, whose duties is receive listimatal large flowers have been much dim uished. The present officer is a brother of the Baja of Bhinai the clust salos large in the destrict and the appointment was made with the view of encouraging the gentry of the district table a greater interest in its administration.
- 16 Possibler —The great smethy of its lake equalled neconding to Colonel Tel only by that of Mansarowar in libet and its annual fair entitle P oshkur to separate minion. The town is preturesquily switch to in the lake with fulls on three sides, on the fourth side the varies difficial from the planes of Marwar have formed a complete that to the waters of the lake which has no ontlet, the neb the filteriton through the want lindle is cous lerable. The lake is fed from the Nagalant, and is in the form of an ellipse. On three sides, I taking glasts have been constructed and nearly all the princely and wealthy families of Rajacotana have houses round the maigin. The principal ones are the would by Raja Mary May of Jeypeor, Alelya Bia the Queen of fieldar, Josahur Mull of Bhortpor, and Raja Bijay Sing of Marwar. The pietr or shrewdness of the Brahman shapitorial places of worship for plagimus of cree y sect and there are 12 tenils an their thin mass and to have collected all the celestials to this place at to have the performed the Way.

disappeared on the hill to the south of the lake, where is her shrine. The most conspicuous and most fumous temple in the town is that of Brahma, said to be the only one dedicated to him in India. It was built by Gokul Pak, a Minister of Sindia, and cost about a lakh and a half of rupees. Another temple, built by Ana Deo, about 600 years ago, is that of Varahajee or the Boar, the second incarnation of Vishnu. The whole place teems with sanctity, and in accordance with ancient charters no living thing is allowed to be put to death within the limits of holy Pooshkur.

- 47. The population is about 3,750 and consists almost entirely of Brahmans. Of these there are two seets, those of Bara Bas and those of Chhota Bas. The former are the older inhabitants and have held the lands of Pooslikur in jagire since long before the Mogul Empire. These two seets have been perpetually at variance, and in the oldest charter on record Jahangir provided for the division of offerings to the Brahmans alletting two-thirds to the Bara Bas, and one-third to the Chhota Bas. Sawai Jey Sing of Jeypoor is said to have investigated the claims of the rival seets, and, having come to the conclusion that the Brahmans of the Bara Bas were not of pure descent, to have appointed the others his Purchits. The Brahmans of the Bara Bas number, however, among their Jajmans all the other Chiefs of Rajpootana.
- 48. The fair at Poosikur takes place in October or November, and, like other religious fairs, is used as an opportunity for trade. It is attended by about 100,000 pilgrims, who bathe in the sacred lake. In 1872 the quantity of merchandize and the number of animals brought for sale was below the average—there were about 700 horses, 1,850 camels, and 1,200 bullocks. The horses are chiefly Marwaree and Kathiawar, and the Native Cavalry Regiments serving in Rajpootana generally send parties to purchase remounts.
- 49. Other towns.—The remaining towns in the district may be more briefly dismissed. Bhinai, Massooda, Sawar, Baghera, and Pisangun are the chief towns of their pergunuahs, and the residence of their respective Thakoors. There is an old Jain Temple at Pisangun, which derives its name from its being situated near the Priya Sangama, or junction of the Saraswatee and Sagarmatee streams. Kharwa is eelebrated for its tank. Deolia, Randanwara, and Govindghur have each a popuntion of about 3,000. Among the khalsa villages, Ramsar bonsts of a large talao from which it derives its name. Srinuggur is fauxous as the seat of the former power of the Puar Rajpoots, who were dispossessed by the Gors, and whose representative is now Thakoor of Ranasar in Bickancer. Rajghur was held by the Gor Rajpoots before the ascendancy of the Rahtores, and was given in jaghire in 1874 to the descendants of its original rulers.

CHAPTER II.

History of Aj mere-Mhairwarra.

PART I .- Aj mere.

50. Legendary history of Aja.—The early history of Ajmere is, as might be expected, legendary in its character, and commences with the

rule of the Chohans the last born of the Agni kalas and the most valuant of the Rappoot races According to tradition, the fort and city of Aymere were founded by Rays Ays a descendant of Auhal, the first Chohan, in the year 145 A D An at first attempted to build a fort on the Nagpular or Serpent Hill and the site chosen by him is still pointed out. Itis evil genine, hawever, destroyed in the night the walls creetel in the day and Aja determined to build an the hill now known as Tainghur Here he constructed a fort which he called Garh Bith, and in the valley known as Indurket he built a town which he called after his own name and which has became famous as Amere This Prince is generally known by the name of Apapal, which, Colonel Tod explains, was derived from the fart that be was a goat herd," whose piety in sup-Hying one of the saints of Pooshkur with geat's wilk procured bim a territory " The name probably suggested the myth, and it is more reasonable to any pose that the appellation was given to him when at the close of his life ho became a hermit, and ended his days at the gorge on the hills about 10 miles from Armere, which is still venerated as the temple of Ajapal

- 51 Other Chohan Pernees With the next name on the Chohan genealogy we pass into the region of history Dola Rac joined in res sting the Vinesulman invaders under Maliomed Kas m, and was slain by them in A.D 685. His successor Manika Rae, founded Sambhar and the Cholian Princes thereafer adopted the title of Saml ri Rao From his righ fill 1024 A D there is a gap in the annals. In that year Sultan Mahmood on his expedition against the temple of Sombath crossed the desert from Mooltan and presented himself hefore the units of Ajmere The roughing Prince, Beelundeo, was totally unprigared for resistance the country was ravaged, and the torn, which had been al an loned by its inhabitants was plandered. The fort of Tsinghur, however, held out, and as Mahmood had no lessure to engage in sieges, he protected on his destructive course in Guzerat Beclunded was sace edul by Busal leg or Visala Deva who is best remembered by the lake which he constructed at Armere, still called the Beesal Sagar Beesal leo was a renounced I rince. He extended his territory at the expense of the Rajas of Delhi and subdned the bill tribes of Mhairwarm, whom he made drawers of water in the streets of Ajmere. At the close of his life he is said to have become a Mussulman, to have resigned his Lingdom and to have retired into obscurits at Dhandar His grandsan, Ana, constructed the embankment which forms the Ana Sagar Lake on which Jehangir sal's quently built the mathle relace in which he received Sir Thomas Roe, the An bassador of James I Sameshwar, the third in der ent from Ana, married the daughter of Anangral, the Tuar King of Della and his son was Prithvi Raja, the last of the Chohans, who was ador ed by Anangpal and thus became King of Delhi and Amere.
- 52. Prifer Rais, Cholan and Shakabad-din,—It is matter of common histor, how Prithis Raja opposed Shabab add is in his man son of India in the verse of 1101 and 1103 A.D., how in the later year he was utterly defeated and put to death in cold blood. Shalab-talia shortly afterwinds to A. Ajmers, massered will the including who opposed him and reserved thems' for sharpy. After the servent.

he made over the country to a relation of Prithvi Raja under an engagement for a heavy tribute. In the following year Shahab-ud-din prosecuted his conquests by the destruction of the Rahtore Kingdom of Kanouj, an event of considerable importance in the history of Ajmere, in that it led to the emigration of the greater part of the Rahtore clan from Kanouj to Marwar.

- 53. Kutb-ud-din. The new Raja of Ajmere was soon reduced to perplexities by a pretender, and Kutb-ud-din Eibak, the founder of the Slave Dynasty at Delhi, marched to his relief. Hemraj, the pretender, was defeated, and Kutb-ud-lin, having appointed a Governor of his own faith 'to control the Raja, proceeded with his expedition to Guzerat. A few years afterwards, however, the Raja, uniting with the Rahtores and the Mhairs, attempted independence. Kubt-ud-din marched from Delhi in the height of the hot season and shut up the Raja in the fort. Here finding no means of escape he ascended the funeral pile, as is related in the Taj-ul Maasir. Kutb-ud-din then marched against the confederated Rajpoots and Mhairs, but was defeated and wounded, and obliged to retreat to Aimere, where he was besieged by the confederate army. A strong reinforcement from Ghaznee, however, caused the enemy to raise the siege, and Kutb-ud-din annexed the country to the kingdom of Delhi, and made over the charge of the fort of Taraghur to an officer of his own, Syud Hossein, whose subsequent tragical fate has caused him to be enrolled in the list of martyrs, and whose shrine is still the most conspicuous object on the hill fort he was unable to defend. On the death of Kuth-ud-din in A.D. 1210 the Rahtores joined the Chohans and made a night attack upon the fort. The garrison was taken unprepared and massacred to a man. Their tombs, as well as those of Syud Hossein and his celebrated horse, may still be seen on Taraghur in the enclosure, which bears the name of 'Gunj Shahidan' or Treasury of Martyrs.
- 54. Rana Kumbho of Meywar.—Shams-ud-din Altamsh, the successor of Kutb-ud-din, restored the authority of the Kings of Delhi, and it was maintained till the disastrous invasion of Tamerlane. By that time a number of independent Mahomedan kingdoms had been established, of which the chief were Bijapoor, Golconda, Guzerat, and Malwa. Rana Kumbho of Meywar profited by the relaxation of all authority which ensued upon the sack of Delhi, and the extinction of the house of Tughlak to take possession of Ajmere, but on his assassination the territory fell into the hands of the Kings of Malwa, with whom the Rana had heen perpetually at variance and for 15 years had waged war.
- 55. Kings of Malwa.—The Kings of Malwa obtained possession in A. D. 1469 and held Ajmere till the death of Mahmood II in A.D.

 1531, when the Kingdom of Malwa was annexed to that of Guzerat. The dome over the shrine of Khwaja Mueiyyin-ud-din Chisti was built by these Kings, and a mosque within the Durgah precincts was also built by them. On the death of Mahmood II, Maldeo Rahtore, who had just succeeded to the throne of Marwar, took possession of Ajmere among other conquests. He improved the fortress of Taraghur and com-

menced the construction of a lift to raise water to the fort from the Nur Charbana spring at the foot of the hill. He work still stands as solul as on the day it was built, but the scheme was never carried to completion. The Baltores held Ajmere for 4 years but the country was one of the earliest acquisitions of Akhar, and for n 1556 A. D. to the reign of Mahomed Shab, a period of 195 years, Ajmere was an integral portion of the Megul Fungre.

55 Moyal Fusicore — In the time of Akbar, Ajmere gava its name to a "ut ah which included the whole of Rajprolans. This district of Ajmere was an appanage of the royal residence, which was temjor rity fixed there in this and sui-sequent reigns both as a pleasant retreat and in order to maintain the authority of the Impire among the surrounling Chie's. Akbar make a pilgrimage to the temb of the Saint Ahwaya Miersjin sud-did Chiett, and both a fortified palace just ontile the cit. Jahangir and Sloh Jehan bit spent much time at the "Dar nl-Khair," and during the war with Verwar and Marwar, which was briught about by the bigotry of Auringzeh, Ajmere wis the head quartars of that Emperor, who nearly lost his thin ne here in 1070 by the combination of Prince Akbar with the enemy

57 Rahlores of Marwar .- On the death of the Synds, in 1720 A P. Ant Singh, son of Jeswunt Singh of Marwar, found his opportunity in the weake ces, consequent on the decline of the Mogul Proprie to serzoon A inere and killed the Imperial Government He cound money in his own name and set up overy emblem of sovereign rule Maliomed Sheli collected a large army and invested Taisghur The fort lell out for four months, when Apit Sing agreed to surren ter his conquesta Ten years later Abbay Sing the accomplice in the assissination of his own fatler, Apit Sing, was appointed by Wal omed Shah Viceres of Ahmedahad and Amere, and Amere became practically a pertion of Marwer The sarriesde, Balht Singh, obtained Nagor and Jbalor from his brother Abliar Sing Abliay Sing was succeeded by Ram Sing, who demanded this surrender of Jhalor from his uncle, Ratht Sing The demand and the Insolence of Bam Sing culminated in the battle of Mertra, where Ram Sing was dafeated and forced to fly. He determined on calling in the ail of the Mahrattas, and at Ujun found the camp of Jey Appa Sindia, who readily embraced the opportunity of a terference. Meanwhila the career of Balht Sing had been terminated by the poisoned robe, the gift of the Jeypoor Rance and Bijav Sing, son of Barht Sing, opposed the Mahiattas Ho was defeated and fled to Nagor, which withstood a year's siege, though menual ile all the c untre submitted to Ram Sing. At the end of this period two foot soldiers, a Rajpout and an Afglian, offered to sacrifice themselves for the salety of Bijar Sing by the assassination of the Mahratia leader. The offer was accepted, the assausing feigning a violent quarrel precored access to Jey Appa and stabbed him in front nils more but a comprosure a surrendered to the Mahrat-

d distinct of Ajmere as Jer Appa The Mahretise on their ede al andoned the cause of Ram Sing A fixed transmit rightie was to be paid to the Mahretias by Binar Sing. The tomb of

Jey Appa is at Pooshkur, and till 1860 three villages of Ajmere were set apart in jaghire for the expenses of the tomb. Ram Sing obtained the Marwar and Jeypoor share-of the Sambhur Lake and resided there until his death. These events occurred in 1756 A. D.

- 58. Mahrattas.—For 31 years the Mahrattas held undisturbed possession of Ajmere, till in 1787, on the invasion of Jeypoor by Madajee Sindia, the Jeypoor Raja called on the Rahtores for aid against the common foe. The call was promptly answered, and at the battle of Tonga the Mahrattas suffered a signal defeat. The Rahtores retook Ajmere driving out Mirza Anwar Beg, the Mahratta Governor, and annulled their tributary engagements. The success was however transient, for in three years' time the Mahrattas, led by De Boigne, redeemed the disgrace of Tonga by the battle of Patan, where the Kachhwahas held aloof and the Rahtores ignominiously fled. Madajee Sindia and De Boigne then marched on Ajmere. The Kahtore army was drawn out on the plains of Merta, but was surprised and cut to pieces by De Boigne, and Ajmere in the year 1791 reverted to the Mahrattas, who held it till its cession to the British Government in 1818 A. D.
- 59. Cession to the British Government.—Singhi Dhanraj was Governor of Ajmere during the three years it was held by the Rahtores. The best known of the Mahratta Subadars was Govind Rao, who appears to have been a strong and good Governor. By the Treaty of the 25th June 1818, Doulut Rao Sindia after the Pindari War ceded the district of Ajmere, valued in the Treaty at Rupees 5,05,484, to the British Government, and on the 26th July 1818, Mr. Wilder, the first Superintendent of Ajmere, received charge of the district from Bappu Sindia, the last Mahratta Subadars.
- 60. Dynastic changes.—The dynasties which have ruled Ajmere may thus be succinctly shown:—

| | A. D. | | A. D. | No. of ye | ears. |
|------|-------|------------|----------------|-----------|-----------------|
| From | 145 | to | - 1 193 | 1,048 | Chohan. |
| 21 | 1191 | , | 1469 | 275 | Kings of Delhi. |
| ,, | 1470 | 11 | 1531 | 61 | Kings of Malwa. |
| ,, | 1532 | " | 1556 | 24 | Maldeo Rahtore. |
| | 1556 | 1) | 1730 | 194 | Mogul Emperors, |
| " | 1731 | " | 1765 | 24 | Rabtores. |
| " | 1756 | » | 1787 | 31 | Mabrattas. |
| | 1788 | ,, | 1791 | 3 | Rahtores. |
| " | 1792 | " | 1817 | 25 | Mahrattas. |
| 27 | | sh Governm | ent. | | |

61. The muting of 1857.—The history of Ajmere from 1818 is the history of its administration. The long roll of battles and sieges is closed. The district worn out by the incessant warfare of half a century at length enjoys rest, and the massive battlements of Taraghur begin to crumble in a secure peace. The muting of 1857 passed like a cloud over the province. On the 28th May two Regiments of Bengal

Infantry and a Buttery of Bengal Artillery matuned at Nusseembad. The Luropean readents, however, were sufficiently protected by a Requirement of Hombay Infantry, and the Treasury and Magazine at Apmere were adequately guarded by a detachment of the Mhairwarm Battalou. Thuto was no interruption of Civil Government The mutinous regiments marched direct to Delhi and the agricultural classes did not shara in the resolt

PART II.

HISTORY OF MHAIRWAREA.

- 62. First intercourse with the country—The bistory of Mharwarn before the occupation of Ajmere by the British nuthorities in 1818 is practically a blank. Hardly anything was known of the country except that it was a difficult hilly tract inhibited by an independent and pluodering race who carea not for agriculture and who supplied their wants at the expense of the surrounding territories. Sawaee Jey Sing of Jeypoor had penetrated no further than Jak in an erdiavour to cubdue the country, and Ameer Khan had failed in an attempt to chastise the plunderers of Jink and Chang.
- 03 Mr Wilder, the first Superinterdent of Ajmere, entered into agreements with the villages of Jnh, Shamghur, Lulia Kinna Khera, and Kheta Khera, the nucleus of what is now Ajmere-Viba rwarra, binding them to abstain from plunder. The piedge, however, was little respected or could not really be enforced by the headmen, and in March 1819 in force was detached from Nusseerabad for the attack of these places. No opposition was encountered, the villages were taken one after the other, and all levelled to the ground. The inhalitant scaped into the adjacent hills, which Mr. Wilder, who necompanied the force, deserthes as an "impenetrable jungle." Strong police posts were stationed at Jah, Shamghir, and Lulia.
- 64 Conjust of the country—In November 1820 a gaueral manrection broke out. The police posts were cut off, and the men composing them were killed. The thorough aubjugation of the country was then determined an. A force stronger than the founce retook Jak, Lulia and Shainghur, and after some correspondence with the Governments of Ooley poor and Jodhpeor, and promised co-operation on their part, the force advanced into Meywar and Marwar-Nhairwarm to punish this refuges of Jak, Lulia, and Shainghur, and the men who had given them an asylum.
- 65. Borwa was the first village of which possers on was taken and the attack was then directed against Hattun, where, however, a repute was sustaned unto a loss of 8 killed and 23 wennedd. In the night, lowever, the garrison exacusted the fort. The troops then mareled to Bersr, which niter some show of fighting fell into their handa. This capture of Maulian and Bassawa fellowed and nistrong detachment was then sert a jurit kot kniwa and Bageri in Mawar-Mhairwarra. These were taken possession of and made over to Jedhyor, and the reverse of the Mhairs reacked their culminating point in the capture of Ramphin, whither most of the chief men had retreated. These were

nearly all killed or wounded or taken prisoners, and the remaining strongholds submitted in rapid succession. A detachment of cavalry and infantry was left at Jak, and the main body withdrew at the close of January 1821, the campaign having lasted three months.

- 66. Arrangements for the administration .- Captain Tod in the name of the Rana undertook the administration of the portion belonging to Meywar. He appointed a Governor, built the fort of Todghur in the centre of the tract, raised a corps of 600 matchlockmen for this special service and commenced to collect revenue. A different policy was pursued by the Court of Jodhpoor. The villages which had been decided to belong to Marwar were made over to the adjoining Thakoors; there was no controlling authority and no unity of administration. Ajmere brought all its share under direct management, but at first the Thakoors of Massooda and Kharwa were held responsible for the establishment of order under the superintendence of Mr. Wilder. It soon appeared that this triple Government was no Government, the criminals of one portion found security in another, the country became infested with murderons gangs, and the state of Mhairwarra was even worse than before the conquest. Under these circumstances it was determined that the three portions should be brought under the management of one officer, vested with full authority in civil and criminal matters, and that a battalion of eight companies of 70 men each should be enrolled from among the Mhairs.
- 67. Treaties with Oodeypoor and Jodhpoor.—The negotiations with Oodeypoor resulted in the Treaty of May 1823 by which the management of Meywar-Mhairwarra, consisting of 76 villges, was made over to the British Government for a period of 10 years, the Rana agreeing to pay Rupees 15 000 a year to cover civil and military expenses.
- 68. In March 1824 a similar engagement was after some diffientry concluded by Mr. Wilder with the Jodhpoor Durbar. It was arranged that the sum of Rupees 15,000 should be annually paid on account of civil and military expenses, the Maharana and the Maharaja receiving in each case the revenue of their respective portions.
- 69. In March 1833 the arrangement with Meywar was continued for a further period of eight years, the Rana agreeing to pay Rupees 20,000 Chittoree or Rupees 16,000 Kaldar on account of civil and military expenses. On the 23rd October 1835 the arrangement with Marwar was extended for a further period of nine years: The transfer of the Jodhpoor territory was only partial; many villages were left in the hands of the bordering Thakoors, though nominally under the Police superintendence of the British authorities. Twenty villages were made over by the first Treaty, and by the second Treaty seven villages were added, but these latter were returned to Marwar in 1842. The average yearly amount collected from the Marwar villages until Colonel Dixon's settlement was Rupees 6,403; Colonel Dixon's assessment was Rupees 7,972.
- 70. Administration of Colonel Hall.—Colonel Hall was the first officer appointed to the charge of the newly acquired district, and he ruled Mhairwarra for 13 years. He was fettered by no instructions, and was left to provide for the due administration of the country. In

his Report, prepared in 1834 he describes the system he adopted Civil and criminal justice were administered by punchaset or arbitration. In civil cases the procedure was as follows -The plaintiff presented his case in writing, and the defendant, being sammoned, was required to write a counter-statement. An order was then passed for the parties to name their respective arbitrators, the numbers an each side heing unlimited, but equal The appointment of an umpire was found unnecessary The parties then wrote a bond to forfeit a certain amount, generally one-fourth or one-third of the amount at issue if they should afterwinds deviate from the decision of the punchayet. The punchayet was then assembled and an agreement taken from its members to decide according to equity and to pay a fine of so much if they do not A native functionary then assembled the punchaset, summoned the witnesses and recorded the proceedings to their close. When a decision was arrived at, the result was made known to the parties who were entitled to record their assent or dissent. If two-thirds of the punchayet nareed, the question was settled. If the losing side dissented and guid the forfest, n new punchaset was chosen by special order of the Superiotendent

- 71. Criminal cases in which the evidence was insatisfactory were also referred to punchayet. Four months' imprisonment in irons was the usual scattence on conviction for minor offences, unless the crime had been denied. The juil was made self-supporting cash prisoner was supplied with one seer of barley med dulf and with nothing else, but if the prisoner wished, he might furnish his own flour. On his release, he was bliged to pay for his food and for his share of the juil establishment as well as for any clothing which might have been given him, and this system of recovering the juil exposes from the prisoners and their rightnost listed till Colonel Davis's death, who am the righestation of Captain Brooke it was abolished in the year 1958. The prisoners worked from daylight this noon in the lot weather and from noon till evening in the co d weather.
- 72 The revenue was callected by estimate of the crop, snethird of the produce being t' o Government share, except in some special cases. The estimate was male by a writer on the part of Government are stelly the pritis, the juinance and the respeciable landowners. If a dispute areas, the worst and best portions of the field were cut and a mean taken. An appeal against the estimate was allowed to the Superinten lent. The prices current in the country for 10 or 12 miles round were then taken an average struck, and thus assumed as the rate for calculating the money ray m at to be male. Calityrators who broke up new land or melle wells received leases authorizing them to hold at one-sight and one-eighth of the produce. The headmen of the villages pad one-fourth.
- 73 The system of a liminstration inloyted for Mhairwarra Las been given in some iletul, since it possesses an historical value as being that or let which the centry throw till 151, the year of Colored Dixon's regular serificment, and which, according to the opinion of all competent of servers, was eminently successful. Miarrwarra was, no doubt, fortunate in of tain ng rinders like Colonel Hall and Colonel Dixon,

and Government was fortunate in enjoying the services of such officers. Colonel Hall remained at his post from 1823 to 1836, and his successor, Colonel Dixon, governed Mhairwarra till 1842. In the year Ajmere was added to his charge, but though Mhairwarra was under an Assistant Commissioner, still Colonel Dixon as Commissioner lived there the greater portion of every year till his death at Beawur in 1857. Both officers devoted their whole time and energy to their charge, and to them is due the regeneration of Mhairwarra and the reclamation of the Mhairs from a predatory life to habits of honest industry.

74. Nothing can more plainly speak to the great social change which has been wrought in the inhabitants of Mhairwarra than the deserted and ruined state of their ancient villages. These were formerly invariably perched upon hills in inaccessible places for the sake of safety from the attacks of their fellowmen and of wild beasts. The adoption of habits of industry and agriculture has rendered the retention of such dwellings alike unnecessary and inconvenient. The old villages are now nearly deserted and are fast falling into decay. New hamlets have spring up everywhere in the valleys, and the tend ency to settle near the cultivated land is still on the increase.

CHAPTER III.

On Tonunes.

- 75. The land tenures of Ajmere are, as might be expected, entirely analogous to those prevailing in the adjacent Native States, and though they have been almost systematically misunderstood at head-quarters, yet the visinertic of the province has sufficed to prevent their being interfered with except in the one instance of the mouzahwar settlement of 1850. The soil is broadly divided into two classes, khalsa or the private domain of the Crown, and land held in estates or baronies by feudal Chiefs originally under an obligation of military service. Khalsa land again might be alienated by the Crown either as an endowment of a religious institution or as a reward for service to an individual and his heirs. Such grants, when they comprised a whole village or half a village, are called jaghires, and 51 whole villages and 3 half villages have been alienated in this way.
- 76. Khalsa.—The basis of the land system of Rajpootana is that the State is in its khalsa lauds the immediate and actual proprietor standing in the same relation to the cultivators of the soil as the feudal Chiefs do to the tenants on their estates. The jaghiredars who are assignees of the rights of the State have the same rights as the State itself.
- 77. From ancient times it has been the custom in the khalsa lauds of Ajmere that those who permanently improved land by sinking wells and constructing embankments for the storage of water acquired thereby certain rights in the soil so improved. These rights are summed up and contained in the term "biswadaree," a name which is synonymous with the term "Bapota" in Meywar and Marwar, and with the

term "miras" in Southern India, both words signifying heritable land. A cultivator who had thos improved land was constiared protected from operation as long as he juid the eastomary share of the produce, and had neight losell, mortzage, or make gifts of the well or embankment on which he had oxpeaded his capital, such inancher carrying with it the transfer of the improved land, these privileges were hereditary and practically constitute proprietary right, and hence the term "hiswador" has come to mean "owner."

- 78 Ia a district like Ajmere, where the rinvital is no precisions, unrigated land was hardly regarded, and possessed but little value. The State was considered owner of this as well as of the waste. No man, in fact, cultivated the same unarrigated fields continuously, and the village loundaries were undefined. The State had the right to locate new hamlets and new tenants, to give leaves to stringers who were willing to improve the land, and to collect duess for grazing from all tenants, whether biswadars or not. The State, in short, held exactly the same position in the khalist lands as a large Talookdar is his esjate.
- 78. Mr. Wilder and Mr. Middleton, the first Supernateudents of Ajmere, have recorded their opinion that the waste lands were the property of the State. Mr. Caveodish, their successor, whose experience was gained in the North-Western Provinces, considered them this property of the community. Mr. Pdimos stote, who made a ten perirs resitlement in 1835, investigated the question, and was clearly of opinion that the Slate was the owner. In his Sottlement Report, dated 12th May 1836, he writes that the opinion of Sir Thomas Munro as regards the tenures in Arcot scions to him peculiarly adapted to the tenores of Ajmere, and is entirely consistent with all the information he possessed. The Sirkar from ancient times has every where granted waste land in "unain" free of every rent or claim, and appears in till soch parts to have considered the waste exclusively as its own property. It may be objected that, if this is she case, the State may give away the whole lands of a village, and injoire the inhabitants he depriving them of their partiers. It certainly might give away the whole, but whether the exercise of the

 would depend upon circumgeneral custom of the country, urs, as the cattle of the village

would graze out the whenever the crops were off the ground. If the lands were inclosed, the inhaltmants would be no worse off than those of many other villages whise lands are entirely cultivated and inclosed, and who are in consequence often obliged to send their cattle during the day season to grare in distant "jungles." And again the Sukar journess by the usign of the country the absolute right to dispose of the wasternall villages which are miras as well as in those which are not.

SO When Colonel Dixon commenced his tank embankments in 1812, he acted as a steward to a great estate. He founded new lamlets where he thought fit; he gave leases at printigged rates to these who were willing to due wells; and distributed the laids under the new tanks to a rangers when he located in hamlets in the waste. In no instance did the old bawadars in aging far a noment that their rights were being

invaded, nor did they consider that they were entitled to any rent or malikana from the new comers. Colonel Dixon classed old and new comers together as biswadars with the same rights as to sale and mortgage.

- 81. Such was the tenure of the khalsa lands of Ajmere till 1849, when the village boundaries were for the first time demorcated, and under the orders of Mr. Thomason a village settlement was introduced. This settlement effected a radical change in the tenure. It transformed the cultivating communities of the khalea, each member of which possessed certain rights in improved land in his actual possession, but who, as a community, possessed no rights at all, into Bhyachara proprietary bodies. The essence of the mouzahwar system is that a defined area of land, that namely which is inclosed within the village boundaries, is declared to be the property of the village community, and the community consists of all those who are recorded as owners of land in the village. now the change is hardly understood and is not appreciated by the people. Daily petitions are filed by mon anxious to improve the waste land of a village, praying that Government will grant them leases in its capacity In many cases, where Colonel Dixon established a new hamler, he assessed it separately from the parent village, that is, the revenue assessed on each resident of the hamlet was added up and announced to the hamlet, the waste remaining the common property of the parent village and of the hamlet. In 1867 these hamlets were formed into distinct villages, the waste adjacent to the hamlet being attached to it, the hiswadars of the parent village retaining no right over this land nor imagining that they possess any. In this way there me now 1:19 villages in Ajmere against 85 at the time of Colonel Dixon's sottlement.
 - S2. Until the monzahwar settlement of 1849, therefore, the tenure in the district was ryotwar. The State owned the land, but allowed certain rights to tenants who had spent capital on permanent improvements in the land so improved. This bundle of rights gradually came neuts in the land so improved. This bundle of rights gradually came to be considered proprietary right, and since 1849 the State has abandoned its right of ownership over unimproved land.
 - S3. Istumear.—The tenure of the fendal Chiefs of Ajmere was originally identical with that of the Chiefs in the Native States of Rajpootana. The estates were jaghires held on condition of military review and liable to various feudal incidents. Colonel Tod, in his review and liable to various feudal incidents. Colonel Tod, in his review and liable to various feudal incidents. Volume I, page 167, thus sums up the result of his enquiries into the tenure:—
 - "A grant of an estate is for the life of the holder, with inheritance for his offspring in lineal descent or adoption, with the sanction of the Prince, and resumable for crime or incapacity; this reversion and power of resumption being marked by the usual ceremonies on each lapse of the grantee, of seque-tration (zabti), of relief (nuzzerana), of homage and investiture of the heir."

From all that can be discovered the original tenure of the istumrar estates of Ajmere is exactly described in the above quotation. The grants were life grants, carrying with them a condition of military grants were like all similar tenures they tended to become hereditary.

64. None of these estates ever jaid revenue till the time of the Mahratias is 1755 A D To enf rie the condition of military service was for these freebouters as nun-cereary as it would have been impolitic, and in hea of e-rate, they assessed a sum upon each estate which presumably bere some relation to the number of horse and frot-soldiere which each Chieftain hal up to that time been required to farmish assertment, however, was very unequal, and varied with the power of the Mahrattas to oxact it, the smaller Chiefs paying a very much larger proportion of their income than their more powerful brothren who were likely to resist, and whom it might be difficult to e ene On the cession of the district in 1918, the-o Chieftains were found paying a certain sum under the denomination of "mamla" or "ain" and a number of extra coses which amounted on the whole to half as much again as the mamla These outra cesses were collected till 1841, when on the restresentation of Calo el Sutherland, Commissioner of Ajmere, they were abandored In 1850, 1839, and 1841 Covernment had declared that the estates were hable to re-assessment but these orners were in ver acted upon, nor even communicated to those concerned, and the Chiefs who ot a very early perial of our rule, perhaps even before it, had acquired the tule of patumerardars, no doubt considered thomselves as holders at a fixed and permanent quit-rent. This telief of theirs was streigthourd by the action of Government in 1841, when all extra cesses were remated and the demand of the State limited to the amount which had been assessed by the Mohiottas nearly a century before. This tenure has been carefully investigated within tho list two years and the final orders of Government were conveyed in the letter from the Secretary to the Government of India to tho address of the (hef Commissi Ler, No 94R, dated 17th June 1875. His I seellener in Council consented to waive the right of G verament in the watter of re-argo-sment and in declare the present assessments of the Chiefs to be fixed in p riemity. The concession was accompanied by a declaration of the liability of the estates to the nuzzerana, and the conditions on which the estate are held have been moorperated in the Sunnid granted to each intumine for The estates desc nd to the eldest son, and a very strict system of entail has been estab'ished

St. The tenure of land in the istumpar estates, as between the islumranlar and its tenants, has never formed the subject of judicial investigation, nor have the recent a ttlement operations both extented to the istumear area. The prevailing apinion is that the cultivators are all tennets-at-will, but at the time of Mr Casendish's enquiry in 1820. mant of the stummardars admitted that their tenants possessed certain ra his in improved land, and on this sobject the opinion of Colonel Dixon, as convered in a Mem mandam addressed to Sir Henry Lawrenor, and dated 25th August 1854, is deerrying of attention, and is entirely consonant with the account of the land as siem of the district above given "The Chufs of villages are reck med as Bisma lars within their own estates. It is a right which is rately exercised by the ii. I r all cultivators who have sunk wells would, in the eve of the law, be come dered their owners, and not dispossessed without cause as gued and with ut leing normatated for their ontlay. In harance and talabee lands the people cultivate according to the pleasure of the Thalvot."

tee proposed to revert to what seemed to be the original incidents of the tenure, to hold the bhoomins liable as an armed militia to be called out to put down riots and to pursue dacoits and rebels, and to take from them a yearly quit-rent under the name of nuzzerana.

- 93. The State .- The above sketch will have shown that it is probable that the State still possesses much larger proprietary rights in the khalsa villages of Ajmere than it possesses in most other parts of the Rengal Presidency. To the State belong in sole proprietary right all mines of metals in khalsa villages, while for its own purposes it can quarry, free of payment, where and to what extent it pleases. principle was recognized in the letter from the Secretary to the Government of India, No. 226 R., dated 10th November 1873. Two ranges of hills near Ajmere, that of Taraghur and that of Nagpahar, have been declared to he the property of Government. The tanks and embankments of Ajmere have almost all heen made by the State, and Government is the owner of the embackments and of all that grows thereon as well as of the water in the tank. Under the proposed Forest Ordinance, the State has reserved to itself the right to resume from the village communities the management of any tract of waste or hilly land, the proprietary right subject to certain conditions being vested absolutely in Government as long as the land is required for forest purposes. istumrar estates, on the other hand, the State has little or no rights beyond that of taking a fixed revenue. In jaghire villages, where the State has conferred its rights on the jaghiredar, Government possesses, it is presumed, no rights.
- 91. Mhairmarra.—Mhairwarra possessed no settled Government till 1822, when it came under British management. The people found the occupation of plunder more profitable and congenial than that of No crops were sown except what was absolutely necessary for the scanty population. The tanks, were constructed and used exclusively for the purpose of providing water for the eattle. No revenue or rent was paid. The Rajpoots were never able to obtain a firm footing Whatever small revenue they could get from it was obtained at a cost both of life and money far exceeding its value. Under such circumstances, tenures could not spring up. Colonels Dixon and Hall, to whom the civilization of the Mhairs is due, treated Mhairwarra as a great zemindarce, of which they were the managers and Government the owner. Their word was law. They founded hamlets, gave leases, and made tanks, and collected one-third of the produce as revenue from the people. At the settlement of 1851 all cultivators who had recently been settled in the villages were recorded as owners of the land in their possession equally with the old inhabitants.
- 95. One peculiarity of the land tenure of Ajmere-Mhairwarra should not be omitted. It is the entire absence of the custom of sale, whether voluntary or enforced. Private sales of land appear to have been practically unknown till about a generation ago, nor has any laud ever been sold for arrears of revenue. Sale of land in execution of decrees of the Civil Court has been prohibited as contrary to ancient custom. Mortgages, however, are only too common and many of them differ in no respect from sales.

96. A non-proprietary enlitrating class 'liardly exists in either district. Where tocants exist they pay generally the same rates of produce as the proprietors themselves paid hefere the regular settlement. The few Maurusee cultivators pay merely distributed shares of the Government revenue.

CHAFTER IV

POPULATION AND CASTES.

- 97. Census Statistics .- The total population by the census of 1872 is 310,032, exclusive of Europeans, which were numbered previously at 558 souls There were 91,199 houses of all sorts Of the population 203,535, nr 64 rer cont. are males, 112,197 or 30 per cent. are females. Adults were counted at 213,402, of which number 141,040 were males and 72,353 were females; children were counted at 102 650, of which 62,456 were boys and 10,141 were garls. Classed by occupation, 132,702 are agriculturalists; non-agriculturalists are 189,310. Hinnoos, with whom Sikhs numbering 72 and Jams numbering \$4,016, have been clusted, are returned as \$52,996 or 80 per cent, of the population; Mahomedans are 20 per cent. or 62,156 , Valire Christians are returned at 249; and Parsecs at 65. Of the Hindoos, 111,126 or 45 per cent. ore agriculturalists, 55 per cent or 183,870 are non egriculturalists. Of the Mahomedans, 22,237 or 56 per cent are agriculturalists results of the census of 1872 show a falling off of 109,678 smuls, as compared with the census of 1865, a result partially no doubt to be nscribed to the disastrons famine of 1868-70, but no sound conclusions can to drawn from these figures, as the returns of 1872 are untrustworthy and have been pronounced to be so by the tonsernment of India. In the census papers 82 casticare enumerated in Amere-Mhairwarra, and of these 56 castes comprise the Hindee population, though probably the number of Hudoo castes is eather more Including the Links and jugline villages, but excluding the istumrar villages, there are 190 villages in Ajmere. There are 241 villages, in the Beawur Tebal and 68 in Todyhur, and these numbers must be borne in mind in tracing the distribution of the easter
- 98. Reposte.—If the account of the tenure in the Italia and jughine portions of, Ajmere, given in the preceding Chapter, has been inlived, it will not be a matter of surprise that Rajpoots nwin hardly any land except bluoon and istument, or that 67 castes have been found in possession of proprietary right at the recent revisit not settlement. No Rajpoot would have cared to take I and other than on thoom or talcoladare tenure, and the Crown traints of well as the tenants of the jughter estates are mainly the descendants of the ancient cultivators of the and, who have held their land in all the dynastic changes through which; Ajmere has passed. Where every man who dug a well became well is considered a waif, with no tee to him him to the village where he may resule, the landowing castes must be nearly e-extensive with the cultivating castes, and such is found to the the cast. Of the 190

Ajmere villages, 52 are held by Jats; 51 belong to various Mhairwarra clans; 35 belong to Goojurs; four to Rajpoots; two to Deswalee Mussulmans; eight eastes hold one village each, Mali, Syud, Pathan, Mogul, Ranjara, Ahir, Fakir, and Christian. In the remaining 39 villages there is no exclusive caste ownership; the principal castes in these villages are 14 in number—Mahlis, Tehlis, Mhairs, Merats, Deswalees, Goojurs, Brahmans, Rajpoots, Mahajuns, Kayeths, Kharols, Ahirs, Rebaris, Regars. The remaining landowning castes have few representatives and are scattered over many villages.

- The four villages belonging to Rajpoots are Arjunpoora Jaghire, Arjunpoora Khalsa, Golah, and Khoro, the two former belonging to Gor Rajposts, the two latter to Rahtores. This exception, however, only proves the conclusion of the foregoing paragraph. Arjunpoora Jaghire was given on condition of protecting the road and assimilates to a bhoom tenure. The land is subdivided among the descendants of the original grantee. Arjunpoora Khalsa stands quite alone by itself as the only zemindaree tenure in the district (with the exception of Mahomedghur, where the tenure has been created by ourselves), and narrowly escaped being classed with the istumrar estates. Golah was held on istumrar tenure till shortly before the establishment of British rule. Khori was originally a Mhair village, but the Rabtores held a large amount of bhoom in it and gradually turned out the Mhairs. In short, where Rajpoots hold jaghire or khalsa land, it will generally be found that it is the relic of a talookdaree tenure, or of a jaghire grant, or an encroachment by bhoomias.
- Jats.—The Jats were numbered at the census at 28,399, of whom 2,535 belong to Mhairwarra. They with the Goojurs are the original cultivators of the soil, and considerably outnumber any other caste. Nearly the whole of the Ramsar Pergunnah belongs to them. They are settled in Kekree and in the best villages of the Ajmere and Rajghur Pergunnahs. Tabiji, Saradhua, Makrera, Jethana, Budhwara, and Picholian belong to Jats. In the Beawur Tebsil they hold seven villages, chiefly in and about the old town of Beawur adjoining the Ajmere District, for they never penetrated far into Mhairwarra and are not to be found in the Todghur Tehsil. They are divided into three main families-Puniyo, Seeshmo, and Harchitral, but their "gots" are more than a hundred. As elsewhere, they are strong men and hardworking cultivators. They hold no revenue-free land nor any bhoom. They have in Ajmere double as much land as to the Goojurs, and pay three times as much revenue, partly no doubt owing to their having monopolized the best villages, but chiefly to their greater energy in making wells and improving their land.
- 101. Legend of Tejaji.—The Jats worship a variety of gods, including Mata and Mahadeo, but the chief object of veneration for all the Jats of Marwar, Ajmere, and Kishenghur is Tejaji, whose legend is as follows:—Teja was a Jat of Karnala near Nagor in Marwar, who lived 860 years ago and had been married at Roopnagur in Kishenghur. While grazing his cattle he observed that a cow belonging to a Brahman was in the habit of going daily to a certain place in the jungle where the milk dropped from her udder. Further observation showed that the milk

fell into a hole inhabited by a smale Teja agreed with the anake to supply him daily with milk and thus prevent the Brahman saffering loss. Once when he was preparing to visit his father-in-law, he forgot the compact and the enalo appearing declared that it was necessary he should hite Teja Teja stipulated for permission to first visit his futber in law, to which the snake agreed. Teps processed an his journey, and at hishenghur rescued the village-cattle from a band of robbers, but was desporately wounded in the encounter. Mindful af his promise to return, Teja with difficulty marched hame and prosented himself to the snake, who however could find no spot to bite, so dreadfully had Tejs been cut up by the robbers. Tejs therefore put out his tongas which the snake hit, and so his died. The Jats believe that if they are hitten by a snale and tien thread round the right foot while repeating the nume of Tejaji, the poison will prove innocaous. There 15 a temple to Terrys at Sareara sa Kishenghar, and a fair se bell in July. Tejaji is always represented as a man on borschack with n drawn sward, while a snake is biting his tongue Nearly all Jats wear an maulet of eilver with this device round their necks Colonel Dixon starled out Teran as the patron of the fair he established in his new town of Nyanuggur.

102, Customs of the Jats - Some customs of the Jats deserve within the same "got," and takes in Upper India. A cocount and a multiple security the best of the best of the same of the sam

wealth, are sent to the house of the hride Ti en the hrotherhood se collected and the contract as concluded by throwing the coccannt and the super sate the lap of the bride The day is then fixed by the brile's parents, and the "Barat," which consists generally of 25 to 30 men, reaches the villago in the evening At the appointed time the hindegroom proceeds to the bride's house in red elothes oad with a sword in his band. The village earperter uffixes a frame of wood called a" toran" over the door, and this the bridgeroom strikes with his sword and enters the house, The "toran" is a cross harred frame resembling a wicket, and the enstom is probably a reho of the marriage by conquest. All castes put up "torans," and as they are not removed, they may be seen on half the houses in the district. When the bridegreem has entered the house, the Brahman causes him and the I ride to go round r fire lit in the contre of the room. This is the ceremony called "Phera," and is the only one used. The second day there is a feast and the brids! party then disperses Tho bride's father takes money, and Rupees 85 is the fixed amount. The hindegro m's father spends about Rapers 200, the bride's father nearly as much, and the subsequent "guna" when the Inde's father gives tarhans to his son in-law's relatives, costs him about Rupees 150 more

103. Ceston of Natka—The Jats are monogamons, and with them, as with the Goojurs, Maless and all the tribes at Ministranta, wildow mittings leth rule and is called "Natha." A man cannat marry his younger his ther's wildow, but may that of his eller his the first claim on the wildow's hand but if be does not marry hir, say one in the "got" may do so No feel

shrines, and most of them hold revenue-free land in the jaghire villages attached to these institutions. They are poor and idle.

109. Christians and Parsces.—Native Christians are returned as 249. The United Presbyterian Mission has occupied this field for thirteen years, but Christianity cannot as yet be said to have struck deep roots into the soil. Many of the Christians are orphans who were left destitute by the famine and taken charge of by the Mission. A hamlet has been founded near Nusseerabad under the name of Asapoora or Hope Town, where the boys of the Orphan School, as they grow up, who do not elect for trade, will form an agricultural Christian community, and the lands belonging to the hamlet have been separated from the parent village and formed into a distinct township. Parsees are only 65 in number and are Bombay shop-keepers in the Cantonment of Nusseerabad.

CHAPTER V.

- 110. Mhairwarra clans.—The tribes which at present inhabit Mhairwarra do not claim to be, nor do they appear to have been, the original inhabitants. Of these last, however, but little is known. The country must have been an impenetrable jungle and the majority of the sparse inhabitants were probably outlaws or fugitives from the surrounding States. The easte of Chandela Goojurs is said to have dwelt on the hills about Chang, the hills in the neighbourhood of Kalinjur, Saroth, and Bhaelan are assigned by tradition to Brahmans. On the east side on the Boowa Hills the caste of Bhattee Rajpoots is said to have been located, while the sonthern portion of the Todghur Tehsil was occupied by Meenas. There is a tradition that Bahattee Rajpoot, Ajeet Sing, hore the title of King of Mhairwarra.
- 111. The present inhabitants of Mhairwarra are all promiscuously designated Mhairs, a name which is derived from "Mer," a hill, and signifies "hillmen." The name is not that of any caste or tribe and is only a correct designation, in so far as it is understood to mean the dwellers on this portion of the Aravali Range. The two main tribes of Mhairwarra are those known by the appellation of Chita and Barar, each clau traditionally divided into 24 "gots," but new gots are constantly formed which take the name of their immediate ancestor, and there are now about 40 gots in each tribe.
- asserts that the tribes of Chita and Barar are Meenas, and the traditions of the people themselves point to a Meena ancestry. Both tribes claim a common descent from Prithvi Raj, the last Chohan King of Ajmere, and the story is that Jodh Lakhun, the son of Prithvi Raj, married a girl of the Meena caste, who had been seized in a marauding expedition near Bundee, supposing her to be a Rajpootanee. When he discovered his mistake, he turned away the mother and her two sons, Auhal and Anup. The exiles wandered to Chang in Beawur, where they were hospitably entertained by the Goojurs of that place. Auhal and Anup rested one day under a bar or fig-tree, and prayed that if it was destined that their race should continue, the trunk of the tree might be

m. : of the m'encle mised them from inal eveut iu

Charar se Chita bhayo, uur Barar bhayo Bar-ghat Shakh ek se do bhave : ingat bakhani iat.

"Prom the sound 'Charar' (the noise which is supposed to have reached Aubal from the splitting tree) the Chitas are called, and the clan Barar from the splitting of the fig-tree. Both are descended from one stock; the world has made this tribe famous" In following the distribution of the clans it is necessary again to bear in mind that there are 5t Mhair villages in Ajmere, and that there are 21t villages in the Beawur, and 83 in the Todghur Tchails.

143. Chita .- Auhal settled at Chang in the north-west of Mhairwarra, and his descendants in course of time exterminated the Goojurs who had given an asylum to Aulial and his mother The clan waxed - tital at and am I aller occurred all the strong places of strong Shamghur, Lulua, Miniry they appear to bave Hnttur. held the remaining Mhales in subjection, for they snumerate 16 castes of Mhairs, who they say used in 12y them one-fourth the produce of the soil and of all plundering expeditions. The clan new holds 117 entire villages in Beanur, beeides portions of 58 and 16 entire villages in Todghur to the north of that Tehal and including the Pergunnah of

Kot Kirana, In Ajmere there are 21 entire I hales and jagbira villages belanging to (hitas, and they are to be found in all the Ajmere-Mair villages except four.

114. Of the subdivisions of this clan by far the most numerous and Important is that of the Merats, u term which is generally used as an in mous with n Mahomedan Mer, but which is a patronymic derived from Mern, the common ancestor of the Katats and Gorats. Harraj, grandson of Meera, n Chita, in the reign of Annungzeb, took service under the Emperor at Delhi. During a night of terrific rain he remained firm at his post as sentry with his shield over his head. The Emperor to whom the matter was reported, is related to have said-" In the Marwar tongue they call a brave soldier Kata, let this man be benceforth called Kata." Hurry soon after became a convert to Islam, and is the progenitor of all the Katat Merats, u very large family, who hold 78 villages in Beawur including all the principal places in the north und east of the Tehni. Gora was a brother of Harraj, and his descendants are timbors and bold 21 villages in the centre and south-east of Beawur, of which Kalinjar and Kabra are the chief. The Gerats apread southwards and bave occupied 15 villages in the north of Todghur, One village in Ajmere, Maki opeora, belongs to them. Too Kaints, the most pushing of all the Chitas, spread northwards and hild 9 of the 2t Chita villages in Ajmere There they formel new gots of which the Bahadoir Khance, generalts called par excellence Chita, is the remeipal. Besides the Il alsa and jagbire villages four villages in Ajmere proper are lell by Katats on setumnar tenure, see, Nausar, Rajanes, Ajayear, and Katekree. These villages were given them by the Mogul Emperors for protection of the city of Ajmere and the adjacent passes. Shumsher Khan, the Chief of the Istumrardars of Rajaosi, is the head of the Bahadoor Khance family, and is styled "Tikai." The chief men of Katats and Gorats call themselves Thakoors, but in Beawur the chief of Hathun, Chang, and Jak, who are Katats, are called Khans.

- 115. Of the remaining subdivisions of Chitas the most important are the Laget, who hold six villages in Beawur and Naaset, who own the villages of Burgaon, Palran, Pharkia, Manpoora, and Hathibata in Ajmere, besides portions of several others. The other gots which may be mentioned are the Rujoriya and Begariyat, the former holding three villages in Beawur, the latter three villages in Ajmere, and the Bajoriyat, Borwara, Bilodiya, Pithrot, Balot, and Nadot who possess a village or parts of several. The other gots live scattered throughout Mhairwarra.
- 116. Barar.—Auup, the brother of Auhal, settled in Todghur and founded the Barar clan. His descendants, less enterprising than the Chitas, have remained in Mhairwarra and are not to be found in Ajmere. They hold 11 villages in Beawur, the most important of which are Kalikankar, Saindra, Bhaelan, and Khera Sangnotan. They occupy the whole of the south of the Todghur Tehsil and own 48 entire villages. They are more unsophisticated, honest, and straightforward than the Chitas. They call themselves Rawut, a petty title of nobility, and would be insulted by being called Mhairs. The chief men are called Rao, and they have a multitude of Tikais, of whom the principal are the Rao of Kukra and the Rao of Barar.
- 117. All these Chohan Meenas, with the exception of the Katats, are nominally Hindoos. Katats and Gorats ent together, and nothing is forbidden food to either. A Chita will not marry a Chita, nor Barar a Barar, but a Chita seeks a Barar wife, and a Barar seeks a Chita wife. A Barar woman, who marries a Katat or Mussulman Chita, is buried on A Katat woman, who marries a Barar, is burned on her death. The marriage ceremony in either case is performed by "Phera," the officiating Brahman leading the bride and bridegroom seven times round a fire. The Katats of Ajmere are beginning to understand that they are Mahomedans and have partially adopted some Mussulman Thus they have discarded the "Dhote," which is universally worn by their brethren in Mhairwarra. They sometimes intermarry with other Chitas, but it is not the custom, nor looked on as the proper thing to do. The custom of Phera under the guidance of a Brahman is being abandoned in favour of the Nikah ceremony in their marriages, and under the influence of the Khadims and other Mahomedans, with whom they intermarry, they have begun to think they ought to keep their women secluded, though in Mhairwarra the women work in the fields.
- 118. The customs of the two clans, whether calling themselves Mahomedans or Hindoos, are identical. A souless widow retains possession of her husband's property till she marries again, or till her death. She can mortgage in order to pay her husband's debts, to discharge arrears of Government revenue, or to obtain funds for the expenses of marrying her daughters. Daughters do not inherit when there are sons

alive All sons inherit equally, but in the event of there being sons from two or more wives, the property is divided per capits of the wires and not per capits of the suns. This custom called "Chenda-But" as opposed to "Paggiwand" or "Blui-But" is universal among all the Mhairwaria clair. There is no distinction between among all the adapted property. A relation of anis age may be adopted; the newest relation has the first claim, and his chuldren born before his adoption succeed in the adopted family. Sons by slave girls, who are pretty numerous under the name of "Dhumputt," get land to coltivate, but obtain no clair, in the inheritance and cannot transfer the lood. The endom of Natha or widow marriage prevails and has been alrealy described in the preceding chapter. Much money is spent on funeral feasts.

119. Power clans,-Among the tribes which heast other than a Cholian Meens ancestry, the most important are the two which claim descent from Dharmath Power or Pramar, who founded the city of Dhiranager, said to have been 26 kes in eircumference, in Marnar, before the Pramar Rappoots were obliged to give way before the Gehlots and Rahtores. Tradition says that Rao Bohar, a descendant of Ilbaranath, came and sottled at Rudbina in the extreme scath of the Benunr Pergunuah From this place his descendants spread and founded the adjacent villages of Biliawas, Jonaja, liabar, Barkechian, Bawat Mal, Lusance now in the Berwie Tehsil, and Abhas jughur, Nilei, mid others in the Todghur Tehsil. The tribe is divided into six 'gots"-Delat, Kallat, Doding, Boya, Kheyat, Polhariya Of these the Delat is the most numerous and holds It whole villages in Beaute and five in Todehur. The Kallat clan holds only one village, Kalathan Khera in Beawur, and the others hold no entire village in Mhairmarra The Delats appear to have pushed the other members of the tribe oot of Mhalrwarm who therefore settled near Ajmere, and especially in the pergunnah of Poosh-Lut. There are eleven villages in Ajmere held by this tribe, and they hold parts of eight others The Dodings owo Barla, Madarpoora, and Gwares, to the lloya clan belong the villages of Hokran and Gudli , ng to Kheyats, and the Pokhariya elan

Ganahera, Nasila and Nanlokhi The ulled Rawats but are generally called Minits The chief men are called 'Gameta' They are an industrious race, generally tailer and better built that the Chohan Menas. Katats will not give their daughters in marriage to this tribe, but will take wives from them and they intermarry freely with Hindro Chitas and Bara and other Mhair clans. Their customs are the same as those of the Chohan Menas.

120. Metee —The second Inbe which claims descent from Dharamatis that of the Metee Rawa's who inhabit the pergonnah of Bhaclan, where they hold it villages They mun two villages—Tathpoor hat nod Bhojpoor in Beawur and only scattered representatives of this tribe are met with in Ajmere. The pergonnah of Bhaclan is suppreed to have been originally inhalited by Brahmans. A descedant of Dharacath, Rolintas by name, came and hired at Bogmal as an ascetic in a care in the full now called Make'jee. A Banjara was passing through the hills with his w fe, and descend her at this spit. She lived some

time with the Jogee and then descending the hill sought the protection of Khemchand, Brahman in Bamunhera, and in his house was delivered of twin sons, of whom one remained in Bhaelan, the other in Marwar. In the fifth generation one Mahut was born, who expelled the Brahmans from Bhaelan. The hill, which was the cradle of the race was named after him, and he is still venerated by the Motees. A fair is held on the hill in September, at which time the hero is believed to traverse the 12 villages of Bhaelan in the twinkling of an eye.

- 121. Gehlot.—After the sack of Chitor by Ala-ud-din Ghori two brothers, Rajpoots of the Gehlot clan, fled to Borwa in the Saroth Pergunnah, where they intermarried with Meenas. This tribe is divided into 16 clans, of which the most important are Godat, Medrat, Kacchi, Dinga, Baniyat, Lohra, Balot, and Dhankal. They hold 11 entire villages in all parts of Beawur one village, Kukar Khera, in Todghur, and are found in 23 other villages in Mhairwarra. In Ajmere they own six villages, Parbatpoora, Ausari, Mayapoor, Lacchmipoor, Boraj, and Amba Massena. They consider themselves Soorajbansee Rajpoots, and call themselves Rawat. Like the tribes of Puar origin they intermarry with Hindoo Chohan Meenas. Merats will take wives from them, but will not give them their daughters in marriage.
- Jats and Goojurs hold 10, and Nursinghpoora and Dungar Khera belong to Mahajuns. The remaining inhabitants of Mhairwarra belong to a few scattered clans who pass under the general designation of Mhair, and who as usual claim to be descended from Rajpoots but who have no Jagah and no history. The Pataliyal clan claims to be of the stock of the Bhattee Rajpoots of Jeysulmere and bolds one village, Baria Nagga. The Chaurot claim the same descent and own one village, Kali Kankar Kishnpoora They are also found in Mohanpoora in Ajmere. The Bharsal clan lives in the village of Ramkhera Dhanar, and are to be met with in Kotra Saidaria, Bhawani Khera, and Kishnpoora of Ajmere. The Buch Mhairs inhabit Rajpoor Buchan and are found in couple of villages in Ajmere. The Kharwal Mhairs live in Nyanuggur and Fathpoor 2nd, and the headman of the town of Beawur is of this caste. Mannat Selot Bana: and Banna live scattered in a few villages
- 123. Religion and customs.—Although the Mhairs consider themselves Hindoos and are generally classed as such, yet they are little fettered with Brahmanical rites and ceremonies. They eat three times a day, maize and barley bread being their principal food; but they will eat the flesh of sheep, goats, cows, and buffalos when it is procurable. Even the Brahmans of Mhairwarra will eat flesh. They observe no forms in the preparation of their food, and no interdiction exists as to the use of spirituous liquors. There is a proverb, "Mhair aur Mor unche par razi hain," "Mhairs and peafowl love the heights," and probably from this habit of living in high places they are exceedingly indifferent about washing. They are in short a very dirty race. In matters of religion they do not trouble themselves much with the orthodox divinities of Brahmanism. Small-pox is a great scourge of the country, and the chief deity worshipped is Mata, to whom a stone called "Sitla" daubed with red paint is consecrated, and these stones are to be met with on all sides, chiefly under khejra trees, which are sacred to Mata. Allahjee is a common deity, and the deified heroes, Deojee and Ramdeojee, also find

worshippers Deojec's temple is at Barsawars or Todghur. Ramdeo is a Balahee hero, whe worked miraeles and his priest is a Balahee The hills of Makutice and Goramice, the " . ation of the people, and this is ship, though now the hills liave The only important religious held at Todghor in the mooth of September in hoconr of Mata, called from the name of the place "Peplay Mata." Tradition says that the Mhairs used to sacrifice their first-bora sons to this goddess, and it is still costomary to those who have had a first son boro to them during the year to hring a huffalo to the sacrifice. The animals, after the touch of consecration by the priest before the shrine, used to he let loose, and the people each armed with a knife or a sword cut them alive into little pieces. This harbarity continued till 1865, when on the representation of Mr Rohh, the Missiocary at Todghar, it was not a stop te, and orders were issued that the animals shoold be first killed with a swerd Before the famino there were some forty or fifty animals yearly sacrificed, and in 1874 there were 18 huffalos thus offered to the goddess. The officiating priest first strikes the animals on the neck, with a long sword, it is theo dragged away and ent sato little pieces in a few minutes. The feativals of the Holee and Dewster are kept in Mhairwarra national peculiarity of the celebration of the Holes is the game called "Ahera" on the first and last day of the festival The whole villago turns out into the jungle each man armed with two sticks about a sard long called Politice Opium and tohacco are provided by the headmen and having formed a line, the hares and deer. knocking them over his s . they start up. A number of bares are multin sauter, and the Mahajuns of Ajmere and Mhairwarra heing Jains are exceedlogly tender of life, the people will not kill on the second day. The feetlyal of the Holes concludes with a game like "touch in the ring" The people consume a good deal of tobacce, but very little opium Tobacco they carry in an oval wooden box called "ghatta" and the

principal men append a long wooden handls to this box which ther always carry about with them. The baodle signifies that all who ask will get tobacco.

124. Religious tendency .- It has been already mentioned that there is a distinctly visible tendency among the Merats socially to assimilate with the orthodox fellowers of Islam, and to abardon their ancient customs common to them with their non-Vahomedan brethren They have begun to adopt "Nikah" instead of the custom of "Phera" in their marriages; they have begun to keep their women secluded, and to intermarry with persons within degrees prohibited by the ancient costems The tendency is without doubt destined to forther development till the old customs fall into entire disuse. Among the Rawats of Todgliur also the tendency to adopt the social rales of Brahmanism as ment I no amano il ag em n'i no fin mote g alando de que 11, 11

gliur, the Rawats have this year entered into an agreement to abeta n from the feel of kine and Inffales and to excommonionie all traosgressors. This year for the first time they took no part in the dismemberment of the buffalos sacrificed to Mata, leaving the work to be done by Blieels and Balahees. It is safe to predict that in course of time the whole of Mhairwarra will have become either Brahmanised or absorbed in the orthodox religion of Islam.

CHAPTER VI.

RAJPOOTS AND OTHER NOTHWORTHY FAMILIES.

- 125. The settlement operations have not been extended to the istumrar estates, but pedigree tables have been prepared of all the istumrardars of the district, and the connection between them and the devolution of the estates have now been for the first time clearly ascertained. It has consequently become easy to give a more complete account of these Chiefs than has been heretofore possible, and the object of the following Chapter is to explain how the estates have come to be subdivided, and to place on record for future reference the facts which are known about the several estates without any discussion on points which have been already settled by orders of Government.
- 126. The accompanying statement shows the names of the Chiefs who pay revenue direct to Government with the revenue they pay, and their estimated income, the latter being derived from the enquiries instituted by the Commissioner's Court under the Regulation for the relief of embarrassed Thakoors and Jaghiredars. The number of villages and the area of each estate according to the revenue survey of 1847-48, and the number of persons enjoying maintenance are also shown. The estates which are under the management of the Court of Wards have heen measured by the Settlement Department, and the statement given in Appendix C shows the detailed area of those estates which have been measured in the recent khusra survey. It will be seen that there are 66 estates paying revenue to Government, and there are 27 istumrardars who do not pay revenue direct, but who hold on a fixed tenure and pay revenue to the head of the clan, which revenue is not liable to enhancement nor are the estates liable to resumption. In the district lists of estates paying revenue to Government 76 are mentioned. The estates of Aloli Bhimrawas and Deopoora Kacharia belong to the Thakoor of Mehron and are separately assessed. The Raja of Pisangun pays revenue separately for the village of Bhatsuri: the village of Undri is included in the Para estate. The assessment on the Bhinae estate includes the revenue of Surkhand and Kacharia, which were resumed in 1836 and made over to the head of the clan as well as that of Piplia. The revenue of Mithana is included in the assessmnt of the Tantote estate, the assessment on Kirot includes the revenue of Cadolai, and Jadana was originally distinct from Jethpoora. All these villages, however, now form integral portions of the larger estates to which they belong, and there is no object in keeping them separate.
- 127. Of the 66 estates, one belongs to a Gor Rajpoot, 58 belong to Rahtores, two belong to Sesodia Rajpoots, four belong to Chohan Meenas, and one belongs to a Charan. The revenue of the whole is Rupees 1,14,734-9-11, and the assessment of each estate is fixed in

annas and pies.

Statement phowing the area and recenue of the Istumrar Estates of Ajmere.

| Rowings. | Market Ma | Amil, Saither Dowlin, Bhrain, Therin, Jake, Khen, Dajeupyor, Jakisteben, Ambapor. Dogla Kalabera, | < F | | | | | First Burgha. |
|---|--|---|-----------------------|--|------------------------|--|--|--------------------------|
| enteret fperenne entere mein- enteres | 1 | 5 1 1 ₆ 83 | 2 | ดถี ¹ นถ | ត | 1.57 | 16161 | 2 |
| Government revenue. | Rs a P. 1,010 6 '6 | 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2 | 9,47 5 0 | 2010 2010 2010 2010 2010 2010 2010 2010 | 9 316 14 3 | 2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 200 | 236 831 801 801 801 801 | 13 000 8 11 |
| Estimated lucume. | E,000 | 8 2444- | 1403 | 25. 201. 201. 201. 201. 201. 201. 201. 201 | 31,163 | 1000 000 000 000 000 000 000 000 000 00 | 152 | \$1,700 |
| Tetalates in Estimated acres | 3,7.0 | 2-00-40 25-0 | 25.52 | 12.85 17.63 17.63 18.35 18.41 | 50,705 | 50 05 55 55 55 55 55 55 55 55 55 55 55 5 | 400 1996 1990 | \$2 031 |
| Number of Vil- | ~ | = | ឧ | 80000 | 2 | Z0- | ~~~ | 11 |
| Name of Istumratdar, | Thakon Falb Sing . | Charte Amir blog Thakor Methob cing Nam cing Dec Sing | Tetal, Junes family . | flakoor Kalu Sing Chatranal Mol wing Deschal Sing | Total, Mehron family . | Raja Fratap Sirg Thakeer Mehnal Sing I Baghurah Sing Pernath Sing | 9abh Sing | Total, Pasagun family 21 |
| Tube. | Oor . | Pabters Ditto | | 51100 5100 50 5100 50 | | Ditto | Dite. | |
| Yame of Triata. | 'fanc'arpror . | Justa Marcha Perla, Kalabera, Marcel Dewale Khard | | Mehren Timera Vimel Fanker's halbers | | Plearers Flankers Jara Khard | office office | |

Statement showing the area and revenue of the Istumrar Estates of Ajmers—continued.

| | t. | | ~~ ~~~ | WEWI. | OF THE | |
|-----------------------|---|--|--|-------------------------------------|---|--|
| "Dantingoo com fr. f. | Ввудния. | | Lanbana, Chawunda, Khyria, Leereo, Lambana, Piploj, Mohanpoor, Mahlan, Amrgbur, Kashipoora, Rodhlai, Sarna, na, Ratughur, Kurnos, Dhawaria, The Thakoors of Bhawanikhora and | The villages of Surkhand, Knoharia, | Re. 1,444-11-9, Rs. 415-0-10, and Rs. 1,199-3-7, respectively. Other Kitob, Piloda, Enhariya, Champaneri, Dhatol. Ronschrift, Champaneri, Dhatol. Ronschrift, | Ahnrd, Sohal Kalan, Sobri, Tila- raohipiyan, Chawunda, Ekal Singha, Dhani, Singhawul, Chiohundra, Khyria, Baudunwara, Deoria, Puranga, Chand- ma Batakat, Goela, Kuranti Sendra, Brila. |
| A / TT | Vambor of porsons o n joying minn- tonanoo. | 4 : 2 | ::::: | : 2 | ::* | 100 |
| , | Government rovonue. | A 4 | | 2,318 10 0 445 15 3 | 7,717 7 11 650 0 6 455 8 0 | 5,306 5 0 |
| | Estimated income. | Rs. 8,000 1,500 3,500 | 1,000 | 2,000 | 53,674 3,500 1,000 | 25,525 800 3,750 |
| | Total area in Estimated acres. income. | } 10,362 10,362 50.301 | 3,632 inoluded in Kharwa. 778 | 3,885 | 79,674 6,502 2,744 | 34,845 1,858 5,883 |
| | Number of Vil- | 11 2 12 | <u>x</u> | | Sau Sau | онн |
| | Namo of Istumrardar. | Thakoo " Total, G | " Nathu Sing " Bhagwant Sing " Sheodan Sing . Total, Kharwa family | | Makoor Chandra Sing "hakoor Chandra Sing " Ohiman Sing | ». Ranjit Sing Jaswant Sing Bhim Sing . |
| | Tribo. | Rahtore. Ditto . Ditto . | Ditto . | Ditto . | Diffe | Ditto . Ditto . |
| 1 | Name of Estate. | Govindghur Jaswartpoora . Kharwa . | Bhawani Khora Deoghur | Mowaria Bhinge | Sarana Sholian | Bandunwarra Amrghur Jotayan |
| 2 | Serial Nomber | 139 | | 12 23 | 83 | 48 53 |

| | | | | | #1. | | | | | | | | | | _ |
|--|-----------------------|---|---------------|-----------|------------------------------------|--|-------------------------|--------------|--|--------------------------------|--|-----------------------|---|--|---|
| The village of Mithana included in the Tantosi santa is separately assessed at Ha. 1999-2. The other villages are Tantosi and Sherghur. | | Downlis, Dagral, Khari, Langarah, Khyra, | | | Jiawalia, Ganahera, Mimbhera, Kan- | G. ets., Sanedia, Dhigana. Decreen. Bagher. | Napolei, Guiba. & hard, | Wheele Golle | The village of Kadelai included in the | ita most of The other villages | Johnsons, Pa. 1,000, Jadana, Rt. 479-7-3. | - | Massocia, Barol, Bari, Droppore, Lorari, Ludhiana, Jalos, Hauwantia, | Barlawas, Sandawas, Kanpoora Kasalpoora Utni, Balcers, Chandsiya, | hornpozza. hiwai, ilarrippoza. Moina,Kirar,Mohkanposra, Kalaral. |
| | \$ | | ,= | " : : | ٥٥ | # * | == | 100 | | ; | " 1 | 93 | ** j j | is - | 11 |
| naeen. | 6 | 00 | | -0.5 | • | 24 | 2119 | • | 100 | • | 40 | 0 | 4n00 | 000 | -0 |
| F-83-411.80 | " | "" | 20 | -04 | - | 0.00 | 25 | ٠٠- | *** | • | 1-pa | ۰ | | 000 | 00 |
| តិច្ចនិត្តិ វិត្តិនិត្តិ | 21,343 | <u> </u> | | 2000 | | 52.53 | | | | E | | 27,951 | 283E | និទី | <u> </u> |
| 44 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 | C10,60,1 | 11,000 | 85. | 955 | 1,00 | 5,00 | 5 | 000 | 385 | 1,150 | 4.00 4.00 4.00 4.00 4.00 4.00 4.00 4.00 | 139'86 | 1,000 1,000 1,000 1,200 | 98 | 38 |
| 24.05.0 262.63.0 262.63.0 | 123,162 | 19,415 | 1238 | 1 | 85 | e e | 6.93 | iei. | 181 | ig gg | 5,03 | 11,919 | 6,239 2,617 98,713 Included in | 6 003 5 614 | 13 |
| | 2 | 20.00 | | | | e1 61 | | | 100 | | 814 | ន | 5- | | |
| Kara Sing Chandra Sing Blocks Sing Inches Sing Blocks Sing Blocks Sing Blocks Sing Blocks Sing Blocks Sing Sing Blocks Sing Sing Sing Sing Sing Sing Sing Sing | Total, Bhinse family. | Thakoor Harl Sing | Balwant Sing. | Devi Sing | Sharden Sing . | Kalu Sing | Catro bing | Inci Sing | Pratab Sing | Sper Stol | " Davi Sing | Total, Dewalls family | Thakor Chaira Sing . Hakor Chaira Sing . Habadoor Sing . Dird Sing . | Dalwant Sing | Protab Sing |
| 22222 | | 33 | 222 | 900 | | | | | • • | • | 90 | | 2012 | 2.8 | 83 |
| Parts Parts | | Ditto | 3.5 | ă | 2 | Ä | á | ä | 2 | Ä | Ditto | | 2222 | 22 | 33 |
| • • • • • • | | • | • • • | :- | • • | , | | • • | • • | • • | 4. | _ | • • • • | | • • • |
| Tailse Jails Kalyarpoeta Tagtail | | | The state | | | 90 | i Pour | delari. | Kiret | Kensi Kelan | Jethpoors Jadans Santels | | Rethan Masseda Anslgpoors | Man learn . | Kalla |
| ****** | | 51 | เหล | 188 | ; F | នេះ | == | | ::: | Ç | 23 | | 223 | | |

[Statement showing the area and revenue of the Islumrar Estates of Limere-concluded.

| | Веманке, | | | | |
|-----|--|--|------------------------|--|---|
| . } | umber of persons enjoying main- tenence. | : 111 : 12000 851 | 88 | 28 20 | ES : |
| • | Government revenue. | Rs. a. p. 24 0 0 284 0 0 658 0 0 159 0 0 715 0 0 1,597 3 0 412 14 1 1,032 12 0 | 12,021 4 7 | 1,410 4 8 663 0 0 | 2,132 15 2 |
| | Betimated income. | Rs. 600 800 3,000 1,600 7,000 1,312 3,000 3,000 | 1,06,112 | 9,000 | 12,500 |
| | Total area in acres. | Included in Massooda. 1,545 908 6,258 2,560 Included in Massooda. 11,242 2,573 2,573 6,265 | 148,058 | 10,508 4,619 | 15,127 |
| - | Number of Vil- | н ничи и мичи | 41 | | 1 2 |
| | Name of Istumrarder. | Thakoor Fath Sing " Hanwant Sing " Megh Singh " Joth Sing " Joth Sing " Johora Rawul and others. Thakoor Sadul Sing " Chatra Sal " Dhirat Sing " Dhirat Sing " Uday Sing | Total, Massooda Family | Thakoor Nahar Singh . Thakoors Raghnath Singh and Balwant Singh | Total, Baghenri Ramily Phul Sing, Saman Sing, and others. |
| | Tribe. | Rahtore. Ditto. Ditto. Ditto. Jogi Ditto. Bahtore Ditto. Ditto. | | Diffs . | Ditto . |
| | Namo of Estate. | Kesurpoora Akrol Lalawas Janola Shoopoori Asan Sathana Lamba Nagar Sakrani | | Bodawa. | Karel. |
| 1-2 | SERIAL MOMBER | ಬ್ಲಿಬ್ಬರ್ಬ್ಲಿ | | 53.52 | 53 |

| Start, Bakiran Golda, Carl Kalikan Doldan Golda, Sain Bildi, Mara, Badrapara Shallali, Balir Mara, Badrapara Ninelan, Oolin, Olerapoor, Chiran, Dedi | | | | | |
|--|-----------------------|--|-----------------------|--|---------------------------|
| 11111111 1 | 1 | 1 111 | : | 1 18111 | 1 |
| | • | 0 000 | - | e cuesa | 1 = |
| **0 *0 *00 0 | • | 125 125 125 125 135 145 155 155 155 155 155 155 155 155 15 | - | 0 0ne-0 | |
| 7.215 % Errice. 213 0 Serrice. 35 0 Serrice. 85 0 81 0 | 7,477 | 81 52 55 8 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 | 1,907 | u 35.23 | 114,734 9 11 |
| | | | | 2 | \$ |
| # 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 010'53 | 8 223 | 8,100 | 2 25222 | 8 |
| H T T | 3 | 2 2 | 2 | 5.04,000 5.000 5,100 5,100 5,100 | 61,52,103 |
| | نـــــا | | <u> </u> | <u> </u> | 5 |
| 20222222 | ಕ | 2 122 | 8 | S 55588 | 8 |
| Carrent at | 1929: | 8 1121 | 15,570 | 55 25 55 55 55 55 55 55 55 55 55 55 55 5 | 53,838 |
| | i i | | i | - | " |
| - | ត | | - | 554- | 8 |
| # | Total, Sawae Pamily . | . [5] | Total, Chanhan Meanar | £ | Orand Total, Istumes. 219 |
| Nathe Eingh . Dhonkal Sing Kiana Sing . Chatra Sing . Chatra Sing . Il arnath Eing Sing and chera an, Frable dan, hera. | q | . 55 | 3 | rivajb and other Cort Italypota Hencella Clankan Mesi | ã |
| 7 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | ŭ, | 4 290 | 3 | The state of | 4 |
| Iskocr Nath Rich Rich Ran Clat Rath Hart Reform Lektor Dan Lektor Dan | ş | Stameber Klan . Das I Khan and . Icha Akta, and Cinga. | 4 | Thujb an Gor Ra Honolia Clanka Chara | 8 |
| 4 1 1 1 1 1 1 1 1 | 3 | 4 54 4 | 4 | E 23333 | 2 |
| The koer Natha Sing Donald Sing Niths Surgare Earna Sing Charach Sing Harbach Sing and others Highware, Prakadaa, and others. | ř | Stameter Etan | Ě | Chetturiogh and others Total, Car Relies Total, Change Total Total, Change Total Total, Change Total | ě |
| 40000000 4 | | 1 | | | |
| Pertia Theker Dirica Dirica Dirica Dirica Maliabi Dirica Maliabi Benedia Theker | | Chanhan. Diffe. Diffe. | | Gieren . | |
| | | | | <u> </u> | |
| Parts De hird De hird De hird De Chard Chard Thall Chards Laborate Laborate Laborate Disachara | | | | - | |
| F24.423 | | | | | |
| Farm of Dockson County of | | A STATE OF THE STA | | Ξ | |
| | | | | # # # # # # # # # # # # # # # # # # # | |
| 8 5 | | t ttt | | \$ | |



This anomaly had its origin in the timo of Mr Wilder, who commoted the amonot payable in Srishshi Rupees to an equivalent sum in larikhabad Rupees by silowing a reduction of 9 per cost, the difference between the value of the two coinages in 1818, and since that year the reviews of the estates has remained cochanged. The Thakors of 14 ont of the 66 estates are known by the name of "Tazimi," or cutilled to precedence to order of precedence these are, the Raja of Pissagua, the Thakor of Sawar, the Thakor of Massoda, the Raja of Pissagua, the Thakor of Juna, the Thakor of Doila, the Thakor of Khowah, the Thakor of Bandanwar, the Thakor of Mahon, the Thakor of Para, the Thakor of Deegson Baghera, the Thakor of Govindghur, the Thakor of Tontoto, the Thakor of Bards are only five in number —The Raja of Bhinse, the Thakor of Sawar, the Thakor of Massoda, the Raja of Pirangon, and the Thakor of Sawar, the Thakor of Massoda, the Raja of Pirangon, and the Thakor of Khurwah.

123. The Suconds on which the istumes: estates were held had been lost before the commencement of British rule, but the original estates were only 12 to nomber, and are Macchespeor, Pisangun, G

B •

grants on service tenures for life by the Emperors, but became hereditary, and the origin of the remaining 54 talcokas is to be sought for in the a bare to the

was generally

consultred to be entitled to a larger some, than his younger brothers, It was in the earlier times that most of the 5t talcolars which ray revenue direct had their origin. As the estates became smaller the sistem of giving grants of one village was introduced. These grants are called "" ras" and the 27 sub talcolders, who are Ruypoots, are holders under a "gras" tenure. It was evident, however, that if so estate was to be kept up ut all there must be a limit to subdivision, and in the third stage of the history of inheritance the estate ceased to be further subdivided and the provision for the younger some was limited to the grant of a will and a few begins of land for life. The issthe stage which has now been reached, and the costom of primogeniture of tains in all the tible has though some provision for younger brothers is considered importation the successor to the Pat or guidee.

129 The interreduce large clarify claimed to be owners of the soil, and their claim has been recognized. Mr. Cavendin's requires each cell to 200 villages, and in 155 villages the Thabours disclaimed the right of orater of cultivators from irra, and said improved land, when the means of irragation or the improvement had been provided by the labour or expense of the cultivator. It was generally admitted that such languard or the interreduced or soil, but the automative allowed that the cultivators had the right of re-corry on their had on their return to the village within a reasonable time. In 101 villages the owner of redding cultivators while native word to express those of the owners of wells. Unitrigated said on upproved had was universally a limited to be let be a tenorise with from the intumerator. Aff Cavendida tecommended it is

extension of the principle thus admitted by most of the Thakors as to the rights of owners of wells to the estates of those Thakors who had boldly claimed the right of ouster from all land. The principle that those who have expended capital on the improvement of the soil acquire thereby a right in it is perfectly in unison with the land system of the country, and if ever a further enquiry be made into the rights of individual cultivators and a record prepared, this principle must form the basis of adjudication on the subject.

130. Chohan.—Rajpoots are returned in the census papers of 1872 at 13,931, of whom 314 belong to Mhairwarra. It is a curious fact illustrative of the great vicissitudes of early times, that though Ajmere was held for over a thousand years by Chohans, they are not now to be met with in the district except in one holding in the pergunnah of Sawar. They must be looked for in Haravati and in the desert of Nagor Parkhar whither they have been pushed by the Rahtores, who have occupied their place, as the ruling tribe and who, in numbers, wealth, and power, greatly preponderate over the other Rajpoot clans, who hold land in the district. These are three in number: Gor, Sesodia, and Kachwaha; and it will be convenient to consider the Rajpoot clans in the order of their arrival in the province, for a definite period can be fixed for the arrival of each.

131. Gor.—In the time of Prithvi Raj Chohan, Raja Bachraj, and Raja Bawan, Gor Rajpoots from Bengal came to Ajmere on the customary pilgrimage to Dwarka. Prithvi Kaj engaged the brothers in an expedition against Daya Sing of Nagor which was successful, and subsequently each of them married a daughter of Prithvi Raj. Raja Bawan settled at Kuchaman in Marwar, Raja Bachraj remained in Ajmere. In course of time Junia, Sarwar, Deolia, and the adjacent country fell into the hands of the Gor Rajpoots, and to the head of the clan Hunayun gave a mansab of 7,000. In the time of Akbar, Raja Bithal Dass founded the town of Rajghur and called it after the name of his grandson, Raj Sing. The son of the latter took Srinuggur from the Powar Rajpoots who have now disappeared from the district. The Rajghur family was at this time by far the most powerful in the district; but they had reached the climax of their prosperity, and soon afterwards they were ejected from Rajg hand all their territory by Kishn Sing Rahtore. After 25 years red dispession, Gopal Sing recovered Raj-Rahtore. After 25 years re in possession, Gopal Sing recovered Rajghur, and the Gore of the Mahrattas in of that town when the country fell into the hands be villages attacher out it in as the Raja was unable to pay a contribution of here 10,000 you Khurch. On the establishment of British rule, these villages were returned on the condition of payment of nuzzerana, but as the nuzzerana was not or could not be recovered to the whole was resumed with the exception of one small village. paid, the whole was resumed with the exception of one small village Kotaj and until the present year remained khalsa. In March 1874 the town of Rajghur was presented in jaghire to Raja Devi Sing, the representative of this ancient but fallen house, and the graceful generosity of Government has been thoroughly appreciated by all classes of the community. The Gor Rajpoots now hold land in 14 villages, but only one Istumrar Estate, that of Manoharpoor, belongs to a Gor Rajpoot. The descendants of Raja Bithal Dass are Jaghiredars of Rajghur and

Kotaj and Bhoomias in Daunta and Jatia. The descendants of Balram, a younger brother of Bithal Dass, are the istumrardars of Manoharpoor, and the Bhoomias of Sanod, Naula, Nearan, Lavera, Dadiana, and Jiarwasa. Four generations ago tha Thakoor of Junia seized on the Manoharpoor Estate, in the same manner as other Rabitors seized on the Gor possessions in the pergumah of Kekree. The dispossessed Thakoor, however, found aid from the Raja at Kishenghar who caused him to he restored to his estate. The village of Nearan was originally held on Talonkharee tenure, but it was not accepted as an istumrar estate on the establishment of British rule. The descendants of Baja Pawan ure jage hiredars of the village of Arjunpoora jaghire, are owners and Bhoomias in Arjunpoora khalsa, and hold bhoom in Tabijee which like Nearan was originally held un talookdaree tenure.

182. Raitore. - The accompanying genealogical tree is an abridgment of the genealogical tree of the Rahtores of Aymere, and shows tho descent of each of the holders of each bloom and istumrar tenure. will be observed that they all claim descent from Seojee, the founder of the Marwar manarchy; and five Kings of Marwar are the progenttors of all the Rahtores of Afmere. Of these five, however, two, Rinmal and Chand in nre comparatively unimportant, as their descendants only have three bloom Rehtores are. Oode friend of Akhar, to Λ^*_{∞} end for all the first or for meny years, r 11 e supremacy of the i . : Jodhpoor, and transferred to it the scat of Government from Mendor. The history of Marwar may be read in Colonel Tod's Annals of Rajasthan and it is unnecessary to repeat it here. I propose therefore to begin with the descendants of Uday Sing and to explain as briefly as possible how each of the present families ubtained possession of their estates; thence to pass in those of Chandra Sen; thence to those of Dudaja; and finally to conclude with the descendants of Rinmal and Chandaji, respectively, 10th and 12th in descent from Scopes. The numbers above the name of

133. Kiskenskar Phoen.—The first estate is a bloom holding belonging to the Meharaja of Kishenghur. It is in the jaghire village of Bir, and wes given by the Khadims of the Durgah for the protection of the village at the time when Bahadoor Sing of Kishenghur held a farm of Ajmers from the Maharatias. The bhoom consists of 155 series and the Maharaja keeps some men in the village for watch and ward. The bhoem holdings in Sadyroos—1 (http://dx.doi.org/10.1016/j.com/10.1016/j.

each estate refer to the number of the family in the detailed genealogical

the Thakoor of Pathghur.

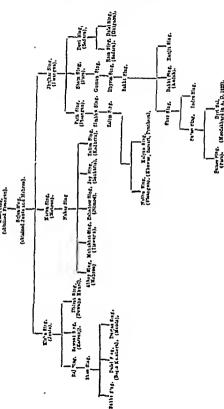
tree of the Rahtores.

State. In these three bhooms the custom of primogeniture prevails,

134. Gaspasso Japlice.—Baj Sing, fourth in decent from Utlay Sing of Marvar, halfwe same, three nf when inherited. Here Sing got u share in Kerkeri equal to Rupers 10,000, and Sawant Sing and Bahn hor Sing divided the not of the property equally. Sawant Sing took up his abode at Rupragar, Bahalver Sing, the ancester of the present

Maharaja of Kishenghur, at Kishenghur. The son of Sawant Sing, Sirdar Sing, died childless, but he enjoined that Ameer Sing, son of Beer Sing, should succeed him. On the death of Sirdar Sing, however, Bahadoor Sing refused to recognize the adoption of Ameer Sing and himself scized upon Rupnagar, which has since remained a portion of the Kishenghur territory. With the help of the Maharaja of Jodhpoor, however. Beer Sing and Ameer Sing, for a short time, obtained possession, but Bahadoor Sing applied to Holkar, and by the bribe it is stated of a lakh of Rupees, procured the expulsion of Ameer Sing from Rupnagar and of Beer Sing from all his property, with the exception of Ralaota to which he had succeeded on the mother's side. Beer Sing joined the Marhattas and distinguished himself in the battle of Panipat, where he was killed. In recognition of their father's worth, Madoji Sindia gave six villages in jaghire to Ameer Sing and Suraj Sing, viz., Sarana, Magri, Ararka, Gangwana, Untra, Magra. By a subsequent arrangement Ameer Sing obtained the first three: Suraj Sing obtained Gangwana, Untra, and Magra, Ameer Sing took service in Jeypoor, and Sindia confiscated his villages, which have since been khalsa. Suraj Sing had three sons, to the eldest Jaswant Sing he gave Ralaota, and the descendants of the two younger sons. Arjan Sing and Sher Sing, are now jaghiredars of Gangwana, Untra, and Magra.

135. Fisangun, Junia, and Mehron.—Kesree Sing, the son of Madho Sing, the fifth son of Uday Sing of Marwar, came to seek his fortune in Ajmere, and by the favour of the Emperor Shah Jehan, ejected the Puar Rajpoots from Pisangun and obtained a grant of the fief. His son, Sujan Sing, further extended the property by taking Junia, from the Gor Rajpoots and Moren from the Sesodians. On his death the property was divided among his three sons. The youngest son obtained Pisangun, because, as is stated, he had avenged the death of his uncle Bhim Sing, on Gudar Khan of Shamghur. The eldest son obtained Junia, and the second son obtained Mehron. The subsequent divisions in each estate will be best understood by the following Genealogical Table:—



MIDEO SING.

- Gor Rajpoots. The Thakcor of Junia is hereditary Bhoomia of the town of Kekree where he holds 1,500 acres and keeps up an establishment of watchmen. The Thakcor of Manda pays revenue to him, and the village of Lasaria has been granted in Jaghire to the Charans who pay a fixed quit rent and the village is not resumable. Mr. Cavendish has recorded that land held on "milk" tenure, can be sold, if not given to temples or for religious purposes. The istumrardar admitted that the holders of irrigated land could not be ousted as long as they paid their revenue and regained possession whenever they returned to the village. There are hereditary cultivators in all villages. The Talookdar claimed the right to increase the grain rents up to one-half the produce, but admitted that he had no right to increase the "Zabti" or money rates.
- 137. Four estates were divided off from Mehron in "gras" tenure in the second generation. In the year 1811 A.D. Thakoor Lal Sing of Kadhera, who complained that his "gras" was too small, made a night attack upon the fort of Mehron. Jagat Sing, the Thakoor of Mehron, he treacherously murdered after having promised him safety, and caused his son, Bharat Sing, to be hurled from the battlements. He then made himself master of Mehron, but was forced to give it up and to return to Kndhera by the Sesodia Raja of Shahpoora who marched against him. The widow of Bharat Sing was placed in possession of the estate and remained in possession till 1842. She adopted Jowahir Sing, but on the death of the latter without heirs, his cousin, Kalu Sing, succeeded The village of Kadolai was originally a portion of Mehron, and was given on a service tenure to Guj Sing, Thakoor of Kirot, on condition that he should do service with two horses and two footmen, and should pay nuzzeraua. The Thakoor of Kirot, however, gradually ceased to do service till on the murder of Jugat Sing the village was merged in the Kirot Estate.
- 138. The Pisangun estate, which fell to the share of Jhujhar Sing, included Pisangun, Khawas, Sarsari, Pranhera, Para, Meoda Khurd, Kodah, Sadara, and Gulgaon. In the year 1785 A.D. a large balance of revenue was due from Kalyan Sing of Pranhera, and Pranhera and Sarsari were attached and made over to Nathu Sing, who held for six years till Kalyan Sing paid the arrear. Nathu Sing had two brothers, Sadul Sing and Bagh Sing, by another mother, to whom he and his successor, Man Sing, refused to give any "gras," but eventually Kalyan Sing gave them Sarsari and agreed to pay Rupees 300 of the Government revenue. About this time there was a conspiracy of the Pisangun Thakoors, and they imprisoned the Mahratta Subadar in Kalyan Sing's fort. For this a fine of Rupees 18,000 was exacted, and the greater part of the fine was paid by a mortgage of Khawas to Bagh Sing. Bagh Sing had no heirs and was succeeded by his brother, Sadul Sing, and Khawas Sarsari has since been a separate estate. The Thakoor of Para sits in the front row at Durbars, and the Thakoors of Kodah and Meoda Khurd sit behind him. The estate of Meoda Khurd is the last example in the district of a village having been given in "gras," and its separation from Para dates from the year 1823. Sham Sing added the villages of Ekal Singha and Chaparean to his inherited property, and his son, Guman Sing, acquired Naulakha from the Manawat Rajpoots. The heirs of Runjeet Sing and Indra Sing obtained

no "gras" and are cultivators in Pam. Devi Sing the third son of Jhujbar Sing, obtained Sadara and Galgara. He had four sons, the eldest obtained Sadara, and Datel Sing, the secund son, got possession of ger brothers maintenance.

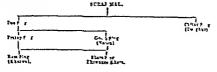
1 per beegab in Chalu land from those who hold

land for maintenance.

The Thakor of Pisangan has abtained the title of Raja from the Maharaji of Jodhpoor, but the title is not recommed in Durbar. There are no najabire estates in Pisangan, and Mr Cavendah has recorded that the Raja claims the sole proprietary right in all villages and the right of coster from all kinds of Isid. The people denied the right as regards improved land.

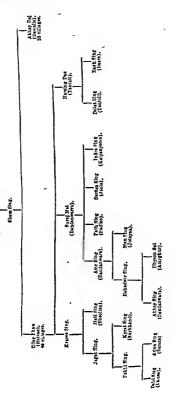
130. Gorindghur - The Thalour of Govindghur is a descendant of Govind Dass, n grindson of Mota Rais, who founded the fort at Govindghur. The estate is a small one, consisting only of one Ash and three Dakhilee villages | Gne Dakhilee village, Jaswantpoora, has been given in " gras," and the Thakout of Govind, her gives maintenance to 14 persons Tho family is n large one, and the estate was small, and the younger members of the family I come Bhoomers When Alihay Sing, who had been appointed Viceroy of Ajmere and Guzerat fought with Sarha. land Khan in Guzerat, Himmat amg, a great grandson of Govind Dass, joined the expedition with his three sors, one of whom, Dalel Sing, was killed in hittle Al has Sing on his return gave a bloom holding of 1,831 acres n Nand to Hummat Sing and his surviving sons, and on the death of Illiminat Sing the property was divided by ancestral shares. At present there are eleven shares. The village of Ramner Dham was given in jughtee to Bheem Sing, a grandee of Govind Dars, by Shah The revenue free tenure was a sumed by Aurungzeb, and the villago given on a quit-rent of Itapees 1,500 This tenure the Malimitas resumed, but left 2,000 beegahs as bloom In this holling the right of primogeniture is recognized, and the present head of the family, Bijay Sing, gives maintenance to 22 persons The bloom holding in Rampoora was obtained by Askaran, also a graidson of Govind Dars. Sheedan Sing, Goolab Sing, and three widows are at present in poseession.

110. Klarka — The pergunnah of Kharwa was kbales in the time of Akhar, and the tradition is that Sakht Song, a son of Mota Rajs, saved Akhar from drowning and thus obtained the japhire. For seven generations the estate was multiplied, but in the bit generation the estate of Deophur was sejarated, said there are now three sub-talookas paying revenue to Kharwa. The following Table will explain the distributed the estate.—



One village is held on istumrar tenure by Charans and is not resumable. They pay yearly Rupees 65. The pergunnah of Kharwa was formerly much exposed to the depredations of the Mhairs, and 19 of the 37 villages of which it nominally consisted were made over to Captain Hall when the district of Mhairwarra was established. The present Thakor, the son of Ram Sing, is one of the most prosperous in the district. There are two bhoom holdings, those of Jatlee and Akhree belonging to this family.

- 141. Mewaria.—The Thakoor of Mewaria is a descendant of the youngest son of Mota Raja. Ram Sing, the great-grandson of Jeth Sing, is said to have founded this village in the waste. The estate descends to the eldest son, but the Thakoor has 19 relations, who hold land and are considered Bhoomias, the land which had originally been given for maintenance being considered bhoom.
- division of the Rahtores, those descended from Chandra Sen, the brother of Mota Raja, and the fourth son of Maldeo. Karan Sen, the grandson of Chandra Sen, so the story runs, came to Ajmere, and having intoxicated the Bheels, who then held the pergunnah of Bhinae, he slew their Chief, Madla, and received in jaghire from Akbar the pergunnah of Bhinae with seven other pergunnahs, but what these other seven pergunnahs were is not known. Bhinae was considered a Chourasi or estate of 84 villages. Sham Sing, the son of Karan Sing, had two sons, and the estate was divided between them, the eldest son taking Bhinae and 46 villages, the younger taking Dewalia with 38 villages. It would thus appear that the rule which in division of a property allows the eldest son a larger share than his brother was observed. The following table will make clear the subsequent division of the Bhinae Estate. The divisions of the Dewalia Estate will be afterwards explained.



CRIFFIL SIX.

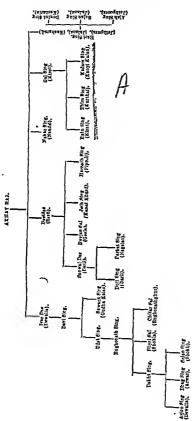
Karus ben.

143. Bhinae .- The Raja of Bhinae has precedence before all the other Thakoors in the district. His income was estimated by Mr. Cavendish at Rupces 35,000, and is now over Rupees 50,000. Besides the estate of Bhinae and the village of Piplia he holds and pays revenue for the villages of Surkhand and Kacharia, estates which in the year 1836 were resumed owing to the inability of the Thakoors to discharge the Government revenue, and which were made over to the head of the clan. Mr. Cavendish has recorded that though the Raja claims the proprietary right in the soil, yet he cannot oust the cultivators of Chahi, Talabi, and manured land, and whenever these return to their villages they regain possession of these kinds of land. The Thakoor of Sarana pays revenue to the Raja of Bhinae, and is the Bhoomia of the jaghire village of Kesurpoorn adjoining his estate. By an old arrangement he takes onefourth of the revenue of the village from the Jaghiredar, Nawab Abdool Thakoor Chiman Sing of Sholian is the owner of an estate which formerly paid a revenue of Rupees 815, though the present assets of the Thakour are estimated only at Rupees 1,000. In the time of Mr. Cavendish, the Thakoor having failed to obtain relief at either Aimere or Calentta, resigned his talooka. The estate was farmed for three years at the amount of the fixed revenue, but the farmer was unable to discharge his obligations and ran away. The Thakoor again tried but was unsuccessful. Finally in 1836 the revenue was reduced to Rupees 622-3-0 and on the abolition of Fouj khurch to Rupees 455-8-0.

144. Bandanwora.—Suraj Mal, the ancestor of the Thakoor of Bandanwara, was dissatisfied with the amount of his "gras" and went to Delhi to complain. Here he was favourably received; he obtained a mansab of Rupces 1,000, and orders were issued to give him the towns of Ramsar and Sriunggur in jaghire. When Ajit Sing of Marwar obtained Ajmere, the Thakoor failed to present himself, and the Maharaja resumed Sriunggur and Ramsar and demolished the fort. The present Thakoor, Runjit Sing, has no immediate relations, and was himself adopted from the Kalyanpoora family. The revenue of Bandanwara includes that of Amrghur, the remaining subdivisions of Bandanwara pay revenue direct to Government.

Narsing Dass, the ancestor of the istumrardar of Tantoti, was an adopted son of Uday Bhan, to whom Kesri Sing and Suraj Mal were afterwards born. Narsing Das obtained Tantoti, Sherghur, and Baori; and on his death Baori fell to the share of his second son. The Thakoor of Tantoti has a masonry fort in Sherghur.

145. Devalia.—The second son of Sham Sing, Akhay Raj obtained by division 38 villages of the Chourasi of Bhinae, and founded the Dewalia family, which has spread into a number of branches, as may be most easily seen by the following genealogical arrangement:—



146. The Thakoor of Dewalia holds only five villages out of the original 38. His income is estimated at Rupees 18,000. On the accession of the Maharaja of Jodhpoor to power, not only was no revenue collected from this estate, but a jaghire of Rupees 36,000 in Marwar and a daily allowance of Rupees 35 were bestowed on the Thakoor, in consideration of which he was to perform personal service with 36 horsemen. Till 1806 A.D., the family remained in possession of the Marwar jaghire and the daily allowance. Mr. Cavendish has recorded that one village, Ramghur, was formerly given to Charans in jaghire, afterwards a revenue of Rupees 300 was fixed upon it, on which the Charans threw up the village. The Charans stated that they only gave up half the village. The Thakoor claimed the right of ouster from all land, but it was not admitted by the people. The Thakoor of Barli is a Tarzimi Thakoor, and the Thakoors of Goela, Kanai Khurd, and Nagelao have seats behind him in Durbar. There is a fine tank at Barli built by Devi Das, and called after him Devi Sagar. The revenue of Kanai Khurd is included in that of Barli. The estate of Piproli is now an integral part The Thakoor in 1821 did not pay the revenue, and of the Barli estate. the estate was made over to the head of the clan.

147. Pamily of Deogaon Baghera.—Nahar Sing, the third son of Akhay Raj, obtained only Nandsi from Dewalia. He, however, succeeded in expelling the Gor Rajpoots from Deogaon, and the Sesodias from Baghera, and made himself master of their estates. In this enterprise he was assisted by the Thakoor of Junia and his son, Kunwar Kishn Sing, who was killed in the conflict. Nahar Sing made over three of the villages he had acquired, Karonj, Bogla Kalahera, and Dewalia Khard as compensation for the blood of Kishn Sing to the Junia estate and himself retained the remainder. Nahar Sing had seven sons who obtained estates as follows:—

nahar sing.

Deo Karan Bharat Sing Tej Sing Rughonath Sing Hati Sing Indra Sing Arjun Sing (Deogaon) (Nandsi). (Bichmalian). adopted into (Bagrai). (Salari). (Kybania). (Baghera).

The eldest son became Thakor of Deogaon, Baghera, the second son obtained Nandsi, but as Nandsi is part of Dewalia, the Thakor of Nandsi sits behind the Thakor of Dewalia. The sixth son obtained Salari, which is a talooka of Deogaon. The fourth son, Rughonath Sing, was adopted by the Thakor of Dewalia and succeeded to that estate. He provided for his brothers, Tej Sing and Arjun Sing, by giving them the estates of Richmalian and Kybania out of the estate which he had inherited by adoption, and these two estates are reckoned talookas of Dewalia. To Hati Sing Rughonath Sing gave some land in Bagrai and the descendants of Hati Sing are still in possession. The property is divided by ancestral shares, and the estate is not considered one of the talookas. Deogaon is remarkable for a temple of Varahaji, and a celebrated pillar called Nawa Thamb.

148. The remaining talookdars subordinate to Dewalia are the descendants of the fourth and fifth sons of Akhay Raj. As has been already mentioned, the Thakoor of Kirot holds also the village of Kadolai which is properly part of Mehron, and pays on account of it Rupees 298-13-0 revenue. Hari Sing, the youngest son of Akhay Raj, obtained

three villeges, Jothpours, Jadona, and Kacharia, and they were divided among his three sons. The eldest, Ajab Sing, died without heirs, and the Taskoor of Jadona succeeded to and holds both Jethpoora and Jalana. The village of Kacharia was with Sarkhand made over to the Raja of Bhinse on account of arrears of revenue, and the descendants of Doulat Sing, as well as those of the Taskoor of Surkhand, are now cultivators in their respective villages.

142. The catate of Santolah was separated from Bhiase by Karan Sca and given to Girdhar Sing, his brother. This estate is mortgaced for Rupecs 5,000 to the Maharaja of Kishenghar, who is still in possession. The Thateor Med Sing has a seat in Barbar hehiad the Raja of Bhinse. The bhoom holdings of Dahrela, Dhigaria, Samprola, and Rignot descend by ancestral shares and are beld by the descendants of the younger sons of Karan Sea.

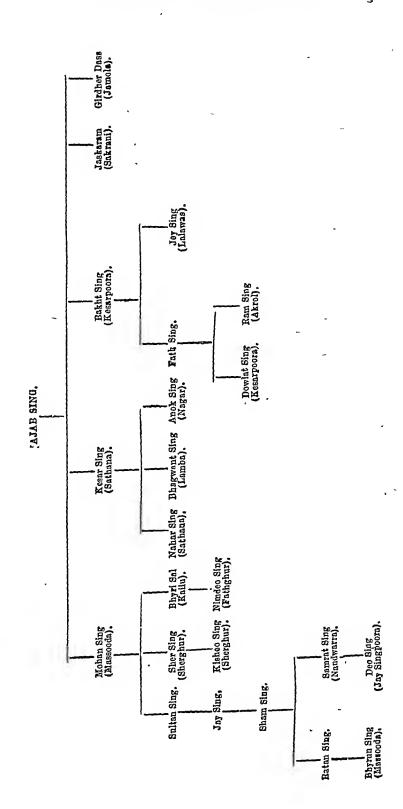
150. The third great devision of the Ajmera Rahtores are the desecodants of Dudaji, the sea of Jodha, Raja of Morwar; and among
them the principal is the Thakoor of Massooda. Dudaji had five grandsons. The desceadants of the eldest, Jaymaji, are the Thakoor of Richmalian and the Bhoomiss of six villages. The second soo, larji, is the
progenitor of the Thakoor of Settran and of five formilies of Bhoomiss.
The third son, Jagmel, is the ancestor of the Massoode benne and its
hranches and of four families of Bhoomiss: thede-cendant of the foarth
son, Chandaji, are the istumeradars of Karol, and 32 families of Bhoomiss.
Har Slogji, the youngest, is the progenitor of four families of Bhoomiss.

151. Richmoids and Sethern.—It is not known how Gyan Dass obtained possession of Richmalian, probably in the same way as Sur Ning became talocklar of Setham by founding a village in the waste. The younger branches of the Richmalian family hold four wells in that estate on theom tentre and are called Bhoomias.

153. Mattooda.—The perçunnah of Massooda is said to have derived its name from Massod Ghari, a son of Salar Sahn, who is the time of Salar Sahn, who is the time of Salar Mahomed founded a town and called it after the name of his war. This account is not verified in any of the historical antibrities. The programan was given in jughino fecure by Ather to Hanward Sararata's brothers, who expelled the Powar Rajpoots, who had attacked the imperial thanan. On the return of

Hanwart Sing after Alberton the grant from Alberton awar a tiger and a pig Egitting as the Thom rese called Baghsuri. The anguaters said that a fort their critics yet well be intentible, and Ladb Sing, the yearges trathe of the work well being built a fort which became a separate ertate. Note Sing and Shorfart Sing, the cost of Ladb Sing, obtained Release a well Sing and the Sing, the cost of Ladb Sing, obtained Release a well sing and the state of the second single single

153. The Manorda estate was not a little and it is a little at taken place will be best understand by the little and taken by the little a



The estates of Sethane, Lamba, Negru, and Sekrani pay revenue direct to Government, the remeining Thaloore pay revenue to the Massooda estate. The estate of Messooda is the largest end richest in the district. Mr. Cavenduh has recorded that four villages have been granted to Charans and Jogus, of these three pay a fixed quit rent, and one is not charged with any tax. Lachman Rewal of Sheopoon and Jodha Rawal of Asna appear in Darhar.

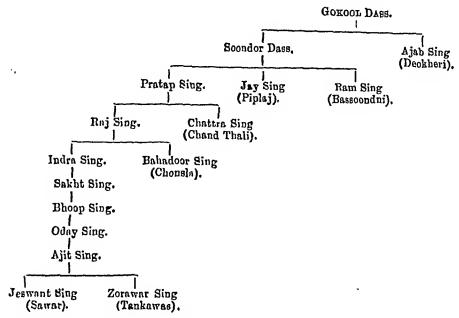
165 Karel.—The estate of Karlla'ands alone among the Rajpost istumar estates; os in it the property descends by oncertar shares and not by the custom of primogentare. Kishes Sing, the younger son of Choudeji, expelled the Karel Mhairs and possessed himself of the village. The encongoges in the time of Mr. Caredinis stated that the sillege was Khales, but it had paid a fixed revenue under the Emperors and was included in the istumar. The revenue, Rupees 2,132-15 2, is essessed on 51 wells, though now there are many more in the village. The two chief men of Kerel are Saman Sing and Phul Sing, who elso ere Bhoomas of Kanas ond Naudis, and these two attend Dushars. Recently a petition has been given by several of the Kurel istumarals as to him the village memored, and when this has been done, it will be possible to determine the rights of the very numerous descendants of kishen Sing. The younger sons of Kishen Sing became Bhoomies in the Possible to determine the

165. Percendants of Rimmal and Gloudays.—The descendants of Akhry Rej, the son of Rimmal, ero Bhoomiss in Khodan and Bobans, and the descendants of Parasram, younger son of Choudays, are Bhoomiss in Mogri.

168 Serdia—The pergonnah of Sewar at the south-satern extremity of the Ajmere District is held on istumize tenure by Sesodia Rajpo its, and the estate is a piction of a grant male by Jelanger to Gokool Dais, who is sail to here received \$5\$ no ands in the service of the Amperor of Benares. The pergonan of Phools was inriginally part of the Khalsa of Ajmere, end was given in jachire by Shah Jehan to the Raja of Shahpora, a scino of the Royal Blowse of Meymar. For many years the Superintendents of Ajmere exercised an interference in the effairs of this pergonnah, but in 1817 it was permanently essessed at Rupees 10,000, and the Raja of Shahpora is no longer reckoned among the istimizators of Ajmere. He is considered a timbiary Pinnee, and is independent in his territory. There is a family of Sesodias who are Rhoomias in Nepoli. Resides these there are no other Sesodias in the distinct.

157. Serier — The estate of Sawar is the only one in the district in which the orders of Government, unfer date the 14th May 1530, in which it was decided that the revence pad \$\frac{1}{2}\$ the Talooklains should be increased to one-half the assets of the estate, have been carried out. On the death of Thakor Jewant Sing, on the 13th April 1856, Mashlo Sing succeeded by adoption, and, with the spectro. If Government, Colonel D son cobiased the everane from Rupe's 2,012-12 0 to Rupecs 3,000 exclusive of cesses. Major Lloyd, on the 2: th 1ct mary 1850, reported the orrangements he had tande for the destriction.

the increased sum among the sub-talookdars whose relationship with the head of the family will be best understood by a genealogical tree—



Of these estates Piplaj pays revenue direct to Government, and Bassoondni and Chonsla pay revenue to the Thakoor of Sawar. The other estates pay no revenue, but are held on a service tenure. Besides these estates the villages of Mehron, Khurd, and Bhaodawas with Rajpoorn are held by Charans and pay revenue to Sawar. The revenue of all is fixed except that of Piplaj which will pay Rupees 1,202-10-0, instead of Rupees 262 on the death of the present incumbent. The village of Chattapoora is held by Amra Chohan, who does service with four horsemen and four foot-soldiers.

- 158. Chokan Meenus.—The villages of Rajaosi, Nansar, Karekri, and Ajaysar are held on istumrar tenure by communities of Chitas. The villages are all close to the city of Ajmere and were granted to communities of Mhairs on condition of protecting the town. The canoongoes stated in Mr. Cavendish's time that they were khalsa villages, but unlike the rest of the khalsa, they paid a regular money revenue and have been included in the instumrar area. The canoongoes stated that Rajaosi was originally held in jaghire by the Gor Raja of Rajghur, but it was resumed by the Maharaja of Jodhpoor and farmed to the ancestors of the present Mhairs. Shamsaer Khan of Rajaosi is the head of the Chita clan in Ajmere.
- 159. Charan.—One village, Kotri in the Bhinae Pergunnah, is held by a Charan and pays revenue direct to Government. The possession of the Charan dates from Karan Sen, the founder of the Bhinae estate. In Massooda, Junia, Sawar, and Kharwa there are villages held by Charans on a precisely similar tenure, but this is the only one which pays revenue direct.
- 160. Kachwaha.—The Kachwaha Rajpoots, like the Sesodias, are to be found in the villages adjoining their respective States of Jeypoor

and Oodeypoor and held bloom in five villages of Ajmere. They are settled principally in the villages of Harmari and Tillornia in the extreme north of the district. The most noteworthy family, that of Tholloor Harmath Sing of Harmaria has had a chequered career. The micestor of this family, Harmath Sing, received a jaclarie of six villages from Autungzel, but the estate was partially resumed by the Rabitores and whelly by the Mahrattas, and the present representative of the family. Thickoof Harmath Sing, who alone of all the bloomias in the district is entitled to the appellation of Thaloor, helds now some 500 acres of bloom in Harmaria and Tillornia.

161 Nawah Abdook Karim Khan is the largest jaghiredar in the district. He is a descendant of Tahawir khan, who secompanied Aurungzeb on his expedition to Ajmere against Dara, and whem Anringzeb, suspecting treachery on his part, canced to be put to death at Doomara, where is his tomb. Farokhair made a grant of 59 villages to Sher-ind-din khan, the son of Tahawir Khan, and the property has since lineally descended. The printed Report of the Committee on Jaghira Estates, dated 16th May 1874, contains all that is knewn regarding this and the other jagbire estates, and it is annecessary to recapitulate it here.

CHAPTER VII.

History of the Land Recenue Administration.

162 The khales sillages of Ajmere have been practically identical since the cession of the district in 1918 to the present time. The only change of importance has been the addition of five villages in second-ance with a Treaty with Sindia in 1950. The khales villages of Whatewarra have been idential since the conquent and cession in 1825. The temporary arrangement under which saven Marwar villages were, for a few years, placed under littles management will not vitate a companion of different periods. The administration of the istument estates of Ajmere has been confined to collecting from them a fixed assersiment; the Tilskoots and Jaghiredurs were left to manage their own offairs. The following retroepect, therefore, will be restricted to the administration of the khales and chiefly of Ajmere. The accompanying statement shows the demand and the collections on account of land revenue of the khales of Ajmere proper for each year from 1818, and the prices of the chief grains grown in the district are also given for each year.

Statement of demand and collections in the khalsa villages of Ajmere from 1817-18 to 1873-74.

| | | === | | = | | | | | | |
|--|---|--|---|--|--|--|--|--|--|--|
| | s | BERG PI | er Rup | EE. | | | | | | |
| Year, | Wheat. | Barley. | Maire, | Moth. | Demand. | Collection, | Remabre . | | | |
| | | | | | Rs. | Rs. | | | | |
| 1818 1819 1821 1822 1823 1824 1825 1828 1828 1830 1831 1838 1838 1838 1838 1838 1844 1848 1848 1848 1848 1848 1848 1855 1855 1856 1857 1858 | 145 130 121 120 121 122 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 2 | 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 | 22718686619398659323129951586889519332312222889915868885193323122228899158688852110868662262222288931586888521108686226222228893158688852110868622622222889315868885211086862262222288931586888521108686226222228893158688888888888888888888888888888888888 | 19 24 21 28 30 21 29 37 42 29 40 47 140 30 28 160 21 20 21 21 21 21 21 21 21 21 21 21 21 21 21 | 1,28,978 1,79,457 1,61,700 1,64,700 1,64,700 1,44,072 1,44,072 1,44,072 1,44,072 1,44,072 1,44,072 1,44,072 1,41,072 1,19,802 1,71,71,762 1,73,890 1,71,762 1,73,890 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,022 1,75,249 1,74,023 1,73,386 1,74,884 1,72,863 1,74,884 1,72,863 1,73,347 2,11,3491 1,80,765 1,81,644 2,02,973 2,17,544 1,86,435 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,81,568 1,80,318 1,42,898† | 1,15,060 1,69,746 1,40,0344 1,64,700 1,62,670 1,82,670 1,82,670 1,82,648 1,23,350 1,24,629 1,24,638 1,24,629 1,27,513 1,26,810 1,25,672 1,22,730 97,216 72,047 1,23,998 1,05,672 1,24,760 1,25,787 1,24,780 1,27,787 1,24,780 1,27,787 1,27,988 1,71,787 1,44,624 1,71,789 1,72,290 1,71,789 1,72,290 1,71,789 1,72,290 1,71,789 1,72,290 1,71,789 1,82,316 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,286 1,74,684 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,72,884 1,73,844 1,73,8 | Collected by the Mahrattas. Mr. Wilder's direct collections at half produce. Mr. Wilder's five years' progressive settlement. Mr. Wilder's five years' settlement. Revenus collected kham at half produce. Collected at half produce by Mr. Middleton. Mr. Middleton's five years' settlement continued for two years. Mr. Edmonttone's summary collections. Settlement. Mr. Edmonetone's ten years' settlement, but after the first year half the villages gave up their leases, and the revenue was collected direct at half produce. Colonel Dixon's collections partly on Mr. Edmonstone's settlement, but chiefly direct at two-thirds the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's direct collections at two-thirds of the produce. Colonel Dixon's collections for Road Fund Rupees 1,703, and Talao Fund Rupees 5,125, which had been held kham and the receipts credited to the Personal Ladges for six years. Rupess 42,406 remitted. Colonel Dixon's collections for six years. Rupess 42,406 remitted. Sold in this arc includation of the produce. The this arc includation of the produce. The this arc includation of the produce. The third the produce. | | | |

163. Administration of Mr. Wilder.—Mr. Wilder, Assistant to the Resident at Delbi, was the first Superintendent appointed to Ajmere. He received charge from Sindia's officers on the 26th July 1818 and "found the city almost deserted and the people, though peaceable and industrious, sadly thinned by oppression." On the 27th September he reported on the newly-acquired province. Neither Tantia nor Bapoo Sindia had ever collected more than Rupees 3,76,740 from the district,

and of this sum Rupees 31,000 was the amount at which the enstoms had been farmed, the remainder was land revenue " Of the land revenue amounting to flupees 3,45,710, the assessment of the istummr was Rupees 2,16,762, that of the Ibalsa Rupees 1,23,078. The system of Mahratta administration was practically to exact all that could be raid, but about mine years before the eersion a bul of settlement had been concluded in the istumrar and khales in accordance with which it had been arranged that instead of the recent arbitrary enhancements of the istumrar revenue, all future augmentations should take the form of taxes or levies, and the laud revenue of the Ihalsa was shown as a fixed sum called "nen" Rupeer \$7,659, while the remain ler was to be collected in the shape of a number of extra eesses The object of this arrangement was two-fold. The intumrardars were anxious that the arbitrary exactions should not be consolidated with the original revenue lest on a change of rulers it might be difficult to procure their remission, and the Governor of Agmere only sent to Gualier the land revenue proper, and appropriated to himself the extra collections The Lbales villages were farmed for the amount of the 'acu' and the extra cesses were levied under 41 heads. Of these a tax called "nandral" equal to 2 per cent. over and above the "aen" was the perquette of Sindia's wives ; a s milar tax was denominated, "Bheut Bai Sabiba" and was an offering to his sister, and his daughter and his I'r received respec-tively flupses 2 and flupso 1 from each village. The preduce of there four cesses were sent to Gwahor, and the Governor appropriated the produce of the remaining 10 exactions. The chief were fourkhurch levied on account of the expenses of maintaining troops for the protection of the villages This was uncertain in amount and varied with the ability of the people to pay and the power of the Governor to compel payment. Patel, bal, and bloombab were percentages levied from Patels and filoomias, there were numerous offerings at all the Hindoo festivals, charges on account of every act of Civil Government, and sundry arbitrary cesses uncertain in amount. The actual collections from the khalen in the year before the cossion amounted to Runces 1,15,060.

Wilder some difficulty. None of the Company's come were entrent further south than Jespoor, but there were sax purequal mants whose can was current in Ajmers, and for all of whom the chief source of supply of bullon for comage were dollars imported from Bombay or Surat vid Palte. No crude bullion was used The Ajmers must had been established since the time of the Pimperor Albay and turned ont yearly about a lakb and a half of rupees called Sr. Shahi. The Arskepkur rupee was struck at kishepshor and the must had been established about 50 years, though it had frequently been suppressed by the rulers of Ajmere. The Aschersk rupee was struck by the Thabor of Kuch awan in Marwar, without the perm suon of the Maharaja, who was low weak to must be rupties. The Thabeer was suppressed to clear 5 per cent. By binging the deliars to bus melting yet The Siskper's rin thad

[&]quot;Nove-lette Treaty of over sea with Sind a theoreticand Ajmere was reliable to CASAN with North or ALONA formstated a spece of was admitted, bewerer by the low intent theoretical theoretical was made any granted.

been established for some 70 years, in spite of the attempts of the Rana of Oodeypoor to suppress it. The Chilloree rupes was the standard coin of Meywar, and the Jharshahi rupes was struck at Jeypoor. Mr. Wilder cut the knot of the coinage difficulty by concluding all transactions on the part of Government in Furrukabad Rupees, and receiving only these in payment of Government revenue. The fixed revenue of the istumrar estates he converted from Sri Shahi into Furrukabad currency by allowing a deduction of 9 per cent., and it is on this account that the present istumrar revenue of each Thakoor consists of Rupees, annas, and pies.

165. Mr. Wilder proposed to abolish what he calls "the very objectionable and disgusting system heretofore practised," and to take the revenue in the khalsa by reverting to the ancient eustom of estimating the crops and dividing its value. The people willingly agreed to pay one-half the estimated value of the crop, this being the old rate of assessment and that customary in the adjacent States. The collections for the year were Rupecs 1,59,746, and Mr. Wilder writes that the measure of an equal division of the crop had been productive of all the bcuefits he had anticipated. The people had acquired confidence in the moderation and justice of their new government, and though it would not be advisable for the next two years to demand any great addition to the increase that had already taken place, yet he was confident that on the third year the jumma might be raised to double what it had reached under any preceding Government without at all pressing on the inhabitants. Accordingly Mr. Wilder proposed a three years' progressive settlement, in the first year Rupees 1,79,457, in the second year Rupees 2,01,691, in the third year Rupees 2,49,303. He was of opinion that "if the jumma is so apportioned that half of the produce be found sufficient one year with another to meet the Government demand, the remaining share is quite enough to provide every necessary comfort for the husbandmen." This way of putting the case sounds peculiar, but is quite in accordance with Mr. Wilder's views, whose dominant, if not sole anxiety was to increase the Government revenue. Mr. Wilder furnished no information of the principle ou which the demand had been fixed, nor of the grounds on which a progressive assessment had been resolved on, and the settlement was confirmed with some hesitation by Government, who remarked on the proved disadvantages of an assessment framed on anticipated improvement, which checks the rising spirit of industry and the accumulation of capital.

166. The settlement, however, was not destined to run its course but broke down the first year. The khureef was injured from excessive rain, and in February there were successive frosts, which so destroyed the rubbee that the straw even was not fit for use. Mr. Wilder proposed to relinquish the balance and to make a settlement on a fixed annual jumma of Rupees 1,64,700. Both these proposals were sanctioned by Government, the term of the settlement being fixed for five years. The assessment was fairly collected for the first four years, though in the last year the people were obliged to borrow to pay their revenue; but the fifth year was a year of famine. There were occasional showers till the 10th of June, but from that date there were only two showers, one on

the 12th and another on the 20th August. A hot westerly wind prevailed, the tanks dired up, the wells began to fail, and the khorece was lost Porage was as scarce as grant, many of the cattle had died by August and most of the remainder had been driven off to Malwa. Grass was selling at 20 seers a rapec. Two severe froots in March almost entirely lestinged the todifferent robbee. Recomes was had to collecting one-half the produce, the amount realized was Rupees 31,020. The next year was a good one, but the people objected to pay according to Mr. Wilder's settlement, and the revonne was again collected kham.

107, In December 1824, in the middle of the famine year, Mr. Wilder was promoted to the charge of the Sauger and Nerhodda terri-His six years' administration had not been productive of any great resolts. He made no radical inquiry foto any of the institutions of the privince He continued many old abuses both in the Customs and Revenue Departments, simply because they brought in money. It cannot be said that he took much pains to ascertain the value of the land he necessed or the condition of the prople and the era of material improvement had not yet dawned. He nuited in his person the offices of Superintendent of Aymere and of Political Agent for Jodhpoor, Jeysulmere, and Kishenghor, and kept up a semi-regal state with elephants, horsemen, and chobdars On the other hand, his administration was rather starred. The whole cost of the Revenue and Police establishment of the district was Ropers 1,371 n month, or less than half of Mr. Willer's salary which was Rupees 3,000. There was not a copy of any Regulation in the Office in 1924, and a copy of the Colcutta Gazette was refused. After a time an European Assistant was appointed. The great solicitude of Mr. Wilder was to develop the trade of Aymere and he invited merchants from all quarters to came and settle in the city. One curious feature of his correspondence is the number of letters of recommendation he gave these merchants and bankers. Many of these letters were written to Judges and Magistrates requesting them to assist in collecting money due to the merchants

103. Idais stratus of Mr. Middleton.—Mr. Henry Middleton, also a North-West Civilian, succeeded Mr. Wilder in December 1921, Ile was of opinion that Mr. Wilder's assessment was very high, that fixed assessments of any kind wem unpaliable to the people, and it confidence could be reposed in the Subordinate Officers, the system of taking in lind would be best. The experience, however, of the year 1822-20 rendered Mr. Middleton lot to adopt this system. Accordingly he pmposed a five years' settlement and reported its completion on the 26th November 1826. He hal rough measurement rolls prepared, but he chiefly relied on the collections of the previous year as a enterion of resources. He remarks upon the poverty of the prople and the extortions of the money leaders. Many enlitrators who had come to the distinct is the first years of British rule had been driven away again by bad harvests and high assessments. The wells were falling into divergair, and the people had no mency to repair them. Mr. Middleton's settlement was sanctioned at Rupers 1,45,022 for five years.

100 The assessment, however, was only collected in the first of the years the settlement had to rom, and that with considerable difficulty. The raise communical favourably, but from the middle of July till the

first week of September there was no rain. The bajra and jowar all came to nothing. The rains of September, however, were plentiful, the people who had begun to drive their cattle to Meywar and Marwar for pasturage returned, and the rubbee harvest was good. Mr. Middleton did not remain long enough in the district to collect the next year's revenue and made over charge to Mr. Cavendish in October 1827. He was an officer of mediocre ability and initiated no useful measures.

170. Administration of Mr. Cavendish .- Mr. Cavendish, his successor, was a great reformer and left the impress of his energy on every department of administration. To him the district is indebted for a very valuable collection of statistics regarding istumrar, bhoom, and jaghire tenures. He carried out, however, little of what he put his hand to, and the sanction which had been accorded to Mr. Middleton's settlement prevented his interference in the assessment of the khalsa. In forwarding the accounts for the year 1828, he explains the method of collection and gives a long account of the circumstances of the district and of his own views as to the weight of the assessment. The custom of collection as handed down from the Mahrattas was for the patel with the putwaree, where there was one to estimate the crop. Onehalf the estimate was the Government revenue. Almost always a loss or inability to pay the assessed revenue from the produce of the land was the result of the estimate and then followed an annually, varying contribution from all village residents to make up this real or supposed The contributors were not permitted to interfere in the valuation and the Tehsildar enforced payment.

171. Mr. Cavendish considered "that Mr. Middleton's assessment was high for several reasons, because the cultivated area has remained stationary since the time of the Mahrattas, who only collected Rupees 87,689, because the rate of assessment exceeds one-half the produce; because no cultivator in the soil of Ajmere which requires much labour and expense can afford to pay one-half the produce; because the assessment is collected not from the produce of the soil, but by a fluctuating and arbitrary tax, and because the assessment has been made on the basis of a favourable year's collections when corn was dear." Mr. Cavendish applied the rates to which he had been accustomed in Saharunpoor to Mr. Middleton's areas and calculated that the assessment ought to be Rupees 87,645, instead of Rupees 1,44,072. sessment ought to be Rupees 87,645, instead of Rupees 1,44,072. He gives three main causes of the original over-assessment of the district, all of which no doubt worked to that end. First the strength of the Mahratta Government who took all that the people could give, and who were unfettered by any prescriptive rights; secondly, the exaggeration of the revenue by Sindia at the time of transfer which made Mr. endeavour to work up to an impossible standard; and thirdly, that the year 1818-19 was a very good year in Ajmere, while owing to the devastations of Ameer Khan in the territory of Meywar, Marwar, and Jodhpoor, there was a large demand on all sides for grain, and prices were very high. This last is a most important point and seems to be the real key to the over-assessment of the district. Mr. Cavendish proposed a revision of settlement, but if this were not sanctioned he recommended that the people should not be pressed for their revenue in bad seasons. He also introduced partially a knewat or assessment of individual holdings, a measure unknown to Mr. Middleton's settlement. He large stress on the point that remissions granted in a lump sum benefit not the real sufferers, but the Tchuldars, Cancongoes. Pntwarees, and Patels. He Introduced, for the first time, Putwarees' accounts, and appointed Pntwarees for many villages where there were none, and directed every putwaree to give a receipt. Government approved of Mr. Cavenduh's innovations generally, but with regard to the weight of the assessment decided that n more detailed investigation must precede a general revision, and directed that the unexpired period of the settlement should be diligently employed in ascertaining the capabilities of each village. It is certainly a matter of regret that the settlement of Ajmere did not fall into Mr. Cavendush's hands rather than into these of Mr. Middleton.

172. Ifolding these views as to the weight of the assessment, it was not to be expected that Mr. Cavendish should press the people to pay where he foom there was a difficulty in paying. As a matter of fact remissions were regularly applied for and granted, and the settlement was not worked up to in any me pear. In onlyone of the four pears that Mr. Cavendish was, in the district, were there any rains in December and January. He left the district at the end of 1831, the year of the expiry of the settlement. If writes that he had intended to make the settlement with patels and to give to each tecomic akhewat. Ho mids that he had inver been stationed in a district where the searns were so uncertain, the soil so poor, and which was so highly may oppressively over-nesses.

173. Major Spers .- There was no rain in 1831 till the 7th August. but the rubbee was good. Mr. Moore, the Assistant Superintendent, to whom Mr. Cas endish had made over charge, collected on the principle established by Mr. Cavendish. The year 1932 was marked by destructive flights of locusts in September and October, and Major Speirs, who succeeded Mr. Cavendish, found busself obliged to allow the khorcef kists to lie over till March. Major Speirs did not attempt a settlement, he collected all he could and the remainder was remitted by Government. In the year 1833-34, however, even the pretence of working on the settlement was abandoned. The year was one to be marked with a black cross to the calcular of Ajmere. It commenced with a cattle epidemic in April which carried off one-half or two-thirds of the cattle; there were only two hours' good rain from June to September; cattle, incre were and no klunest, for the locusts in September de-voured nearly every green thing. Major Speirs collected the klurest instalments by an equal division of the scanty proluce, and proposed to give the rubbee revenue to the people to enable them sementhat to recoup their lesses. In December 1833, Major Speirs was promoted to the pest of Officiaing Commissioner and made over charge to Mr. Librenstone, who collected the rubbee instalments by " taking from such of the village communities as would consent en any reasonable terms, engagements to pay revenue for their rillages according to a fair and just estimate of their resources calculated with reference to the dete-Forsted state of the country from the drought." In the following year Le made a summary settlement on the same principle, the demand of

which was Rupees 1,19,302. If the villages did not consent to the terms, the revenue was collected kham (at half produce.

- Mr. Edmonstone's Settlement .- In the cold weather of 1835-36, Mr. Edmonstone proceeded to make a regular settlement, which as it was subsequently sanctioned for 10 years, is generally known by the name of the decennial settlement, and which was reported on the 26th May 1836. Mr. Edmonstone gives a rapid sketch of the previous administration of the land in order to prove that "the district instead of advancing had receded and that independent of drought and failure of seasons, in no one year had a fair assessment been fixed on the land. " His endeavour had been to avoid the custom which had hitherto prevailed of fixing the jumma at the highest amount, which could be collected in any year, and then each year remitting, generally indiscriminately, all sums about which there was a difficulty. Mr. Edmonstone did not assume rates as Mr. Cavendish had proposed to do, but adopted a method of his own for assessment. The villages were measured and the cultivated area amounting in all to 36,257 acres classed into Chahee 8,989 acres, Talabee 2,180 acres, and Barance 25,088 acres. He then assessed the cash-paying produce (Indian-corn and cotton) on the dofusli area at the current money rates during kham tehsil and estimated the average produce per beegah of other crops. The Government share, one-half except in the case of patels and mahajuns, he converted into money by the average price current of the previous five years. thus obtained a rough jummabundee amounting to Rupees 1,57,151, and then visited each village, and fixed his demand with reference to the past fiscal history, present circumstances, and future capabilities of each No villages were given in farm. Two small ones were held kham as they could not be brought up to his standard, the rest accepted The amount finally assessed was Rupees 1,27,525, or adding the kham villages 1,29,872.
- 175. Mr. Edmonstone describes the people as reckless, improvident, poverty-stricken and much in debt. The Bohras were masters in the villages; they weighed the grain, helped themselves, and allotted the remainder: they advanced the Government revenue and gave advances of seed grain and for the purchase of cattle. They regulated the expenditure of the community even to the sums employed on marriages and other festivals. Their right was hereditary; they furnished no accounts and the debt to them ran on from generation to generation. Mr. Edmonstone settled with the headmen of each village, who, he believed, acted generally in accordance with the wishes of the village community. The incidence of his assessment was Rupees 3.9 an acre, while the unirrigated area was nearly 69 per cent. of the cultivated. The settlement returns show 5.621 cultivators, 2,675 non-cultivators, 3,185 ploughs, and 1.575 wells.
- 176. The decennial settlement was the first which was based on the cultivated area, and personal enquiry and the assessment of individual villages seems to have been very fairly and judiciously carried out. The great defect of the settlement was the very imperfect and inequitable manner in which the village assessment was distributed over the holdings. Hitherto the people had paid one-half of the estimated pro-

duce to the patels and the deficiencies were levied from the non-agricaltural residents Mr. Caveodish had partially introduced a khewat, but the principle of the joint responsibility of all Lhewardars was practically unknown in the district, and was introduced for the first time by Mr. Tilmonstone. It is evident that a cultivator ossessed at one-half the produce of his fields, and obliged to pay in good and bad years, cranot pay for other cultivators who emigrate so years of difficulty, or who being left without resources turn for a livelihood to manual labour. These two classes are still well known in the district as the "I irar" and "Nular Assam;" In the first year of the settlement, the khewat was proved to be quite inequitable, and the people hegie to clamour for a return to collections from the actual produce Mr Edmonstone had left Ajmere in the end of 1838, and Incutenant Macnaughten, his successor, proposed to make a fresh distribution of the revenue and "to give to each cultivator a separate lease specifying the quality and quantity of land in his possess on and the rent which Government will expect to receive from lum," In sending up the proposal, Colonel Alves, the Commissioner, remarked that it was tantamount to a proposal to change the settlement from monzahwar into ryotwar, and Government, adopting this view, decided that the change was undesirable and disallowed the proposed measure. Though however, a to discribution of the revenue was refused, yet the villages were offered the ortion of reforming to kliam management or of retaining their leases, and 11 out of 81 villages preferred the former alternative.

117. Colored Satherland's proposals — During this correspondence Colored Sutherland acceeded Coloned Alves as Commissioner. He took very great pains to make himself thoroughly acquainted with every thing concerning. Ajmere, and his Reports on the khalisa Administration and on the usuamradars are atain land papers of reference. After an exhaustive retrospect of the previous administration from which a good deal of the preceding sketch has been takeo, he came to the conclusion that "the system of rillage assessments is quite inapplicible to Ajmere, that they have produced extensive injury to the Government revenue and to the condition of the people, and that so in few more years they will leave us hardly any revenue, and reduce them to utter poverty. He looked for a remedy to the repair and construction of tanks, which reduct the country almost proof against famine and a liveases the mode of assessment, which had been carried out by Captain Dixon in "Mairwaria as that nuted to the conatry and consonant with the wishes of the people,

Ist .- Lan Is under cotton, maire, sugar, and opium to be charged with a money-rate.

Srd — Land newly broken up to pay 1. th the produce, for the first year, -2. th for it e second, and ith for the " in the 5th year and thereafter the full rate of "

- 4th.—A remission in the amount of share to be given to those who construct embankments or dig new wells.
- 178. The four years from 1837-38 to 1840-41 were years of severe distress, and at the time of Colonel Sutherland's Report which is dated 26th January 1841, the khalsa villages had reached the lowest depths of poverty. The Superintendent reported that 500 families had left the district owing to the pressure of revenue which they were unable to pay. Half the tanks had been broken for years and many of the wells worn out of repair. The people were too demoralized to permit of grants of advances for agricultural improvements. They preferred to pay half the produce to accepting the reduced assessment of Mr. Edmonstone. The houses were generally dilapidated and the whole khalsa in the eyes of the Commissioner bore a poverty-stricken look, which was a painful contrast to the condition of the talookdars' estates.
- 179. Retrospect .- Here then we may pause, for a new era opens for the district with the beginning of the year 1841, and briefly gather the lessons to be derived from the foregoing account. The outcome of British administration for 23 years had been to reduce the district to a state of abject povorty. The collections had dwindled down to less than they were in the time of the Mahrattas. The initial over-estimate by Mr. Wilder of the resources of the district had extended its baneful effects over the whole period. The settlements of Mr. Wilder and Mr. Middleton exceeded the collections of the good years on which they were founded, and were far too oppressive to be paid. Mr. Edmonstone's settlement, the lowest of tho three, was founded on an estimate of half the actual produce, and as an equal average assessment to include good and bad seasons was a complete failure. Its incident was 3.9 an acre on 31 per cent. of irrigation, or about twice as heavy as the settlements made in the North-Western Provinces under Regulation IX of 1833. With the experience gained in these settlements, the Government of the North-West might have concluded that its "trust that the settlement would prove moderate and be realized without distress to the people" was fallacious. The decennial settlement, however, broke down, chiefly because no proper arrangements were made for the collection of the individual quotas. The old order under which the headmen and putwarees had collected one-half the produce from each cultivator, had given way to the principle of joint responsibility, but the latter was an impossible system where each cultivator held a defined amount of land, and was assessed for it at a sum which left him merely the means of sub-During these 23 years one tank embankment, that of Ramsar, was repaired by Government, no new tanks were constructed, nor any suggestions made for that purpose.
 - 180. Colonel Dixon's Administration.—The success of Major Dixon's administration of Mhairwarra had for some time attracted the attention of Government and the Commissioner, and at the end of 1840, attention of Government and the Commissioner, and at the end of 1840, attention of Government and the Commissioner, and at the end of 1840, attention of Euperintendent of Mhairwarra was instructed to proceed into the Ajmere District and report on the local facilities for the construction of tank embankments in the khalsa villages. Major Dixon forwarded tank embankments in the khalsa villages. Major Dixon forwarded testimates for Rupees 55,507 for the construction and repair of thirty works, and these estimates Colonel Sutherland sanctioned on his own

responsibility. The kham villages in the pergunnals adjoining Mhairwarra were in 1811 placed under the charge of Major Dixon, and in Peburar 'al' Macnaughten, Major Dixon addition to his other duties e Commandant of the Mhairwarra Battalioa. From the dato of his assuming charge a new cra commences in the history of the administration of the country Within the next six years Rupees 4,52,707 were expended on the construction and repairs of embankments, advances were made for agricultural improvements. and the Superintendent succeeded in infusing a good deal of his personal energy luto the people. To enable Oovernment to reap a benefit from the new works, sanction was procured to allow such villages as desired it to abandon their engagements. All were savited to return to Lham management, and when a tank was made or repaired in one of the few villages which insisted on retaining their leases, percentage of the cost was levied in addition to the mesessment. The rate of collection at the same time was reduced from one-balf to two-fifths and the zabli or each rates also lowered. Colonel Sutherland and Major Dixon were both anxious that the rate of collection should be reduced to one-third, but this was not sanctioned by Government On the expiry of the ten years' settlement the whole district was held Lham and managed as Major Dixon had managed Mhairwarra

Mr Thomason's visit to Agreer - In 1816 Mr. Thomason, the Inentenant-Governor of the North-Wastern Provinces, visited this outlying portion of the territory under his charge, and he is the only Lieu'coant-Governor who has ever visited Ajmere With regard to the land revenue, the chief points requiring orders were, first, whether the rate of bliam collections should be reduced, secondly, whether there should be a return to fixed assessments Tho Inentenant-Governor decided that as long as the kham system of management was maintained. there should be ne alteration in the scale of rates, and his visit to the district confirmed the opinion which he had previously formed of the expediency of returning us soon us possible to the system of rillage settlements He remarks that a mode of administration which depends upon the experience and energy of one man is not fitted for general a log tion. The people had learned fully to recognize the principle of joint responsibility, and their land from the means of irrigation with which it had been provided possessed a higher and more uniform value than was formerly the case Arrangements were therefore made for n Ressour Survey, and Instructions were assued to Major Dixon for the formation of a village settlement. Moderation was inculcated and the standard to be mimed at was "the punctual realization of a jumma equal to Mr. I'dmonstone's assessment, and yielling over and above that amount n moderate profit on the money invested in tanks and reservoirs This moderate profit was afterwards put at b or 6 per cent.

152 Colonel Direc's regular stillented—The season of 1815-19 was a year of very severe drought which wholly eclipsed in severity the calamitous season of 1815-35 in Of the many Aprict and Mbairwarra only one lad the benefit of a Aprict on the was equally severe in the whole country and the produced exerts in well-

There was an utter failure of forage and the cattle by Colonel Dixon's estimate died. At one time it was doubtful whether engagements for a fixed assessment could be entered into. The succeeding year, however, was favourable and the settlement commenced from the klurgef harvest of 1849.

- 183. In making his assessment, Colonel Dixon was guided chiefly by the experience be had gained of the capabilities of each village while it was held under direct management. His method of assessment was as follows: He took Mr. Edmonstone's assessment and added to it 8 per cent. of the sum expended on tanks in that village. This was the standard. If the past history of the village or its "latent capabilities" warranted Colonel Dixon in believing that this amount could be paid, he assessed the village at this amount. If he thought it could pay more, he assessed it at more. If he thought it could by no possibility pay this amount, he reduced the standard. No rates were worked out until afer the assessment, nor was any attempt made to compare the incidence of the revenue in different villages or to explain its variations. The inequality of the assessment was no doubt tempered by Colonel Dixon's intimate knowledge of the district, but the system necessarily produced inequality. The increase in the assets of a village is by no means proportionate to the cost of the embankments which may be made on it. The cost of an embankment depends on the local facilities for making it, and in Ramsar where the tank-beds are generally unculturable from oosar, 8 per cent. was much too high a rate to take. Many new wells had been made in land within the influence of the new tanks and under the system adopted. Supposing Mr. Edmonstone's settlement to have been exactly fair, these did not come under assessment at all. In the village note books which are all drawn up on one stereotyped plan, it is nearly invariably recorded that the jumma fixed "appears equitable with reference to the experience of past years and the latent capabilities."
- For all practical purposes of assessment, the measurement of the villages in Colonel Dixon's time was superfluous. If six per cent. of the outlay on the tanks be added to the assessment of Mr. Edmonstone the amount will be Rupees 1,58,273, and this is the sum proposed as a fair amount to distribute by the Lieutenant-Governor. The highest amount which had ever been collected was in 1847-48 when at 3rds the produce the revenue stood at Rupees 1,67,237, and this Colonel Dixon's actual assessment excluding the included all cesses. one per cent. road cess, but inclusive of the tank cess of 1 per cent. on the outlay, which was merely a deduction from the Government revenue set apart for a particular purpose, was Rupees 1,75,756, or adding the assessment which was subsequently made on Nearan and Keranipara, Rupees 1,85,161. The assessment was lighter than Mr. Edmonstone's, but the unirrigated area had increased in greater proportion than the irrigated, and the rate of assessment was Rupees 2-0-3 on 28 per cent. of irrigation. The best description of the settlement is that given by Colonel Dixon himself in a demi-official to Sir Henry Lawrence, dated "If the season be moderately favourable and the 25th January 1856. talaos be replenished, the rents will be paid with ease and cheerfulness by the people. If drought ensues, we have been prepared to make such a remission that distress in paying the revenue shall not reach the peo-

ple. It is necessary to bear in mind that we have given the profit to the people, ourselves bearing the nins of loss. In a country like Ajmere-Minirwners where the seasoos are so extremely arregular, to horden the remiodars with arrears of rent on necount of what was not produced would check the coergies of the people and render them less soduetnons than they now are, when they know we shall only claim the rent nr a portion of it when it has been assared to them by Providence To have made the jamma less would barn been to have left zemiodars only partially employed, while in a season of scarcity we must still have relaxed the demand " This extract elearly sets forth the natore of the settlement. It was not intended to be an equal nanual jumms to bs collected in all years except what in other parts of India woold ho called fam ne years, but the assessment was pitched at the highest nmount that Colonel Dixon believed should be collected in good years, ond he was prepared to apply for remissions whenever they were The seasons in Almere are indeed too irregular and the rainfall too partial ever to permit of such a settlement Leiog made, but the plan of assessing a water-rate separately, though suggested in Colonel Dixoo's time hy Colonel Sutherland, was new, and its application to the tank s of Ajmere presented insurmoontable difficulties in practice.

185. The people accepted the settlement with reloctance Colonel Dixon (paragraph 11 of his Report) in speaking of Ajmero Pergonnah, saye-" Our labours to convince the people that their welfare and benefit had been mainly studied in the proposed arrangements were onheeded As all the patele and headmen were of one mind, it was evident they had been instructed by some evil-disposed people who lotter in the steinity of the Courts to reject our offers" Rajghur Pergonnah assented more readily llamsar, the most heavily assessed, was reluctant, but the persnasions and influence of Colonel Dixon eventoally indoced all to necept the terms In sanctioning the settlement the I icuteoant-Governor expresses a fear that the assessment will be found in some degree higher than the conotry can easily bear, but trosts to Colonel Dixon's local experience and intimate knowledge of the country, and is ready to believe that the assessment has been so fixed as to draw forth rather than discoorage the exertions of the people The Court of Directors shared the appreheosions of the Lieutenent-Governor, but the settlement as proposed was sanctioned for 21 years The Lieuterant-Governor, lowerer, desired it to be under-tood "that except alter Report to Government and special sanction, ro other penalty was to be nita hed to the non fulf !ment of the settlement contract than annolment of the lease and reform to khaza management "

186. The settlement thus sanctioned was a monahum: settlement

186. The settlement thus sanctioned was a monahum: settlement

186. The settlement thus sanctioned was a monahum: settlement

186. The settlement were due,

186. She is a made chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was apported

186. She is a made a chapprass e was appor

should be remitted about the month of May and applied for sanction for the remission of the amount proposed. Thus in May 1854 he applied for leave to remit Rupees 16,325, and his request was at once granted. It is a matter of common tradition in the district that when the revenue of any village was found to come in with difficulty, the Deputy Collector was sent out and arranged for a fresh re-distribution of the assessment. Such a mode of administration, though the best suited to the district and perfectly consonant with the wishes of the people, differs very considerably from the mouzahwar system and could only succeed when the Collector was intimately acquainted with the sources of each village.

- Settlement of Mhairwarra .- Having completed the settlement of Ajmere, Colonel Dixon took the assessment of Mhairwarra in hand. As regards Mhairwarra the Lieutenant-Governor had no desire to embarrass him with any instructions. He remarks that the district had been raised to its present state so entirely by Colonel Dixon's exertions and arrangement, that he alone was the best judge of what should be done. Colonel Dixon, therefore, marched into Mhairwarra in the cold weather of 1849-50 and reported his settlement of the district on the 27th September 1850. It was sanctioned for 20 years at a net demand of Rupees 1,81,751 and a gross demand of Rupees 1,88,742. In all Mhairwarra totals, however, it is necessary to remember that Meywar-Mhairwarra was assessed in Chittoree Rupees, the value of which as regards Company's Rupees was 127 to 100 at the time of settlement. force Mint ceased to issue coins in 1860, and the value of the Chittoree Rupee rose to 116 to 100, but in 1862 the general average was 120. Major Lloyd, the Deputy Commissioner, proposed in his letter, dated 15th August 1862, that the people should be allowed the option of paying in Government Rupees at a fixed rate of exchange, viz., 125 to 100, and this was sanctioned by Government. Since then the revenue has been collected in Government Rupees, the Chittoree coin arrangement and the batta fund possess now only an antiquarian interest. The settlement of Mhairwarra was made on the same principles as had been adopted in Ajmere. It was founded on his history of past collections, and here also Colonel Dixon discounted the probable rise in the prosperity of the country. The incidence of the assessment was Rupees 2-11-2 on 38 per cent. of irrigation.
- of favourable seasons, and the remissions for which Colonel Dixon found it necessary to apply were but small in amount. He continued to impress upon the people the advantages of wells and tauks; many were made by the people themselves and the country was prosperous and contented. Colonel Dixon administered the districts of Ajmere and Mhairwarra, to which duties was added the command of the Mhairwarra Battalion, till June 1857. He was at Beawur, where he generally lived during the hot weather and rains, when he heard the first news of the mutinies, and when the news of the mutiny of the troops at Nusseerabad arrived, he laid himself down and died. His tomb is in the Beawur churchyard and is still an object of veneration to the Mhairs. Colonel Dixon had lived in the district for 37 years. Originally belonging to the cantonment of Nusseerabad, he as an officer of the Bengal Artillery had taken part in the subjugation of Mhairwarra in 1821. Shortly afterwards he

was appointed Dapaty Commissary of Ordinance and placed in charge of the Ajmere Magazine. In this post he remained till 1856 when he became Superintendent of Mbairwarra, and in 1852 he became Superintendent of both districts.

189. Close of the era of material suprocessed --With the death of Colonel Dixon closes what may be called the second period of the history of the colonel Dixon's min Colonel Dixon's min Colonel Dixon's min Colonel Dixon's

gained ground that

the assessment was an equal annual demand to be collected in full each year. Captain B. P Lloyd, who had been Colonel Diren's Assistant from 1849 to 1853, when he had been placed in charge of the Neemuch Settlement was appointed Deputy Commissioner, the Commissioner of Ajmere being the Agent, Guvernor-General for Rajpootana In the year 1853 Colonel Dixon had been appointed a Commissioner and corresponded direct with the Government of the North-Wes'ern Provinces, in whose administration Ajmere had been placed in 1532 and Mhairwarra in 1810. Before 1853 the officers in charge of Ajmere and Mhairwarra had been styled Superintenden's and entresponded with the Resident at Dellii, subsequently with the Resident in Malwa and Rajpootana, and after 1832 with the Commissioner From 1858 the united districts remained a Deputy Commissionership under the Agent, Governor-General and Commissioner who in is latter capacity was subordinate to the Government of the North-Wes'ern Provinces, till 1871, when the province was formed into a Chief Commissionership under the Inrigu Department of the Government of India and was given a Commiss oper of its own, the Chief Commissioner being the Agent to the Governor-

General for Rospootana

190. Captorn Brooke - Captain Lange went on forlough immedintely after his appointment, and Captain Brooks succeeded to the Officiating charge of Ajmere-Vhairwarra On the 21th July 1858, hs submitted a lung and interesting report on the condition of this country, which has been printed in Volume III (New Series) of Selections from the Records of Government, North-Western Provinces He found the cultivators in the Aymere and Rajarh Pergunnalis better off than these in Rumsar who were generally very poor. He remarks on the great want of eatile The country hale iffered very severely from the famine of 1815, the eartle had died in thousands both in the districts and in the countries where they had been taken to graze, and the country had not recovered. Almost the only manure available consisted of the deposit in the beds of tanks. Mhairwarra was better off in this respect, and the cultivation of poppy had advanced with rapid strines in the pergun-rah of Tedghur since the settlement. The cultivators about the town al Nyanaghur were poorer The Intwarees' papers he four I were merely transcripts of the Settlement Record Lach cultivator had been led to consider his revenue as a fixed sam, and that it was a great injustice to demand more from him to make up the deferences of defaulters. In Mhairwarra the sepoys of the battalion were regularly defaulters, and where the settlement was not I ght to L ro trouble to make any arrangements for the cultivation of the rfells Cel rel 1) xon, who was loth Commandant of the Lorce and Supremten lert of the I) s'met, had been in the habit of deducting the armont of land revenue dge from men's pay, but this anomalous procedure was impossible

should be remitted about the month of May and applied for sanction for the remission of the amount proposed. Thus in May 1854 he applied for leave to remit Rupees 16,325, and his request was at once granted. It is a matter of common tradition in the district that when the revenue of any village was found to come in with difficulty, the Deputy Collector was sent out and arranged for a fresh re-distribution of the assessment. Such a mode of administration, though the best suited to the district and perfectly consonant with the wishes of the people, differs very considerably from the mouzahwar system and could only succeed when the Collector was intimately acquainted with the sources of each village.

- Settlement of Mhairwarra .- Having completed the settlement of Ajmerc, Colonel Dixon took the assessment of Mhairwarra in hand. As regards Mhairwarra the Lieutenant-Governor had no desire to embarrass him with any instructions. He remarks that the district had been raised to its present state so entirely by Colonel Dixon's exertions and arrangement, that he alone was the best judge of what should be done. Colonel Dixon, therefore, marched into Mhairwarra in the cold weather of 1849-50 and reported his settlement of the district on the 27th September 1850. It was sanctioned for 20 years at a net demand of Rupees 1,81,751 and a gross demand of Rupees 1,88,742. In all Mhairwarra totals, however, it is necessary to remember that Meywar-Mhairwarra was assessed in Chittoree Rupces, the value of which as regards Company's Rupecs was 127 to 100 at the time of settlement. The Chittoree Mint ceased to issue coins in 1860, and the value of 'the Chittoree Rupee rose to 116 to 100, but in 1862 the general average was 120. Major Lloyd, the Deputy Commissioner, proposed in his letter, dated 15th August 1862, that the people should be allowed the option of paying in Government Rupees at a fixed rate of exchange, viz., 125 to 100, and this was sanctioned by Government. Since then the revenue has been collected in Government Rupees, the Chittoree coin arrangement and the batta fund possess now only an antiquarian interest. The settlement of Mhairwarra was made on the same principles as had been adopted in Ajmerc. It was founded on his history of past collections, and here also Colonel Dixon discounted the probable rise in the prosperity of the country. The incidence of the assessment was Rupees 2-11-2 on 38 per cent. of irrigation.
- of favourable seasons, and the remissions for which Colonel Dixon found it necessary to apply were but small in amount. He continued to impress upon the people the advantages of wells and tanks; many were made by the people themselves and the country was prosperous and contented. Colonel Dixon administered the districts of Ajmere and Mhairwarra, to which duties was added the command of the Mhairwarra Battalion, till June 1857. He was at Beawur, where he generally lived during the hot weather and rains, when he heard the first news of the mutinies, and when the news of the mutiny of the troops at Nusseerabad arrived, he laid himself down and died. His tomb is in the Beawur churchyard and is still an object of veneration to the Mhairs. Colonel Dixon had lived in the district for 37 years. Originally belonging to the cantonment of Nusseerabad, he as an officer of the Bengal Artillery had taken part in the subjugation of Mhairwarra in 1821. Shortly afterwards he

was appointed Disputy Commissary of Ordnance and placed in charge of the Ajmere Magazine. In this post hie remained till 1836 when he become Superintendent of Mhairwarra, and in 1812 he become Superior

t adent of both districts.

189. Close of the era of material suprovement .- With the death of Colonel Dixon closes what may be called the second period of the histors, the era of material improvement, and the era of inflexible realization of the revenue commenced. The principle of Colonel Dixon's settlement was forgotten, and the idea gradually gained ground that the assessment was on equal nonual demand to be collected in full each year. Captain B. P. Lloyd, who had been Colonel Diron's Assistant from 1849 to 1853, when he had been placed in charge of the Neembeh Settlement, was appointed Deputy Commissioner, the Commissioner of Armere heing the Agent, Governor-General foe Barpootann In the year 1853 Colonel Dixon had been appointed a Commissioner and corresponded direct with the Government of the North-Western Provinces, in whose administration Armere had been placed in 1832 and Mhairwarra In 1810. Before 1853 the officers in charge of Aimere and Mhairwarra had been styled Superintenden's and corresponded with the Resident at Delhi, subsequently with the Resident in Vinlwa and Rappootana, and after 1832 with the Commissioner From 1858 the united districts remnined a Deputy Commissionership under the Agent, Governor-General and Commissioner who in is latter capacity was subordinate to the Government of the North-Western Provinces, till 1871, when the province was formed into a Chief Commissionership under the konign Department of the Government of India and was given a Commiss oper of its onn, the Chief Commissioner being the Agent to the Governor-

General for Itanpootana

190. Captain Brooke - Captain Lloyd went on furlough immediately after his appointment, and Captain Brooks succeeded to the Officiating charge of Amere-Mhairwarra. On the 2 tth July 1858, he submitted a long and interesting report on the condition of the country. which has been printed in Volume III (New Series) of Selections from the Records of Government, North-Western Provinces He found the cultivators in the Ajmece and Rajarli Perguonalis better off than these in Ramsar who were generally very poor. He remarks on the great want of eattle The country had suffered very severely from the famine of 19th, the cattle had died in thousands both in the districts and in the countries where they find been taken to graze, and the country I ad not recovered. Almost the only manure available consisted of the deposit In the bols of table. Mhairwarra was better off in this respect, and the cultivation of poppy had advanced with rigid strides in the perguncial of Todgline since the settlement. The cultivators about the town of Nyanaghur were poorer. The putwarees' papers le found were merely transcripts of the Settlement Record. I ach cultivator had been led to cons der his revenue us a fixed sum, and that it was a great injustice to demand more from I im to make up the deferences of defaulters. In Mhalemarra the servers of the battales were regularly delaulters and where the settlement was not I ght to k no trouble to make any arrangements I r the cultivation of their fells Col rel Dixon, who was both Commandant of the Perce and Enperinter lent of the Dainet, had been in the habit of deliveting the amount of land revenue due from " men's pay, but this animations procedure was impossible

of Superintendent and Commandant had been separated. vator whose crop had failed was obliged to pay his own quota by borrowing. There had been no "bachh" or distribution of the deficiencies caused by defaulters over the village community since the settle-No account had been kept of the profit of common land, and any remissions received from the State were appropriated by the whole village giving a very small modicum of relief to those really requiring it. The putwarees were miserably paid and generally acted as moneylenders to the people. Captain Brooke revised the putwarees' establishment and doubled up the smaller villages so as to enable him to give a more fitting remuneration to those who undertook the duties. He calls attention to the manner in which land submerged in the bed of tanks had been assessed at high rates, and proposed to strike out of the settlement all lands liable to constant submersion and to take revenue from them only when they should be cultivated. He was of opinion that the settlement had pressed heavily and shows that the prices of wheat and barley had fallen 50 per cent. below what they were for the three years preceding the settlement. He discussed the question of tanks at some length, and to remedy the silting up of weirs and tanks proposed to construct sluices one-third the ordinary width of the river bed and level with the floor of the bed. Many of Captain Brooke's suggestions were valuable, but the principle of laissez faire was now in the ascendant and nothing was done.

Captain Davidson, 1st Assistant Commissioner, succeeded Captain Brooke in his officiating charge in February 1859. In reporting the result of the annual tour on the 10th June 1859, he remarks that the season was peculiar, as the whole of the annual rainfall took place between the 16th July and 1st August 1858. The rain fell in a deluge in Ajmere and Beawur. All the tanks were filled suddenly and many burst. The nullahs flowed with such violence that acres of land in many places were washed away. The Ramsar Lake which had never been known to have filled before overflowed; the Ana Sagar Lake rose five feet in as many hours, the water flowed over the embankment which was considerably injured, and the houses on the bund were all under water. The khureof crop rotted in the ground, and when after the waters had subsided, a re-sowing took place; the seed for want of further rain failed to germinate. Though the rain was so heavy in Ajmere and Beawur, the pergunnahs of Todghur and Saroth were parched with drought. Captain Davidson's attention was specially directed to the repairs of the tanks, especially in Ramsar, where they had been made without foundations in bad soil, and where all the embankments were much shaken. The rubbee crop was very good, and the revenue of the year hardly suffered.

charge on the 12th July 1859, and on the 7th December he reported on the condition of the district and on the points raised by Captain Brooke's Report. Five villages had come under kham management in Ajmere and seven in Beawur. In three out of the twelve the recall of direct management had been to show that there was no actual loss, and these were resettled at Colonel Dixon's assessment. In the others a summary settlement was concluded for a less sum than that assessed, or they were held kham. The history of one of these kham villages may be given as a forcible example of the evil effects which sometimes followed Colonel

Dixon's method of assessment. The village of Albri in the Ajmere pergunnals had been assessed by Mr. Elimonstone at Ropers 650, the average collections for the previous ten years having been Rippers 608. Colonel Dixon constructed a tank in the village, which cost Rupers 10,313. The tank had been in full working order for several years below the 21 years' settlement and the highest collections ever obtained were Rupees 1,226. Colonel Dixon added 5 per cent, on the outlay of the tank to Mr. Edmostone's assessment which gave a standard assessment of Rippess 1,515. The actual assessment was Rippers 1,530. As long as Colonel Dixon lived, remissions were yearly granted, amounting in 1851 to Rupees 450, and in 1836 to Rupees 570. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100. In 1857, the year of Colonel Dixon's death, the "Man 1998 of Rupees 100.

tions of the verrs from 1857 the produce. In 1871 a farm was given of the village for Rupees 1.530. the oil assessment. The farming lease has utterly ruined the village. The average comes collections of the farmer for two years were Runees 1,295, and this he only obtained by screwing the last anna out of the people. In the year 1973-74 the people practically refused to cultivate.

The earthworks on the milway had been started and the village preferred. galning a subsistence on them to working the soil for the benefit of the farmer. The village has now her assessed at Ringes \$58, including Rupees 150 water r venue. Major Libyd proposed to remedy the silting an of the weirs by two or three times nignehing deculy the dry beds of the streams during the hot winds. He remarks that the plan of making sinces was tried and aban loned by Colonel Dixon. In May 1860, after a lengthened tour through the district, be submitted a long and interesting report on ils general combition and the measures he had adonted for its improvement. In comparing his recollection of the district from 1919 to 1959 with its state in 1900. Major Lilord was struck with the signs of increasing prosperity which were discerpible. Lands which he remembered covered with braze and low songle presented sheets of luxuriant cultivation. Now houses were apringing up and the careful-

193 Seases from 1800 st 1866—The rains season of 1870 was a balone. What ran fill fall in showers insufficient to fill the table before the ord of August, and there was no rain in September. The klutter failed, and but for the favourable season in Marvar the district would have suffered as much as the pretter part of the North-West on I rovinces. The wirk of redistribit on of the revenue was held in abeyance and never recommenced. Mayor laby I rule an est mate of the probably cuttum in each estar and fixed the amount to be collected, the balance to be suspended and the rain to be remitted. Subscriptions for the relief of the distress were collected in Agnete to it amount of the most of the start of the distress were collected in Agnete to it amount of the start of the distress were collected in Agnete to the amount of the start of the distress were collected in Agnete to the amount of the start of the distress were collected in Agnete to the amount of the start of the distress were collected in Agnete to the amount of the start of the distress were collected in Agnete to the amount of the start of the star

ness of the petite culture in Upper Mhauwarm excited his admination, He formed the paiwarees into circles, a messure commenced by Captain Brooke, and arranged for a systematic revision of the a titlement records, and a fresh distribution of the recenue. As a gards the land subject to submersion he mile some temporary arrangements, and proposed to exchange it for common lands on the completion of his a cord-

was roju a te in contr. Hing the much nery of eilled in.

was a year of extraordinary rain averaging 45 inches; the rain was spread over a long time and was not violent enough to damage the tanks. The khurcef failed : the rubbee was magnificent. The revenue was collected in full and the searcity which prevailed in the adjoining States kept prices very high. The rainy seasons of 1864, 1865, and 1866 were remarkable illustrations of the great value of the tanks, for without the tanks each of these years would have been one of considerable distress. In 1864 there was an average fall, but all the rain fell before the second week of August. In 1865 there was no rain until the second week in August, and it stopped in the second week of September; a few heavy showers, however, generally filled the tanks. In 1866 the rains began in the second week of August and fell continuously and lightly t'll the end of the month. In some parts the tanks were not filled, in others there were very heavy falls. There was a violent hail-storm in March 1867, which destroyed the crops about Beawur and many of the wells dried up owing to the deficient rain for three years. The revenue, however, was collected in full.

194. Mr. Ridsdale, Settlement Officer .- At the commencement of the year 1867, Mr. S. O. B. Ridsdale was appointed Settlement Officer in Ajmere and joined his appointment on the 12th January. The settlement did not expire till 1870 and Mr. Ridsdale was sent thus early into the field in order to provide for the instruction of the putwarees, and that all preliminary difficulties might be surmounted. Mr. Ridsdale writes that he found the putwarees entirely ignorant of surveying, while only one of them was acquainted with Nagri. Classes were formed for their instruction, but the work progressed but slowly; and it was not till November 1867 that the survey was commenced. A number of boundary disputes were decided, and in the case of several of the large villages, which consisted of a parent village and several hamlets, Mr. Ridsdale, with the sanction of the Board of Revenue, formed the hamlets into separate villages. On the 26th Nov ember 1868 settlement operations were closed on account of the famine which was impending. By this date a total area of 134,447 acres had been measured out of a total of 580,685 acres at a cost of Rupees 42,178. Owing to the changes caused by the famine, however, it was found necessary to have all this work done over again at the present revision.

195. Major Davidson. Deputy Commissioner .- The season of 1867 was a favourable one, the average fall at 15 stations was 21.5 inches. In the previous year the Deputy Commissioner had unnoticed introduced a most important change into the system of collecting the revenue. llected from each individual tenant, Hitherto the revenue had:1 by means of a Tehsil Chupprassie through the lumberdar in the sums due. arily co who assisted the lumber to the tenure e, but The system was a rough nly refused _ αeΔe∗ and had worked well. em to allow the Tehsil Chupp. dis were reminded that if we an those who neglected to p rnment was to collect

> s of coercion again dastaks was intr ere issud in 186 pril 1868, and

headmen erty of uty of adopt

A

ød

his predecessor The nutwarees were Lent at settlement work and the a d of Tehsil Chupprassies was refuse 1, 2,159 dartals were issued in this year. The revenue was realized with difficulty and in cight sillages it was eventually found necessary to concede the aid of w chapprassie for whom the village paid

196 Famine of 1908 69 -The following year will long he memorable e most disastmus famine tribre! nemtion had visited the

ratiof Ramootans and count it is chrome in the eastern part of Marwar ned in Bilancer In ordinary years of scarcity, the people in afflicted tracts taught rationce by constant adversity, emigrate with their families and cattle to more favoured regions and return to their homes in time for the sowings of the succeeding year. It is only when both the south western and northeastern monagen fail that a general and disastrous familie is experienced. Then Rairootan, has hitherto been dest ned to the miseries of a terrible famine of the three great necessaries of hie-grain grass, and water, called in the county a "tirkal" or treble famine. The first famine in Raircolans an account of which has been handed down in writing. occurred in the year 1661 A D The memorial of it is preserved in the beautiful marble hund cree'ed at Lankrouh in Merwar at the expense of a million sterling by Maharana Ray Sing of Ooderpeer to save his cople during the dire calamity Other famines occurred in 1746, and in 1789, the latter of which is supposed to have exceeded in intensity even the terrible one of 1812, which is said to have lasted five years, at less caned the name of Panchlal. Three fourths of the cattle died. and as stated in the record of the famine of 1001 man ate man Large tracts of country were decopulated by the famine and traces of the der as ation caused by it were vis blo in Ajmere at the Legloning of limital rule Since the famine of 1912 no general famine hal cecurred in Rappootana There I al been at unda ico of local scarcity, an I, as har been airealy related, there was severe scarcity in Amere in 1819, in 1821, in 1931, and in 1919. The farme of 1861 which was so severe over the North-Western Provinces only affected the entern por-tions of Rajpootans including Jespoor and Ulwar, and the countries dependent on the south western monsoon including Marway were blessed with a plentiful harves.

197. For some years previous to 1975 the seasons had been irregular, and as we have seen the rainfall of 1961 1965, and 1866 was very defic cut in Ajmere In 1864 the rains broke up very carly and the khureef was only falf an average crop, in 1865, the rans commenced very late so that all the early crops were lost and only half the latter crops were saved. In 1566 the rams were late and light 1567 had beer letter than its prelessors, but the country entered on the familie with its stocks of grain exhausted

195 The ra of all of 1965 was unfavourable from the commerciament. The early rurs of June were not sufficiently heavy to allow the cultivators to plugh the land and put in the s el l'rom the let June 1965 to 1st June 1569, the average fall f r all the atat "a of Ajmere-Min marra was only ? 4 in les or about enether les an average fall The state of Jerpan was as lat an lat Je hpoor me ra hella erer fell dering the rainy season or at lens not enough to be treasured leng lare meter. The with nest in assen failed entirely mest of the travels Las' of

the Aravali the rains fell only over the Indore Districts but did not extend over Central India and Bundeleund, the starving population of which provinces flocked into Malwa. In Guzerat a terrible flood in the carly part of August swept all before it. The people saved themselves by getting on eminences and climbing trees, and the country was under water for days. Cattle and stocks of grain and fodder were swept away, and the element searched out and destroyed the stores of grain below ground. No rain fell subsequently and Guzerat itself had to undergo the hardships of scarcity. The north-eastern monsoon had equally failed and great scarcity overshadowed the North-Western Provinces. Ajmere was thus isolated in the midst of a famine tract; it had no supplies of its own, and owing to the atter failure of forage the price of which was in many places actually dearer than grain, no earts could travel, nor could the pack bullock of the Banjaras of which there are hundreds of thousands in Rajpootana and Central India traverse the country. The only means of transport which was available was camels. All the kafilas employed traders, however, cease, travelling in the rains, partly because no return loads of salt can be earried during that season, and partly because agreeably to the time-honoured custom of the country camels are then turned out to graze. No regular organization for the supply of grain by camels was attempted by the local Administration.

199. Towards the end of August 1868, emigration commenced from Ajmere-Mhairwarra. Wheat at this time was selling in Ajmere at 10 seers; barley, jowar, and grass were 12 seers per rupee. Such was the searcity of fodder that cows were offered for sale at Rupee 1 each and good plough eattle at Rupees 10 a pair. No grass could be procured by the Cantonment of Nusscerabad. The horses of the Artillery Battery were sent away altogether, and the small cavalry detachment which remained had to fetch forage from Neemuch, a distance of 150 miles. Relief works were commenced, and in November 1868 the Deputy Commissioner who had either personally or through his subordinates visited every portion of the district, reported on the condition of the country. Half the eattle had been driven to Malwa owing to absence of fodder. The khurcef had practically failed entirely. The water in the wells was scanty and had become so brackish that it was unfit for purposes of irrigation. In some places where the crops had sprouted, no grain owing to lack of moisture had been formed and the stalks had been cut to feed The people were apathetic and entirely in the hands of the money-lenders who would make no advances. In January, February, and March 1869, 1.2 inches of rain fell, but there was no barance cultivation, and the area under crop in the rubbee was confined to those localities where well-irrigation was procurable, for none of the tanks had any Mildew and hail-storms attacked the scanty erop and there was practically a total loss of both crops. The distress was intensified by the crowds of emigrants from Marwar who came with their herds in search of food and pasture, and who trenched considerably on the scanty supplies of food remaining and consumed the little grass in the district. Emigration from Ajmere-Mhairwarra now went on with re-doubled speed, and the people were reduced to the necessity of supporting themselves on the bark of the khejra tree and roots, which they mixed with grain and ground up to make bread. Poor-houses were now established and the country waited in eager expectation for the rains of 1869.

200. The hot season of 1869 was unusually protracted, and it was not till the middle of July that the long-looked for rains set in and the ter ple wen, enalled to plough their fields. In many slaces where there note no cattle, the men making small alonghe for the purpose, soked themselves in place of their oxen, and lal oricult turned in a farrow. while the women dropped in the grain. There was hardle any rain. while the women dropped in one grain. After was industrially however, in August (only 14 inch was measure tin Ajmere) and the distress now forms to make the many forms of the freshold freeshold. Barks and roots even were district. A comone ramfall in Sentember gentee, nr to some extent revived the hopes of the neonle, but these were soon desturd to be dashed. Swarms of locusts hatched in Jevsulmere and Bilancer invaded Marnar, Armere, Tool, and the northern parts of Mey war and devoured every groun thing. The esturnited loss was of insize 40 for each, of lower 56, of lairs 57, of cotton 59, of til 73, of pulses be per cent. Gran was literally not now procurable, barley was selling during the month of September according to the price lists of Ajmore at 64 seers, the br. best price it reached was three seers, but men with money in their hands could not get food in the city of Ajmere Importation from Bhawani and Rewitt now commenced and convoys of maniar man fact tant brest daily brought large surlies. In . 1-6 . se made to the Government of the Northş.... grain from Agra, but the construment arrived after gruin had become cheen. At the close of the famine the Deputy Commissioner estimated the losses at 25 per cent. of the population of \$20,000, ot 33 per cent. of the cattle, and 50 per cent. of ploughs. Government had spent altogether Rupees 15,20,074, and af this amount 2.30,000 are calculated as having been given in cratuitous relief by Government.

201. Into the vexed question of the adequacy of the relief administration it is no part of the of ject of this sketch to enter. A fall account of what was done will be found in Colonel Brooke's " Account of the famine in Happootana," which was put listed in the Gatette of India of the 25th February 1671. The District Officers did all that men could do, but no addition whatever was made to the ordinary district staff, and in August 1509 there was no grain in the country wherewith to feel the people who necessarily died. The rains of 18:0 were rather below the average Aimere got 21 inches, Bearing 10 7, Todghar 10 4, but no rain fell after August The Desuty Commissioner reported that the state of apathy and demoralization of the people, oning to the misery of the last two years, was such that nothing availed for the collection of the revenue. save active coercive measures and these except in two instances had been affectual. In Beamar this year seed wheat was selling at 5 to 6 seers per rupee, larley at 7 seers, gram at 4 seers, and was generally teravable with 100 per cent, interest. In Todehar seed wiest was selling at 21 to 7 seves. barrly at 31 to 5 seers, repayable at 12 seers and 18

seers respectively.

202. Hotsey of collect as during the famile.—The history of the collections during the famile years may be a neighbor. The philipse was an inter failing of the khinner leng of 1805, not the first installment only was assymbol. 2 152 das also were found in the year, and the attachment of the moral to payerly of the payers was received to. The payers were allowed the sail of chapters of to reduce the autumn installment.

ments from their co-sharers, for the rubbee they collected without assistance. The number of private sales and mortgages largely increased, and many mortgages are recorded to have been made in order to procure subsistence and to discharge the Government revenue. Yet in this year ths of the Government revenue were collected and the people borrowed the money to pay it. Rupees 42,000 were remitted and the balance by a procedure hitherto unknown in Aimere-Mhairwarra added to the demand of the succeeding year. In that year when as we have seen locusts devoured more than half of a very indifferent khureef harvest, and when Government was feeding the agricultural population on the relief works, a sum in excess of the settlement demand was collected. In 1870-71 when seed grain was at famine prices and the country was struggling to recover from the effects of the famine, thirty villages and nearly all the largest ones were given in farm from the rubbee harvest for the amount of their arrears, some 40,000 Rupees. The Deputy Commissioner wrote that the people though quite capable of doing so declined to pay and anticipated the best results from the measure. The amount collected in this year was Rupees 2,13,150. In five villages the proprietors of their own accord transferred their engagements to lessees. The last three years present nothing particularly worthy of record. The revenue has been collected and the years have been average ones. In accordance with the orders of the Government of India in letter No. 116R., dated 3rd May 1872, summary settlements have been made inten of the most distressed villages, five of which had been given in farm to Seth Rajmal who had lost heavily on his lease.

203. Collections in Macirwarra.—In Mhairwarra it was found utterly impossible to collect the revenue during the famine years, and eventually the arrears have been remitted. A summary settlement was made for Mhairwarra from the year 1872-73, which was at a reduction of 32 per cent. on the settlement demand. The collections from Mhairwarra during the period of settlement are shown in the accompanying

table for periods of five years :-

| Tensil. | CIRCLE. | Average collections from 1851.52 to 1857.58. | from 1 57-58. | | Average collections from 1868-69 to 1872-73. |
|----------------------------------|---|---|---|---|---|
| Beawur Ditto Ditto Todghur Ditto | Beawur Chang Shamghur Total Bhaelan Dawer | Rs. 55,579 10,164 25,279 91,022 12,816 28,936 | Rs. 51,686 10,241 24,489 86,416 12,816 28,697 35,112 | Rs. 55,387 10,689 26,132 91,208 12,817 28,816 35,108 | Rs. 84,9357 6,256 15,871 57,062 21,083 22,498 |
| Ditto . | Todghur Total | 35,270 77,022 | 76,625 | 76,741 | 52,038 |
| Grand Total | . Mhairwarra . | 1,68,044 | 1,63,041 | 1,67,949 | 1,09,100 |

This table is instructive. The first period shows the favorable years after the settlement, during the second remissions were allowed. The revenue during the third period was rigorously collected, and the foorth period, which includes one year of the summary settlement, shows the average paid by Mhairwarra during the famine and subsequent years.

204 Results of the Parises -The result of the famine Las been to throw the district 10to a state of indebtedness from which it is doubtful if it will ever recover. The assessment has perer been light. and the people have always been a entireating tennitry, living from hand to mouth, and with no resources broad those of the current harvest It is much to be recretted that instead of removing Mr. Ridelale of the time of greatest need, that officer had not been directed to conclude a sommery settlement on the ascets of the villa es as deteriorated by the famine. Instead of this the Government revenue was rigorously exacted from men whom at the same time Government was feeding at the relief works, and who from the nature of the esse hal nothing wherewithal to pay. The experiment of farming the rillages while it has conclusively proved how heavy the assessment was. his been productive of nothing but injury to the farmers and the cultivators One effect which follows on every year of scarcity was specially observed le in the district during the famine, and this is the opportunity which to given to the grain dealers to secure ul at would otherwise be had debts. There is slavers a large amount of unsecured debt which has descended from father to son, or consists of extortions of the grain-dealers which ther could not recover in a Civil Court A starring man is not overcautions as to what he puts his name to, sod the error dealers found their of portunity in the necessity of the cultivators who, if they required food, were of lived to sign bon is or to mort are their lands for the full amount which the grean dealers stated was due to them. This trices was year extensively carried out in M ban were so I especially in the Todehor Tehal.

205. Mortagers and Sales .- The accompanying talle shous the amount of morieage debts found existing at the present revision of settlement in each assessment circle, us well as the sales which have talen place since last settlement. Many mortgages have no do it escaped record, and many of them are of old standing and cannot be laid to the account of the famine, but the indebtedness on mortgage debta alone which exists to the district as sufficiently at pullion, amounting as it does in all three tehsils to Rupees II,55,437. The mort ages in the district are almost all of the insufroctuary kind, but it is only in rare cases that the morteagree takes possession of the land. The engton is for the mortgager at the date of writing the mortgage bend to write what is called a "Guger Khett" ovecoming to par the mortgagee as rent yearly either so many maunds of grain per hondrel ruces of the mortgape debt (generally ten to fifteen maunda), or, when cash is ya d. from 50 to 18 per cent, interest on the mortgage debt is the sum stinglated for. The rent of the land leave generally no relation whatever to the value of the p educe. In Mhairwarra there has been a kind of metayer aretem established between the mostgages and the mostgager : the grain-dealer gives lalf the seel grein and takes half the produce, the cultivator having to ray the Government revenue out of his share. I

have assumed a rate of 24 per cent. as the average interest on the debt. The figures then go to prove that an annual sum of Rupees 2,77,328, or more than the net Government revenue, passes into the hands of the money-lenders. In Todghur Tehsil the amount of indebtedness is surprising, amounting as it does to an annual drain on the cultivators of three times the Government revenue. Besides these debts secured on the land, there are large sums due on unexecuted decrees by agriculturalists in the Ajmere-Beawur and Nusseerabad Small Cause Courts, and an unknown amount secured by bonds.

Statement of mortgaged lands and lands sold since last settlement.

| Сів | ore. | | | Land mortgaged in acres. | Mortgage debt. | Interest on mort- gage debt at 24 per cent. | Area sold. | Amount of pur- | Rate of mortgage debt per acre. | Rate of sale mo- ney per sore. | | | | | |
|-------------------------|-----------|-----|--------|-----------------------------|----------------|---|---------------|----------------|------------------------------------|-----------------------------------|--|--|--|--|--|
| | | | | | Rs. | Rs. | | Rs. | Rs. | Rs. | | | | | |
| Ramsar | • | • | • | 4,056 | 87,789 | 21,095 | 1,329 | 19,301 | 22 | 15 | | | | | |
| Rajghur | • | • | • | 2,295 | 66,173 | 15,882 | 349 | 13,182 | 29 | 88 | | | | | |
| Gangwana | • | • | • | 2,593 | 40,241 | 9,658 | 400 | 5,409 | 16 | 14 | | | | | |
| Ajmere | • | • | • | 2,898 | 1,24,392 | 29,855 | 756 | 40,125 | 43 | 53 | | | | | |
| Pooshkur | kur · · · | | • | 719 | 26,817 | 6,436 | 44 | 2,745 | 37 | 62 | | | | | |
| | Tot | tal | • | 12,561- | 3,44,412 | 82,896 | 2,878 | 80,762 | 27 | 28 | | | | | |
| Beawur | | | • | 3,725 | 96,565 | 28,176 | 1,927 | 32,441 | 12 | 17 | | | | | |
| Chang . | • | ٠ | • | 478 | 19,018 | 4,564 | 37 | 2,200 | 40 | 89 | | | | | |
| Shamghur | • | • | • | 1,343 | 53,041 | 12,730 | 361 | 13,156 | 39 | 86 | | | | | |
| | Tot | al | | 5,541 | 1,68,624 | 40,470 | 2,325 | 47,797 | 30 | 21 | | | | | |
| Bhaelau | • | • | | 1,315 | 67,400 | 16,176 | 90 | 8,541 | 51 | 95 | | | | | |
| Dawer . | | | | 3,746 | 3,03,843 | 72,922 | 91 | 15,034 | 81 | 165 | | | | | |
| Todghur | • | | | 3,369 | 2,70,158 | 64,8 64 | 278 | 50,012 | 80 | 180 | | | | | |
| | Tota | al | | 8,430 | 6,41,401 | 1,53,962 | 459 | 73,587 | 77 | 160 | | | | | |
| Total Mhairwarra | | | 13,971 | 8,10,025 | 94,432 | 2,784 | 1,21,385 | 58 | 44 | | | | | | |
| Total Ajmere district . | | | | 26,532 | 11,55,437 | 2,77,328 | 5,662 | 22,147 | 44 | 86 | | | | | |

^{206.} Instance of indebtedness.—A particular instance will illustrate the state of indebtedness, and I take the village of Rasulpoora in Pergunnah Ajmere, composed half of Deswalis and half of Gujars, and

where there were no mortgages before the famine. The martonce debts in the village are now Ronces 1.205 Half the chahi and more than half the alu is mortgaged, there is practically no talal i. In 32 beerahs the mortgagees are in possession, in G1 heerahs instalments have been agreed on for the payment of the mortgage debt, and bonds written " bee sale the owners accordingly and t' 014 18 DOSSESSIOD 105 maonis, and Runecs 48 The real most higher. but the humas cool I not collect it, and as the people threatened to leave the district nitogether if not rehead, the rent at first expeted has been much reduced. In one case when 15 manuals was stop lated as rent it had been reduced to three mannds. The sullage is a very poor one, and the bunis have been content to take here some 12 per cent, on their debt rather than lose their money. The village was assessed at last settlement at Rupees 732, and the present assessment is Ropees 572, vet in reality the produce of the village has to meet a demand of about Runces 1.100 now, jostead of Rurees 732 before the famine. A succession of good seasons may help the prople out of their difficulties, but a succession of good seasons is a thing more to be wished for than expected in this part of Rappoolana To protect the people against the bunias in the matter of these cuers bonds and to ensure that the reat stipplated for shall hear some a reportion to the produce of the land mertraged, it has been deemed expedient to introduce a tenant law into the draft regulation on substactive law, which is now before the Government of

207. Remarks on the system of collection -The history of collections has suffi cently demonstrated what was already obundantly clear, from a consideration of the tenure that a mourahwar settlement cannot speeced in Aimere-Mhairwarra. By the term mourahwar I mean a settlement where the assessment is based on the average of good and bad sersons, and where the principle of joint responsibility is enforced in the collection of the revenue. The seasons present too great vierestudes to allow of an equal annual demand being assessed, but this difficulty has been partially surmounted in the present revision by the presentent of mater revenue famounting in Asmere-Mhairmairs to Rapecs 55,152 out of Rup es 2.01.557) separately from the land revenue on the univergated aspect. The assessment on the dry aspect includes the assessment of well land, lot in each village where the tanks fail to fill, the water revenue will be remitted each year. The principle of joint responsibility has not been formally about hed for cases may arree (though the cultivated area cannot be largely increased in any village) in which it would be just to enforce it. Its evils, however, have been reduced to a minimum. All well known and recognized divisions of a village have been allowed to choose a healman and to each cultivator has been permitted the option of dec hup through which of the patels he will pay his reve-The total amount payable through each patel las been added up, and a list of on h healman's constituents given to the headman and filed with the record. This is a village paying Ropers 1,000 there may be fre patels two responsible for Repers 250 each, one for 200, ene for 125, as level's Rupees 75. The Teheldar knows exactly how much be at and collect fr meach putel, and if the representative of any tick or patti cannot be made to pay, very valid reasons indeed should be addured

before the representatives of the other divisions of the village should be called on to make good the deficiency. Prima facie in such a case the sum should be remitted. In the draft Regulation on substantive law it has been proposed to abolish the power of distraint now possessed by headmen but never exercised, and to allow each patel summarily to sue defaulters among his constituents in the Court of the Tehsilder. Here the causes of default must be enquired into, and it is provided that the Tehsildar after giving a decree shall himself proceed to execute it on the verbal application of the headman. If the decree is impossible of execution, he shall report to the Deputy Commissioner who shall give orders for the arrear being collected from the representative, or for its being included in the list of remissions or suspended balances. In all ordinary years the headmen will collect, but if any difficulty arises, the Tehsildar is forced to enquire into its causes, and if he cannot collect it from the defaulter, to give his reasons for further action. If this system is fairly worked and it is simple enough, the difficulty of collecting the revenue will be much reduced, and an assurance will be obtained that the remissions which may be sanctioned reach the actual sufferers.

History of Prices .- The history of prices during the last 55 years shows that high prices and low revenue are generally co-existent. Prices were high in the first year or two of our rule, less from deficiency of produce than from the demand of the adjoining States which were suffering from the devastations of Ameer Khan. Since then deficiency of produce has been the main cause of high prices. Any system of assessment, therefore, founded on the prices of grain and rising as they rise, is quite impracticable in this part of India. The difficulty of rescuing the people from the debt which now weighs them down is enormous. In the case of the istumrardars Government has cut the knot by itself liquidating the debts and taking a moderate interest from the indebted Thakoors, but this could not be proposed in the case of the petty owners of the khalsa. Something might be done by the establishment of Savings Banks on a popular basis, but these would be only useful after the people had got out of debt, and when the bunias could not touch their little hoards. At present the Civil Coarts allow of no savings. The whole population is in debt, and their creditors leave the people a mere subsistence. In going through a village when the crop is ripe, one is sure to meet a Civil Court Mazkuri Peon. His duty is to prevent the owner of a field touching a blade of the produce. the crop is fit for the sickle, the Government revenue is first discharged, and the remainder swept into the coffers of the grain-dealer, who allows the cultivator merely enough to prevent him abandoning the ungrateful task of cultivating. A provision has been inserted in the substantive law, forbidding the Civil Courts to decree a higher amount as interest than the amount of the original principal. ordinary rate on loans is that known as "Shakh Siwaya" or 25 per cent. per harvest, equal to 50 per cent. per annum. The proposal to establish a State gravary at Ajmere and to take the revenue from the worst villages in kind, might not be undeserving of consideration, but that the Railway now nearly completed from Agra to Ajmere, and which is destined to be extended to Bombay, will rescue the district from its isolated condition and prevent the recurrence of any such calamity as that of the years 1868 and 1869.

CHAPTER VIII

Corps and raine of produce.

200. The accommunity Statement shows the acreace of the various cross on the ground duting the seat of measurement, and is an attempt to estimate the average produce of each tehul and its total value. The acreson ander cross includes do-fush land or land comming two cross. and the price currents on which the calculation has been framed are the averages of the actual prices current at each Theil for the last 21 years. The prices actually ruhar now are sheltly higher than the averages in which have been included the years of famine, but I have strike ether ones. Prices have the result of the advent of t anently at a rate shibily above that prevailog in the Agra market, but lawer than the normal rates of the district.

| · | | | OTTLEMENT OF | THE | | |
|---|--|---|--|--|--|--|
| , | | Ајмене Тене | Веачи | | | |
| CROP. | Arca in acres. Avera produ | produce. P | erage rios Value in Rupees, | acres. F | Amonat of produce, | |
| Cotton { Irrigated Dry Maize { Irrigated Dry Wheat { Irrigated Dry Wheat { Irrigated Dry Barley { Irrigated Dry Beijar Gojee Gram Rico Hemp Sarsoon } | 292 8 0 69 3 30 354 Per acri 297 9 "" 39 3 0 57 10 0 20 18 0 14 20 0 2141 215 4 10 592 1 10 10 0 895 1 20 517 7 20 87 1 0 0 517 7 20 87 1 0 0 905 2 0 0 906 6 0 102 7 10 150 2 20 | 2,330 0 0 2,530 0 0 Rupess. 30 100 0 Rupess. 30 117 0 0 3 570 0 0 10 PerRu M. S. 360 0 2 0 280 0 0 10 22,163 30 0 8 740 0 0 22 13,342 20 0 22 18,877 20 0 16 1,60,750 0 0 24 1,218 0 0 24 1,218 0 0 24 1,218 0 0 24 3,639 20 0 21 20,375 0 0 23 276 0 0 8 12 8 30 0 12 0 | S. C. 11,680 0 0 0 1,035 0 0 10,620 0 0 7,175 0 0 70 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 55 Pe M. 0 Per M. 0 Per M. 13 M. 13 M. 13 M. 13 M. 13 M. 13 M. 14 M. 15 M. 1 | 0 0 6,708 0 0 0 445 0 0 0 0 81,820 0 0 0 0 8,853 0 0 | |
| Ungoven | 28 17 2 20 6 8 2 30 8 2 30 8 1 10 17 10 4 0 2 1 1 3 2 0 1 3 2 0 2 1 3 | Per Rupce. 65,402 20 0 23 8 80,420 0 0 19 12 0,099 20 0 16 12 29,414 20 0 20 0 99 0 0 13 4 7,170 0 0 11 0 37 20 0 11 0 2,492 2 1 0 0 8 1,816 0 0 26 0 1,770 2 0 26 0 | 6,05,244 11 8 30,50 | 224 1 10 | 0 155 0 0 0 | |

| Text | 12. | Todeste Trest. | | | | | | AJEST. | |
|--|--|---|--|---|--|---|---|---|--|
| Average price current. | Value in Rupees, | Area in occus. | Ävert go produce per atre. | Amount of | Average price current. | Value in Eupoge. | Arra in | Value in Rupeet. | |
| ZI e, p 35 0 0 Per per 6 13 10 50 0 0 25 0 0 10 0 0 M R.C. 6 8 Per mand 10 3 7 | ## 6.7. 175 0 0 17,196 2 2 1,000 0 0 1,073 0 0 600 0 0 123 7 11 6,336 4 8 | 2,223 15 15 | 3f. 8. Per sere. 0 7 4 Per sers. 4 0 0 | Rapess. 401 0 6 Rapess. 161 0 0 | 2: e. p. 1: 0 0 0 Per seer. 0 0 0 2: 0 0 2: 0 0 R C. 10 0 | Er, a. r. 2,000 a 0 1,02,051 10 a 1,020 0 0 1,020 0 0 1,020 0 0 | 1 | 1,50,153 13 860 8,350 1,650 | |
| === | 43,144 0 10 | 3.701 | == | = | = | 1,11,591 7 9 | 4,701 | 1,120 | |
| M, s C, 0 0 0 0 0 0 0 9 7 0 15 3 0 15 3 0 15 3 0 16 3 0 75 3 0 75 3 0 75 3 0 75 3 0 75 3 | 27,310 0 0 3,275 0 0 0 1,125 0 0 0 1,125 0 1 0 0 1,125 0 1 1 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 201 115 115 115 115 115 115 115 115 115 1 | 3 17 0 2 3 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 1 2 0 0 0 1 2 0 0 0 0 | 1,578 20 0 231 0 0 331 11 30 0 331 11 30 0 10,10 0 | | 40°1 3 2 601 11 6 1,043 8 9 7 | 7,154 1,004 20 94 8,461 4,872 114 91 621 8,230 1,974 94 11 8 11 8 12 8 13 12 6 | | |
| | 2,9",3% 3 11 | 17,011 | | | - | 3,17,117 19 7 | \$2,541 | 12,84,704 | |
| Per Rapes 9 24 7 0 43 6 0 62 4 0 62 4 0 69 14 0 72 14 0 72 6 | 1 410 1 e 11 Jul 14 e 15 75 2 1 14 157 10 2 2 77 70 2 3 70 11 2 3 80 2 3 4 41 2 1 | 1,000 601 601 70 877 1,314 | 1000 | 1,140 C C | Perkeper 24 2 25 2 25 2 27 4 27 5 27 6 27 1 27 2 27 2 27 2 27 2 27 2 27 2 27 2 | 16 CT1 2 2 1 CT1 12 10 5,000 11 5 250 11 5 251 12 5 7,115 15 5 7,115 15 5 7,115 16 5 7,117 0 11 | 12 8 14 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 1,57,445 #4,773 #4,973 #5,193 #57 1,710 #57 1,710 #61 1,710 #61 1,710 #61 | |
| | 1,51 1 1 | 3,149 | | 17,121 6 6 | - 1 | 11111 1 6 | 1 100 2,00 | | |
| | 1,11,707 0 18 | 915 | | | | 42,504 0 3 | 82,454 | 1 11,327 | |
| | 8,8\818 1 T | ן דעונ | - | - 1 | - } | (Qu1 1 1 | 1,90,190 | 2,01,82 1 | |

- 210. The estimate of the average produce has been founded more on the results of inquiry among the cultivators and inspection of jughiredars and farmers' accounts than on actual experiments of cutting and weighing the produce. Such experiments were made by Mr. Ridsdale in 1868 and by myself in 1878 and 1873, but the results gave such unaccountable variations that the method was abandoned as untrustworthy. To obtain anything like a true average in this way, the trials should extend over large areas and a series of years. None of the higher officials have leisure to superiotend more than a few experiments, and it is impossible to make the lower grades of officials careful and to prevent the best fields only being chosen. The weight of grain depends a good deal on the time when it is cut, that cut early in the year being much heavier than that cut later; yet no one can tell the exact deduction which should be allowed on this account. The experiments, however, are useful as a test, and they go to prove that the best well-irrigated land will give about 20 maunds of barley or maize and 15 maunds of wheat per acre. The amount which has been assumed as the average in Ajmere is exactly half of this.
- 211. The crops have been divided into three classes, the first comprising sugarcane, poppy, and what may be called garden produce; the second consisting of the main staples which are sown in irrigated land, or in land submerged in the tanks; the third comprising the grains which are sown almost exclusively in unirrigated land. In Ajmere the barani area is 74,256 acres, the area of crops of the third class is 68,054 acres, and if the area of unirrigated cotton, maize, wheat, and barley be added, there are about 4,000 acres of unirrigated land occupied by gram and bejar, which are generally sown in abi land. In Beawur the barani area is 19,840 acres, that of Todghur is 8,933, closely approximating to the area of the third class. The classification, therefore, shows pretty fairly the graduations from fully irrigated to unirrigated crops, the intermediate class being of those crops which generally are irrigated, and in the four crops of cotton, maize, wheat, and barley, the unirrigated area is separately sown, bejar, gojí, and gram are generally grown in abi land.
- It will be seen that the chief crops of the district are barley and jowar which occupy respectively 20 and 17 per cent. of the crop area. Maize occupies 18 per cent., til and bajra occupy 9 and 8 per cent., respectively, and after these at a considerable interval comes cotton with 8,219 acres, and gram with 9,543. The oultivation of sugarcane is confined in Ajmere to the Pooshkur valley where it is grown without irrigation, and where a crop is taken for three consecutive years without re-sowing. In the jaghire villages of this circle Rupees 10 per acre is the regular rent paid for sugarcane. The rates of rent in the jaghire estates, where except in the case of sugarcane, maize, and cotton, the revenue is taken in kind, are generally equivalent to one-fourth the produce, and this would make the produce worth about Rupees 40 per nere. The cultivation of melons is almost exclusively the occupation of a particular caste called Keers, and is chiefly carried on in the sandy beds of nullahs as at Saradhna in Ajmere, and at aindrah in Beawur. Keers do not pay more than Rupees 2 a beegah or Rupees 5 an acre to the village community, and in Beawur the rate is generally one Rupee a beegah. Poppy is not made into opium in the Ajmere District, but sold under the form of poppy-heads. In Beuwar and Todghar the juice is extracted in the usual toilsome manner by a number of incisions on

the head of the plant. It will be reen that the price current of Beawnr differs considerably from that of Todghur, which is to be explained by the fact that in Todghur the price current is that of the raw pure called "dulh." This is either sold on the spot to bucks or curred by the people themselves to Paley, where it is manufactured note opium. As has been nounted ont in the following classifer, nearly the whole of the

of sum produce may be consulered an export trade.

213. Jown is group elmost entrels in marrigaled hed, and is o very different erop from the j wer of the North-Western Provinces, where it is generally tragated and manused. Here it is atunted and seldom more than five feet in height, the stalks are thin and the heads small. Except in the Todylaur Telasil, the burnal land of the district is very poor and possesses hardly any value. It is for the most part, partially disjutegrated rock, and if there is a lengthened brial in the raios, as is very often the case, the crip sown on it dries up. There was an elimentally large amount of land sown in the year of measurement. Begin in this district gives much the same outturn os jown, odd is very inferior to the lajin of Markar. The till in Ajmere Whartwarts is sown by itself, and it and the remaining crops of the third

class have both a small and uncertain outturn.

214. It is more difficult to arrive at a fair average outturn for erors, such os cotton, maize, whest, and barles which are grown in challe, talahi, not, and harant land, and, for these four statics 1 i avo made a separate estimate for the untrigated orea, though the abi the North-Western Previnces into the outturn of cotton for 1575-71 points to about PO lbs, of chancel e eten, or 3 mano is 30 seers of har ace ne the average cutturn per nere. There can be no doubt that the outturn of the eron in the Doals, where cotton is chiefly grown in the Barah and Munich fields around the village or le, is much laurer than the outturn of Aimere Still the tie ent estimale is 4 maunds 10 scers in Atmere and 5 maunds 10 acre to Todeline of uncleaned cotton. or considerably trong than the North-West average. It seems to me there can be little heatation in behaving the latter calculation to be erroncous. In the mehire tillages where rent or tercine for the two terms are as nons mous in the pighirel is taken according to the crop, Rupees 2-10 a beegah, or Rapecs 0-9 an ocre, is the ordinary rate and for haid on which cotton is grown, and if the expenses of cultivation which may be taken of two-fiftherf the total value of the produce be added, it is clear that it would not jay any man at present prices to cultivate the erop of the value were only Hunces 15 or 16 per acre. let it is noteness that the crop dees pay and the people themalies se'd m speak of less than 8 or v manula of uncleaned cetten fr a good crep. The estimate has been made in uncleaned cotton as the cultivators do not themselves clean the cotton. Lut make it over as icked to the merchants. The outtorn of when liarly, and make may be discussed together. The irrogated area of these crops includes et alia, talala, and all land, but the outtorn of these three classes is by no mesns equal, nor is the outturn of the land in each class anything like the same. It is only in the most favoured valles that the wells lare a permanent supply of nater, while in years of niferoural to roin many outle high grants der up enteren. It has been soffere the shone elsenhere that the value of tack land depends on the

each tank, and this varies from full irrigation to no irrigation for the rabbec. Maize is a very precarious erop, and is often entirely drowned. Burley is largely grown in abi land, which round the margins of the tanks is little better if at all than unirrigated land. Taking all these facts into consideration, the estimate framed is not, I believe, too low.

215. The value of the average produce of Ajmere-Mhairwarra is thus estimated at Rupees 19,61,524. In this estimate is not included the value of straw and "bhoosa," but in this district the value is almost nominal. There are no large towns which have a demand for this produce, and what is sold in the towns is brought in on men's heads from the adjacent villages and sold at four annas or so a bundle without being weighed, and the rate does not more than cover the wages of the earriers. In the villages straw and bhoosa is wasted. Grass lands are abundant in every village, and grass is regularly cut in most villages. The eattle thrive better on it than on the less nutritious bhoosa, and as long as they have grass the people do not use bhoosa at all.

216. The prices current on which the calculation has been made are the market rates; but the price at which the cultivator has to sell his produce is much lower than these. On the whole about 10 per cent. should be deducted from the estimate on this ground. Allowing for bhoosa, however, the value of the average produce to the cultivators may be stated at Rupecs 18,00,000. The assessment of the whole district is Rupecs 2,61,557 without cesses, or with cesses Rupees 3,04,593. The incidence of the assessment, however, is discussed at full in a subsequent chapter.

217. Number of owners and tenants.—The accompanying Statement shows the number of owners and tenants and the number of holdings in each assessment circle. The number of holdings in Ajmere is

18,273, giving an average of nearly six acres per holding:--

| | 7 8 - 8 | - 8 - | | <u> </u> | | | | | | |
|----------------|---|-------|---|-----------------------|-----------------------------------|---|-------------------------|-----------------------------------|---|---|
| ibor. | | | | BER OI VERS. | , - | | MBEE | | | rivat• |
| Serial Number. | CIRCLE. | | Cultivating. | Non-oultivat- ing. | Number of cultiv | Held by owners. | Held by mortgagees. | Held by te- | Owners and mortgagees. | Tenants. |
| 1 2 8 4 5 | Ramsar Rajghur Gangwana Ajmere Pooshkur | : : | 7,052 3,208 3,494 2,877 701 | 146 | 1,758 892 931 947 236 | 4,495 1,942 1,947 1,878 398 | 486 537 1,299 | 1,459 757 611 841 136 | 28,164 16,328 24,832 17,330 3,710 | 4,627 4,470 4,310 4,121 1,028 |
| | Total | | 17,332 | 1,307 | 4,764 | 10,660 | 3,809 | 3,804 | 90,364 | 18,556 |
| 1 2 3 | Beawur Chang Shamghur | : : | 4,425 1,615 3,170 | 7 94 436 806 | 1,412 445 732 | 4,009 1,332 2,533 | 1,666 504 1,406 | 1,103 364 716 | 22,396 4,103 8,497 | 4,759 635 1,376 |
| | Total | | 9,210 | 2,036 | 2,580 | 7,874 | 3,576 | 2,183 | 34,996 | 6,770 |
| 1 2 3 | Bhaelan Diwer Todghur | | 1,028 5,496 6,553 | 29 28 | 95 <u>4</u> 1,778 1,535 | 1,892 2,974 3,997 | 2,429 6,167 6,192 | 1,166 1,960 4,443 | 2,927 5,595 6,896 | 1,122 2,200 1,990 |
| | Total | | 16,077 | 57 | 4,267 | 8,863 | 14,788 | 7,569 | 15,418 | 5,312 |
| Ì | Total Mhairwarr | [- | 25,287 | 2,093 | 6,847 | 16,787 | 18,364 | 9,752 | 50,414 | 12,082 |

In Beawur there are 13,633 holdings giving an average of two-thirds of an acre only. This last result is due to the enormous number of mortgaged holdings, which however are not really separate holdings, as the mortgage allows the mortgaged fields to be cultivated by their owners. The number of owners and tenants, however, in Todghar is 20 401, so that there is just one are per sharer of cultivated land. Subdivision can hardly go much further.

218. decrage profits of a caltivator.—With the and of this statoment, the crop statement, and the statement of indehtedness given in the preceding chapter, it hecomes possible to make an attempt to calculate the average profits of a cultivator in each Tehsil. The value of the average outurn is assumed to be that abown in the crop statement lees 10 per cent from this mint be deducted the Government revenue with cases, the cost of production inclinding the subsistence of the Inchandman, and interest on mortgage debts. The balance will be the net profit or income of the agrenitural classes in Ajmere. The cost of production has been variously stated. In Mr Hume's Cotton Report the details showing the total value of the produce of several fool-cryst work out to about half the value as shorthed by the cost of product on. In old times Government used to take one-half the produce from the cultivators, who probably had then hill little more than the return of subsistication, but one-half is a high estimate for the cost of product in, and two-fifths cost and three-fifths residue is perhaps nearer the treat. The account will then stand as follows.—

| | Aymere | |
|----------------------------------|--|--|
| Value of produce Rupees S #5,454 | Resease Cost of predering Interest | Printer. - Leven Leven 28619 - 52,016 |

leaving a balance of Rupees 2,80,014 to be dirtied among 22,403 owners and enlitvators, thus giving Rupees 12 per annum to each sharer

| | Bearut. | |
|-----------------------------------|--|-----------------------------|
| Value of produce Rupese 5.31,412 | D | Pedactions Depera |
| 0,07,512 | Reverse Cos et production Interest | 76,142 212,864 40,490 |
| | | 3 26,178 |

leaving a halance of Ringers 2,08,256 to be divided smoot 18 928 and and entireators, thus giving Ringers 14 per manife it each sharet.

leaving a balance of Rupees 4,053 only to be divided among 20,401 cultivators and tenants.

- 219. The average profits of the agricultural classes are thus Rupees 4,87,303, and in Todghur where the land is as a rule mortgaged, and where the mortgagors pay generally one-half the produce to the mortgagees and discharge the Government revenue besides, the people are a hand-to-mouth peasantry, with a mere subsistence and with no resources beyond those of the current harvest. In Ajmere and Beawur there is a certain amount of profit, but the produce of talabi land is a fluctuating item, and if there is no rain there will be no produce. In a bad year the profits will be nearly all absorbed by the loss of produce on talabi land. In Todghur the produce is much more constant as it depends on wells. The results are certainly provocative of criticism, but there is no doubt that the people have no accumulations. The number of owners includes nearly the whole male population, and in Todghur at least they are much too numerous for the soil.
- 220. The income of the landowners in the district is no doubt supplemented by the profits on the common pasture land of the village; they can get wood for fuel and for agricultural implements free of cost, but they make but little profits; they are overwhelmed with debt, and each year of scarcity increases the amount of debt, until practically the land no longer belongs to the recorded proprietor.

CHAPTER XI.

Trade, Manufactures, and Education and Institutions.

- 221. Ajmere Trade.—The city of Ajmere was in ancient times an entrepôt for the trade between Bombay and Upper India, and a factory was established here in the early years of the East India Company subordinate to that of Surat. The position of the district must always render it a mart for Rajpootana for the produce of Upper India and of the Bombay Presidency, including European goods; but the province itself has no manufactures and produces but little in excess of its own consumption. What import and export trade there is, is almost entirely a transit trade, and an import trade can only exist in proportion as the province has something to offer in exchange.
- 222. The transit trade of the district is carried by camels and Banjara bullocks, and till recently was much hampered by customs and duties. There was a transit duty, an export duty, town duties, and a tax called muppa. During the last years of the Mahratta rule the customs were farmed for Rupees 31,000, and the taxes were retained in their integrity by Mr. Wilder. Muppa was the most vexatious tax, and was the duty levied on the sale of every article in every village. Originally it was levied at the rate of Rupee 1-6 per cent. from persons not residing in the place in which the articles were sold, so that the every day transanctions between the inhabitants of the same place were exempt, and the burden fell on what may be called the external trade of the village. The chief innovation introduced by Mr. Wilder was to levy the transit duty on the maund instead of on the bullock or camel-load as had before been customary, but his successor, Mr. Cavendish, introduced other provisions which still further fettered trade. He extended the muppa

tax to all towns as well as villages and to the transactions between the inhabitants of the same I lace, and raised the rate 52-6 per cent. He established a new duty in the towns of Ajmero and Kekreo on the sale of sugar, tobacco, rice, and ghee, and for the transit trade introduced a system of rawanals which fell with unmitigated soverity on all hut the richer merchants. No goods were allowed to enter the district without a pass, and all the merchants were required to file a potition to take out that pass, and again on the survaid of the goods within the presencts of the district or at the city of Ajmere, to subject them to examination and weightness and this prove their exact identity with the species and quantity mentioned in the lawanahs. In order to provent their goods being stopped on the frontier, the mercantils firms at Ajmere, were obliged to obtain from their correspondents previous information of a

On the recomme this system and restricted the customs taxes to a transit duty to be levied once for all on the import of foreign goods into the district, whether intended for domestic consumption or re expertation. To avoid vexatious inquiries the tax was directed to be taken on the bullock or camel-head at a fixed sum.

223 These orders do not appear to have been neted on, for many of the old abuses seem to have been as me as ever in 1859 when the Deput, Commissioner complains that if a cultivator in a village a mile from Ajmere v

pars from the

must have his goods examined again to see if they agree with the pass. An export duty was still Israed In 1860 Government sanctioned other reforms all in the direction of the orders of 1835 Export duties were abolished nod the customs tax iemitted on 18 articles, while the duties were consolidated into one circle, whereby the separatio duties formerly lessed in Ubairwarra and the preguman of Sawar ceased By these reforms the dutiable articles were reduced to 37 of which the duties on cotton give, salt to lacco, clothes blankets, and opium chefly affective produce of the distinct. The revenue from the costoms before 1860 averaged about one lakh, and from that year till 1863 averaged about one lakh, and from that year till 1863 averaged about one lakh, and from that year till 1863 averaged about one lakh, and from that year till 1863 averaged about however, still levies transit does in his switchirty but the opening of the Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways now in progress will probably invest the transit duties of Railways and will a merely bustomed interest

22.5 The trade of Aymere city has of late years fallen off considerably owing to the development of the towns of Nyanuggur and Nussecrabad and the pressure of the cetro in Aymere. There is no suitable bound warehouse in Aymere. In Beavir, the only other municipal town in the district, there is a good bonded warehouse but the merchants in both the towns prefer to pay the octro and assert that the trade is not sufficiently large to warrant their leaving their goods elsewhere than at their own rodowns.

225. The import trade of Ajmere city is estimated for the year 1873 at Rupees 11,44,000, of which sugar and cloth of all kinds are the chief items. European cloth is estimated at Rupees 3,00,000, of which about half is re-exported. Country cloth and sugar are about equal in value and are estimated at Rupees 1,00,000 each. The greater part of the sugar is re-exported to Meywar. It comes almost entirely from Bhawani in Hissar. Hardly any sugar is grown in Rajpootana, and this trade employs large droves of eamels who return empty to Sambhur about 50 miles, and thence take return loads of salt for Upper India. A great deal of the Meywar trade is now carried direct from Bhawani and Rewari, and the goods are not unloaded at Ajmere. The export

trade of Ajmere city is estimated for 1873 at Rupees 6,05,189.

226. Beawar trade.—The new town of Beawar is rapidly absorbing the greater part of the trade of the district, and is becoming the exclusive entrepôt of the cotton trade. The camels which bring down sugar from Hissar for Meywar are laden with cotton at Beawur, and despatched to Alimedabad whence they return with European cloth, cocoanuts, and other articles of minor importance. The cotton is packed in loose bales of about three maunds weight each, and two of these form a It apparently does not pay to press the cotton, for though there are two presses in Beawur, one belonging to the Municipality, they are hardly if ever used. The value of the cotton exported in 1873, as nearly as can be ascertained from the merchants, was about Rupees 12,00,000, and of this amount 81 laklis is stated to be the produce of Meywar. There is also an export trade of grain in most years from Meywar to Marwar which passes through Beawur. Marwar, however, is too poor to import according to its needs, and in years of famine the people have no other resource but to emigrate to more favoured countries. The exports of Beawur are estimated at Rupees 19,27,000, the imports at Rupees 23,19,170.

Exports from the district .- It is difficult to form even an approximate estimate of the value of the exports from the district itself. The istumrar estates have never been measured, and there are no returns of the crops grown in this portion of the Ajmere District. The exports consist of grain, cotton, and opium. Without returns of the area under grain-crops in the istumrar estates, which in area exceed one-half of the Ajmere District, it is impossible to calculate how much more grain is produced in average years than is necessary to supply local consumption. In the longitude of Ajmere the harvests are so prevarious that the grain trade observes no fixed rate. Some estimate, however, may be given for cotton and opium. The area measured under cotton at the recent settlement in the khalsa villages of Ajmere-Mhairwarra is 8,219 acres, and the estimated produce of the crop is 31,665 maunds of uncleaned Allowing two seers per head for local consumption, the annual amount retained at home by the inhabitants of the khalsa villages is 6,785 maunds, leaving a surplus to be exported of 26,576 maunds; the value of which is Rupees 1,29,400. Cotton is largely grown in the istumrar estates, the soil of which is much more suited for it than that of the khalsa, and adding the jaghire villages, the value of the export trade may be set down at about 31 lakhs, or the amount at which it is

estimated in the trade returns of Beawur.

223. The area measured under poppy in the khalsa villages of Ajmere-Mhairwarra is 2,849 acres, and the crop is valued at Rupees

1.89.288. Almost the whole of this is experted to Palce in Mirwar, as of the whole area under crap 2,229 acres are to the Tadehar Tehnil There is comparatively little onium grown in the istumrar estates, and the value of the export may be assumed at a lake and a half.

229. Manufactures - Armere possesses no manufactures deserving of special mention, with the exception perhaps of the sait-mass of Ramsar Pergunnal. The ealt which in years of heavy rain exudes abandantly fram the soil is scraped up and thraws into large nats where it is dissolved in water. The water is allawed to run off into a lower pan where it is evaporated. There ----ta easte called Kharol engaged in this manufacture but durin not exude, the Kharole

facture was ordered to oil the anil.

230 Education and Institutions - As regards Public Tastruction the province is in a very backward state. There is no lettered class in Armere, and the agricultural classes are quits ar athetic on the subject. Out of a total number of 1 148 headmen of villages appointed at the recent settlement only 54 can write their names.

231, Armere College - With the exception of a monthly subsidy of Runess 300, which was given to a reveread centleman who had established a school at Aimere no attempt was made by Government to pravide for the education of the people till the year 1851, when a school which had been sanctioned by the Caurt of Directors in 1817 was opened at Armere. The school was affiliated to the Calcutta University in 1861. and since that time 37 punils have passed the Intrance Examination. and eight of this number the First Arts Examination. In 1863 the school was raised to the position of a College, but with a staff of teachers limited to the requirements of the First Arts Examination of the Caloutta University.

The College at Armere is a commodicas huilding situated about a mile from the city The present staff consists of a Principal, a

af papils on the rolls at undoes and 54 Mahame-S studied English, Urdu. 14th Hands and Sanskrit. 708 including a Government grant of - was Rupees 32,063. Attached to th r the accommodation of boye fram the village schools noned echolarships, and 48

hoys resided here in 1872 where Schools sup-Flementary Schools -T ported by Government in Armere, a

attended by 671 populs, the latter . ıncluding 25 pumls attending the . this number 910 are Hindoas, and anly 23 Manomeoutes done 412 belong to the shopkeeper class and 94 as artizans and labourers. the year amounted to Runees 132

Government grant The average daily attendance was only our

- 231. No arrangements were made at Colonel Dixon's settlement in 1850 for the levy of a school cess, but shortly after the announcement of the assessment, 75 schools were established in Ajmere-Mhairwarra, and Colonel Dixon possessed sufficient influence to induce the people to defray a large portion of their cost. The number was subsequently reduced to 57, and the contributions were continued as long as Colonel Dixon lived. After his death, however, the clamours of the people against the cess became so violent that Government anthorized the cessation of the contribution, and all schools except these supported by Government were closed. The intensity of the unpopularity of the cess may be gathered from the fact that when the sister-in-law of the Bhinaio Raja performed suttee in 1857, the last request of the Bruhmans who surrounded the pile was that she might use her influence for the abolition of the cess for village shools.
- Mission Schools. -On this subject the labours of the Rajpootana branch of the United Presbyterian Mission deserve notice. The whole cost of the schools etablished by the Mission is borne by the Mission Board, and grants-in-aid though offered have been refused. The Mission has established four Anglo-Vomacular Schools, one at Ajmore, one at Beawur, one at Nasseerahad, and one at Deolee, besides 52 Vernaeular Boys' Schools and six Vernacular Girls' Schools; 2,142 boys and 290 girls are taught in these schools, total 2,432, and the average attendance in 1872 was 1,975. Most of the girls and a small proportion of the boys are the orphans who were left destitute in the famine of 1869 and who have since been fed, clothed, and educated by the Mission. The boys are taught useful trade, and the hamlet of Asapoora near Nusseerahad and another near Ajmere have been founded on land purchased by the Mission for the purpose of opening a career of agriculture to the young community. The Missionaries of whom there are nine including medical practitioners in the district, complain of the difficulty in getting the children of the cultivating classes to attend, school, which they attribute to the apathy of the parents and to the influence of the bunias who are stendily opposed to the enlightenment of the cultivators.
- elass nor was there any Printing Press in Ajmero till 1871, when a Native gentleman from the Punjab established one. Frem this Press the Rajpootana Official Gazette issues in triglot form—English, Hindi, and Urdu, and the publisher is allowed to add a supplement which is an ordinary newspaper. The Gazette is largely subscribed for in the Native States of Rajpootana, as it contains all official orders affecting Rajpootana as well as the province of Ajmere. The present circulation (August 1874) is 325 copies; the Government subsidy is Rupees 1,200, and 50 copies are weekly distributed among Government officials.
- 237. Mayo College.—In the latter part of the year 1870 the late Earl of Mayo visited Rajpootana, and in a Durbar held at Ajmere suggested to the Princes and Chiefs there present that a College should be established at Ajmere, where the future rules and nobles of Rajpootana might receive such an education as would fit them for their high position and important duties. The proposal was warmly espoused by the Chiefs and a sum of Rupees 6,26,000 promised for the endowment of the College. The principles on which Government aid is to be given

have been laid down as follows by the Government of India — "The contributions promised by the Chiefs amount to Rupees 0,26,000, and it is expected that they will eventually attain the sum of seven laklis Supposing, however, that they do not exceed the former sain, this at 4 per cent would give an endowment of Rupees 25,010 per annum, establishment or for n part of the probably be found accessive that to n for the educational staff. The

t on for the clucational staff. The amount needed may be assumed at Rupers 1,000 a month, or £1,200 n year, which represents a capital sum of three lables of rupees

233 "His Excellency in Council considers that the assistance to be given by the Government of India should take the form of the grant of a sum equal to the contributions of the Chiefs towards the endowment which may be taken it seven lakes. In this calculation will be isoluided—(1) the capitalized value of the alkition which it may be found necessary to make to the sum contributed by the Chiefs to the endownint is estimated above, and () the cost of the College building and the houses for the Principal and one Fighish Master. As the boarding-houses to be creeted by the Chiefs for the students from their States will be paid for by them in addition to their contributions to the endowment, so His Excellency in Council excludes from the sum now sunctioned the charge of the boarding house to be creeted by Government for pupils from Ajmere".

230. The site chosen for the College is that of the old Residency of the Agent to the Governor-General about two miles cast of Agento city, and the area of land which has been appropriated for the College boarding houses and grounds is 150 neres. The general scheme is that of a main building with a separate boarding-house for the students of each State and houses for the matters disposed on three sides, the west cash State and houses for the matters disposed on three sides, the west

emain building. The plan 1871 under the supervision the end of that year on

alternative design in Hindoo architecture was called for, and subsequently a disign on the model of the Kohlapoor High School was prepared. Menuwhile Government sanctioned Rupees 36,000 for a boarding-house for the Ajuare students, and the Maharana of Oodey poor, the Maharana of Jeypoor, and the Maharana of Jodhpoor have sanctioned similar sums for the boarding-houses of the pupils from their States. The Durbars of Ulwur and Tonk have also contributed. Five boarding-houses are now in progress, and it is intended to open the College as soon as these are ready, the present Residency being used as the College proper until the main building is completed.

240 Dispersaries — Aymero-Mhairwaria contains seven dispensaries, the Sudder dispensary at Aymere, and the dispensaries in Kekroe, Massooda, Pisangun, and Ramsar being under the charge of the Civil The other dispensaries are at Beawur, who is a native of Bengal. The monume of the dispensaries during the year 1872 was Rupees 4,985, of whech Rupees 2,512 was in Imperial charge.

284. No arrangements were made at Colonel Dixon's settlement in 1850 for the levy of a school cess, but shortly after the announcement of the assessment, 75 schools were established in Ajmere-Mhairwarra, and Colonel Dixon possessed sufficient influence to induce the people to defray a large portion of their cost. The number was subsequently reduced to 57, and the contributions were continued as long as Colonel Dixon lived. After his death, however, the clamours of the people against the cess became so violent that Government authorized the cessation of the contribution, and all schools except those supported by Government were closed. The intensity of the unpopularity of the cess may be gathered from the fact that when the sister-in-law of the Bhinaie Raja performed suttee in 1857, the last request of the Brahmans who surrounded the pile was that she might use her influence for the abolition of the cess for village shools.

Mission Schools. -On this subject the labours of the Rajpootana branch of the United Presbyterian Mission deserve notice. whole cost of the schools etablished by the Mission is borne by the Mission Board, and grants-in-aid though offered have been refused. The Mission has established four Anglo-Vernaeular Schools, one at Ajmere, one at Beawur, one at Nusseerabad, and one at Deolee, besides 52 Vernacul-Boys' Schools and six Vernacular Girls' Schools; 2,142 boys and c girls are taught in these schools, total 2,432, and the average atter in 1872 was 1,975. Most of the girls and a small proportion boys are the orphans who were left destitute in the famine of who have since been fed, clothed, and educated by the Mi boys are taught useful trade, and the hamlet of Asapoora r bad and another near Ajmere have been founded on le the Mission for the purpose of opening a career of young community. The Missionaries of woom th medical practitioners in the district, complain of the children of the cultivating classes to atter bute to the apathy of the parents and to the are steadily opposed to the enlighteamer'

236. Literature and the Press. class nor was there any Printing Native gentleman from the Pthe Rajpootana Official Gaz and Urdu, and the publish ordinary newspaper. To States of Rajpootana and as well as for (August 1874); and 50 copies

237. Mayo
Earl of Mayo visit
suggested to the Princes
be established at Ajmere,
Rajpootana might receive such
high position and important duties.
by the Chiefs and a sum of Rupees 6,2
of the College. The principles on which

The Ajmere beegah was a square of 41 yards or 1 936 square yards. The Mharwarra beegah was a square of 42 yards, or 1,704 square yards. Two and a half Ajmere heegahs are the exact equivalent of un nero, the relation of the Mharwarra beegah to the acre is expressed by the fraction 2-7437. There were no beach beegahs howen in either district, and as it appeared that there was no papular feeling or desire among the Mhairs to retain their local heegahs, orders were issued that the whole district should be measured with the Ajmero claim.

244 No elassification of soils is recognized in Ajmero or Mhairwara, and the peopls know in ather division of the land that founded on its means of irrigation. They divide this soil into chahi or land irrigated from wells, talah ar land irrigation from tanks or by lifts from a nullah, ab or land submerged during the rains in this beds of the tank, and barani or instrigated land. This was the classification adopted by Colonel Dixon, and this classification was adhered to in the present measurement. It seemed worse than uscless to attempt a classification of soils, which was locally unknown and which could not have been relied on for issessment purposes. One addition was, however, made in distinguishing tha manured fields, both on the map and in the khars.

245 The measurement was carned out by means of the plane tuble, and to each four or firm measuring parties a Minisarim was inlotted, whose duty was to test the measurements and the entries in the Minist. The work was again tested by the Sudder Minisarim or Superintendent, and the measurement in a large percentage of villages was ugain tested by the Extra Assistant Commissioner are myself. The ontside boundary of this village was in all cases laid down and thoroughly tested by diagonal lines before the field survey was allowed to be begin, but in the larger villages it was found convenient to divide the urra into several "chalks" and to complete the boundary has of these before the rest of the houndary was commenced

Form of khusra adopted -A form of khusru (now ut least to me) was ndepted at the suggestion of Mr Saunders, the Commissioner In the North-Western Provinces and the Puniab the khusra is a list of fields unmhered and entered in the Lhusra in succession as each field is measured From this list it is necessary subsequently to pick out the several fields belonging to each awner ar tenant and the paper thus made which shows the amount of land held by each in lividual, is called the into one and n and it is possible to do this if there out before the measurement commences This was done while the houndary survey was heing made, a Munsarim prepared pedigrea tables of all owners of land in the village, the chief trihe in the village coming first and tha remaining eastes following in alphabetical order Each owner or body of owners where the holding was undivided had a separate number attached to his name, the numbers being consecutive from the eldest of the first to the youngest member of the last caste The khusra was then made ready by entering at appropriate distances the names of the owners in each holding and the number of the balding The measurement of the fields then began, each field, as it was measured, heing placed in the v

space under the holding to which it belonged. For sake of reference, an index was simultaneously prepared on which consecutive numbers for the fields had been printed, and which was completed by entering opposite the number of each field the number of the holding in which it would be found. If any fields were found mortgaged or cultivated by tenants, such fields were shown separately as a subordinate holding of the principal number. Thus, if 25 was the number opposite the name of Baldeo Jat in the pedigree table, the land held by Baldeo himself was shown as No 25. If he had mortgaged part of his land the mortgaged fields were shown as $\frac{25}{1}$, $\frac{25}{2}$, etc., according to the number of mortgagees, and the fields held by tenants were shown as $\frac{25}{3}$, $\frac{25}{4}$, etc., according to the number of tenants. In this way there was no difficulty in immediately ascertaining the amount of land belonging to each individual.

247. There was some difficulty at first in getting the putwarees to understand the system, though in a short time they thoroughly mastered it, and the pedigree tables in the larger villages were not always ready when they ought to have been. To make a k huteoni on the ground requires more care, and perhaps the exercise of a little more intellect than is required for the preparation of a list of fields. Still the entries in the khuteoni are the same as those in the old form of klusra, the constant attendance of the Zemindars is equally necessary in either case, and the khuteoni as formed in the North-Western Provinces is merely an excerpt from the khusra, and contains all the errors which may have erept into that paper. There is undoubtedly a great saving of time and money under the new system, both in the labour of subsequently picking out the fields and in the cost of fairing. A second man, generally a relation of the putwaree, was given to each measuring party to write the khusra, and with two men, one of whom need receive but a very small salary, the work I believe proceeds as rapidly as with the ordinary khusra, and if the pedigree tables are properly drawn up, it is just as free from liability to error. On the whole the plan has worked well, and were I commencing another settlement, I should recommend its adoption. A few experienced men should be sent into the district previously, however, to make out pedigree tables in the larger villages, and the staff of Munsarims should be increased, so as to give not more than three chains to each Munsarim. If this is done and the Munsarims will work, all subsequent attestation, except that of the Superintendent, might be dispensed with, and the papers sent to be faired immediately after the completion of the measurement. plan, however, demands an intelligent and painstaking staff of Munsarims, but intelligence and unremitting attention are not always met with in combination.

243. Boundaries.—Comparatively little difficulty was experienced in the matter of boundaries. There were not many disputes, and Mr. Ridsdale had decided several. What disputes arose were generally about some barren ridge of rock or piece of stony waste for the exclusive possession of which neither party could offer any evidence. Such disputes were decided by a reference to Colonel Dixon's maps and the boundary laid down as nearly as possible according to the line then taken. This was the method which both parties desired, and the only one practicable except arbitration, a method which only breeds further

disputes in this district.

CHAPTER XI

General arraciples of assessment

2.19. Made of assessment hillerto adopted - The made of ossessment, which has hitherto been adopted in Aimere-Mhairwarra, has been sufficiently explained in the Chapter on the Land Revenue Administra-The chief peculiarity is that owing to the small number of villages to be assessed and the perpetually tecurring kham system, the assessments have never been founded on or checked by rates but have heen exclusively based on the history of most collections. The assessment of the North Western Provinces under Regulation IA of 1853 were deductive, that is the Settlement Officers from estimates of Tebsildars, past fiscal history, and other general data first calculated the amount of revenue which a given tract ought to pay and then distributed the sum over their soil oreas so as to obtain rates to be applied in the assessment of individual villages The process in the recent revision of settlement in the North-Western Provinces has been inductive the rent rates which each class of soil actually paid have been investigated and discovered with more or less certainty, and the total demand for the tract is found by emplying these rates to the soil areas. In no settlement of Aimere or Mhairworra has any attempt heco made to employ either the inductive or the dedective process, nor have rates of any kind ever been worked out. The assessment of each individual village bas been a diductive guess of the assessing officer

250. Preliminary orders of Government —The first orders of the Government of India, as regards the present revision, were conveyed in letter No 377it, dated 25th October 1571. It was determined to renew the settlement operations which had been supposed owing to the distress of the country during the famine, and the Settlement Officer was directed to conduct the settlement generally to accordance with the principles of the North-West system as embodied in Mr Thomason's Directions to Settlement Officers, and to the first of the four circulars of the Board of Revenue Tho North-West system, however, was not to he rigidly adhered to, but to be modified so as to be adapted to local wages In paragraph 4 it was ordered that a separato water-rate should be assessed on fand trigated from tanks being fixed (on

ater in the tanks) at a maximum, remitted by the Clief Commiswater during the agricultural

seasout of each year tell short of that maximum

251. Subsequent orders of Government —Assessment to the North-Western Provinces are based on rental, nod on the 22od December 1871, instructions were requested as to the principle on which the revenue should be assessed and the share of the produce which should be taken of the due of the State It was shown that the decembed softlement was based on collections in one ball the produce, and Colonel Dixon's settlement.

oduce in Ajmere, and at one third one fourth of the

The Commissioner recommended one sixth as the Commissioner, in his No 96, dated 6th February

rates paid in the adjacent Native States:—"Where the barani (rainerops) area is small as in Meywar, 25 per cent. of the gross produce is levied. In Marwar where the areas are extensive and where the sandy loam gives heavy barani crops, 33 per cent. of the gross produce is taken from ordinary cultivators. In Jeypoor both rates prevail; Jats paying as high as 50 per cent. One-third is the regular rate paid for rubbee crops." Colonel Brooke was of opinion that one-quarter of the barani crop is lost every fourth year in Rajpootana, which would be tantamount to a loss of a whole crop every sixteenth year, or an average loss of 64 per cent. yearly. On the whole he calculated that the Native States take 25 per cent. of the gross produce or with exactions 32½ per cent., and on account of the extra cesses for roads, schools, etc., he proposed to restrict the demand to one-fifth of the gross produce.

252. The reply of the Government of India is contained in letter No. 116R., dated 3rd May 1872. In the opinion of His Excellency in Council the province is far from having reached a state of advancement, at which the assessment could safely be based on any calculation or estimate more or less conjectural of the amount either of the gross or of the net produce. The preserribed method is the empirical one prescribed in Section 81, et seq., of the Circular dated 9th April 1839, which the Board of Revenue in the North-Western Provinces issued to guide the Settlement Officer in effecting the now expiring settlement of the pro-The authorities who issued that circular had to face much the same difficulties, and to provide a remedy for much the same evils as those which have now to be encountered in Ajmere. There was great inequality in the assessment, great difficulty in collecting the demand, and a constantly recurring need for remissions as to the proper amount of which there was the utmost uncertainty. The point of importance therefore was to discover, not to what the Government was entitled, but what the several villages could pay for a series of years with some degree of certainty and ease. With this view the object set before Settlement Officers in the eircular referred to was to ascertain in what villages an appropriate demand had been collected without consequent impoverishment, and taking them for their standard to assess the rest accordingly. In Ajmere evils similar in character, though probably more aggravated in degree, should, His Excellency in Council conceives, be met by an application of a similar method, and with this view I am desired to convey the following instructions for the guidance of the Settlement Officer :-

He will of course at first divide the villages to be assessed into groups, so as to avoid applying an uniform rate to those of which the characteristics are markedly different.

In every group he should then select some specimen villages in which the records of the Deputy Commissioner's Office and local enquiry will show him that the revenue has been paid with a fair amount of ease. In this inquiry he will, of course, leave out of sight the experience derived from seasons of exceptional drought, which seasons will, when they recur, continue to be treated exceptionally by the grant of suitable remissions.

From the statistics in these specimen villages he should then work out fair rates for the different kinds of soil in the fashion well-known to Settlement Officers.

As a last step in the operation has a onlike apply these prilarates to the remaining villages, the accounts of the past collections as it remaining villages, the accounts of the past collections in which the should carefully examine, with the short of the past making such abatement or enhancement as the experience of the past making such abatement or enhancement as the experience of the past may seem to dectate for the future. In working out this data is may seem to dectate for the future. In working out this data is no amount which can be past in a year of out owner, as man for a complete past step and in a year of out owner, and although the accordance being as has been about prescribed, left take dealt with by the application of entranslumny remains.

253. In a subsquent letter No. 25 R., dated lith Jane 1875, the Governor General in Council, "while ever letter it is plut done but letter No. 116R., for calculating the covered accessory 1 to be very in letter No. 116R., for calculating the covered accessory 1 to be very include to the circumstances of the detitled Algorithm 2 the first and which is and no objection to the Settlement Officer has a light first and which can be standard of consistent of the greas product. The group for however, must be taken as early over the many data mynifest to make the however, must be taken as early over the many data mynifest to make the howest continued to the continued of the continued o

254. The sum of the lestractions given for the sufficient was therefore as follows:-

Fintly,-To divide the villages to be arrowed to be covide of accordment.

Secondly .- To procee the water revenue of tanks separately.

Thirdly.—To equalize the demand, and first data of all helps for the assertment at such a sum as the village could faith be asserted to pay in a good average year, regardleng half to what the faith bitherto paid, and to their condition now after the famine of 1874.73.

255. Division into automated circles—For proposed ancourant destricted Ajmere has been divided into the cords, and each Tebail of Missimarra has been divided into the cords. The circles correspond pretty closely with the natural distinct live outer by ranges of hills, or which the dutther which proposed was a proposal and the proposed of the control of the proposed of the propose

250. Against anison of circles.—In the Almer, District the train grounds for a division into circles are the sale a rather of both is land water in the Remain Pergunnah, the Ana Sagar Inde, and it Poweller. Sand Hills. The first circle is contention in with the Larman Pergunnah, and is a plan effection, eastward from the further range of the Arranti Hills. The mater in the wells is generally back the effective where it is small, and the soil is rather every trained for experimentally the sandy. It is been that Coloral Dixtn made the majority of his Ajmere tanks, which have been and have entackments with shallow bads. The second circle includes the hilly villages recal. Bayight and

the plain stretching towards Pisangun. In this plain the wells are on the banks of sandy water-channels, there is less tank irrigation than in Ramsar, but more than in the Gangwana Circle; and the water-supply generally is rather better than in the Gangwana Circle. The third circle comprises the villages north of the Ajmere valley, and has been called the Gangwana Circle from the jaghirs village in its centre. The tract is for the most part a broad unirrigated plain with a gradual slope from the hills, which bound it east and west towards the centre into the drainage channel, which runs northwards into the Sambhur Lake. There are hardly any tanks in the eircle, nor any sites suitable for them. The wells are situated on the banks of the drainags channel or of its tributaries, and the quantity and quality of the water-supply varies in proportion to the distance of the wells from a nullah. Towrds the hills the water is brackish and deficient in quantity, and only found at a cosiderable depth. The fourth circle is that of Ajmere and comprises the villages which lie in the valley of the Sagarmati, and those beyond the Aimere valley which are similar in characteristics. Here the wells possess generally a constant supply of water, cultivation is eareful, and the soil, except immediately under the hills on each side of the valley, is fertile. The fifth eircle is that of Pooshkur, which is peculiar and unlike the rest of the district. The pergunnah consists of a series of sand hills with natural ponds in the hollows. In these hollows and round the margins of the larger depressions, sugareane is grown without irrigation. Unirrigated wheat and barley are also grown in the moist land of this pergunnah, and not elsewhere in the district except in abi land.

257. Beawur assessment circles .- In the Beawur Tehsil the Beawur Circle comprises the villages between the high ranges of the Aravali, which separate the pergunuah from Massooda and Marwar. The eirele depends for its irrigation almost wholly on tanks. The soil is poor, the rock is very close to the surface, and the rainfall unless retained by an embankment rapidly finds its way into Marwar. Except to the north of the Station of Beawar there are but few wells. On the eastern side there is a succession of tanks whose gathering ground is the land between the high range to the east and the lower range towards the centre. In this latter range are situated soms of the best embankments in the district, Dilwara, Gohana, Kalinjar, Sarbena, Dewatan, Jowaja; while in the centre of the circle are the large reservoirs of Kalikankar and Kabra. The second eirele, that of Chang, contains the hilly villages on the Marwar side of the Tehsil. The valleys are not so rich as on the eastern side, nor is the water-supply so good. The centre portion is the worst, the southern portion where are the large tanks of Lusani, and Jalia second is the best. The third circle comprises the small British pergunnah of Jak, Shamghur, and the Meywar Pergunnah of Saroth, and the cultivated land mostly lies in the plain beyond the range. The soil is the best in the Tehsil, and the water is sweet, but the rock is very close to the surface, and the supply in the wells very much dependent on the rainfall. There are but few tanks, and, with the exception of Lotana, what exist are all small ones.

258. Todghur assessment circles.—The Todgur Tehsil has a much larger psreentage of irrigation than either Beawur or Ajmsre. It consists generally of narrow valleys, the fields on each side of the central

water-course being formed into terraces by dry stone walls. The first circle is that of Bhaelan which includes the pergunnahe of Bhaelan and Kot Kirana and the talah villages on the western side of the Tehsil. The peronpush of Kot Kumpa contains only four villages. Bhaslan contains 17, and of these 15 have been founded since the commencement of British role. This circle resembles the Marwar Circle of Beawur. of which undeed it is a continuation. The second circle is that of Diwer and includes the Diwer Perguanah and the villages south of the Todehur Hills. Irrigation depends nearly entirely on wails. On the Marwar side the country is very hilly and the cultivation is confined to very small valleys. On the east the circle adjoins the table-land of Meywar. but there is but little land and that poor barani within the plain itself. The town of Diwer less on a bigh ridge, and in years of deficient rainfall, saffere from deficiency of water in the wells. The third circle is that of Todehur, and except on the eastern boundary which extends a short distance into the plain the cultivated land lice in small valleys nmong the bills. The villages of Barne, Mandlau, and Todybur are as good as the best of the Diwer Circle, but the cluster of villages between Maullan and Balt pulls down the average of the circle.

259. Assessment of water revenue.—The question of assessment of water revenue is one which abounds in difficulties owing to the varying

capacity of the tauls, and it was only after the measurements were completed and the statistics of each village had been prepared, that any thing like a satisfactory solution of these difficulties presented itself. The assessment of the Beawar Tebal was the first taken in hand, and in Beawur that of the Beawar Circle. In this circle are all descriptions tanks are to be found here. The oth harvests, and the people can they like. The emallest tanks in ٠, an equitable assessment on all the land classed as talable and it was consequently necessary to classify the tanks. Having formed a rough classification and having fixed on rough working rates for each class. I proceeded to examine each sallage. The main distinction between tanks which arrigate the rubbee and tanks which du not is generally unmistakable, especially during the winter season following a year of moro then average ramfall. I then found the rates in the old khewat which the land under each tank had been paying and which the people considered fair, and compared these with my rough classified rates. I continued this work in each village till by the time that the inspection of the Tehsii was completed I had fixed on five clusees and made out separate rites for each class. That the classification of tanks is perfectly correct it would be perhaps presumptuous to hope, but I visited every tank myself, and that at a time when the smaller tanks had all dried up, and I believe that the classification and rates are not much in error. The rates are average rates for each class of tank, and though I was guided

by them in assessing the land under each tank, yet I did not adopt them in every instance. I followed the same principle in Todebur and Ajmere, in the latter of which Tebsils the tanks are nearly all of the

second and third olass.

260. Classification of tanks.—The classification and rates as finally determined on were as follows:—

First.—Tanks which irrigate both harvests when filled. The beds of these tanks are submerged, and they were excluded from the assessable area. The rates for the land under these was Rupees 5 per acre, of which 10 annas is soil revenue, and Rupees 4-6 water revenue. In good villages a rate was charged for manured land which brought the soil revenue up to 15 annas.

Second.—Tanks which irrigate the rubbee once, perhaps twice, but insufficiently. The beds are generally sown, but not till late in the season, and the crop in the bed is poor. My rates for these, for talabi, and abi were:—

Water revenue. Soil revenue.

| | Rs | . a. | p. | | Rs. | a. p. | Rs. | a. | p. |
|---------|----|------|----|----------|-----|-------|-----|----|----|
| Talabi | 3 | 12 | 0 | of which | 2 | 156 | 0 | 12 | 6 |
| Abi | 1 | 4 | 0 | | | | | | |
| | | | - | | | | | | |
| Total . | 5 | 0 | 0 | | | | | | |
| | | | | | | | | | |

The rate of 0-12-6 including manure advantage.

Third.—Tanks containing water sufficient to give a sowing watering for the rubbee, but no irrigation. The beds of these tanks emerge in good time and the water has been sufficiently long on them to penetrate and moisten the soil. These were assessed as follows:—

| | | | | | Wat | er re | ren | ne. | Soil | re | veni | ie. |
|--------|---|-----|----|----------|----------|-------|-----|-----|------|----|------|-----|
| | | Rs. | a. | p. | ı | Rs. | a. | p. | | Rs | . a. | p. |
| Talabi | | 2 | 13 | 0 | of which | 2 | 0 | 6 | | 0 | 12 | 6 |
| Abi | | 1 | 14 | 0 | 23 | 0 | 15 | 0 | | 0 | 15 | 0 |
| | | - | | | | | | | | | | |
| Total | • | 4 | 11 | <u>U</u> | | | | | | | | |

Fourth.—Tanks which only give a watering for rubbee sowings when the rains are so favourable that there is little or no water expended in klureef irrigation, but which fully irrigate khureef. My rates for these, and the majority in Beawur belong to this class, were:—

| • | | | • | | Wa | ter r | evei | iue. | Soil revenue. |
|---------------|---|---|---|---|----------|-------|------|------|-------------------------|
| Talabi Abi | | 2 | | 0 | of which | 1 | | 0 | Rs. a. p. 0 10 0 0 15 0 |
| Total | • | | 1 | | • | | | | |

Fifth.—Tanks which never have any water for rubbee sowings and which no not fully irrigate the khureef when much water is required. The water does not remain long enough upon the beds thoroughly to pene-

frate and mosten the soil, but the rinbee eron which can always be grown in the bed except in years when there is no rain at all is generally quite as valuable as the thureet crop below the dam.

Water revenue, Soul revenue,

The distribution of the talabi rate between soil and water revenue was effected by assessing the highest rate for barani as soil revenue. It must be remembered that if there was no water in the tanks there would be practically no cultivation, for in such a year the rainfall would zely-plates, as the tank received no water, be insufficient or nil in and about that particular tank, and without a good rainfall unirrigated laid in this district is worthless and hardly repays its cultivation. The soil rate therefore was kept low and the water charged with the larger portion of the rate

281. Alternative schemes for the collection of the water revenue,-The question then arose as to the system under which the water rovenne amounting in the whole district to Rupees 55,432 should be collected. It had been proposed to contour the tunks and fix a gauge which would show the supply of each season, and to clurge for the water by the cubic foot. leaving the distribution to the perhats be the most perfect system. tooks in the district would require a s ura, lt had been suggested to form to give the Chief Commissioner authority to allow remissions of water revenue when the ramfull of that zone us measured at an appointed station within it fell below a certain number of inches But here the extreme particulty of the rainful frustrated the scheme It will often be rainful. heavily on one side of a hill, while the other will be parfectly dry, and when the ramfall depends now on the eastern and now on the western monsoon, no zones can be formed Besides which, the filling of the tanks depends on a burst of rain of three or four inches at a time , when the rains are light no water finds its way into the tanks, though the raingauges may indicate an average full aforeover much depends on the time of the fail If the fall is early in the year, the witer may exaporate before the time it is required for the rubbee. There seemed no alternative, therefore, except that of unnually examining the area urigated from each tank.

282. Explanation of the system adopted—It seemed impracticable, however, to test each year the nrea ring sted hr all the small tanks, in a nother case did it seem necessary to do so, since even a moderate shower will fill them, and they never do irrigate for the rubbe—In all tanks, therefore, except those of the first class is Beawar and Todghur, the water revenue though separately recorded for the whole village and feeach holding, has been included in the khemal or record of ind while responsibility. An engagement has been takes from the village to get responsibility.

so much including water revenue. It will be for the revenue authorities to determine whether the whole amount should be collected in any one In all ordinary years the whole amount will be collected, and the Deputy Commissioner has no data on which to found his proposals for remission. The villages irrigated from the tanks of the first class in Beawur and Todghur and nearly all the tank-irrigated villages in Ajmere have been assessed differently. In their case the water revenue has been entirely excluded from the khewat and the villages have been assessed at so much plus a lump sum for revenue. A list of all these villages showing the soil-rate, water-rate, and amount of water revenue assessed, is given in Appendix A. The total water revenue thus excluded from the khewat is Rupees 37,172 out of Rupees 55,472, so that this class is by far the more important of the two. It will be observed that the rates of water revenue are not quite uniform even in tanks which have been put in the first class in each tehsil. This is partly owing to the poverty of the soil under the lowly assess d tanks, and partly owing to the deteriorated state of the villages in question where I found it impossible to take full rates. Allowance for the first cause should more properly have been made in the soil-rate, yet having, in the first instance, fixed that low, since without water no tank land will grow anything more than a precarious barani crop. I was obliged to make the remission ont of the water-rate.

263. This lump sum then is a maximum, which, supposing the irrigated area to remain each year the same as in the year of measurement, each village should pay during the term of settlement in each year. It remained to provide machinery for its collection, for its reduction when, the irrigated area should be reduced, and for its enhancement when the irrigated area should be increased. It would have been easy to declare that all land irrigated from the tank in any year should pay the rate at which the measured area had been assessed, but the defects of a fixed rate seem to be, first, that no incentive to economy in the use of water is offered, (and when the duty of distribution must, in a great measure, be left in the hands of the village community, this is a most important consideration); and, secondly, no motive is supplied to the headmen and the village community which would cause them to take care that none of heir number take water without paying for it. On the contrary it is every man's interest to defraud Government as much as possible. On the other hand it having been decided that it was necessary each year to test the irrigated area in order to discover the amount of water revenue which should be taken, it was imperative that any proposed system should combine with it the advantages of a waterrate, and should be framed so as those only who received water should pay water revenue. This was the more essential since it is the custom for those fields which are nearest the tank first to obtain water, and if there is any deficiency the fields furthest from the sluiges, get none.

264. The system which has been adopted it explained in full in my No. 154, dated 24th April 1874, and the engagements have been taken from the villages accordingly. Tuelump sum is to be made good from the fields actually irrigated each year, unless its incidence on the irrigated area exceeds a certain fixed maximum or falls below a certain fixed minimum. Thus in the case of Dilwara Tank there were 244 acres

measured as talahi. The water revenue of the village was assessed at Rapees 1,003, heing at a rate of Rapees 4.5 per aer; as the irrigated area appeared to represent the full capacity of the lank as it now exists, and the rate and the resulting assessment seemed fair and reasonable Times and the rate of the resulting assessment seemed fair and reasonable with the resulting assessment for the resulting for the resulting assessment fair and reasonable fair and remained as the resulting assessment for the r

- mitted It was pro-

vided further that when the incudence of the assessed water revenuefell below Rupees 3-12, the actually are a second water revenue. Rupees 3-12, and the excess credited turingated area fluctuates between 215 and though though the water-rate varies each year. As soon as the incidence of the assessment shows pressure the pressure is relieved, and if the existing tank is extended or by greater economy in the use of water the irrigated acre is enlarged, Government will reap a benefit during the

dence of the assessment shows pressure the pressure is relieved, and if the existing tank is extended or by greater economy in the use of water the irrigated area is enlarged. Government will reap a benefit during the term of settlement. Well land below the dam has all heen assessed as such, and as it will no longer pay owners of well land to take water from the tunk, they must use their wells and the water may be carried to fields which are now unirrigated. The advantages of the system seem to be—

Pert —A certain amount of stability is secured for the water revene, for in all ordinery years there will be neither remissions nor enhancements

Scon! — When water is scarce, it may eafely he presumed that those who get it can make larger profits out of it than they can when it is phentiful. In such years they pay a higher price for the water. On the other hand when water is cheap and plentiful those who get it pay less than the assessed rate. In no case does any man who does not get water pay anything.

Therefig — It is the interest of the headmen and each zemindar within the mainmain, s. e., in all ordinary years, to economize and spread the water, for each man's revenue is hightened thereby, while for the same reason it is the interest of each to hring within the irrigated area all land actually irrigated, and to prevent any one of their number defranding Government.

In the detailed working of this plan difficulties will no doubt arise, hat I foresee none which are insurmountable. Even now most of the putwarees thoroughly understand it, and there is nothing which the people will not understand when it begins to work

256 Treatment of submerged land .—The land submerged in the beds of the large tanks has been left massessed but a clause has been inserted in the engagements of these villages which have land both above and below the dam, providing that it shall be optional with the Deputy Comm soider to levy revenue as each land as omerges and is cultivated in any year in which a remission of water revenue is allowed The revenue thas to be levied has been assessed at a fixed rate generally 12 annas a heegah or Rupee 1-4 an anter There are several villages, bovever, which while they hold land in the bed of a tank, yet have no land below dam and pay no water revenue. They are enumerated in the last column of Appendix A and consist of 26 villages in P-sur. Tel shi.

and the Telis' Thok in Ajmere kusbah. There are no such villages in Todghur. In these villages the submerged area has been left unassessed and treated as a fluctuating mahal. It has been provided in the engagements that these villages shall be yearly inspected and the excluded land which shall be found cultivated shall be assessed at a fixed rate generally, also, Rupee 1-14 per acre. In this way the difficulty which has hitherto always attended the collection of revenue from submerged lands has been removed, a difficulty which was perpetually cropping up during the currency of Colonel Dixon's settlement.

266. Rate-Report.—During the cold season of 1872-73 I was engaged in forming circles and in collecting materials for a Rate-Report which was submitted on the 7th May 1873. The measurement of the villages in no one circle had been completed, and consequently it was impossible to verify the rates which were framed by reasoning from Colonel Dixon's rates, and the general rise in prices and such rates of collection as could be obtained from the imperfect statistics of the jaghire villages and such villages as had been let in farm. The rates fixed for each circle are shown in a Statement in Chapter XIIII, but they were rather too high, and I have not been able to work up to them. More particularly as regards the rates for talabi land I had not been able to arrive at any definite conclusion at the time of writing this Report. The aim was to form rates which should represent one-sixth of the produce, and the result of the application of the rates to the areas gives a total of 309,920. The value of the produce of a good average year has been estimated in Chapter VIII, at 18 lakhs.

CHAPTER XII.

ASSESSMENT STATISTICS.

Section I, Ajmere.

267. The accompanying Statement shows the area, past and present, f the khalsa villages in each assessment circle. The figures of present pate include.

, Statement of Area, Teastl Symere

| | | 1 | İ | | | - | - | | | . [| | | | | - | 1 | |
|------------------|-----------------------|---------|-------------|--------|--------------------|---------|-------------|------------|------------|-------------|---------|--------------------|---------|------------|---------|---------|-------------------|
| | ٦ | 9" | Vo. or vil- | 1 | | n. | Urenterrene | | | | Hates | Maria or assessing | (veeter | 2 | | | |
| | oaz pdu | | | | | | | | 3 | Culturate e | | | ١ | Califrated | | | |
| No 120 Cirola | oos tadastą bas testą | Abs se. | Jeridual. | [#JoT] | arise al era telo? | Barrell | 001 E0] | faloT | wolls! &IQ | wolfat well | JeloT | CP*PS | fdala∓ | 'nv | lgensi | Lefox | "gidateenes falo. |
| | Part | 23 | 22 | 25 | 143,773 | 659 99 | 22 | 57 694 | F 0-1 | 13,547 | 18,411 | 2 | 912 | 27.73 | 17.73 | 30 614 | 16, 93 |
| Tangara I | Present | 2 | 7 | £. | 141 008 | 197 57 | 23 + 23 | \$68.93 | c lis | 1 201 | 61773 | 44 | 5 416 | £ 304 | 22 223 | 32 731 | e7 £10 |
| 9.1.00.0 | ** | E | 2 | 2 | Dus 22 | 19,667 | 3,110 | 23 000 | 1.048 | 27.0 | 19 603 | ži + | 8 | 38 | 0 30 | 16 918 | 25 411 |
| 20100100 | P sent | # | 2 | ķ. | 200 23 200 23 | 19 659 | 11-11 | \$0.00 | 19 294 | 2,50\$ | es r | 4 312 | k | 2 805 | 22,940 | ŝ | 43 007 |
| Characteria | Part | * | • | 8 | 84 S2 8 | 21 935 | 4 630 | 20 B B G S | 213 | 8,521 | 100'91 | 2 | E | 860 | 29,478 | 23 067 | 190 00 |
| | Present | 8 | • | 4 | 414 | 25 950 | 0,70 | 31,5.0 | 9 033 | . 355 | 13 419 | 3 143 | 828 | 000 | 22.22 | 23 143 | 42 563 |
| 4 Nimers | Past | = | 40 | 2 | 56.50 | 25 103 | 2 185 | 20 471 | 1.60 | 200 | 18 220 | \$ 122 | #10 | 1043 | 11 082 | 17 491 | 32,874 |
| | Procent | 2 | 19 | 2 | 64 955 | 15 259 | 119 9 | 13 PC0 | 8.163 | 2,315 | 10 544 | 2 | ä | 2 325 | 11389 | 27 451 | 31 998 |
| 5 Possibles | Pass | 10 | 2 | = | 12,226 | 5 162 | 1,046 | 9 155 | 130 | 2 109 | 202 | 3 | | 230 | 3 5 5 5 | 2,963 | 6 040 |
| | Present | 9 | \$ | 2 | 27.20 | \$ 973 | 1 469 | 6 463 | 909 9 | 116 | 8 040 | Ē | 8 | 0 | 160 2 | £.,7 | 22 778 |
| Ę. | Part | -8- | 명 | 25 | \$15.43 | 119 0"1 | 23 133 | 167 623 | 11 33 | 31 876 | 109 563 | 16,948 | 1010 | 2 008 | 28 093 | 802 TO | *00 674 |
| | Present | 133 | 5 | 8 | 329 6.8 | 111,903 | 31 490 | 27.13 | F | 13 018 | 107 7-1 | 13,553 | 300 | 27.18 | 71 256 | 108,970 | 159 915 |
| | | | ì | | | | | | 1 | | - | - | | | | | - |

however, the statistics of Nand, Rampoora, Khori, and Kholai in the Pooshkur Circle, with an area of 446 acres chahi, 97 abi, and 1,284 barani; and those of Harmara, in the Gangwana Circle, with an area of 222 acres chahi, 41 abi, and 1,374 barani. These five villages were added to the Tehsil in 1860. If these areas be deducted, the result for the whole Tehsil, as compared with the figures of last settlement, shows an increase of 1,037 acres irrigated by wells, a decrease of 800 acres irrigated by tanks, and increase of 510 acres abi, and an increase of 13,503 acres Nearly the whole amount of increase in barani was measured by Colonel Dixon in fallow, and the extent of the barani cultivation is entirely dependent on the rainfall of the particular year in which the measurement took place. The greater part of the increase in chahi is accounted for by the fact that wells have been dug since last settlement in land below the tanks. Practically, therefore, the cultivated area is entirely stationary. There are 139 khalsa villages now as against 85 at last settlement, but only the five mentioned above have been added to The remaining 49 villages are hamlets which have been separated from the parent village and assessed as distinct villages. The average area of each village is 2,585 acres. The following Statements show certain percentages on the cultivated area, the percentage of cultivated to assessable, and the agricultural statistics of the tehsil at last settlement and at the present revision:-

| • | | | PE | BCBKTAG | BS ON | CULTI | TATED | A BEA. | | ı —— | 1988 |
|--------------------|----------------------------|---------------|--------|---------|-------|---------|---------------|-------------------|-------------------|-------------------|------------------------------------|
| Name of Circle | Past and present compared. | Manuted land. | Chahi, | Talabi. | Abi. | Baraui. | Rubbes crops. | Grops, 1st class. | Crops, 2nd class. | Orops, 3rd class. | Percentage of cultivated to asses- |
| | Past . | 10 | 13 | 20 | 9 | 83 | | | | | (36 |
| Ramsar |) (| 13 | 14 | 16 | 7 | 63 | 30 | 1 | 53 | 46 | 88 |
| | Past . | 11 | 25 | 12 | 9 | 54 | | | | | 48 |
| Rajgbur | Present . | 8 | 20 | 8 | 9 | 63 | 28 | 1 | 40 | 28 | 49 |
| | Past . | 5 | 13 | 3 | 3 | 81 | | | | | 83 |
| Gangwana | y | 8 | 12 | 3 | 4 | 81 | 19 | , 200 | 23 | 77 | 68 |
| | Past | 7 | 29 | 1 | 6 | 64 | | | | | 53 |
| Ajmer <i>e .</i> . | Present . | 12 | 26 | 1 | Б | 68 | 25 | 2 | 82 | 66 | 67 |
| | 1 | 13 | 15 | | 33 | 52 | | ••• | ••• | ••• | 49 |
| Pooshkur | { Past . | 21 | 14 | 2 | 20 | 61 | 29 | б | 38 | 50 | 87 |
| | | | | | | | | | | | 45 |
| ** * * | Past . | 8 | 18 | 10 | 8 | 64 | ••• | ", | 38 | 61 | 50 |
| Yotal . | Present . | 11 | 17 | 8 | 8 | 67 | 26 | 1 | 30 | 0, | |

| | | | | | | | | | | == | |
|---------------------------------------|----------------------------|-----------------|-----------------|-------------------|-------------|------------|----------|------------|----------------|--------------------|--------------------------------|
| | feet ond present compared. | | | | | News | 13 07 | Wates | Der Wat | TT OF | Average number of acres of un- |
| | e e e | ł | | 1 | 1 | In- | H111 | | | ٠. ا | S P |
| NAME OF CIRCLE | 10 | | ž, | | | | } | | | 1 | 200 |
| | £. | ا د | DE L | 1 2 | 1 8 | | l | 3 | = | E | a tra |
| | 1 | Plong bu. | Poegh ballocks. | Head of cattle | Population. | 형 | ¥. | Out of use | To water | To bottom of well. | 13 |
| | | | | = | - | - | <u> </u> | | - | <u></u> | - |
| Bammar { | Past Present | 2 495 3 11 6 | 8 414 | 41 165 41 184 | 22,680 | 1 130 | 408 | 543 | 37 | . 3 8 | 11 |
| Esignur { | Past Present | 1 620 | 8 868 2 360 | 14,010 | 13 9"7 | 61 | 158 | 204 | 33 | | 24 3 24 24 24 2 |
| Gangwans , { | Past . | 1 035 | 2 447 | 16 659 61 448 | 13 66* | 8 D 500 | 840 | 189 | ₂₃ | 20 | 2 2 |
| Ajmere { | Present . | 1 333 | 3 123 6 416 | 16 921 | 10,069 | 733 20 | 320 | 183 | 16 | | 21 |
| Pacatitor { | Present . | 459 | 204 576 | 1 733 | 3 310 | 116 | e | 71 | "11 | 3 0 | 8 |
| Total | Present : | 8 001 | 14 743 | 69 607 100 570 | 69 674 | 6 153 | 1110 | 1 000 | 16 | 28 | - 3 |
| ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` | | | | | | | | | - 1 | | |

268 In the whole Tchail there is 11 per cent. of the cultivated area manured, and 25 per cent. protected by wells and tanks. There is only 26 per cent of rubnes crops and 50 per cent of the culturable area still remains to he hrought under cultivation. There are 4,285 wells worked as against 4,042 in Colonel Dixon's time, giving an average of 44 area per well. The large number of 1,009 wells have been recorded as not worked. Some of these are entirely ont of repair, but many of them are those which have been dug in situations where they only hold water in years of favourable rain. He well area can hardly be appreciably increased except by the construction of new embanhaments and the extension of 51d ones. There are on un inverage two acres of macultivated land per head of cattle

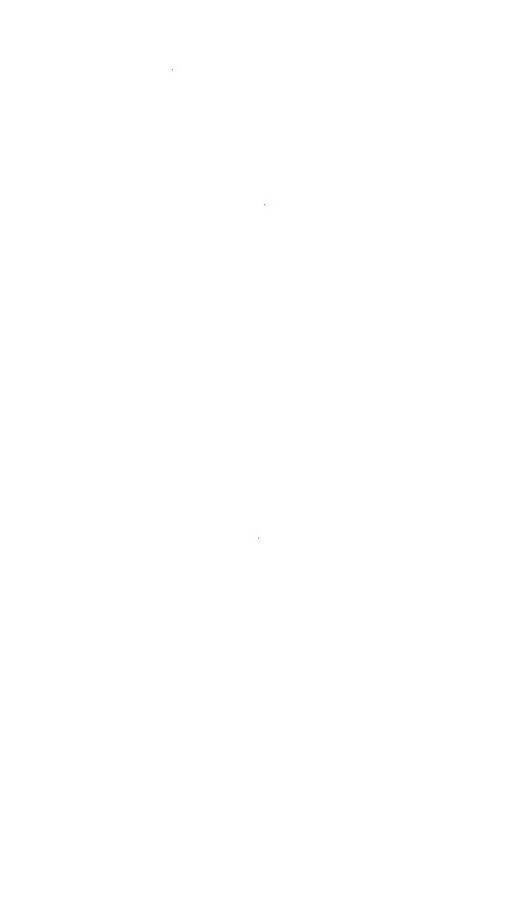
269 Comparison with former statistics - It will be instructive to compare the statistics of agricultural wealth with those collected at the settlements of Mr Middleton in 1826, and of Mr. Edmonstone in 1836, In Mr. Middleton's time 1,850 wells were recorded with 3,678 ploughs. Ten years later, and after the famine of 1833 34, Mr Edmonstone found 3,180 ploughs and 1,575 wells Plonghs are now 8,420, giving an In Colonel Dixon's time there were average of 13 acres per plough. only 6,004 ploughs enumerated Plough hullecks and cattle have also increased since Colonel Dixou's time. It would seem, therefore, that the losses during the familie fell upon the accumulations of the years succeeding Colonel Dixon's settlement, and that though the Deputy Commissioner estimated that the cittle had diminished by one-third, and the ploughs by one-half during the disastrons years of 1868-69, yet the district is more full of agricultural wealth now than it was at the time of last settlement. The same fact as hereafter remarked as observable in Mhairwarra.

270. Past and present demand—The nrrangemente made at the present revision nboat cesses are in accordance with the orders of the Government of Judia in letter No. 52 R, dated 9th March 1874, hable to revision at next settlement. The arrangements are the same in all



Statement of Area, Mharrwarra.

| | | to co | * | NEWBER OF VIE LAGES | 7 A.E. | | Uki | TRACE TOTAL | | | | Marso | Mithobiant or Assessing | 1 400 | 2727 | | | |
|-----|-------------------|--------------|----------|------------------------|--------|--------------------|---------------------|--------------|---------------------|------------------|------------------|----------|-------------------------|---------|----------------------|------------------|----------------|--|
| | | fases: be | l | - | | 89124 | | | | ບ | Caisargits | | | ٥ | Califorted | | | 47478 |
| = 1 | Cibokar | ig bas tang | | Fibrita. | Total | Total area la | estrad | Bent fasit | [FIOL | solial bio | Polish mad | LioT | CP*FI | IdaleT. | MA | Bereuf | Jasot | Torir Just |
| - | Perung | Present | - | 25 | 22 | 26 25 | 29 862 | 23 | 251 05 | 553 | 100 | 2# 8# | 3 516 | 8 716 | 6.30 | 13 650 | 17 15 EX | 88 88 88 |
| | Chare | A Present | | 18 | 25 | 2010 | 38.65 | 45 | 30.0 | 5: | 818 | 2 383 | 28 | 83 | 602 | 2,203 4,24 | 44 | 200 |
| • | and and and | - 1200 E | | 22 | 25 | 73,331 80 690 | | 53 | 61, 98 | | 85 | 202 | 12 | 37. | 81 8 82 8 83 8 | 22 | 90 373 | 14,036 |
| | Field Resease | 111 | | , E# | 22 | 108 601 UØ 653 | 252 | 100 | 203 A91 | 22 | 48.55 2.25.50 | 125 | 1 25 | 7 650 | 94 | 14 3cg | 25.08 20.08 | \$ 50 \$ 50 \$ 50 \$ 50 \$ 50 \$ 50 \$ 50 \$ 50 |
| | | 1 | <u> </u> | 25 | == | 20 00 | 67 fd8 83 818 | 28 | 83,718 63 706 | | 28 | 122 | 28 | 283 | 23 | 256 | 120 | 100 |
| | Todebur | | - | 12 | #r. | 50.50 | 43 06 67 973 | 152. 152. | 47 910 E3 191 | 40.0 | 12.5 | \$ 000 | \$ 516 5 751 | 8 2 | 126 | 2 707 | 22 | 11 855 |
| | | - | 7 | = | 22 | 65 068 | 76.63 | Ě | 71 794 | 1 80g | 26 | 7.31b | 200 | Ž. | 53 | 3 5 20 | 959.8 | 13 963 |
| | Total Todehue . | | 낽 | 52 | 5.5 | 146 438 223 232 | 102 201 | 154 | 160 230 191,641 | 195 | 22 | 8 10s | 800 | 5.5 | 3 303 | 5 18 5 933 | 20 599 | 25 00 21 608 |
| - | Toldi, Mha ruarra | Present | | 28 11 | £ŝ | 111 117 101 101 | 328 61.7 337 418 | 807 878 | 2.00.3°2 338 316 | 26 886 27 103 | 800 | 32 177 | 14,833 | 10 30 | 25.55 | 27,319 29,773 | 25 25 29 29 | 88 518 81,673 |



| | 3 cmt | | 1 | PERCEI | 7101 | s an c | DESITATE | EG AFE | 4 | | E . |
|----------------|------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------|------------------|-----------|-----------|------------|------------------------------------|
| NAME OF CIRCLE | Past and present compared | Manured | Chatt | Talebi | Abi | Dareni | Rubbes erops. | Crops 1st | Crope 2nd | Grops, 3rd | Percentage of cultivated to avego- |
| Beswus . { | Pest Present | 31 13 | 14 13 | # | 18 16 | 45 81 | 43 | , | i; | -43 | 70 69 |
| Chang { | Past Present | 20 17 | 16 | 3 | 21 35 | 45 63 | 40 | 3 | 51 | 43 | 27 63 |
| Shemghar . { | Past Present | 25 17 | 17 | 12 | 31 29 | 49 28 | 61 | ١, ١ | 76 | âı | 71 63 |
| Tolel . { | Post . Present . | 110 | 15 | 19 | 23 19 | 41 | 47 | 1 | 61 | 28 | 71 66 |
| Bheelen { | Past . 1 retent . | 33 | 23 | 25 23 | 38 | 33 | žó | 6 | 66 | 25 | 83 66 |
| Diwer { | Past Present . | 30 | 47 63 | 3 | 1 | 43 40 | ű | - | 64 | 59 | **9 68 |
| Todshar { | Present . | 18 | 57 42 | 11 | 11 | \$8 40 | £7 | 10 | 63 | 2.5 | 5) 85 |
| Total . { | Past : | 19 | 53 40 | 11 | 7 | 8 | 52 | 3 | 50 | 83 | 80 88 |
| Total Mhale { | Pest . | 16 | 33 | 18 16 | 19 11 | 43 49 | 49 | 7, | ŧI. | 85 | 76 |

| | - | - | - | | | _ | | == | _ | | | | |
|---------------------|---|---------------------------|---|-----------------|------------------|---------------------|-----------------|--------------------|---------|-------|----------|---------------------------|--|
| | | ent com | | | ske. | £ | | Youk | 7 10 05 | VELLS | DEI | TH OF THE OF THE TR | Average number of scree of unsulty-sted per head of cattle |
| CIECLE | | Pest end present pared | i | | Flough Dallacks | Ifted of cettle. | negu | In: | 250 | 910 | | E | of the |
| | | Į. | | Piongpa | Plongs | Head . | Population | Old | New | Outof | To water | To bottom of well | A Person |
| Весицт . | { | Pest Present | : | * 8 3 2,613 | 5 714 5 054 | \$5 956 67 166 | 25,071 | 791 8 51 | 339 | 353 | 19 | | i |
| Cheng | 1 | Past Present | : | 617 | 1 035 1 838 | 6 856 19 78 | 3 833 | 341 313 | 137 | 137 | 16 | 30 | 8 |
| Shenghur . | { | Post Fresenl | : | 130 | 2 549 2 305 | 8 436 25 730 | 10 935 | 425 420 | 418 | 311 | 17 | 31 | 7 |
| Total | Į | Present | : | 4 420 5,113 | 8 847 10 225 | 41 2°7 79 708 | \$8 922 | 2 437 1 183 | 317 | 100 | 17 | 3. | 5 |
| Bhaslen . | { | Pret Present | | 884 934 | 1 59+ | 6,853 11,818 | 10 820 | 293 523 | 261 | 313 | 19 | 21 | 8 |
| Diwer . | { | Past Present | | 1 \$89 1,679 | \$ 327 \$,328 | \$ 1980 21 185 | 11 475 | 1 G06 1 181 | 229 | 859 | 33 | 88 | 5 3 |
| Todshor . | { | Peti Present | : | 1 789 1 907 | 3 748 4 606 | 16 61s 82 929 | 13 973 | 1 301 1 60L | \$03 | 491 | 27 | 34 | 1 |
| Total . | ĺ | Pest Present | : | 3 941 4 720 | 7 731 9 5 8 | 57 530 55 913 | 23 217 | 2 495 3 681 | 793 | 1 292 | 29 | 62 | - ; |
| Total Mheirmerra | ĺ | Pest Present | : | 8 351 9 833 | 16 871 19 763 | 73 %37 1 49 5 11 | 76 1 3 9 | 4 051 4 167 | 1 604 | 1 993 | | | 11 |
| | _ | <u> </u> | _ | · | | | , | , | • | | | , | |

275. The present assessment of Mhairwarra is a reduction of 25 erent. from the revenue fixed by Colone Dixon, but is an increase of 12 per cent, on the amonot of the summary settlement. I have heen unable to work up to the rates in any circle. There was a coosiderable loss in water reveoue. The rate for baraoi in Beawur Circle, was too heavy, and when the villages of Mhairwarra jot out into the Meywar plain, as in the pergunoalis of Jak, Shamghur, and Todghur, the barani could not bear the proposed rate. The rates generally were suitable for the good villages; those which strike one's eye in passing through the country, bot an examination of each village whith the map and the knowledge of the capacity of a village, which can only he obtained by a comparison and collation of statistics, showed that the revenue rates were pitched rather too high. Hoolding cesses, the assessment of Ajmere-Mhairwarra is 3,04,503, the result of the application of revenue rates gives Eupees 3,09,220. The reduction in the assessment of Ajmere-Mhairwarra monnts to 19 per cent.

276. Meywar and Marwar-Mhairwarra:—The land revenue of the villages of Marwar and Meywar-Mhairwarra is not home on the rentroll. The receipts are paid into the personal ledger and credited periodically to the States concerned subject to deduction on account of costs of management. Statements D and E in the Appendix show the revenue and area of each territorial division of Mhairwarra.

ULTS OF ASSESSMENT.

| each assessment circle, with the rates of the present | and | | revenue. | ۽ (| , -a - | ٠.١٠ | ا - | 445 | n' | 820 | w | 7 | - |
|---|--------------------|----|--------------------------|----------|--------------------------------------|-------|----------|---------------------------|----------|---|-------------|----------|----------|
| 20 | * | | Rate of water | R\$.a.p. | P82 | | n j | Sina. | = | ಬದಾ | i۳i | 23 | 0 |
| žt. | *2 | | | | | | ا 2 | 61 44 63 | <u> </u> | 1 | 1-1 | دع | <u> </u> |
| 2 | 161 | | cesses of all | | 50,215 33,631 29,71[30,169 | 7,633 | <u> </u> | 15,229 8,191 21,533 | 75,113 | 10,503 23,071 29,665 | 63,080 | 31 | 304,893 |
| he | 811 | | Ulia luou | | 0000 | وإم | ġ | 5,2 | 2 | 255 | 1 2 | 138,231 | 6 |
| خية - | હુ | | Persent assess- | · | | - | - | | | | | | |
| :3 | present assessment | | Percentage of lingation, | | ~ | 1 | 8 | 28 2 | ន | 533 | ន | 43 | 33 |
| | ~ | | Present. 74 | | | 1- | ٦ | = 010 | m | 600 | 0 | | 0 |
| 6 | 23 | | Present, 'FE | ¥. | | - ; • | ۶i | ໝາສີ | 6 | 523 | 23 | • | 01 10 |
| Ġ | 93 | | • | , | | £ | 1 | - | ı | ~ | 69 | 63 | |
| ci. | ā | Á | 2.1 | 3 | | | | | | 182 | = | C.S | 0 |
| 43 | | 7. | Parmer | • | | | | | | 110 | ន | = | ~ |
| en G | £1, | | | | | | | | | 62.2 | <u> </u> | | -63 |
| ä | | | 1 | | | | | | | ** | 0 | α | 7 0 |
| ess Ft | | | • | | | | | | | = | 2 | 8 0 | 1 |
| 168 | · • | | • | | | | | | | أه | | | ° |
| e L | | | • | | | | | | | | | i | - |
| ch p | • | | 4 | | | | | | | | 1 | ÷ | , 1 |
| each asses the present | | | | | | | | * | | | | | ļ |
| | | | | | | | | | | | | | - 1 |
| ENT. inue of rates of t | | | | | | | | | | | | | . |
| Mr. | | | | | | | | | | | ; | Ľ | |
| Assessment new revenue l. 'rate | | | | | | | | | | | | | |
| AS. | | | | | | | | | | | | | |
| S I | | | | | | | | | | | | | |
| A A | | | | | | | | | | | | | |
| u ä∷ | | | | | | | | | | | | | |
| or A and ne Soil. | | | | | | | | | | | | | |
| ي هي | | | | | | | | | | | | | |
| orrs ing a | | | | | | | | | | | | | |
| uing and new revenue ch class of Soil. ' rates | | | | | | | | | | | | | |
| erii. | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | | | | | | | | | | | | | |

assessment have been calculated on the Government revenue exclusive of cesses, but including the deduction from the Government revenue allowed in favour of the lumberdars. The assessment of Aimere with 25 per cent. of irrigation is at the rate of Rupeo 1-8-4 per acre of cultivated as against Rapecs 2-0-8 of last ecttlement. In the North-Western Provinces n rate of Ranges 2 with 50 per cent. of irrigation is by the consensus of nearly all Settlement Officers considered a full assessment. Here there is only 25 per cent. of irrigation, and there is no doubt that the sandy or stony unirrigated land of Aimere produces even in the best year nothing like what the unirrigated land of the Doah When the precariousness of the hurani crop failing as it does probably one year out of three, is taken into consideration, the assessment may eafely be asserted to be at a higher rate than the revised assessments of the North-Western Provinces. The rate on the cultivated area of the Beawar Tehail is Runee 1-16-3 with 33 per cent. of irrigation; in Todghur, where the soil is generally rich, it is Rupees 2-12-6 with 52 per cent, of irrigation.

278. Weight of the assessment.—In Chapter VIII an estimate of the value of the produce of an average year has been given, founded on prices current and an estimate of the crop on each class of soil. It appeared that the amount of the present revenue with cesses, Rapses 3,04,593, was about equal to one-sixth of the gress produce. It remains to verify if possible this estimate from other sources, for produce estimates from the nature of the case cannot be implicitly relied on and require to be checked in every way possible. There are two sources whence light may be thrown on the subject, the collections of farmers and tha collections of particulars.

279. Aroument from farmers' collections .- In Appendix B will bo found a Statement of the average collections from all the villages in Aimere which had been under farm. It has been already mentioned that 80 villages were given in farm in the year 1871, owing to inability or unwillingness to pay the nrrears of the famine. The average rent rolls given in the Statement are the average collections for the years 1871-72 and 1872-73. A few of them are for three years including the year 1870-71, and one, Jethana ie for 20 years. Tha rate of collection on these farms was two-fifthe the produce for all crops except maize and cotton, which pay a fixed rate, generally, about Rupecs 2 per begah or Rupees b per acre. A few privileged individuals paid one-third. The rent-rolls are in all cases what is known as the " Nikasee Kham." i.e., they represent the value of the produce according to the kankut or estimate whether the whole was collected or not, and without any deduction for the cost of collection. I have no reason to helieve these rout-rolls to be other than correct. The farmers knew that their leases would terminate as econ as the assessments were announced, and that they would not be renewed. The Seths, who were the principal farmers, could have had no motive to practise deception, and in each case either the farmere themselves or their Gomashtas brought their private accounts for inspection, and it was from these private accounts as explained by the farmere that I took down the reat-rolle with my own hand.

280. Though I believe these rent rolls to be a correct account of the amount actually collected or estimated, yet it is not probable that

they represent a full two-fifths of the produce. Several of the farmers and especially Seth Raj Mal, who had more farms than any one else, were so inexperienced in collecting rents and were so badly served that they did not collect nearly what they should have collected. Still some of them collected their full dues. Malji, the Kamdar of the Bandunwarra Thakoor, was not deceived by his tenants. Cheetar Sing and Saligram Jyotishi probably collected rather more than their due. Fath Mal had very good gomashtas, and both he and Chand Mal spent a very large percentage in the cost of collection. On the whole, I cannot think, that they collected less than one-third. The total of the rent-rolls is Rupees 80,000, and the gross produce of these villages would therefore be valued at Rupecs 2,40,000. The present assessment of these villages is Rapees 51,406 without cesses and Rupres 59,835 with cesses. From this it would appear that the assessment with cesses is very nearly equal to one-fourth of the produce.

281. Argument from Jaghiredars' collections .- With this may be compared the average collections in the jaghire estates for the last 10 years, where the revenue is always taken in kind. The jaghiredars have collected revenue for generations, nor have they any motive to understate their receipts. The average collections for 50 villages for which rentrolls were procurable, were Rupees 70,876 without eesses, with extras of all kinds, Rupees S1,636. The rates of collection in the jaghire estates vary: in two or three one-half the produce is paid, in a few one-fourth only is taken, but the general rate of collection is one-third; and where quarter only is taken there are generally special cesses. In paragraph 69 of the Report of the Committee on jaghire estates, it is stated that the collections with extras may be taken as equal to one third the produce. The average value of the produce of these villages will therefore be equal to Rupees 2,53,908. The inghire villages are in every circle of Aimere, and the result of the application of the circle rates to their areas gives an assessment of Rupees 58,823. In the khalsa villages it will have been seen that the result by circle rates is equal to the assessment with cesses; and from this reasoning the conclusion would follow that the assessment with cesses in the khalsa of Ajmere is between one-fourth and one-fifth of the produce. The jaghire villages have been assessed for the purpose of lovying cesses for roads, schools, and village post, and the actual assessment is Rupees 62,642, or as near as possible one-fourth of the estimated value of the gross produce. The villages were assessed at the same rates as the khalsa, but it should be added that though the assessment was not intentionally pitched at a higher rate than the khalsa, yetthat whenever I was in doubt I leant to the side of severity. Thus the rent-rolls of the farmers and of the jaghiredars corroborate each other, and go to prove that the present assessment with cesses is equal to about one-fourth of the average produce.

Dixon in his report on the settlement of Ajmere has given no estimate of the share of the gross produce, which he considered his assessment of Rapees 1,83,669 to take. The assessment, however, was based on the collections during the previous years when the revenue was collected direct and the records of these collections are extant. The highest collections were in the year 1847-43, when the revenue reached Rupees 1,67,237.

By this year the tanks had all been constructed and the year was a good The rate of collection was two fifths the produce from all cultivotors, except n few privileged individuals Colonel Dixon had had great experience in direct collections and himself superintended the estimates The collections, therefore, allowing for privileged rates and by ht assessment of freshly broken up land, unout to be caught one-third the produce, and the produce would thus be valued at Runes 5.01.711. It has been shown that irrigation and cultivation is stationary since last settlement. The only cance, the cfore, which can unve affected the value of the gross produce is a rise in prices, for certainly nn preater care is expended in the cultivation of the sail than heretofore, and the manured area has notually decreased Hers reference must be made to the table of prices since 1818 at the commencement of Chapter VII and most from the disturbing effects of starcity years. there are grounds for asserting a peneral rise in prices. The nycrage price of harley for the five years before 1947-48 and of that year itself. is 28 seers. the average of the years 1861-67 is 20 seers and there is no year of scar, ity in either of these periods. The riso therefore is about 30 per cent the amount which was calculated in the ratereport Other things herog equal, therefore, if Rupees 5.01.711 be the value of the prinduce in 1847-48, the value of the produce now will be increased by 30 per cent and will equal Rupees 0,52,221 The present assessment, with ceases of Armere is Rupees 1.66.862, and f atimes this sum gives Ruisees 6 65 448 The difference may be cred tel to the account of the five Gwellor villages added to the detr By this argument the same conclusion is arrived at as Las 44 " reached by the statistics of collection in the jaghire and farmer villages riz, that the present assessment with cesses is to one-fourth the gross product

288 Colonel Dixon e Mhairwarra assessment - In the the sattlement of Mhairwarra, Colonel Dixon has calculated in of his assessment He says (page 183) - The standard rent 75 per cent of the Government share when the talks at the barau crops npen Thus in moderately good states at an equivalent to one fourth of the late assumed real and an additional and an additional and a second real and a second one third from the cultivators In good seas is ead and to the extent of 25 per cent on the Government and forethought, and precaution cannot supple & forethought, exertions are limited to its preservation and ing the soil We must, therefore, prepar according to circumstance whenever a prevails Our assessment has been fixed a ment share (one third) during good see a this rate to 50 per cent Still the occasionally exist for it is a fa t white was the partial replen shment of the ham - have the people to pay the rents as fixe 1 have not alone been regarded * FFthe rent at a lower amount would be exertion on the part of the ports has been to obviate idlener o I closely employed for the

their minds to return to their pristine habits of irregularity." The calculation is a little obscurely worded, but what is meant is that assuming the produce of a moderately good year to be represented by the figure 225, the Government demand will be represented by 75 or one-third the produce. The value of the produce in a good year may be represented by the figure 300, in which years the assessment will fall at the rate of one-fourth the produce, while in bad years remissions must be allowed.

284. The former revenue of Mhairwarra may therefore be taken as equivalent to one-third the produce of a moderately good year. The assessment was Rupees 1,72,562, and the value of the produce would therefore be Rupees 5,17,686. There are no lists of prices obtainable before the settlement, but 30 per cent. may be added for the rise in prices. Other things being equal, therefore, the value of the produce of Mhairwarra now would be Rupees 6,73,028, and the value of the produce of the whole district would be 13½ lakhs, whereas it is esti-

mated in Chapter VIII, at 18 lakhs.

285. Conclusions. - Which then of these estimates is correct? does the present assessment with cesses fall at, the rate of one-fourth or one-sixth the produce? In Chapter VIII, the out-goings of the cultivators have been calculated at Rupees 3,04,593 for revenue, Rupees 2,77,328 for interest on debt, Rupees 6,96,148 for cost of production. The total is thus Rupees 12,78,069, leaving but half a lakh of rupees for the profits of the agricultural classes in the whole of Ajmere-Mhairwarra, if the whole produce is worth only Rupees 134 lakhs. In favourable years, no doubt, they would make a profit, but in ordinary years it would appear they have just enough to live on and no more. I believe myself that the assessment with cesses in Beawur and Ajmere is about one-fifth of the gross produce of an ordinarily good year, and that in Todgbur it is about one-sixth. Ajmere and Beawur are absolutely, stationary. In Todghur irrigation has increased between 5 and 6 per cent., and an allowance must be made for a considerable increase in the cultivation of poppy which is a most paying crop. The land in Todghur is so minutely divided that it is cultivated to the highest degree. Still the assessment of Todghur is not really lighter than that of the rest of the district. The rawuts are a stay-at-home race, and the average size of a holding The cultivated area is half that of Beawur, while is less than an acre. the population is much the same, and the people would starve if much more land were devoted to opium, or be obliged to buy food. they come into the market as purchasers of food, they will find that the purchasing power of the money they have made by opium has largely diminished.

286. Though the assessment is certainly not light yet it would have served no good end to have reduced it further. The people are accustomed to pay a heavy assessment, and if suddenly relieved by too much would be demoralized, while the grain-dealers and mortgagees would have reaped the profit. The orders, in accordance with which the settlement was made, were to equalize the demand and to fix a sum which the people could pay in an ordinarily good year, regard being had to the demand which hitherto they have discharged. This has been done, and if remissions are allowed when the tanks fail to fill,

the demand is not, I think, too heavy.

CHAPTER XIV.

REVENUE-FREE HOLDINGS.

287 Jaghtre.—The revenue free holdings of Ajmere have from ancient times been distinguished into difference between these two is, that a great of an enter willings as of a second of an enter willings as of a second of an

difference between these two is, that a grunt of an entire village or of a ch irre estates, alf jackness is Rupees

165,407, and of this amount Ripees 29,557 is the revenue of the endowments of institutions and sacred buildings, the remainder is enjoyed by individuals or by corporations. The printed Report of the Committee on pagbire estates, dated 16th May 1874, contains a careful summary of the bustory and statistics of each estate, and it is unpecessary in this

place to do more than refer to that Report.

288 Bhoom no longer a revenue free tenure — Besides jughire and milk there is also the peculiar tenure known as bhoom which has been eufliciently described in Chapter III. This tenure is now under the orders of the Government of India as conveyed in letter No 230R, dated 24th September 1874, no longer revenue-free, and the tenure of the liboomus has been assimilated to that of the istumrardars. They are a fendal militial bound to attend when called upon to put down nots or to pursue dacoute and rebels. Each bhoom belong is bound to firmish either a horseman or a footman on such occasions, and yearly to pay a fixed amount of nuzzerana. The statistics of each bhoom holding are given in Appendix H.

289. Orders of Government regarding recenue-free holdings -Ordinary revenue-free holdings fall broadly into three classes -

1st -Grants on account of charitable institutions and sacred buildings

2n / - Personal grants which are hereditary.

3r ! - Grants for a life or term of lives

On this subject the orders of Government given in letter No. 403R, doed 15th December 1371, shoold be quoted in full —"3. It is cell known that read-free tenures were rarely given in perpetuity by a Native Ruleir, except for the purpose either of endowing a roligious or charitable institution, or of perpetuating a encession of holy men whose vows bound them to cellhacy, neither of which cases would alienations have been recognized by a Native Government. As fa general role other grants were either hereditary or without further specification, than that annual payment was to be made to a pathenlar individual. The former under Native Governments were invariably limited to the lineal heirs of the grantee, and were continuable as long as such heirs survived The latter were often renewed to heirs by the issue of fresh Sunnuds on the death of the holder.

290 "The transfer for a consideration of grants of this description would His Excellency in Council believes, have been as little recognized by a Native Ruler as that of grants of the description first mentioned,

and the inability to alienate is to be inferred from the admitted fact that the tenures would lapse on the failure of heirs. But His Excellency in Council is willing to commute the prospective liability of these holdings to entire resumption for the payment of a regular annual quit-rent of one-fourth of the amount at which, if resumed, they would be assessed. In consideration of the payment of this quit-rent, the holders would be left to deal with the land as they pleased, and to sell or mortgage it under the ordinary law applicable in Ajmere to such transactions. This then should be one of the operations to be undertaken in the course of the re-settlement now commencing in the province. It should be applied only in the case of personal grants, grants in favour of sacred buildings or charitable institutions remaining in force as heretofore entirely rent-free, but not transferable."

- 291. These orders were reiterated in letter No. 67R., dated 9th March 1872:—"It is the object of Government to get rid for ever of the liability to resumption and to permit unreserved sale or mortgage in return for a quit-rent of one-fourth of the ordinary assessment, and His Excellency in Council considers it advisable to offer these terms in cases, in which the land granted is still in the possession of the original grantee, and to impose them without offer when the land has been alienated.
- 292. Rules observed in the investigation—In July 1873 a set of Rules to be observed in the investigation of the revenue-free holdings of the district was submitted to the Commissioner, and these rules received the sanction of the Chief Commissioner in bis No. 805, dated 29th September 1873: the gist of these rules is as follows:—
- 1. The Register prepared by Colonel Dixon under the orders of Government, conveyed in letter No. 4311, dated 28th September 1844, shall be accepted provided the grantee is in possession.
- 2. Grants made to charitable institutions and sacred buildings are in perpetuity so long as the institution or building exists, but are not transferable. All mortgages of land held under such grants shall be considered null and void, the mortgages being left to recover his money in the Civil Court from the mortgagor personally.
- 3. Hereditary grants which have been transferred by sale or mortgage shall be assessed at one-fourth the ordinary rates.
- 4. The rate of one-fourth is a perpetual rate, though the sum assessed is liable to variation at each revision of settlement.
- 5. In life grants where more than one life is mentioned in the grant, no portion of the grant shall be resumed until all the lives are extinct.
- 6. Life grants made by Colonel Dixon to patels in Mhairwarra on account of good service to Government shall be continued during the good behaviour of the grantees and their lineal heirs.
- 7. When the land held revenue-free by a maafeedar is shown by measurement to exceed by more than 5 per cent. the amount to which he is entitled, the excess shall be resumed, and a settlement made with the ex-maafeedar if he is also the owner. The maafeedar shall be allowed to point out the fields belonging to his grant.

- 8 Commutation from grain to eash psymeats shall be made at such commutation, but not wisn the manifedar desire such commutation, but not wisn the manifedar objects.
- 9 All resumptions shall take sffect from the commencement of the agricultural year following the duto of resumption
- 293 Procedure alopted—The whole duty of investigating the manifee grants was assigned to the Littra Ass statit Commissioner, Pundit Vial and Jisben, who has performed this isborious task with care and judgment, and the results of this enquiry have been separately reported the first step was to collect all the files in the Office of the Deputy Commissioner relating to the manifee holdings. Their number was 1,637 1,130 in Ajmere, 100 to Beawar, and 102 in Todgbur. Cases already estitled by the inclusion of this holding in the khelia, or by the execution of an order for the resumption of in life tenurs were separated from the file, and the remaining cases were divided into five classes.
 - Ist -Grants to charitable institutions and sacred buildings
 - 2nd -Personal giants which are hereditary.
 - 3rd Life grants
- 4th -Grants during pleasure of Government on condition of good behaviour.
 - 5th -Grants held on condition of service (Chakirans)
- The only inquiry made in Colonel Dixon's time was as to the liability of each hilding to pay revenue. No distinction was made between grants to institutions and personal grants, nor were the number of sharers in the alienated revenue and their shares recorded. The next step in this procedure therefore was to summon all the manfredays and to record their evidence as to the asfure of the helding, the immber of shares, and the share held by each and the question of transfer A genealogical tree of the initied its in each holding was added to the file. The evidence of the transferees was also recorded, and a statement in the subjoined form was prefixed to each mail.

Form of Maafee Statement

| | Exts st | era a rea | to Erre | 70745140 | 10 FRS | | Sceed, | 1 1 | |
|---------------|------------------|--------------|--------------|---------------------------------|---------|-----|--------|---|--------|
| Bernal Mumber | Wames of master- | and a series | Ather of Ban | Cal Preted Cocalitrate od | Total 2 | 1 1 | order | Papert of completion No of bolding in sett | BIKARE |
| | | | | | | | | | |

294 Statistics of these holdings — The following Statement shows the detailed area of each class of manfee in each tehnil 1 here are 744 holdings in Ajmere, 78 in Beawur, and 166 in Tod, bur The classified

abstract shows the area of land which has been alienated by Government and the amount of the alienated revenue:

Statement of Marfee holdings by telsils.

| | | === | | | | | | | | |
|------------------|------------------------------|-----|---|---------------------|-----------------|-------------------|--------------|---------------------|----------------------------|-----------------------------|
| iber. | ## ## | | | Inga. | | Der. | ATE O | 3 AZ 31 | LT ACIE | z. |
| Serial Number. | Name of tehall. | | Nature of Maafee. | No, of haldluga, | Chahl. | Talabi. | Abl, | Barant. | Unenitiva. ted. | Total. |
| 1 2 3 4 | Ajmere Do. Do. Do. | • | Institutions Hereditary Life grants During pleasure | 327 364 49 | | 51 252 2 | 1 <u>4</u> 6 | 3,538 | 1,709 1,590 124 9 | 4.242 7,605 4d5 30 |
| | Total | • | 1 60 00 | 744 | 3,152 | 337 | 202 | 5,159 | 3,432 | 12.362 |
| 1 2 3 4 | Benwur Da. Da. Da. | • | Institutions | E7 18 1 | 21 | 84 7 | 4I 5 | 76 18 2 | 17 E | 339 53 2 3 |
| | Total | • | ***** | 73 | 153 | 93 | 46 | 26 | 25 | 403 |
| 1234 | Todahur Da. Da. Do. | • | Institutions | 68 59 30 9 | 45 151 19 | 17 6 5 2 | 12 - | 32 104 7 5 | 31 64 5 1 | 127 337 35 8 |
| | Total | • | 544 ess | 166 | 215 | 3/ | 12 | 145 | 102 | <i>5</i> 07 |

Classified Abstract of Maafee Holdings.

| | | dings. | | D2T111 | OF TE | et ia | ACRZS. | | on ntod |
|-----------------------|-------------------|-----------------------------|----------------------------|----------------------|----------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|------------------------------------|
| Sorial Number. | Nature of Maafee. | Numbor Chahi, Talabi, | | Abl. | Darant. | Unoultivated, | Total. | Amount of allen ated Revenue. | |
| 1 2 3 4 5 | Institutions | 452 441 50 36 9 | 1,177 2,241 52 29 | 192 274 2 9 | 94 163 3 | 1,487 3,660 266 16 5 | 1,758 1,663 124 14 1 | 4,709 8,001 487 68 7 | 6,692 12,880 558 163 6 |
| | Total | 9 88 | 3,539 | 478 | 260 | 5,434 | 3,560 | 13,271 | 20,299 |

295. Grants to charitable institutions and sacred buildings.—The majority of the grants in favour of institutions and sacred buildings are endowments of Hindoo temples, and were made by Colonel Dixon whose

practice it was on the foundation of a new hamlet to set apart a begrah or two for the local divinity. In only one case was it found that the temple connected with amasfee holding has not been kont up but allowed to fall into discensir, and though this bolding is properly liable to resumption, yet it has been proposed to allow it to remain revenue-free for the life-time of a wigow who is now in possession and who has no other means of support. The memory of many of these grants is preserved in copper plates a form of title deed which has outlasted all revolutions, and which were hursed in the ground in times of disturbance. These grants generally con lude with the following Slokes of ungrammatical

Abdatam paradatum je palant vasumdhara Te narah Swargam

jaente yavat / bandra divakarah Abdatam paradatam semetant yasumdhara. Ta parah parak

mente vaval chandra divalarab

What has been given now is given in perpetuity, those who protect this land shall go to beaven for as long as the sun and moon shall codure, and those who resume this land shall stay in hell as long as the sun and moon shall andure "Another common device to ensure the perpetuity of a grant was to draw the figures of a cow and a pig emcreeted by Dadhahari an ascetio who received a grant from Colonel Dixon, the figures of two Europeans in a sitting attitude said to represent Moses and Jesus Christ, are added as an embl m to awe Christian Governments

In 13 cases the land attached to a temple was found to lave 996 been mortgaged, and the transfers were nearly all owing to the pressure caused by the recent famine the mortragees have been directed to recover their debt from the personal property of the manager. In ma ersa only had thers been n sale, and in this case the temple as well as the land had been transferred, and the duty of service in the temple was performed by the transferee. In many cases it was found that an objectropable custom unknown under Natice rule had spring up owing to the neelest of the endowments of institutions displayed by our Govern-The managers have begun to consiler the property hereditary, and it has been divided smong their heirs. The assets are thus frittered away, and are not really spent on the temple In order that the object of these granta may he attained, it is necessary as the Extra Assistant Commissioner observes, that one person should always succeed as manager, and that neither the duty of service at the temple nor the assets of the land should be divisible among hers. The manager should make no allowances from the mcome of the chrina for the support of his relatives, but until a book is regularly kept up showing expenses and no nelat ! ! I Li & -- todical it spection by Government ¢

do what they please -In the second class, personal

bereditary grants, the land was generally given as a reward for service (Jildu Khidmut) or as a means of support (madad maasb) the majority Mogni Empreand the power of transfer n granted in any of the Sunnuds Trans.

and sales, bave been common, and to 29

villages the rule of one-fourth assessment has been applied. In the

A jmere Tohsil in 25 villages there have been transfers in 62 cases, and revenue to the amount of Rupees 337 has been assessed. In Beawur there has been one transfer and the land transferred has been assessed at Rapees 2. In Todghur there have been three transfers in three villages, and an assessment of Rupees 5 has been imposed. The total revenue assessed is Rulees 344. Where the whole holding has been mortgaged, the revenue will be collected from the transferee, where a portion only has been transferred it will be collected from the maafeedar. These holdings have in course of time been so minutely subdivided that a share often consists of only a few square yards. Divisions have gone on more extensively among the Hindoo holdings than among those belonging to Mahomedans. The recording of the shares for the first time raised a considerable number of disputes, but the record has been framed on the basis of possession, and in the genealogical tables which have been prepared, and in the evidence which has been recorded, the Courts will now have some ground on which to proceed in the decision of these disputes.

- 298. Life grants.—Life grants are only 50 in number and call for no particular remarks, except as to the procedure to be adopted in future in their resumption. There has been no record of shares, yet the practice has been that the amount of share belonging to each sharer should be resumed on his death. Very few shares, however, were resumed, and the rule that no part of a holding dependent on joint lives should be resumed till all the lives are extinct will avoid much difficulty in future.
- Mhairwarra he made several life grants of small patches of land averaging in size one and a half beegah to certain headmen who had rendered good service to the State. Four patches of land, in all six beegahs, were resumed on the death of the patchs, but on the representation of Major Lloyd Government sanctioned the continuance of the grants till the expiration of the term of settlement, and directed the grants which had been resumed to be restored. The grantees attach an importance to these grants quite out of proportion to their intrinsic value, and the gain to Government by their resumption would be very small. The Chief Commissioner in the letter above quoted has sanctioned these patches of land being held during good behaviour.
- 200. Service land.—Chakirana manfee is nearly all unirrigated land and is only found in Todghur. It is land held by village servants which has received the sanction of Government. In the Statement of revenue-free holdings requiring sanction, which has been separately submitted, some few holdings of this class are to be found.
- 301. Cesses.—No maafee holding has hitherto paid any cesses on account of local funds. The orders of Government, however, enjoining the levy of a cess of 30 per cent. on account of roads, schools, and district post apply to maafee holdings equally with khalsa, and the proposal of the Committee on bhoom and rural police was that Rupee 1-14 per cent. on the amount which would had been assessed had the holding not been revenue free, should be taken as a chowkeedaree cess. (Section 32, paragraph 3 of their Report.) This proposal was sanctioned by Government among others in letter No. 230 R., dated 24th September 1874, so that the total tax on maafeedars is 5 per cent. of the reve-

nne which would have been assessed. The annexed Statement shows the mount of these cesses by assessment encles;—

Statement of cesses in Maafee holdings.

| <u> </u> | | ĺ | | | _ | | 2 | Ī | | Cu | | 110 | 342 | == | - |
|---------------|--------------|---|---|--------|---|---|-----|------|-----------------------|--------------------------|--------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|-------|-------|
| Serial Yamber | Name of Tels | - | Name of | Clecla | _ | Revens | m i | 7. | Dietries at 1 uper | Fan. | Chonkeed at Rs per est | 111 | Тот | AL, | _ |
| | | | } | | | R | • | , | Σı | • F | 221 | , | Rs. | • | 7 |
| 3 6 | Ajmera . | : | Ramest . Rejebut ia gwaul Ajmere . Yooshkut . | : | : | 0 264 1,356 2 149 6 533 409 | 0 | 0000 | 47 87 | 0 0 8 0 6 0 8 0 | 49 | 0 0 5 0 9 0 0 0 5 0 | 312 76 166 311 20 | 00000 | 00000 |
| | Total | į | | | | 18 157 | 0 | ٥ | 667 | 8 0 | 310 | 8 0 | 903 | ō | 0 |
| 1 2 | Brawar | | Chang . Stamahus | : | : | 761 13 210 | 0 | _ | 35 0 7 | 8 0 | 0 | 0 0 | 41 12 | 000 | 000 |
| | Total | | | | | 1 011 | ٥ | ۰ | 33 | 13 0 | 20 | 4 0 | 54 | 0 | • |
| 3 | Tedghar | : | Rhaelau . Diwer . Todghur . | : | | 145 609 21% | ó | ê | 3 21 | 0 0 | 13 | 0 0 | 35 15 | ō | 0 |
| | Total | | ļ | | | 1 12) | ō | ĕ | 36 | 4 0 | 21 1 | 1 0 | 89 | 7 | 0 |
| | Orand Total | | | | | 20 199 | ō | ō | 637 | 8 0 | 382 | 8 0 | 100 | o | ō |

802 Magfees in Jaghire estates -There were 808 misls connected with revenue-free holdings in the jazhire estates and the sanctimed rules for the investigation of these, provided that all revenue-free land should be recorded whether given by Government or by the jaghiredar These holdings are chiefly in the estates of the shines of Khwain Salub and Muan Saluh, and the majority of them are founded on grants of the Emperors at the time of the endowment of the shrine. All transfers to strangers have leen recorded and an excess over 5 per cent. has been resumed. Now that for the first time the estates have been measured. the manners will be able to apply for the resumption and assessment of The accompanying Statement shows the detailed area invalid tautires The amount of revenue at village rates which has of these holdings been chenated on these holdings is Rupees 11,820, and the cesses are Rupees 591, of which District Fund cess is Rupees 369-6, and Chowkeedaree Rupees 221-10

Statement of Monfee holdings in Janhire estates

| | | Pold | | Da | TAIL OF A | INA EE AGI | 120 | |
|---------------|---|-----------------------------|-----------------------------------|---------------------|-----------------------|-------------------------------|----------------------------------|-----------------------------------|
| Serial Number | NATURE OF MALPER | Vumber of high | Chahi, | Telabl | Abi | Barnel, | Uncalifuit ed. | TOTLE |
| 1 2 3 | fust tutions Heroditary Life grants Chaki and Total | 84 5°7 0 12 423 | 163 2,310 2,4 2,4 2,5 | 14 63 2 79 | 10 103 2 214 | 1,400 1,400 13 1 635 | 122 1,453 1 16 1 623 | 810 0 359 36 31 8 965 |

CHAPTER XV.

RECORDS.

- 303. New system of record adopted.—The system of record which has been adopted and sanctioned for this settlement was originally worked out by the present Extra Assistant Commissioner, Maharaj Kishn, when serving in the Punjab. It was tried in the district of Pathankot, but was disapproved of as introducing a discordant element into the Punjab system. Maharaj Kishn has prepared a specimen settlement misl for incorporation in the Report, and as the system which has been adopted differs from that generally pursued and owes its origin to him, I have deemed it only fair to him to translate the misl and the original, and the translation will be found in the Appendices. The misl is in every way a complete one, though the village of Bhag wanpoora does not exist, and the system of record can be easily and thoroughly understood from it.
- 304. Description of the record. The basis of the record is the Pedigree Table of all owners, which shows their descent from the ancestor who originally obtained land in the village. The tribe which founded the village comes first, and in succession the other castes alphabetically. Owners who have died childless, who are absent, who are out of possession, and who are minors, are distinguished by colours, and a short note is added opposite their names. Each owner or body of owners then receives a separate number which is the number of his holding. The revenue-paying holdings are first numbered, and the revenue-free Loldings which are numbered in red ink complete the tale of holdings in the village. These numbers then and the names of the owners having been entered at appropriate distances in the blank khateoni, measurement began. In the specimen mist the first field measured happened to belong to the shamilat, and it was entered in the space left for the fields of holding No. 7. At the same time the index to the khuteoni was filled in by placing apposite to the printed serial No. 1 the number of the holding 7, and this process proceeded till all the fields were measured, placed under their owners' names in the khuteoni, and referred to the holdings to which they belong in the Index. Mortgaged holdings and the holdings held by tenants were entered as subordinate holdings of the original one. As has been already explained, the measurement and the entries were periodically checked as the work proceeded. The Statement of wells and the Statement of revenue-free land were also prepared while the measurement was in progress.
- 305. Attestation.—A khusra khuteoni in one was thus obtained, and the papers were now subjected to an attestation by a munsarim, who, at the same time, prepared the Wajib-ul-Arz. The duty of this official was in the presence of the putwaree and of the whole village to go through each hoiding, comparing carefully the record with the latest putwaree's papers, and if necessary with the record of last settlement, and to explain all discrepancies in the column of remarks. Corrections were made in red ink and signed by the munsarim. The settlement misl was now complete with the exception of the khewat, which consists of columns 21, 22, and 23 of the khuteoni. The papers having been finally attested by the Superintendent, who was bound to attest each holding, were sent to the Fairing Office.

306. Distribution of the recenue assessed .- When the revenue of the villages had been announced, the rates at which each kind of land had been assessed were sent to the Superintendents, and the work of distributing the revenue commenced. The rates were, in the first instance. applied by the putwarees to the area of each holling, and the result shown applied by the putwarees to the area of even in a rough paper called the "Chitta Tafrik." This paper was then taken by a munearim t 41 - 11 - - --- 1 taken from the tha people to abide b the punchavat were in all cases chosen by the people, though the number varied in different villages, the rates were then explained, and the same assessed on each holding were read out. Objections to any particular assessment were heard and decided by the nunchavat. Where doubt existed as to the furness of an assessment, the management took the objectore and the members of the prochavat to the fields, and the question of the rates at which they should be assessed was then and there decided The decision of the nunchavat is final, nuless there is reason to believe that there has been corruption or misconduct on the part of ite memhers, and the punchayats have done their work most sitisfactorily on the whole In nearly all villages there was considerable increase and decrease of the average rate on individual fields, and the award of the nunchavat has been accepted without objection.

Completion of the seitlement mist - When the amount of the assessment I ad been distributed, the 10 per cent cesses for putwarece and District Funds were added by the munsarim to the assessment of each holding at the rate of so many annas in the rupee, and the "Chitta Tafrik" was then ready for the attestation of the Superintendent. After his attestation the paper was sent to the Pairing Office where the revenue and cesses of each holding were entered in columns 21 and 22 of the Lhutcom A separate staff was set apart for this work, and the totals were again thoroughly tested Each misl then underwent a summary inspection by the Extra Assistant Commissioner, the final rubkar was written and the completed must was ready for transmission to the Office of the Deputy Commissioner.

Receipt books given to each owner - Rach owner of land has received a small book showing the amount of revenue and cesses for which he is responsible. In the book is a sufficient number of receipts to last for the ten years of the settlement, and each owner has it in his power to keep a record himself of the enms which he shall yearly pay to the headman through whom be paye bis revenue,

CHAPTER XVI.

MISCELLANEOUS.

809. Mhistwarra villages in which the revenue is shared -It may be mentioned here that in 1822 it was found necessary to institute a full

Anakar Nat Bars, Behar Nas Chunta. Bar Kochran Lhera Nimri

enquiry into the claims of Ajmere, Meywar, and Marwar, as to certain villages. The Court of Investigation recommended that the nine villages mentioned in the margin he held in trust, and ₁.. o£

Government, dated 28th June 1837, half the net revenue of the villages was assigned to the Maharana of Oodeypoor, the villages being then included in Ajmere-Mhairwarra. Under orders dated 8th July 1825, the Thakoor of Massooda receives half the net revenue of the five villages of Jak, Shamghur, Lulua, Ragpoora, and Kheta Khera; and the Thakoor of Khurwa receives half the net revenue of the villages of Kana Khera and Kesarpoora. The Thakoor of Khurwa also receives one-fourth of the net revenue of the villages of Fathpoor 1st, and Tikraua Gujaran. The revenue of certain fields in the Khurwa village of Gwarri is divided in equal shares between Government, the Thakoor of Massooda, and the Thakoor of Khurwa.

- 310. Cesses.—Statement F. in the Appendix shows the amount of the various cesses which have been taken at the present revision. The arrangements about cesses were sanctioned in the letter of the Secretary to the Government of India, No. 52R., dated 9th March 1874, but it was declared in paragraph 7 that the sanction accorded was for the term of settlement only, and that the orders of Government on the whole subject were open to revision at next settlement.
- 311. Circle of headmen.-It was determined to appoint three classes of headmen. The first, for whom no better name has been proposed than Zaildars or tribal headmen, are in reality headmen of a given cluster of villages. It is their duty to make themselves thoroughly acquainted with the condition of the villages in this circle, to bring to the notice of the Deputy Commissioner all facts deserving of notice, to use their best endeavours to adjust disputes, and, as far as in them lies, to assist in the due administration of the district. They are not to interfere in the collections, but to work through the village headmen. They are to receive I per cent. on the gross Government revenue of their circles. The amount to be distributed among them is Rupees 2,790, and it is intended that they shall be appointed by the votes of the lumberdars in the several villages; but as yet owing to the form of Sunnud to be granted to them not having been sanctioned, no appointments have been made. It is hoped that these gentlemen who will be the most influential men in the khalsa and jaghire villages, will be of considerable assistance in reconciling petty differences and making known orders in the Revenue Department.
- S12. Lumberdars.—A sum of Rupees 16,778 or 6 per cent. has been deducted from the gross sum assessed on each village for the payment of Zaildars and lumberdars, the latter of whom receive 5 per cent. In each village it was determined to form two classes of village headmen, called respectively lumberdars and patels, and the duties of these two classes are distinct. There are 468 villages in the district, and the number of the lumberdars is 611. Each village has, at least, one lumberdar; but in the larger villages it was found impossible to restrict the number to one, owing to the different castes which reside in the village. The number of lumberdars, however, has been kept down as much as possible. The lumberdar alone receives the 5 per cent. fees, and is considered a subordinate revenue official. He is the representative of the village in its corporate capacity. His duties are to keep an account of the common receipts and disbursements, to give information of crime, to ascertain that the village chowkeedars perform their duties,

to furnish supplies when called on, and generally to carry out all lawful requisitions of Government. In so far as the lumberdar is a collector of revenue he is merely a ratel.

313 Patels —It was found that one of the greatest difficulties in collecting the receive erose from the fact that no one of the many headmen app unded at his settlement was responsible for any fixed share of the assessment, and so a matter of fact the telesidar demanded the revenue from those among the headmen whom he considered the most enbatauhal in the village. At the present revision any well recognized division of a village has been allowed to choose a jatel through whom their revenue shall be pud, but owing to disputes among the pople it was found imp suble to order that each man in the division should juy through the chosen representative. The lumberdars and patels were next for the chosen representative.

be shown the

Superinter dents who were instructed when distributing the revenue to record the vote of the owners of each holding as to which of the olosen leadmen, whether lumberdar or patel, he desired to pay his revenue through. Lists of holdings were then made out according to beadmen, and each headman has been given a list of his own constituents with the sums he is expected to collect from thom and pay into the treasure. A counterpart list has been filed in the attlement record, so that in case of default the theuldar can at once tell which of the leadmen is in arrear und can demand the blance from him. In this way it has been endenvoired to make the headmen in attribution properties that he way the last they ought to the, and to resure that each man shall bear his own burden

- 314 I be patels do not receive pay from Givernment except in a few of the largest villages, where the numeunt of the 5 pir cent cess was too large to give to one lumberdar, and in which there was a number of patels. In accordance, however, with old custom, each patel his been allowed a remission of a portion of the revenue chargeable on his holding or share of his holding. The revenue having been first equitably distributed, the sum assessed on the land belonging to a jatel has been reduced by one fourth, and the deficience apread over the other holdings. In some cases where the patels were nowly appointed, no reduction from their assessment was allowed. There are 505 patels who pay revenue at a reduced rate, and 26 patels who pay revenue at full rates was allowed in the case of Brahmans, Mahijans, and Rajpoots, hat at the present distribution of the assessment, these distributions have not been regarded.
- all Headmen in Jaghire rillages.—No interference has been exercised in the matter of the appointment or remaineration of headmen in the jaghire estates. The jaghiredars, however, have been called on to state the 1 ames of the headmen in their villages and the remuneration they receive, which is generally the night to pay at a privileged rate. There lists have been filed to the Deputy Commissioner's Office for Inture reference
- 316 Pulwarees.—The provision for the payment of the putwarees at last settlement was a cess of 6 pie per rupes of the Government assessment, or Rupees 3-2 per cent. This was found in most cases entirely

insufficient. The putwarees were too few in number, the circles of many of them were quite unmanageable; while all but a very few were miserably underpaid. In 1859 they were graded, and in 1867 the grades were revised according to the scale of pay current in the North-Western Provinces. Three grades were formed of Rupees 120, 100, and 80 per annum, respectively. No good men could be got to take service at these rates, and vacancies in Mhairwarra where the pay was lowest could not be filled up. As soon as the survey commenced arrangements were made for the collection of an extra cess, by which every putwaree who was employed in measurement received at least Rupees 10 a month, and from July 1874 a new grading was established. Ten per cent. of the net Government revenue has been taken as cesses in each village: of this amount Rupees 3-2 per cent. is a lump cess for District Funds, and Rupees 6-14 per cent. is credited to the Putwaree Fund. The amount of the cess in Ajmere-Mhairwara is Rupees 18,045.

317. It was in the Beawur Tehsil that the circles were most unmanageable, and the putwarees most underpaid. In this teshil nine new circles were formed; in the Ajmere Tehsil six, and in the Todghur Tehsil one. The following abstract shows the number and grading of the putwarees according to the present arrangement. It is hoped that in a few years arrangements may be made by which all the putwarees will reside in their own circles, and houses may be given to them where their records may be kept in safety.

| Tehsil. | Number of | Putwarees. | Grades of pay. | Monthly cos |
|----------------|-----------|------------|----------------|-------------|
| | | | Rs. | Rs. |
| Ajme | ere 9 | | 20 | 180 |
| • | 13 | | 17 | 221 |
| ,,, | 11 | | 15 | 165 |
|)))) | 16 | | 13 . | 208 |
| • | - | | - | |
| Tot | tal 49 | | ••• | 774 |
| | | | lived) | |
| Bean | vur 5 | | 15 | 7 5 |
| | 9 | | 13 | 117 |
| ,, | 19 | | 11 | 209 |
| " | | | | |
| T_{O} | tal 33 | | ••• | 401 |
| | - | | | |
| Todg | hur 4 | | 18 | 72 |
| • | 7 | | 15 | 105 |
|)))) | 12 | | 11 | 132 |
| " | - | | | |
| Tot | al 23 | | ••• | 309 |
| | - | | | - |

Grand total 105 putwarees drawing Rupees 1,484 per mensem, or Rupees 17,808 per annum, thus leaving Rupees 237 in the Fund for rewards and promotions. The putwarees are now well paid, and even in Beawur none receive less than Rupees 11 a month. As vacancies occur in the higher grades the most deserving putwarees should be promoted, and the man who is newly-appointed should not necessarily succeed to

the pay of the putwaree whose circle may have become vacent. It will the pay of the purvatice whose circle may have occurred to the pay of the putwaters in Beawar is Ropers 4,812 per ne ovserved that the pay of the putmatees in ascamules stopees 3, 42 offer anount, though the amount of the putmatee cess in Beamur 18 only Rapees 4,484. The putwarees in Ajmere are sufficiently highly 1 aid, and Ajmere 27309, the purvaises in equationic administrating the part of his been made to contribute something towards rathing the law pay of the Beawur pulwarees, who at last rettlement received only Ripers

918 Jankire Putwareer - The jagbire tillages bate for the fret 2,864. and policines had here's

nen in each villa ee ni o were styled putwarees, but they star . . . ants of the jugitre ar who rendered as islance in the collection of his rent er revenue. Arra ge-. In one nement of dieta t officiale, and The arrangement

· patmeren sillages are not conterminous. Owners of neit-in a non salar-c reland pay a

patwaree cess of one anna a beegab rearly to the jagblirdar, who achit to this cers Rupies 2-14 per cent of the assisment his ceta'e world bear lad the revenue not been absented and pars the total rate the paghire Pulwaree Fund In this way a sum of Rupees 5,013 yearly has been ubtained, The putwarees have been formed into four grades as fo'lows -

| | • | | | | | Zer. | | $B_{I_{\bullet}}$ |
|-------|------|---|---|---|---|----------|---|-------------------|
| | 2 at | | | | | 20 | E | 40 |
| | 4 ,, | • | • | • | • | 17 15 | | ¢3 |
| | ζ,, | ٠ | • | • | • | | = | 96 |
| | 8 , | • | • | • | ٠ | •- | | 201 |
| Total | 20 | | | | | | | 239 |

Total yearly cost Rurecs 3,529, leaving a small balance for reward, and promotions

819 Chowkeedars -No provision has been made at this settlement for the levy of a chowkeedares cess. The proposals of the Committee nn bhoom tenures, which sat in August 1873, have been mich arel in their entirety by the Government of India No clowkedars mille appointed in khales or jaghire villages, which contain less than 200 houses, but Mahajans in such villages will pay a cos of linger ! per house per nanum to the lamberdar who is re-possible to Government or to the parliredar who is similarly responsible. In all ages containing more than 200 houses chowkeeders will be appointed who will be paid Rupees 4 a month from the proceeds of a liquie tax on non-agricultural residents, and who will be under the orders of the lumberdar or jagbiredar as the case may be. In the istumrar citatea the istumrardar appoints his own chowkeedars.

320 Destrict Fands .- The cesses for District Funds, Road, School, and Post cesses have, under the orders of Government, hear taken in a lump sum and willas .. 1-1 3 1 "idministration The total amount . 1 : 11ees 8,215. To this will be added which it is proposed to levy at the per cent. on half their estimated meome. The eesses on jaghiredars are at Rupecs 3-2 per cent. of the assessment their estates would bear, and amount to Rupees 2,015. The maafeedars are assessed also at 3-2 per cent, on the sum at which the land would be assessed if the revenue had not been alienated.

- 321. Settlement charges.—The total cost of the settlement, including the measurement of, and the preparation of a record in the jughire estates (for which a special grant of Rupees 11,000 was made) has been up to the 30th November 1874 Rupees 2,24,783-10-10. This expenditure will not be recouped to Government now that the revenue has been deduced otherwise than indirectly in the prosperity and contentment of the people. There was a balance unexpended of Rupees 8,827-3-11 on the 1st December 1874, and this sum will be more than sufficient to complete the work.
- 322. Notice of Officers.—Pundit Maharaj Kishn joined his appointment as Extra Assistant Commissioner in February 1872. Throughout his eareer he had been employed in the Punjab settlements, and to a mind of considerable originality he has united an intimate knowledge of the details of his work. He has supervised his subordinates well, and the work he has done himself has been thorough and satisfactory. Nearly all the case work of the settlement has been done by him, and his decisions have been soldom appealed against and still more rarely have they been modified. His character has stood high wherever he has been, and I earnestly recommend his services to the favourable notice of Government.

Ramnath, the Superintendent of Beawur, and Punna Lall, Superintendent of Todghur, have both done excellent work, nor could I say which of the two has displayed most zeal in the performance of his duties. Ramnath was a stranger from the Punjab, but he speedily acquired the confidence of the Mhairs of Beawur, and the records in this tehsil, where the majority of the villages are small, are perhaps the best in the district. Punna Lall was new to settlement work, but he set himself vigorously to master it, and as Tehsildar he had learnt to know the rawats thoroughly, and they had learnt to know and trust in him. Without such an officer in the post of Superintendent, a satisfactory settlement of the Tehsil of Todghur, where the land is so minutely subdivided as it is, would have been very difficult. Of the services of the Deputy Superintendents, Pohlo Mal and Srichand, I am able to speak in terms of unqualified praise.

(Sd.) J. DIGGES LA TOUCHE, Settlement Officer.



Appendix A.

| has been reparately assessed in a limp sum with the rillages whose land is submerced. | | Bykare. | These fants irripaire bare are both bare reads. The remaining tanks of Aimers do not irrigata the rabbos bare yest. |
|---|--------|--|--|
| land s | - | Fixed rate on sub- merged land, | B. C. |
| chote | -41 | Amount 10 InnomA | ğ 111111:1111 _t 1111111:11:11:11:11: |
| e rillages 1 | | Villages with Bar rerged land which is grady to be assessed. | Tells Thok |
| oith th | | li e no otar dizil | 2 |
| SHIM I | 1 1027 | Amount of submer | A |
| l limp | | olat munikell | guareannaeean nonnonnaaaaaaaaaa janunnunninnun innunnunaeeaaaaaaaaaaaaaaaaa goooooooooooooooooo |
| d in a | | ofer committee | # # # # # # # # # # # # # # # # # # # |
| 1886886 | •• | nasvoff totaW | 77. 17.0 17.0 17.0 17.0 17.0 17.0 17.0 1 |
| tely a | | ola1-19JaW | \$022~00.0000 |
| separe | Rates. | olas lio8. | 000000000000000000000000000000000000000 |
| s bren | | .ldeleT nO | ###################################### |
| 116 | | Name of Villago. | Antrpoots Higher Khera Dhoia Danta Neabl Chat Scarli Dubrel Bubrel Rabinari Ragho athpura Schuger Almere Baten Baten Jaken Jaken Jaken Jaken Jaken Jaken Jaken Almere Radpoora Radpoora Radpoora Radpoora Kanpoora Kanpoora Kanpoora Kanpoora Kanpoora |
| List of Tanks whose water reven | | Name of Tank. | Nearan Ditto Ana Sagur Bhrian |
| t of Tanks | | Clrede, | Ramsar Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ramsar Ditto Ajmera Ajmera Ditto Di |
| Lis | 11880 | Aood aford | 0111221128462100-001888214468217221188890-00188824448844688860-001888844688861 |

| | All There is the state of the s |
|--|--|
| 1 1 11 1 1 1 1 1 | 1 |
| | |
| entern m. | Operflippe Operfl |
| I I: : II: [3:13 1; | |
| 111111 1 111 1 11 | 1 |
| のこれはちゃまちゃればとればまったましょうひゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃっちゃ | 60 1000 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 |
| #4400000000000000000000000000000000000 | 04 040 00 HELDU H 44 44 |
| 100 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 80 100 100 100 100 100 100 100 100 100 1 |
| 0000000000000000000000000000000000000 | |
| | #8 090 00 E0000 0000 +0 |
| 0 2000000000000000000000000000000000000 | 00 000 00 0000 0000 00 |
| 0-+00+00 -0 0-0000000000000000000000000 | # # # # # # # # # # # # # # # # # # # |
| *************** | |
| i achmigospa Va con Va con Habbis Habbis Anaria Anaria II of hear Anaria II of hear Anaria | . 4 5 |
| Sebber | Almore obay |
| · ····· ···· ···· ···· | |
| Ditto | ###################################### |
| 0114288 01175 01182 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 | ANTENNAME AND STATE OF THE PARTY OF |

| | | BBMABES. | | , i. | | | | 000 | | 4 | erges. | Inese tanks only irrigate khureof. | | 4 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | | | - |
|-----------------------------|--------|--|---------------------|---|-------------------------------------|--------------------------|----------------------------|------------------------------|--------------------------|-------------------------------|------------|------------------------------------|-------------|---|---------------------------------------|--------------|----------------|---------------|
| าเกิดเรี | | ate on sub- | Fixed respectively. | Z8. a. 114. | :::: | ::: | 27.7: | 222 | 4 45 | | :: | : : | [: | 1 | : | : | : | 1: |
| eo ne | | of land aub erged. | danota A | ₩. 62. | | ::: | | 222 | 8 1 8 | 111 | ::: | : | 734 | :: | : | | 73.5 | 88 |
| lump sum, etc concluded | | Villages with submerged land which is rearly to bo | agressed. | Malp oora | ::: | | | Thikrana Govindpoora | Kesurpoora Bhoojpoora | Bas Poota | : : : | • | 26 Villages | :: | : | : | 26 Villages | 27 Villages . |
| | - | rate on sul | Fixed Sucree | Zs. a. p | 114 0 | | 77 : 77 : | ::: | 8 : | 0 8::8 | :: | : | : | 1 14 0 | : | : | : | i |
| d in a | p | t of submerge | innom A | .: : Br. | | : | | ::: | 76 | 34 | • | : | 863 | 20: | - | , 30 | 873 | 1,444 |
| assessed | _ | olar at. | miniK | 23 22 23 23 23 23 23 23 23 23 23 23 23 2 | ന ന ന | တထတ | | ∞4∞ | 6 40 40 | | 74; | | : | 00 00 00 | 3 3 0 | ; | : | : |
| tely a | | oster mu | mizol£ | 25.00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 0000 1444 0000 | | | 02 to | | go | 245 | | | 4 62 a 52 o 0 | 2 13 0 | : | 1 | : |
| separa | - | Ke venue. | 791aW | Rs. 138 184 143 | | | | | | | | - }: | 11,939 | 728 | 73 | 1.417 | 20,136 | 31,172 |
| heen | | .eter- | Tyater | 90000 90000 90000 | 888 | 61 63 69 | 825 | 3 020 | 000 | 00 to | | | : : | 2 00 | 8 | = | | ; |
| renemue has been reparately | RATES. | ,91, | si-flog | .000v | 000 | 222 | | | 31-25 | 222 | 000 | 1 | : 2 | , co | 0 | - | : | |
| | | ,idal. | or ro | \$ 25 50 0 0 \$ 00 0 0 | 888 282 | | | | 3 r m 3 | 0 0 0 0 0 7 7 7 0 8 7 7 | | | : a | o 0 | 2 | | | - |
| whose water | | Name of village, | | Bambepoora Baria Narga Kishnpoora | Sarbena Nabarpoora Surajpoora | Bhawanikhera Malpoora | Sheonathpoora Jalea let | Govindpoora . Guneshpoora | Bawat Mal Bass Roops | Lotana Surujpoora | Shamghur . | 43 villages | | Mundlan . | 3 villages | 46 villages | 107 villages . | |
| List of Tanks whose water | · | Name of Tank. | | Dewatan Ditto Ditto Ditto | • • • | ••• | lsh . | • | | • • • | | Boawur. | Roopnagur | kankur. Bh eem | Todghur | Mhairwarra . | Mairwarra . | |
| LI | • | Cirole, | | | • • • | • • • | Ditto | | • • • | | Shamghur | Total | Bhaelan | | Total | Total . | Total Ajmere | |
| | 02 | mber of villa Note Book, | n _N | 26 20 181 177 138 | 822 | 882 | 162 | 207 | | 131 | 166 | | 57 | 38 | | | | |

Appendix B,

Statement showing collections of farmers.

| No. 10 vilage | Circle | | Village. | _ | Former assess ment. | Average rent- | Present net as | Name of Farmar |
|-------------------|-------------------------|----|------------------------------------|---|-------------------------|-----------------------|------------------------|---|
| | | | | | R. | Ra | Ra | |
| 30 35 36 | Ramsar Ditto | : | Tebari Jatea Jalaora | , | 4,040 1,208 1,360 | 4,047 920 1,064 | 522 | Chand Mal (Seth). Cheeter Sing Fath Mal (Seth). |
| 58 | Ditto Ditto | : | Jaswantpoora Itampoora | , | 916 | 1,682 | 1 | , . |
| 47 67 | Ditto Ditto | : | Danta . Rawanz . Rampoora | , | 1,286 6,970 | 1,241 5,241 | 684 6,299 | Chiter Sing Raj Mal (Sath), |
| 60 60 | Ditto | ٠{ | Seinnegger Stinnegger | ; | 1,666 7,478 | 7,175 | | Fath Mal |
| 70 82 | Ditto Ditto | : | Sanedie , Kanakhari | : | 2,450 | 2,697 3,103 | 1,742 | Kalu Ram. Jomna Dessonal |
| 85 91 | Ditto | : | Kalianpoora Kesurpoora | | 233 525 | 227 593 | 154 360 | Brij Lall Babadur Sing |
| 95 97 105 | Ditto Ditto | : | Kekri Gudhere Lobarwara | 1 | 5,658 1,030 3,342 | 908 2,009 | 661 | Raj Mal (Seth). Foonum Chand Kalu Ram. |
| 106 112 | Ditto | : | Luchtnipoors, | | 880 891 | 285 367 | 182 | Raj Mal (Sath) Fath Mal |
| 118 125 | Dieto Dieto | | Manpoora Searan | • | 490 2,183 | 840 2,510 | 350 1,791 | Chand Mal " |
| 184 125 138 | Ditto Disto Ditto | : | Nanlakha Hathibata Hanwantea | | 1,385 1,192 | 1,393 1,492 | 804 | Fath Mal |
| 140 | Total | | Total | • | 46,369 | 15,852 | | Manja. |
| 6 | Rajghur Duto | | Aneiri Bajnanta | | 600 | 865 | 511 | |
| , 20 , 20 | D tto | : | Bithur . | : | 1,092 | 1,090 1,858 | 1,155 | |
| 49 103 129 | Ditto | : | Goela Nagelao | : | 5,025 2,096 3,200 | 5,581 4,490 | 3,742 2 351 | Aman Sing. |
| 131 | Ditto | ; | Nureawas | : | 911 | 4,787 1,078 | 634 | Raj Mai (Seth). Choga Lall |
| | Total | ٠ | Total | ٠ | 14 497 | 19,219 | 11,898 | |
| 18 | Gangware, Ditto | : | Akhrı Bobani | : | 1,530 | 1,085 | 858 81 ₄ | Kalu Ram Raj Mal (Seth) |
| 100 | Ditto Ditto | : | Lohagul . Makurwah | ٠ | 611 1,989 | 2.056 | 32° 1,63° | Brij Lall |
| 137 | Ditto | | Hurmara | : | 3,000 | 2,712 | 1,509 | itaj Mal (Seth) Itawat Mal, Fath Lall |
| | Total | | Total | | 8,443 | 7,451 | 5,133 | |
| 39 | Ajwere | · | Jethana . | | 5,167 | 7,461 | 1 | Ratu Sing Mehta. |
| | | | GRAND TOTAL | • | 75,116 | 79,983 | 51,406 | |

Appendix C.

Statement of area of Istumrar Estates under the Court of Wards.

| | | | | UNA | UNASSESSED. | ED. | | | DETA | DETAIL OF MALGOOZAREE | ra egoo; | ZAREE I | LAND. | | |
|-------------------|--------|----------------|-------------|---------|-------------|---------|------------|----------------|--------|-----------------------|----------|------------------|---------|---------|----------------------------|
| NAMES OF ESTATES. | Betate | | | | | | Un | Uncolpitalied. | 9. | | Cur | CULLIVATED AREA. | IREA. | | •00gln •us |
| > | | 10 redmul | Total area. | .oleaVI | Maafee. | 'lotal, | Cultarable | Fallow. | .lajoT | Chabi. | .idalaT | .idA | .inaraa | .Lotol' | nt 30 lato'l' ra 99 tax |
| Junia | • | | 38,174 | 2,873 | : | 2,873 | 22,385 | 200 | 22,945 | 2,402 | 741 | 926 | 8,287 | 12,356 | 35,301 |
| Pisangun | • | | 31,846 | 9,439 | : | 9,439 | 10,643 | 2,961 | 13,604 | 2,447 | 422 | 113 | 5,822 | 8,803 | 22,407 |
| 3 Sathana | • | <u>.</u> | 11,609 | 1,443 | : | 1,443 | 7,242 | 462 | 7,704 | 202 | ##E | 195 | 1,216 | 2,462 | 10,166 |
| 4 Kybania | • | | 5,115 | 869 | • | 369 | 3,028 | 105 | 3,133 | 352 | 322 | 286 | 653 | 1,613 | 4,746 |
| 5 Pranhera | ٠ | | 9,947 | 502 | : | 202 | 6,199 | 813 | 6,012 | 629 | 228 | 212 | 2,359 | 3,433 | 9,445 |
| 6 Kadhera | • | | 6,202 | 1,458 | : | 1,458 | 1,907 | 73 | 1,986 | 676 | 6 | 13 | 2,060 | 2,758 | 4,744 |
| Goels | | . | 8,182 | 1,338 | : | 1,338 | 5,105 | 307 | 5,412 | 586 | 214 | 52 | 280 | 1,432 | 6,844 |
| 8 Shokla | • | - - | 5,060 | 1,150 | : | 1,150 | 2,329 | 82 | 2,411 | 130 | 149 | 30 | 1,190 | 1,499 | 3,910 |
| 9 Kuronj | • | - | 4,536 | 243 | : | 243 | 1,578 | 27 | 1,599 | 103 | 22 | 1,038 | 1,531 | 2,694 | 4,293 |
| To | TOTAL | 42 | 1,20,671 | 18,815 | : | 18,815 | 59,416 | 5,390 | 64,806 | 8,032 | 2,451 | 2,869 | 23,698 | 37,059 | 101,856 |

Appendix D Territorial Distribution of Ilhairwires

| | | - | 1 | 1 | | | | | | 48 | SESSABI | ASSESSABLE LAND | | | 1 | jo |
|-------------------|-----------|---------------------|----------|-----------------|----------|------------------|------------|--------|--------------|--------|---------|-----------------|------------|--------|--------|---------|
| | | | go 3 | Ī | ND. | UNASSESED | | 1 | 1 | 1 | | | CHESTANTED | | _ | desi |
| | | _ | elli. | ! | | | | DxC | UNCULTIVATED | | | , | 1 | - | - | 1043 |
| Kake of Terest | Territory | Past and present | T to sed | -#92 ₩ [| Burren | Revenue. fres | Total | Cal ar | y allow | Total | Chab | Talabi | 3 | Barand | Total | L Lator |
| | | | no N | HOI | | | | | | | 1 | 1 | Ä | 16 873 | 35 297 | 63 040 |
| | 1 | | 1 | | 500 TO | 8 | 03,214 | 11001 | 12.5 | 17743 | 200 | 989 | 878 | 1 | _ !_ | |
| Beawar | Khalm | Pre ent | G | 65 176 | 8 | 2 | 1000 | | 1 | 10.01 | 1 | 9 163 | 6 438 | 19,644 | 39 236 | 83.63 |
| Todkbur | | - | : | 100 | 1 61 495 | 368 | 3 83 863 | 16 235 | ۱. | | 1 | 1 | 905 | 13 | 1 991 | 3 336 |
| TOTAL | Ditto | Liona | 1 | | 19 636 | - | 10 657 | 88 | Ē | 3 | ١ | 1 | ١ | 1 | 2 8 60 | 5 |
| Boawer | Karmer | ī | : : | | 1 | | 1 093 | = | 363 | - | 8 | 1 | 1 | - | 1 | 000 |
| | _ | Prosent | R | 33 613 | 1 | 1 | | ľ | 1 | Ξ | 310 | 2 | - | 2 | 1 | |
| | | , but | • | 16 336 | 1 | | 8 | 1 | ĺ. | F | = | = | - | 334 | 773 | 180 |
| Todgher | Ditto | | - | 20 143 | 16 617 | • | 18 653 | 1 | | | 18 | 2 | 8 | 1 200 | 2 759 | 426 |
| | | Part | 12 | 39 419 | 33.3.8 | | 38 203 | _ | | | 1 | = | 8 | 1 838 | £ | 8 618 |
| Torse | Ditto | | 1 | 41 034 | 28 22 | - | 33 335 | 1 200 | 100 | | 1 | 1. | 8 | 8 | 3 147 | 828 |
| | | Leann | 1 | | 1 | 1 | 100 | 1 503 | 116 | 100 | | _ | | | Ļ | |
| | | Part | 3 | _ | _ | | 1 | 8 | 209 | 2,069 | 8 | \$ | | 302 | 4 | o uno |
| | | Present | * | - | 1 | | 1 | 3 813 | 233 | 2.5 | • | 1,306 | Ē | 6 277 | 14 458 | 0.00 |
| | _ | Past | 22 | 1 13 695 | _ | | _ | 1 | | 1 | 2 20 | 1 356 | <u>.</u> | 6.038 | 16 014 | 24 585 |
| Todabar | Ditto | Present | 61 | 13798 | 1 12 975 | 2 | - + | 4 | | 1 | 7.612 | 12 | 207 | 6 263 | 1780 | 26 205 |
| | | Pert | = | 1 62 813 | 1 26 203 | 103 | 1 26 608 | _ | _] | | 1 | 1 | 1.686 | 8 270 | 19 843 | 30 498 |
| Total | D tto | | 98 | 1 77 604 | 1 46 821 | 104 | 1 1 47 118 | 9 221 | 1318 | 10 643 | • | — Ï | — li | - | | |
| | | | | - | | | | | | | | | | | | |

| The second secon |
|--|
| |
| - |
| |
| : |
| |
| |
| |
| |

| | | | deal lost. | -mna lo | LAND | P ID REVBNUE | PRESENT | T ASSESSMENT | MENT. Cesses. | | | |
|------------|-----|------------------------------|-------------------|------------------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|--------------------------|------------------|--------------------------|-----------------------------|---|
| Territori. | BI. | Tehsil. | Dasmed melites | Demand omary mary or the contract. | Dry aspect, | Water Revenue. | Total. | Lumber dars' fees. | • | Putwa- rees' fees. | Putwa- District fees, Fund. | |
| British | | Beawur | 78,540 13,304 | 51,317 9,269 | Rs. 33,035 6,786 | Bs. 19,977 3,087 | Rs. 53,012 9,873 | Rs. 3,416 611 | | Rs. 3,663 653 | Rs. Rs. 3,663 1,686 653 296 | · |
| | | Total . | 91,844 | 60,586 | 39,821 | 23,064 | 62,885 | 4,027 | | 4,316 | 4,316 1,982 | |
| Marwar | • | Beawur Todghur | 5,108 2,976 | 3,594 1,393 | 3,223 1,564 | 147 220 | 3,370 1,784 | 216 116 | | 232 124 | 232 105 124 55 | |
| | | Total | 8,084 | 4,987 | 4,787 | 367 | 5,154 | 332 | | 356 | 356 160 | |
| Меужаг | | Beawur | 11,854 60,720 | 8,139 40,146 | 6,950 38,358 | 1,146 4,168 | 8,096 42,526 | 524 2 751 | 24 | 569 2,954 | 569 253 2,954 1,346 | |
| | | Total . | 72,634 | 48,285 | 45,308 | 5,314 | 50,622 | 3,275 | ຕ | 3,523 | ,523 1,599 | |
| | , | Total Marwar and Meywaor. | 80,718 | 53,272 | 50,695 | 5,681 | 55,776 | 3,607 | 69 | 3,879 | 1,759 | |
| | | TOTAL MHAIRWABBA | 1,72,562 | 1,13,858 | 89,916 | 28,745 | 1,18,661 | 7,634 | န် | 8,195 | 195 3,741 | l |

Appendix F. Statement showing Water Receive and Cessis.

| 1 | | | | | | | | | | | |
|---------|---|-------------------------|-------|--|--------------------------|---|--|--|-----------------------------------|----------------------------------|---|
| | | | | 1 | LAND RETRIUE, | | | CREBKS. | | | Total Land |
| Tebest. | | Cfrele. | | Dry aspect. | Water Rerease. | Total, | Lumberdare' | Putwaroes' | District Funds, | Total, | Kevenne and Cestes. |
| | | | | ž | ī. | R. | Rs. | Rr. | И. | Re. | В. |
| VIRER | Ramear Rajghur Gangwana Ajmere Pooshkur | | | 32,05,05,05,05,05,05,05,05,05,05,05,05,05, | 18,650 | 22.22.22.22.22.22.22.22.22.22.22.22.22. | 3,309 1,584 1,586 1,586 4034 | 8,100,100,100,100,100,100,100,100,100,10 | 1,023 897 774 977 208 | 8,740 4,740 1,094 1,094 | 60,215 23,634 28,711 36,100 7,633 |
| | | Total | | 1,16,209 | 26,637 | 1,42,836 | 9,144 | 0,450 | 4,473 | 23,466 | 1,66,862 |
| HEAWOR | Beaute Chang Shanghur | ••• | ••• | 22,936 5,463 14,810 | 15,886 1,811 1,573 | 38 802 7,873 18,383 | 2,495 471 2,199 | 2,685 | 1,222 236 531 | 5,407 3,019 | 45,229 8,481 21,432 |
| | | Total | • | 43,203 | 21,270 | 61,473 | 4,136 | 196'4 | 2,045 | 10,661 | 75,162 |
| DOBOR | Bhaelan Deweir Todghur | | | 5,797 19,835 21,076 | 3,419 | 9,068 20,590 24,525 | 5.6 1,320 1,53 | 1,413 | 283 618 767 | 1,495 3,381 4,030 | 10,563 179,52 23,83 |
| 3.0 | | Total | | 46,703 | 7,478 | 54,183 | 3,473 | 3,731 | 1,607 | 8,206 | 63,089 |
| | Total Masirwaira . | Warra | • | 818,838 | 29,735 | 1,18,661 | 1,631 | 8,195 | 3,741 | 19,570 | 1,33,231 |
| | FOTAL AJES | Forel Atment-Mhairwarea | THUY. | 2,06,125 | 55,533 | 2,61,557 | 16,776 | 18,045 | 8,213 | 43,038 | 3,04,593 |
| 1 | | | l | | | | | | | | |

Appen
Bhoom State

| - | | 1 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | -, | | | В | hoc | om State |
|--|--|--|-----------|--|---|----------------------------|---------------------------|--|--|-------------|--|
| É | ge. | | | | | Bja. | | • | | 1 | DETAILED |
| Bhoo | Tulfa | | | | | Вћоо | . ا | | Uni | BEE | FABLE. |
| Serial number of Bhoom. | - | Name of Circle. | | Name o f village. | Casto of Bhoomia. | Name of Mukhya Bheomia. | Number of sharers. | Total area. | Barren, | Manfee. | Total, |
| 1 | _ 2 | 3 | | 4 | б | 6 | 7 | 8 | 8 | 10 | 11 |
| 1 2 3 4 5 6 7 | 2 3 4 5 6 7 8 9 | Ramsar Ditta Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | • | Dewalia San, roda Dhai Loharwara Dauta Jatea | Sorodin Rahtore Ditto Ditto Ditto Cor Rahtore | Thakoor Ke | 7 | 820 10 8 213 6 8 459 16 975 10 8 689 1 1 3;1 2 1 191 8 490 11 | 1 0 4 7 27 11 164 0 14 2 18 3 | | 9 3 1 0 4 7 27 14 164 0 14 2 18 3 13 18 118 14 6 10 |
| 10 11 12 13 | 12 13 14 | Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Baberan itarol Pharkea Silana Chandolai | Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | 17 14 12 52 1 | 549 18 366 2 1,525 19 | 0 6 23 5 5 13 134 10 10 0 | : | 0 6 23 5 5 13 134 10 16 0 |
| 15 16 17 18 | 16 17 18 10 | Ditto Ditto Ditto Ditto | • | Dubrela Dhigarea Rampoora Ransar | Ditto Ditto | | 17 6 7 10 | 807 4 593 0 461 14 524 2 | 5 5 19 0 31 17 2 11 | | 5 5 19 0 31 17 2 21 |
| 10 20 21 22 23 24 | 20 21 22 23 24 25 | Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Swlan Sa'apoor lavera Neara Hiuwaotla Sanodh | Ditto Utto Gor Do. Ralitore Gor | | 3 8 13 16 8 | 128 16 310 9 352 19 423 8 396 18 823 19 | 1 0 0 15 20 17 12 1 8 1 54 10 | | 1 0 0 15 20 17 12 1 8 1 54 10 |
| 24 | 25 | Ditto | { | to a. Ramea | Circle | | 326 | 16,653 11 | 714 8 | | 714 8 |
| 25 | 20 | Ajmero | - | Arjanpoora Khalea . | Gor . | | 28 | 635 1 | | ••• | 5 14 |
| 26 27 28 21 30 | 27 28 29 20 30 | Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Bargoou fabiji Jethana vitto Dumara | Pathan Gor Rahtore Di to Ditto | ****** ****** ****** | 7 10 2 15 41 | 169 16 47 6 318 7 855 8 42) 4 | 0 8 4 1 16 1 | | 6 11 0 3 4 1 16 1 1 8 |
| - 6 | 5 | loini | \exists | Ajmsre . | | | 103 | 2,555 2 | | <u>:</u> _ | 33 18 |
| 31 32 31 34 85 30 37 39 40 41 42 43 44 | 31 32 33 34 35 30 37 38 39 40 41 42 42 43 44 | Gangwant Ditio Unito Ditto | | Hanscawas Hoshiara Atarka Akri Bubaicha Roohol Ladpoora Bobani Makarwali Padanipoora Tiliornean Jati Chatri Chacheawas R a m u s r Dh ni | Rahtore Pathan Rahto e Ditto Ditto Pathan (Ditto) Rahvoro (Ditto) Kachwaha Rahtore Kachwaha Rahtore Rahtore | Chatr Sing . Pertap Sing | 16 | 191 6 21.9 8 857 8 148 18 3-6 16 189 0 19 0 160 0 22 3 800 17 130 6 93 4 251 17 194 2 1,658 14 | 8 0 0 0 7 8 8 8 7 11 11 11 11 12 12 12 166 18 18 19 1 18 11 18 11 18 11 18 11 18 11 15 11 18 11 15 11 18 11 15 11 18 11 15 11 18 11 15 11 18 11 18 11 15 11 18 | | 5 6 8 0 0 7 8 8 0 7 11 0 11 0 13 1 14 2 12 12 166 18 19 19 1 3 0 35 19 |
| 45 46 47 | 46 47 48 49 | Ditto Ditto Ditto | | Sarana Khedan | Kachwaha . Rahtore . } Pathen | ****** | 8 | 303 8 235 12 110 14 34 12 | 4 1 5 11 14 0 | | 4 1 5 11 14 0 |

dıx G. ment, dimete

| A OF I | | | | | LE | | | | | | | | 1. | 18873 | CE | 808 | |
|--|-------------------------------------|--|--|---|---|----------------|------------------------------|--------------|---|--|--|--|---|-----------------------------|---------|---------------------|---|
| | esitet | ued. | 1 | | | C= | t voted | | | _ | | DOZATE | | | | DOILE | |
| Culturable | Pallow | T | Total | Chahl | Telebi | | 14 | Baraci | | Total | | Total Malgoozaree | | Horskoan | Pootman | Amount of nurserans | |
| 3 | 73 | | 14 | 13 | 15 | - - | 17 | 1 | • | 19 | | 20 | | 21 | 2* | 2 | 3 |
| 80 15 163 0 10 9 86 4 59 2 9 9 9 6 3 14 66 15 1 30° 8 | 10 19 12 56 35 21 | 18 | 89 2 173 8 29 19 98 8 109 0 133 2 22 11 13 17 67 16 761 8 | 64 15 16 17 28 10 23 7 143 16 224 11 150 13 17 1 | 20 | 15 3 | 45 0 4 13 33 7 31 4 | 3 | 15 2 9 11 10 19 13 12 17 1 78 5 63 14 47 14 10 19 | 11 177 23. 70 81 20 16 80 3 43 | 1 16 1 16 3 1 5 16 4 3 7 12 | 433 511 674 3×1 150 271 4234 | 19 19 2 10 19 19 11 17 | "1 1 1 1 | 1 | | 18 7 14 17 59 77 75 15 51 |
| | 1 | 1 0 11 6 45 11 9 15 | 55 14 53 14 4 11 811 12 203 1 | | 1 | 3 3 | 17 2 46 17 16 6 | | 99 0 19 11 70 14 64 8 | 10 | 9 17 25 7 | 873 350 1 693 3 1 | 1 9 | -1 | | . 1 | 20 137 86 93 11 |
| 113 1 68 67 723 | 3 1 | 13 7 31 8 32 8 07 16 | 133 1 #9 13 109 8 335 17 | 45 37 10 61 | 3 | 11, | \$3 | 1 | 463 0 268 3 109 7 103 1 | | 21 B 20 b 21 11 | 5 5 5 | 9 17 11 11 | - | ' | 1 | 1: |
| 279 1 | 11 15 16 6 | "6 19 91 7 10 16 8 1 25 19 | 16 11 265 17 40 0 15 9 135 8 3.3 8 | 7 23 132 113 68 198 | 10 17 15 1 10 10 | 20 10 11 12 | # 37 1 18 | 1 | 158 25 1: 15° 2° 5 | 39 | 23 17 23 17 29° 2 275 19 250 1 616 4 | 21 41 20 8 | 7 16 9 14 92 5 11 7 84 17 69 9 | _ | 1 _ | 1 14 | 8 37 |
| 4 051 | 16 1 | 093 7 | \$ 136 3 | • 116 | 17 4 | 09 13 | 314 | 12 2 | 965 3 | -1- | 902 9 | | | -1 | | - | 87 |
| 196 115 421 | 9 8 13 | 18 8 14 4 133 11 6 1 | 212 17 179 1 554 | 77 | 1: | Ξ | 1: | 16 | 139 1 275 172 | 1104 | 418 10 183 4 47 3 194 1 2 5 4 419 1 | 1 | 163 47 211 1839 437 1 | 6 6 7 6 | - | 1 1 | - |
| 731 | 9 | 173 4 | 904 1 | -1- | 7 8 | - | -1- | 19 | 843 | - | 518 1 | -1 | | - | -1 | _ | |
| 1: | 1 16 | 5 5 76 8 83 2 | 1 . | . 1 | 6 1° 11 10 10 7 | - | 7 | | 271 5 3 | 15 19 1 1 13 13 11 | 99 1 771 1 758 1 145 1 263 147 1 18 111 151 | 11 8 13 | 191 277 849 148 158 173 18 | 8 8 11 8 5 9 | | 1 1 1 1 | |
| - | 5 12 6 8 2 13 11 8 10 2 | 3 6 17 | 34 7 33 | 9 15 1 14 9 4 | 11 16 22 13 10 15 4+ 17 37 13 20 8 36 16 60 17 131 11 | - | 2 | . ! | 135 95 66 | 18 5 6 9 2 18 | 800 110 98 132 173 | 10 7 18 13 | 1 9 79 633 119 96 2 3 161 | 11 12 7 16 2 | 1 | 1 | 1 |
| | 53 15 | 145 38 69 1 | 1 298 | | 7 5 8 179 9 22 14 | | 1 | 83 19 8 7 | 119 | 9 10 14 9 13 15 13 9 14 12 | 253 140 93 | | 299 230 230 23 | 7 | } | | 1 |

Bhoom Statement

| | 1 | | | | | _ | | | · | | UM | Statemen _i |
|--|--|--|----------|--|---|---------|--|--|--|---|---|---|
| ë. | , ee | | | | | | wia. | 1 | | | | DETAILE |
| of Bho | of villa | | | | ; | | Bb 00 | | ě | U | NASS | essadle. |
| Serial number of Bhoom. | - | _ | | Namo of village. | Caste of Bhoomia. | | Name of Mukhya Bhoomia. | Number of the property | Total area. | Barren. | | Total. |
| 1 | 2 | 3 | | 4 | δ | | 8 | 7 | 8 | 9 | _] | 0 11 |
| 49 50 51 | 00 13 23 | Gangwan Ditto Ditto Ditto | a . : | Mngri Ditto Mohami Harmara | mat. Do. Jodi | ha • | | 9 | | 9 3 1 9 9 | 2 " | . 1 0 9 2 |
| 21 | 23 | Total | <u> </u> | Gangwana | | Ť | | 40 | -1 | - | <u>-</u> - | 407 12 |
| 52 53 14 55 56 57 55 | 73 53 55 55 56 57 59 70 60 61 62 | Rajahur Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Nageloo tibaonta Balwanta Kniesta Noriawas Nauria Durathu Rata Khera. Jagpoora Chat | Ditto Ditto | | | 11 12 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 13 | 5 859 6 509 18 116 5 5 12 1425 6 6 559 12 214 14 30 0 26 6 6 | 113 5 1 5 1 5 30 13 61 1 4 10 | 2 5 7 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 | 113 2 5 15 5 7 30 13 61 19 4 15 |
| | 63 C1 | Ditto Ditto | \vdots | Dhola Danta Mulipoora |) | | | | 29 7 33 0 30 6 | | | |
| 7 | 12 | fotal itaja | hur | | | _ | ****** | 191 | 3,984 6 | 221 11 | | 221 11 |
| 60 61 62 63 64 | 65 66 67 68 69 70 | Ponshkur Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Bausell . Rampoora . Naud. Ditto . Naud . Surajkhand . Kholai . Ktori . | Ralitoro Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | ******* ****** ****** ****** | 21 6 22 2 7 38 21 | 533 19 305 13 1,251 17 75 12 229 3 155 8 | 1 4 2 6 4 8 281 19 0 9 21 3 7 6 | | 1 4 8 2 6 4 8 251 19 0 0 21 3 7 6 265 13 |
| 66 67 | 71 72 | titto Ditto | : | Laheswa . | Ditto : | | Phul Sing . | 14 | 1,908 1 | 265 13 0 10 | <u> :::</u> | 0 10 |
| | | Total Poosi | kn | r: | | \cdot | | 155 | 4,709 0 | 18 18 | ::: | 584 18 |
| | ~~ | D. | - | mt attant | Rahtoro . | ١, | Thakoor Run- | 1 | 1,533 16 | 181 10 | | JAGHIRE 181 10 |
| 69 70 71 | 73 74 75 | Ramenr Ditto Ditto Ditto | \cdot | Batoja . Ditto . Beer . | Ditto . Ditto . Ditto . | | jit Sing. Makhan Sing Baja Perthi Sing (Kish- cughur). | 11 1 1 | 214 12 112 6 261 8 | 5 7 3 13 11 9 | ::: | 5 7 3 13 11 9 |
| 72 73 74 73 76 77 | 76 77 78 70 £0 81 82 | Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto | | Baneori Diiwari Sitawarian Nabab Kadampoora Koourpoora Khyria Mee- ran Sahib. | Ditto | 7 | Chakoor Bhabat Sing | 4 11 20 9 3 1 | 364 18 153 11 2,114 5 244 11 58 6 66 4 199 1 | 17 14 1 5 287 11 36 17 8 8 0 6 9 18 | | 17 14 1 5 287 11 36 17 8 8 0 6 9 18 |
| 78 70 | 68 64 | Ditto Ditto | | Kanea Lyria Khwa- | Ditto . | τ | hakoor Bha- but Sing. | 2 1 | 62 10 222 13 | 1 11 16 8 | ::: | 16 8 |
| 80 81 82 | 85 86 87 | Ditto Ditto Ditto | : ? | ja Sabib. Horajhari Chandsala | Ditto . Ditto . Gor . | _ | Ditto . | 1. 2 22 | 591 4 266 16 275 12 | 21 6 0 10 19 16 | <u>::: </u> . | 21 6 0 19 19 10 623 18 |
| _ | | Totai Rams | n - | | | | ••••• | 00 | 6,741 12 | 623 18 | <u>''' </u> | 020 10 |
| | | | | | | - | | | | | | |

Asmere-continued

| | вноом | | | | | | | | Nature or | | |
|---|--|---|---|--|-----------------------|---|--|---|-----------|---|---------------------------------------|
| | | | Amte | 359 | | | | | | *101 | 1 4 |
| t | la ult vate | i. | | | Calt vale | | | oine. | | | BELTZE |
| Calturable | Fallow | Total | Chabí | That | 454 | Darrad | Hote | Total malgoorates | Horseman | Pootman. | Arzount of purremon. |
| 13 | 19 | 14 | 16 | 16 | 17 | 13 | 10 | 36 | 31 | 33 | 23 |
| 5 0 1 13 375 \$ | 5 9 | 8 0 6 13 | 69 4 | | | 14 9 | 14 9 | 15 6 | | 1 | Ra 1 |
| | 629 19 | 1 lu6 8 | 25 3 637 16 | 13 4 | 63 13 | 73 6 875 1 | 63 8 1 5 89 13 | 105 6 2 695 6 | _1 | | 21 |
| 633 3 | 1 421 19 | 2 085 1 | 1 703 17 | 36 1 | 123 3 | 3 934 0 | 5 793 6 | 8 917 7 | | 19 | 916 |
| 207 1 67 5 12 7 79 13 38 6 47 14 | 79 17 31 9 169 14 31 3 | 38 13 61 6 61 19 310 7 63 7 67 14 | 96 5 371 4 21 2 307 3 110 19 91 13 | 13 16 4 9 3 13 31 13 15 17 | 19 8 25 11 9 19 | 237 16 269 11 35 4 939 3 40 6 203 7 60 13 20 8 33 13 1 14 15 3 17 19 | 390 8 511 15 29 9 1 115 6 40 6 415 10 161 9 50 6 16 6 13 6 17 10 | 746 4 884 0 110 19 13 3 12 40 8 407 13 201 19 60 6 26 6 29 7 29 7 29 8 | } | 1 1 1 1 | 41 91 8 111 1 45 |
| 495 8 | 371 6 | 816 10 | 961 6 | 110 9 | 59 17 | 19713 | 2 926 E | 3 713 15 | -3 | | 3 6 |
| 16 19 8 19 | 171 11 | 15 15 180 10 | 6 13 139 9 | 44 19 | 31 13 | \$12.14 | 33 1 351 3 | 100 18 431 15 | | 1 | 117 |
| 27 11 101 0 14 4 2 4 35 15 | 91 0 206 0 3 16 6 0 1 U 55 10 | 109 11 307 0 6 13 11 12 5 4 915 0 | 77 14 71 15 20 4 90 7 137 14 263 4 | 19 8 14 7 | 79 3 30 9 | 205 0 499 18 0 9 303 4 7 8 449 19 0 19 | 382 14 653 19 21 5 193 11 144 16 704 3 61 14 | 391 8 909 15 75 9 207 6 165 0 1642 8 27 19 | - 1 | 1 1 1 1 | 20 43 14 30 41 97 7 |
| 1 055 13 | 919 4 | 1 674 17 | 814 6 | 76 7 | 191 13 | 1469 6 | 1 549 5 | 4 121 2 | | ; | 131 |
| VILLIANS 1022 7 | 45 6 | 1 067 13 | 47 10 | 79 0 | 67 3 | 93 1 | 281 19 | | | | |
| 1 10 | 6 19 | 6 9 | , | 3 5 | | 85.33 | | 1362 8 | 1 | 1 | 84 |
| 6 16 | | 6 16 | 109 3 15 6 70 2 | - | 94 0 20 10 1 6 | 68 19 175 1 | 200 16 108 13 \$43 3 | 105 13 249 19 | - | 1 | 40 20 |
| 39 15 1 177 15 71 17 50 16 77 19 | 34 7 8 13 9 0 17 0 | 64 2 2 12 1 187 12 88 17 50 15 65 15 | 40 \$ 44 10 69 19 31 7 10 19 16 3 103 8 | 13 14 1 8 13 9 2 | 33 1 | 197 8 93 4 956 3 76 16 29 17 | 363 3 142 14 516 3 118 17 49 18 16 3 103 6 | 767 4 152 6 18°) 15 207 15 50 16 56 14 169 3 | - | 1 | 23 16 67 19 8 |
| 69 18 | 7 19 | 97 14 | 60 19 25 1 | 41 14 j | | 42 13 | 50 19 106 10 | 67 19 205 4 | 1 | 1 | 19 14 |
| 126 18 62 5 19 9 | 6 6 19 6 16 9 | 136 13 72 11 35 11 | 133 12 38 15 63 13 | 6 13 11 11 | 63 17 | 292 0 151 11 91 4 | 435 8 1J7 6 220 8 | 200 18 2 5 17 271 16 | | 1 | 49 15 27 |
| 2 716 8 | 156 1 | 3 903 0 | 921 7 | 176 11 | 225 16 | 1897 G | 8 214 16 | 6 117 16 | <u>}</u> | 16 | 275 |

| | | 1 | | | | | | Bheom | Statement |
|---------------------------------------|--------------|--------------------------------|---|-------------------|----------------------------|---------------------|--|----------------------|----------------------|
| ľ | | | | į | 4 10 | | | | DETAILED |
| Strial Earthorn's Bishim, | | | | | Name of Mukhya Bhoomia, | , | | UTA | SSESSABLE. |
| 2 | 1 | Tre? | Name of village. | Caste of Bhacmia. | 22.53.3 | Number of pharers. | | | |
| ài T | at en | Name of Cirela. | 100 | e of B | 170 | Jo sa | arca. | | |
| , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | ; | ** | | 3.0 | Wame. | Nam's | Total area. | Barren. | Masfeo. Total. |
| *** | | | | | | 7 | 8 | 9 | 10 11 |
| F \$ 1.4 | F: | | · Bhealteana | fishiose . | Mehtab 91 | lng. | 1 157 14 | 0 17 | 0 17 |
| * ÷ | - 57 | Total timer | | Dien : | | _1 | 1 6 11 | 2 14 | 2 11 1 8 |
| 17 | 1-1 | (ingrana) | t'etra | l'abtere . | | | $\frac{p}{3} = \frac{302 \cdot 14}{120 \cdot 1}$ | 6 13 | 4 19 |
| \$5 5. | 13 | D Po | · Kheajparra Hismai. Kayar | | | 1 | 739 6 | 2 12 | 6 13 2 12 |
| \$1 | 1 | lilito litta | Granders . | 1 211, 27 | Agar Sing | . 9 | 1,055 0 | 18 11 6 1 1 12 | 15 11 6 1 1 12 |
| r | .' | Tetal Ga | 7 5 7 3 7 3 | | | - 17 | - | 31 6 | 33 6 |
| 1 1 1 1 | \$ 5 A | Baje' ie Brits Brits | Inta Variona In II wara Perhalan | listrore | | 11 | 453 [0] | 7 10 | 5 2 7 16 |
| ٤. د م ت: | 101 | Derio | Pa trava | Ditto Ditto | ** | 20 | 1,001 6 | 8 2 | 8 2 0 8 |
| 63 | 1:; | | Ta'istera Mangleaman | 4+4-111-12E | Devi Sing | . 2 | 167 19 | 0 3 | 0 2 1 6 0 18 |
| A Zen | -; -; | To'al Ea | <i></i> | | | 104 | 7,022 6 | | 31 14 |
| 101 | 103 | Ditto . | Hhagwane Fillia | Ditto . | ••• | 61 | 902 0 103 12 | 1 13 . | |
| 101 101 | lier lier | Hitt) | Clamonda . Kotopena . Grabera . | titta litto | *** | 18 18 22 | 131 (5 | 2 15 115 13 | 2 15 115 13 |
| 103 | -112 | | Porchkur | Thitto - | Amr Sing . | 115 | 11 3 | | <u>- </u> |
| 101 | 110 | Gangwara . | Karel . | Haht ore | — " – — | 213 | 523 13 EGI 10 | 131 1 | |
| 10: | 11: | | Ri chicalesa Nadh | Ditto : I | erlap Slog. | 11 | 135 8 | 33 15 | 33 15 |
| 4 | • | | | Total Is | | 203 | 2,613 7 | 33 15 | 53 15 |
| | | | | Istaurtar 31 | acres . | - :: - . | 1,053 0 | 13 0 | 13 0 |
| 6 | 72 | | | Toal E | hal*a . | 1,211 3 | 7,133 13 1. | 963 7 | 1.962 7 |
| | | | | Khalsa In | neres . | 1 | 4,855 9 | 785 0 | 785 0 |
| 35 | 57 | | | Total ja; | shire . | 539 1 | 1,777 13 | 331 1 | 831 1 |
| | | - | | Jagbiro in | nerês . | | 5,911 0 3 | 332 0 | 332 0 |
| 100 | 113 | ſ | | GRIND To | DTAL . | 2,011 5 | 1,547 18 2,8 | 327 3 | 2,927 3 |
| | | | G _E | AND TOTAL 12 | . SEEOA | 21 | ,819 0 1,1 | 30 0 | 1,130 0 |
| | | | | | | | | 1 | |

Ajmere-concluded.

| AREA OF | впоод | | | | | | | | NATO | 23 03 | - |
|--|---------------------------------|---|--|----------------|-----------------------|-------------------------------------|--|--|----------|----------|--|
| | | | Депис | | | | | | | | e e |
| v | cultivated | | | | Cuisivated | | | OUTSTEE | | | 102 E01 |
| Culturable | Pallow | Tota? | Chahl | Tatabl | AM, | Darabl | Total | Total malgoorares. | Пответал | Footman | Amount of nursenus, |
| 12 | 13 | 14 | 16 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 23 | 33 |
| 10 13 | 0 0 | 10 19 | 30 10 40 15 40 11 | -2 | | 96 0 66 11 3 15 | 135 18 97 13 63 0 | 146 17 97 13 63 6 | | _1 | Es 14 14 10 |
| 10 13 | 0 0 | 10 18 | 129 13 | | | 156 17 | 236 16 | 397 15 | | | 41 |
| 6 19 | l | "E 19 | 93 19 70 16 | : l | | 81 9. 839 18 | 730 14 730 14 | 730 13 | į i | 1 | 30 31 |
| 30 16 6 3 2 8 | 42 4 10 16 99 19 49 16 | 73 2 19 19 101 4 4) 18 | 01 11 175 5 23 14 56 19 | = | - | 164 14 655 1 116 9 211 13 | 1 030 0 139 3 263 13 | \$23 10 1 019 3 240 7 510 0 | در | 1 | 21 69 25 |
| 47 0 | 201 15 | 210 0 | 483 7 | ! | | 2 019 4 | 2 531 11 | 2 781 11 | 1 | <u> </u> | 165 |
| 9 1 13 10 157 18 43 10 4 8 | 9 6 103 7 43 4 1 0 | 10 7 131 17 207 0 49 10 4 2 | 40 0 92 0 337 11 640 18 103 7 18 14 | - | 18 11 | 16 0 263 6 401 3 463 19 | 53 0 354 0 745 4 1003 14 103 7 16 15 97 0 31 19 | 68 7 478 9 901 4 1053 4 107 9 15 15 160 19 | 1 | 1 | 13 04 116 180 83 6 9 |
| 48 16 11 17 291 13 | 43 2 | 23 19 | 43 16 | | | 73 1 | | 135 17 | <u>ٿ</u> | | 405 |
| 121 12 | 106 10 | 230 2 | 266 10 | | 10 11 | 263 17 | 2 472 10 557 B | 787 7 | - 2 | | 93 |
| 35 10 0 18 26 3 64 17 | 29 14 3 2 | 35 16 6 10 115 16 67 19 | 117 9 44 0 210 3 | 41 1 15 1\$ | 15 45 32 8 10 2 | 19 8 78 1 111 10 69 10 | 130 14 123 1 593 7 116 0 11 3 | 162 10 123 19 409 3 173 19 11 8 | 1 | 1 1 | \$8 15 78 9 |
| 235 5 | 201 0 | 430 11 | 017 17 | 59 10 | 79 13 | 839 4 | 1 375 10 | 1 762 1 | 2 | _: | 231 |
| ₽» 0 | | 95 0 | 371 19 07 14 74 2 46 10 | 135 9 | | 658 14 836 13 864 7 353 19 | 333 13 827 15 436 9 409 9 | 823 13 6°7 15 539 8 504 15 | 1 | 1 | 126 49 29 20 |
| 95 6 | | 95 6 | 860 6 | 135 9 | | 1 803 13 | 2 504 0 | 2 8 49 12 | 1 | | 223 |
| 38 0 | | 39 0 | 324 0 | 61 | | 725 0 | 1003 0 | 1 010 0 | | | |
| 0 963 8 | 3 517 19 | 10 495 4 | 7 *67 6 | 619 15 | 685 0 | 18 110 0 | 21699 7 | 36 174 11 | 17 | 50 | 2 731 |
| 2 787 0 | 1 407 0 | 4191 0 | 2 907 0 | 215 0 | 275 0 | 6,416 0 | p 870 0 | 14,070 0 | | | <u> </u> |
| 1 331 0 | 783 11 | 4 114 11 | 3 383 18 | 330 7 | 820 14 | 2 993 2 | 9 935 1 | 13 946 12 | 8 | 39 | 1 213 |
| 1,333 0 | 814 0 | 1647 0 | 1 253 0 | 92 0 | 123 0 | 2 5 59 3 | 3,932 0 | 6 579 0 | | | |
| 10,893 11 | 4 301 10 | L4 605 1 | 11,210 8 | 935 11 | 1007 0 | 23 6-2 14 | 37 025 14 | 61 720 15 | 23 | 80 | \$ 200 |
| §158 0 | 1,721 0 | 6,579 0 | 4414 0 | 39 6 0 | 403 0 | 0 529 0 | 15 810 0 | 30 629 0 | | | _ |

Appendix H.

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum in the Ajmere-Mhairwarra District.

this This is quite filled with slit and useless.

The talabi is irrigated by ods and Persian wheels on frzigation sometimes from lifts. aometimes No irrigation from this tank. Ditto. Only enitivation in Agor. There is no tank in village. Ditto, RBMARES. 8 Irrigation is from slufec. the dam. R3. ::::: : : : : : ::: : :::: Water revenue of Agor. . 83 83 13 <u>8</u>3 31 62 :: Wa rrevenue of litte. ::" 888 120 Rs. : ::::: Vater revenue of Pacohor. :02 ဗဝ႙္ရက ፥ : 1:: ፥ Area of Agor. 452 TALABIABEA IN AOEES. 14: .*****~% က 83 6100 ::: : Irrigated by lift. : 20 123 43 33 ÷ ::::: ፥ Irrigated by slaice. 000 0 00 00 8 ġ 00 00 ٥ R3. a. 22 ., .es 12 220 4 es ខន្ទ Water-rate, ರು ಬ တ တက 00 Rs. a. p. 00 0 0 00 00 00 On Talabi. | Soil-rate. RATES. 222 22 23 13 : 22: 0 15 22 22 00 00 000 00 00 00 TODGHUR. 8 8 0 00 00 Rs. a. p. 0 00 00 22 : :00 တ ထ 888 TEHSIL Chorplan Dewal Futtepoor Name of Village. Banjari Ditto Baojari Thok P bazar. Barakhan Amrpoora Baggri Ditto Bhilphana Bamunhera Ditto aireo Asan Raparel urf Gandon-ka Ruppat Modiya Jhungar Ditto Kala Chut 3-ka-Tajao Kharonjon-ka-Talao Gogala-ka-Talao Guon Pas-ka-Talao Bamunhera-ka-Talao Ruppat Nichala . Pation-ka.chanra Rappat Khari Pat Charpalanki Nadi Name of Tank. Kan Krot . Bara Talao Jogi Santhra Sand Bhaga Bara Talao Ditto Ditto Litto Name of Circle. Dhaelan 디 : 8 : : : : : 5 두 : ន្ទ : : £ : Namber of villages ln Per-gunnah Noto Book. ₽~ :®# က ;° : : : : :40 Serial Mumber of villa gee. :::::::::: ::: : : ፥ Of tanks in disrepair 00 rect 111 Serial Nonder. <- vo <-Of tanks in ropair.

| This west take for water. | ing cattle to 1803; it was repaired by Government and the neglet the well. | pay no water revenu There are ode out this falso, but they were ont of nee | s nes the famine of Piths Evera. The tank leaks | Ona aera in Rawpoera by algieg no water ravena. | | Repaired last years no irri- | Bailt for beneft of wells. | Irdgetton sometimes from | ods The sank is broken. The ods are on the smbank. | ment. Loberon ka Talao was re- paired after measurement. | | Bailt to benefit the wells. |
|---|--|--|--|--|------------|--------------------------------------|---|--|--|--|----------------|---------------------------------|
| 1 1 11111 | ; | | 1 | | | | 111 | I 1 | į t | | | 11 |
| °11 121 | # | ŧ | : | : 3 | 2 1 | ž : | ,,, | . 18 | 22 | ı | 1370 | , |
| ######## : 1 | , | - | | 7 | ,2 | . 8 | • | | , ! | 2 | 188 | 108 |
| 'ao 'atta " | 9 | | • | , " | * 77 | 3 3 | 1 "1 | ,°°° , | ** | ** | 202 | |
| " , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | 2 | 1 | , : | : : | 2. | 1 €1 | :: | 1 2 1 | 200 | | ŝ | ſ |
| **45540 | - | , | , - | 2 2 | = | t t [®] ; | 1 | ; £ | 1 | 7 | \$ | Ħ |
| ######## # 1 | | 1 | ١: | 1 2 | 21 | 00 22 88 | 1: | 0 0 | 22 | 9 22 0 | | |
| 21111211111 | n o | | ; | - | | | ' 1 | 0 0 0 | 20 22 00 | 0 52 0 | , | • ; |
| 0000000 0 | • | ; | , | | 9 0 9 m | ** | ,: | | ** | | | 21 20 |
| . | . | ÷ | • | | • | • | | | | -~- | | — <u></u> -¦ |
| Droletan Reriyana Dit 6 Reratan Serna Serna Eslatta Ditto Rol Kiraca Ditto | Ditte . | Ditto . | Ditto | Pada Khera Kalau | Ditto | Ehers Suther | | Ditto Ditto Ganeshpoora | Morian . | Negerica Ditto | | Utrjal Bansawari |
| Soriyana Soriyana Talso ka Tatso Ra Tatso Talso Talso | 9 4 | Elrena-ka Talaa | Ruppat Ktrana | Z } | | Cogole te Tates Kharonja te Tatao | Rupput Shikasta Juspetenki Nadi Oelawsta Nadi | Nadi Rajarial Gergola ke Talao Babarwas D 190 | Dhofa cal | | Bhaelan Circle | Nete Mabadeo Baunaan ki Nadi |
| | | | | | | • • | | | • | _ | 1 | |
| | pitta | Diffe | Ditto | D to | 90 32 | 1 | 222 | 3338 | Ditto | Ditto Ditto | Total | Date |
| \$2 · \$22 1 2 | | 2 | | 2 2 | | 2 | - | 23 81 | 22 | 184 | | 148 |
| 22 225 F | | - | 1 | 2 2 | | 2 | | # 2 | _ | 25 | | 43 |
| | | | * | | | | ";* | ı. | 40 | 1 | [•] | - |
| ************************************** | = = | Я | 27 | 1 1 | 25 | 38° | 3 8 | 888 | 8 | 25 | 2 | = |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, etc.—continued.)

| | | В виденс, | | | Built to benefit the wells. Barnii in Pacchor, but tank has a small eachment. | The Rapput feeds wells the talabi is under ods uncon- | Only built to benefit wells. | The Pacahor is chahi. It was repaired this year and | irrigated some chahi. Useful for wells. Ditto. | No Agor or Pacchor. The Pacchor is chahi. The Agor is in Maywat. Cultivation in Agor. Ditto. Built this year. |
|---|--------------------------|--|----------------------------|-----------|---|---|--|---|--|---|
| | *20 | Water revenue of Ago | | Rs. | ::: | ; | :/: | : | :: | ::::::::::::::::::::::::::::::::::::::: |
| | •1 | Water revenue of lift | | Rs. | : : : | : | : : : | : | :: | ::::::::::: |
| | chor. | Water revenue of Pac | | Rs. | 11.44 | : | 16 280 | : | :: | H 8 : : : : : : : : : : : : : : : : : : |
| | | Area of Agor. | | | ::: | : | ::: | = | · ; | ::: : ::: |
| | AREA RES. | Irrigated by lift. | L | | : . : | ខ្ព | 1:: | : | i i | 1111111111 |
| | Talabi arba In acres. | Irrigated by sluico. | | . — | 8:: | : | -4 G | : | :: | , |
| | <u>e1</u> | Vater-rate. | | Rs. a. p. | 8 :: | : | 4 0 0 4 12 0 | : | :: | 3 12 0 4 0 0 1 : : : : : : 2 2 : : : : : : : : 3 0 |
| | RATES. | Soil-rate. | -continued. | Rs. a. P. | 1 4 0 | : | 1 0 0 4 0 | : | :: | 12 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| | | On Talabi, Soli-rate, | DOGHUR | Rs. a. P. | 5 12 0 | 3 2 0 | 6 0 0 | : | :: | 4 8 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| | | Name of Village. | TEHSIL TODGHUB - continued | | Bagar Ditto Ditto | Pipli | Thorian Telra | Ditto . | Ditto . | Dhawala Kalan Dhawala Khurd Dawer Kala Guman Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Ditto Litto Kala Guman |
| | | Name of Tank. | | | Mandela Rupput Shikasta Birjalia-ka-Talao | Kharka Baleki Rapput | Mamadeo Naka Mahadeo urf Gwar Chandla. | Nonlia Pag | Dhana Biram Rupput Pukhta Nya- gaon. | Mandela Ditto Dowarla-ka-Talao Gamoda-ka-Talao Khara-ka-Talao Kharla-ka-Talao Kharla-ka-Talao Nadi Nawa Talao Nadi Mawa Talao Ajaniya |
| | | Name of Circle. | | | Dawer Ditto Ditto | Ditto . | Ditto Ditto | Ditto | Ditto Ditto | 18 Ditto 45 Ditto 63 Ditto 63 Ditto 63 Ditto 64 Ditto 65 Ditto 65 Ditto 66 Ditto 66 Ditto |
| | - | Numberofvillages in l gunnah Note book, | | | 2 : : | 25 | 32 32 36 36 | _ <u>:</u> | 36 : | 33 48 35 44 35 45 35 63 37 66 |
| | Sea. | gelliv do radmuN lairaR I ni sagalliv do radmuN | T | | 28 | 23 | 8238 | | - 33 | ::2:::::: |
| • | | 1 | Τ | | :00 | : | 111 | <u>:</u> | | 238 24 24 24 24 24 24 24 24 24 24 24 24 24 |
| | SERIAL | Of tanks in repair. | | , | 36 | 36 | 37 38 38 | , 39 | 84 | www. |

| This Rappat sometimes irrigates a fied or two | Udpnors Benchts the wells Benchts the wells Jensit the wells, Jensit the wells, Bencht Agor or Pacchor Renefits Agor May red last year bench | Galtirat on in Agor Broken for many years | bank | | The Pacehor is chad and the the | The Pacchoy is chald | | | | Cattrection in Agor and | | _ | 4 | Na alufon, only usaful for | Cultivation in Agor | Irrigation cometimes | *************************************** | | Colonel Dixon laid found | was naver completed |
|--|---|--|--------------|-----------------------|---------------------------------|--|-----------|--------------|------------|-------------------------|----------------------------|------------------|----------------|----------------------------|---------------------|----------------------|---|------|--------------------------|---------------------|
| | 1 | | | | | <u>.</u> | • | , | | : | • | | <u>'</u> | | _ | 1 | | | 1 | |
| _ | 1 | 2 | 2 | | H | • | . 52 | 8 | 1 | | | | : : | | | :: | 25 | 3 | • | |
| n | 1 | | ş | \$18 | | #2 | 3 | 200 | 200 | • | , : | , | 100 | : | | 513 | 2: | 180 | | |
| - | n , | 1 | ñ | - | 41 | 10 74 | - | ,22 | ng | * | * | • | :: | | • | = | • | 2 | 1 | _ |
| | 1 | 4 | ž | _ | - | : | 3 | 40 | , : | ŧ | ì | _ | | | _ | ; | - | • | • | |
| | *** 11 | 1 | 303 | 22 | ; | -1 | = | 25. | 22' | - | | ۳, | :5 | • | | 2 | 3: | 12 | | _ |
| 5- | | - | | • | • | • | 00 | 00 | | | _ | | | _ | | 90 | | • | _ | _ |
| en | , , | 10 | İ | 2 2 | 2 | 6 | •• | 7 4 7 4 | 400 | • • | 1 | | | | | | 2: | ; * | ١, | |
| - | | - | - | • | • | - | 9 | 00 | • | , | _ | • | • | _ | | | | • | _ | - |
| 9 30 | t | | | = | 2 | | | 22 | 22. | | | ; | | • | | 2 ~ 0 * | 0 | - | 1 | |
| - | | • | П | • | • | - | • | | 000 | | | 0 | • | _ | | 00 | 9 | • | | _ |
| 22 | 3 | • | | ş | n | . 0 | •• | 44 | *** | • | | | .0 | | | ~ ~ | * | . 4 | | |
| • | | •• | Ī | ~ | _ | • • | ~ | ••• | • | | • | | • | | | ••• | _ | _ | ٠, | _ |
| • | 444 | | 1 | i . | • | ٠.٠ | • | ٠ | • | • • | • | ٠. | | ٠ | ٠ | ٠. | ٠ | ٠ | K | |
| | LAN KE | 0 | | hayatt | . 5 | bhi bkara | | Ditto | 223 | 100 | Ditto | Į, | Ditto | Ditto | Ħ | Ditto | ٠ | ٠, | . 2 | |
| Ditto | Godha Lakha Godha Kenba Godha Kenba Mankiowaa Manbawar , D to | Nabri | 1 | Lehayaleghur | Agner | THE STREET | Barte | ĀĀ | ā pē | 15 | CÀ | Beregware | Ā | Ā | Palma | 9 | Tog | Į. | Thikarmas Kalats | |
| - | | • | Γ | Cala | | •••• | • | • | • | • | • | ••• | ••• | • | | : | | | • | _ |
| 12 | Gandbonki Rapput Mahin Gomaka Gudha Keshaka Talso Muoklawa ka Talso Jat ya ka Falso Tarke ka Talso | # | | Akba Jitghur-ka Talao | 2 | Yad Bod | • | ٠. | Kusalpoors | Nedt Ranis urf Goge | ٠, | 2 | • • | alao | P | Kakeriya ki Rupput | • | tag. | na th | |
| olikh | Parket Ro | Nadi | 12 | 18 | 2 | | | 귷• | ٠. | 100 | ã | į | 2 | 18 | E. | E S | 90 | Ē | 2 S | |
| 100 | A PART OF STREET | Goela ki Nadi Ruppat Shikasta | Dawer Cir lo | Akba Jita | 7 | De lebera & Nadi | Nodi Nala | 1 | 200 | , de | Shejuris Revon to Talan | Dedalla ka Talad | raiak ka Talas | Lobaron ks Talao | Sadarlal &s Wadi | Kakeriya ki Ru | Naya Talao | | 100 | |
| . Rapput Bolikhara | Gandbonki Rupi Mahis Gomaka Gudha Keshaka Mnoklawas ka. Jut ya ka Talao Tarke ka Talao | Goel | Ä | Akh | Amperica Falso | 30 | Po Z | Support Dad! | Kusels | EZ. | S P | Ď, | į | Lobs | Sada | K. | Nay | Ė | Enprot 55 tarts | |
| | • • • • • | | Total | 1 | • | • | _ | • | _ | • • | • | ••• | • | • | • | _ | • | • | • | |
| Ditto | District the printer of the printer | 00 150 150 | ۴ | Tadghar | Ditto | 183 183 183 183 183 183 183 183 183 183 | Ditto | es SS | 22: | 22 | Ditto | 2 | Ditto | Ditto | Ditte State | 200 | Ditto | 2 | Ditto | |
| | 55588 | 88 | ١ | - | 42 | ₹2 | 2 | 2 | ; | _ | | 3: | 1. | | 31 | R _ | £ | 0 | 7 | |
| 1 | 5854 | 2 | 1 | 3 | * | 25 | \$ | 3 | | ī | | 95 | 3 | _ | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | _ |
| | | = | 10 | | : | - | | | | | | | | | | | | : | :2 | _ |
| 3 | 522222 | 2 | 57 | 153 | 83 | 82 | 2 | 53 | 223 | 22 | 22 | = | 2 | 2 | 7: | = | 22 | 3 | | - |

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, etc .- continued,

| | | . 0 20 | - • | -v A. | 1111 | ב דומנט | IJ | em e. | IN IL | UF | . A | HE | | | | | | | |
|--------------------------|--|--------------------------------|-----------|--|-----------------------------|----------------------------|----|------------------------------------|---------------------------------|------------|-----------------------|-------------------------------|---------------------------|---------------------------------|---------------------------|----------------------|---------------------|------------------------|---|
| | Ввилька, | | | Tank broke this year. | water from Bhim | Cultivation in Agor. | | Ditto ditto. | for the wells along the | unit au. | The lower rate is for | the ods. | Kheiatlai burat this sear | • real curis office to the last | Beastits wells, Ditto. | Cultivation in Agor, | nenence wells. | Foundations only laid. | |
|) x • | oga 10 ounover 101aV/ | _ | - A | ŧ : | : : | ::: | | : | | i | ئة: :: | :: | :: | | :: | : | | : | : |
| • | Water revenue of lift | <u> </u> | 13. | :: | | ::: | | f | :: | : | 23 | :: | 1: | : | :: | : | | : | E |
| слог. | Water revenue of Pac | | ₩ ₩ | ∞ ω | | :8°° | | 6: | :: | 124 | 8 | : : | 92: | 5 | : : | : | | : | : |
| | Area of Agor. | | | ₹: | တင္ | 3 : □ | | 101 | 4.03 | :: | ; | | 225 | | : | ₹7 | : | | : |
| Talabe abba in acbes. | lrigated by lift. | | | :: | : | : : : | | : : | :: | :: | = | :67 | :: | : : | · • | : | : | ; | ₹ |
| TALAB IN A | lrri gated by sluico. | | | ဆက | # ; | ရွ က | | 9: | :: | ਲ : | <u></u> | 86 | 3 ; | ≓ : | : | : | : | | : |
| | .otar-rato. | ncluded.) | Rs. a. p. | 0 15 0 2 0 6 | 2 0 6 | 12 00 00 | | 0 : | : : 9 |) | 4 % 00 | • - | : :: | : | : | : | : | 2 | |
| Ватив. | Boil-rato . | TEHSI L TODGH U B (concluded.) | Br. a. p. | 0 10 0 | 0 7 6 | 0 12 0 | | 0 15 0 | ::* | ⊃ * :` | 40 | _ | := | : | : : | : | : | 0 75 0 | |
| | On Talabi, Boil-rato | LTODGH | Rs. a. p. | 1 8 0 | 8 8 | 23 23 00 00 | | 8 :: | : : 7 | en ; | 200 | 000 | iα | · : | : | : | : | 3 13 0 | ļ |
| | Name of Village. | TEHBI | | Derian Dhoti | Dirto | Samelia Sunar kori | | Pitto Kakra | Ditto | Ditto | Kaletra . | Kahari Kaladeh | Ditto Ghata | Mundlan | Ditto | • | DItto . | Naloi | |
| | Name of Tank, | | | Derian-ka-Talao Simburia-ki-Bariaka | Neri-ka-Talao Chipi Kuri | Samelia-ka-Talao Semlia | | Pautin-ka-Talao Jaipa-ki-Rupput | Roparei-ki-Rupput Devi Sagar | Thara Bala | Phul Sagur | Kabarl-ka-Talao Naya Talao | Khejarlai Naya Talao | Rupput Sanbor | Dukarian-ka-Talao or | | Buppataa Tamam asar | Bata Bhata | |
| · | 19. of | | | | ••• | ••• | | ••• | ••• | • • | • | | | | • • | • | ٠. | ٠ | |
| | Name of Circle. | | | Todghur Ditto | Ditto | | | | | | | Ditto | | | Ä | | Ditto | Ditto | _ |
| n Per | Namber of villages i gunna Note Book, | | | 88 | | 200 | | .22 | | | | 8 5 | 88 | | : : | | : | 7 85 | _ |
| | elliv 10 radmuli lairag | | | 52 | :: | 88 | | :8 | : : = | <u>.</u> | 8 | 63 | :9 | <u>~</u> | : : | | ; | | _ |
| AL DER, | Of tanks in disrepair. | | | :: | :: | :: | | :: | | 12 | : | | : : | | :: | | <u>۾</u> | : | _ |
| Serral Rumber, | Of tanks in repolt. | | | 818 | 88 | 200 | | 868 | 888 | • | ਲ ^ਦ | 8 8 | 200 | 98 | 88 | | | ä | |

| Fills the wells. | | | | There is also a village tank. | This tank has but a small catchment, and all the | out. | | | This tank is just behind the village The abi is enbruerged | table | Ę | This is a broken and natices | gated from a village nadic- | | The actions of a second | | The rate Sp. 2-3 is for the | tank Rs 2 13 for the ode | from the Parmaried tank. | Tank does not hold water. |
|-----------------------------------|------------------------|---------------------|----------------|-------------------------------|--|---------------------|-------|------------------------------|--|-------------------------|---|------------------------------|-----------------------------|---------------------------|--------------------------------------|-----------|-----------------------------|--------------------------|--------------------------|---------------------------|
| 1 | [| 1 | | 1 | | 83 | r. | -45 | 1 - 1 | . 2 | ត | · · | : | ** | 8 | 12 | | | ŧ | ² i |
| , | ş | 0691 | <u> </u> | | ٠, | • | | 1: | | ٠, | | | * | • | 1 | | E | : | , | ı |
| ٤, | 2 302 | 183 | Ì | 3 | 3 | 13 | 2 | :23 | 85 | . 25 | 22 | | - | 121 | 9, | 3 | • | • | | • |
| ٤, | 818 | 3 | i - | 23 | (· p | 23 | 9,1 | *## | *24 | 7.5 | 235 | - | 21 | 90 | , 2 | , , | . 8 | , | | • • |
| = | 8 | 12 | 1 | | 2 : | | _ | . 1 | , | • | ŧ | | • • • | | : | | ž | , | , | į |
| â | 2 | 9 | | 2; | : 9 | 2 | 3 | 222 | 28 | , 2: | 22 | , | 1 | 128 | 32 | 2 0 | - | | 191 | |
| 9 13 0 | | , | | 50 | | 3 0 8 | 00 | 000 | 1 1 3 5 5 6 5 6 5 6 5 6 5 6 6 6 6 6 6 6 6 6 |) | 00 00 | | | .00 | | , | 1 0 0 | | 000 | |
| 9 22 0 | , | | | 7. | | 9 22 9 | 22 | 222 | 0 27 0 | | 00 02 00 | | 222 | 25 | 223 | 2, | • | 2 | 221 | |
| 99 | | | | 213 | 10 | 3 33 0 | 24 | | 2120 | • • 2 | - | : | - | | 20 M | . 2 | - | 2, | on H | |
| Ditto | | , | PERSIL DEAWER. | Andhidaori | Ditto | Beangy | Ditto | Barts Jagge. Barts Sha na | Beneori | Baseay Bhagrwachoora | Shelan Barlan Ditto | Difto | Bhyrouthers | Fathriewas Fortappoors | Tikrava Golavan Tikrapa Maldratan | Thakarwae | Thent Thek | Jalla, Int | Jugpodre | |
| Lelpcorn-ka Talao Rupput Dhara | Total Todghur Circle . | Grand Total Todgbyr | | | Nya Talao Motiyan | Bartanwals of Shim. | | • | • • • | | Nays Islad I Kranswale Baclan Bunghurwala | Ditto | blesta | | Sirole | Usarlys | Gaon Upperla | <i>-</i> | • • | Days Taiso. |
| - | | | | | • | • | · | • | • • • • | | | • | • | ••• | • | · | - | • | | • |
| Ditto | Dutto | D tto | | Beamar | 52 22 23 24 24 25 | Ditto | Ditto | 500 | 200 | Ditte | 225 | Dicto | Dicto | orte Sta | 53 | Ditto | Ditto | Difte | Pite | DIKE. |
| _ | | | | | • | 8 | _ | | 3582 | | 34 | 55 | 23 | 32 | 289 | 2 | 8 | 덛 | 38 | |
| | | 1 | | | 14 | * | - | er- | -92 | 22.20 | | | 124 | 38 | 3 = | žį, | 22 | Z. | a ra | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | 8 | ٩ | | | ٦, | | 1 | ; ' | 1 | | , ,' | , | * : | _ | , | ŧ | | | , , | • |

| | ussessed in a lump sum, etccontinued. |
|-------------|---------------------------------------|
| , | */ 22 |
| | 3 |
| 70110110 1 | 20000 |
| 1030 | |
| 20 | |
| 1,008 | |
| ant | |
| r th | |
| othe | |
| sks . | |
| $T_{a_{i}}$ | |
| nent | |
| ernı | 1. |
| Gor | |
| d | - |
| 36 | 11- |

| _ | •• | | REI | ORT | ON THE | SETT | LEMENT | OF T | н́е |
|--|-------------|-----------|-----------------------|----------------|---|---|---|------------------|--|
| trice of the detail sum, etc.—continued. | | | Вемака, | | | , | This broken Rapput is on the nullah, | . | There is no irrigation from the tank, as a milab intervenes between it and the culturable land. This villege received water also from a village tank in Pakh nriawas. |
| , elc | | | der rovenue of Agor. | - | | 355 | e :::: | : | : 7 : : : : : : : : : : : : : : : : : : |
| 81177 | - | | ater rovenue of lift. | AL . | .: B | ::: | 50 | : | : :: ⁸ :::::: |
| ממווו | · - | JOU | ater revenue of Pace | w | 1 11 22 2 | ខ្លួ | 35 : : : | | 3.5. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. |
| 2 23 2 | - | | rea of Agor. | v _ | 13 | 55.0 | 3 [®] : ! : : | | 23 23 30 27 28 8 27 28 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 |
| 17 173 | TALADI ABRA | IN ACRES. | rlkated by lift. | 11 | 1:: | :: | : "72: | | : :: * : : : : : : : : : : : : : : : : |
| 0000 | TALAI | Y. | rigated by sluteo. | 1 | 288 | 36 36 | £ : : : | | 3240 37 |
| | | | Valet-rato. | | Ze, a. p. 1 1 0 1 13 0 1 4 0 | 1 1 0 | 6 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 | | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| • | BATHS. | | On Talabi. Soll-rato. | nued. | Rs. a.p. 0 7 0 0 10 0 | o | a : 22 : | | 0 7 0 0 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| | | | On Talabi. | R -conti nued. | Zt. a. p. 1 0 0 1 1 1 1 0 0 1 1 1 1 0 0 1 1 1 1 | ၁၁ ၁ | : EE: | | 000000000 |
| | | | Name of Village. | TEHBIL BEAWU | Jethghar Janharkhera Durgawas Dungar Khera | Daulatpur Bala- blyan. Daulatchur Dbola Danta, 18t | Ditto Ditto, 2nd Dhobo Dowatan Thek Barin Hira. | Rabmankhora | Rampoor Mowatan Rampoor Gyaun Rampoor Duda Ruthpor Surdura Ditto Bamera Mahoja Ramsar Balahiyan Ramsar Balahiyan Ramsar Balahiyan |
| | | | Name of Tank, | | Moringa Janlarkhorawala Durgawaswala Dungswala | Andp Sagar | Amppur Salkasta Rappur Ditto | Rahman Kherawala | Nadi Rampoorwall Gyanavain Ditto Chapra Serola Serola Malala Maluola Ad Dichu Chapra |
| | | | Name of Circio. | | Beawur Ditto Ditto Ditto Ditto | • • | Ditto Ditto | Ditto . | Ditto |
| $\ .$ | | ui : | Number of villages | | 88772 | 88 | 92 | 8 | 100 101 103 104 106 106 108 |
| - | | | to redmin Minist | | 33338 | | 32 | 88 | 86 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |
| | NUXUBE. | | Of tanks in disrep: | | 11111 | : :° | 111 | : | 11 111111 |
| | ~ × | • | ringer ai salant 10 | | 38228 38228 | 22.83 | 22,58 | 28 | 20 30 32 32 32 33 33 33 33 34 35 35 36 36 36 36 36 36 36 36 36 36 36 36 36 |

| This is a broken Rupput. | The talable is in the list of large tanks. | lrrigation sometimes from ods. This willage receives water | from Sarbens Taino There is a natural reservoir called Sacur to this wifage. | ough the each his poor little tach | | A very poor little tank Broken since 1963. | The Buppet feeds the ods, There is also a village tank | This is on the nullsh. This was built some 13 years ago Thus tank is little better than a ned! | Sometimes frigated by ods. | Benchts the wells Ods on Kankunkur |
|------------------------------------|---|--|--|---|--|---|---|--|---|---|
| 22 | ~#Z# | | | ,E 21 | ถถล | 23 | * = | , ,251 | | ı ı≌ ; |
| | 1: | e . 1 | | 1 | | | ett 🚣 | : 1 | , , | 5 '5 |
| 12 5 | ۹ , ۹ | , S | | 91 5 | 52. 2K | 82 | \$ 0 | 1 22 | 28230 | 78 B |
| 22 2 | - Mus | 2 | a | 25-2 | 2227 | -32 | ,a = | * 025 | 25 Ze | , 22 3 |
| . , , | . 1 | • | | 1 | 1 | | '8 ~ | • | 1111 | n 12 14 |
| 2 8 | 0 ,25 | N e | = | 524 | 3222 | #33 | # " | 1,022 | 12220 | og g |
| - 12 | - | .00 | 1 | 0 0 | | 00 | - 20- - 20- - 00- 00- | ; | - mass | 140- 240- |
| b 4 | . 25 | 20 20 20 20 20 20 20 | , , | | -225 | 150 | 0000 0127 0000 | 1 1 12 | 22722 | 4222 |
| 10 4 | | 225 4 | | | 0000 | | 0000 | | 00000 90999 | |
| | - ** | *** | . * | #64 | | 000 | | | **** | n n-16:2 |
| 20 | Rajpoor Buchan D'tto Ru lan Khera Retunpoor Jhunta | Ditto Suradbus | Surgaon | Ditto Sarmslen Sartana Sartana | Sahespoor Dito Sohawa Singharia | Genla Saideria Shabpoor Kalinjar | Futbabur Fathpoor, 1st D. 100 Futbpoor 2nd | Ditto Uptto Editavat Editavat Editavat Editavat Edito | Kuralpoor Khirol Khera Khada a Khera Khadla Khera D tto | D tto Khers Dad Karrybor Pars |
| • | • • • • | • • • | | • • • | • • • • | | | | | |
| Phuta i also Kanja ke-valewalla | Nahurporwala Nahurporwala Sura Raori Ratunporwala | Roberth Paulle Burput Reslawals Klara Bala | Nara Talao | Sager Samultanwala Naya Talao | Nadeo Jasgarala Jasarala Dadia Ba | Semia Galdaria Sandia | Esthebureals Rappot Retappoor Batupporreals | Rapput Sh kasta Nayi Nadi Rapput Shikasta Naya Ja ao Gaon ka Talao Kastia | Kusalpoorwala Ehiroi Eherawala Ad Khada Khada | Bupput Dhola Dun Rupput Dand Naya Talao Dorka |
| | | ••• | | | | | | | • • • • | |
| Ditto | | | Diffe | 2233 | | | | | | 2424 8 |
| 100 | ## ## | | 130 | 255 | | 122 | 55 | | TTEE | 248 S |
| | 33 82 | 2 2 | 2 2 | 122 | 28 | :222 | 88 8 | | FREZ | 2222 |
| -;- | 1 1 1 | | | • | , : | | | P2= | | |
| *# | 8 8 | 183 | 8 | 223 | 3271 | 3332 | 222 | ZZZ | 22422 | refe I |

| .nanun00018 |
|--------------|
| sum, |
| dunj |
| in a |
| assesse. |
| s been |
| has |
| revenue |
| to hose |
| \$ hose |
| than |
| other |
| Tanks |
| f Government |
| 282 07 |
| |

| TALADI AREA Control | | | Вемавке. | | | This Rapput has silted up. | ; | Benefits the wells a little. Ditto ditto. | The talabi ls irrigated in- | | Lingated also from Kanawas, | The tank is a poor one and leaks. | This is on the nullah. The Pacebor is irrigated from Sarbena. | The tank supplies water to the town wells, but loaks and does not irrigate. | | Broken at the time of meaurement; benefits the wells. |
|--|--------|---------------|---|--------------|-----------|----------------------------|---------------|---|--|---|-------------------------------|-----------------------------------|--|---|--|---|
| 13 15 15 15 15 15 15 15 | | Kor | Vater revenue of A | | Rs. | : | : : | : • | | | :¤ | :: | :: | ::: | :: ₄ 2 | 1111 |
| Talabi. Solitor Ditto Ontwaron-k-Nadi Mandavas Ditto Dit | | .aji | il lo onnevor retaV/ | | ₽3. | : | : | : | ::: | | :: | : : | :: | :: | :::: | :::: |
| Target T | •xot | loon | T lo ennsver retaV/ | | Bs. | : | : | :: | . 10 7 | | 22 | e : | :: | :: | 273 63 28 | :::: |
| Second Manage M | | | Area of Agor. | | | : | : | 35 | 88 | | 27; | 8 | 18 | 2 | . e 23 2 | :::" |
| Name of Name of Tank. Name of Village. Continued | PREV | | Irrigated by lift. | | | : | : | :: | ::: | | :: | : : | :: | .02 | :::: | :::: |
| Name of Name of Tank. Name of Village. Continued | ALABI | - | Irrigated by sluios. | | | : | : | : : | 5 : | | 122 | ? : | :: | ::: | 200 180 181 | · : : : |
| 12 12 12 13 14 15 15 15 15 15 15 15 | E- | 1 | .oinr-rainV | nued. | Zs. a. p. | : | : | : : | :°: | | 4 | e : | :: | :: | :000 | :::: |
| 12 12 12 12 12 12 12 12 | BATES. | | Boil-rate. | JB-cont | Rs. a.p. | • | : | :: | : 2: | | :2 | 4 : | :: | :: | :222 | :::: |
| 12 12 12 12 12 12 12 12 | | 1 | On Talabi. | BEAW | | | : | :: | :23 : | | c 41 | ო : | :: | :00 | 000000 | 2::: |
| 15 15 15 15 15 15 15 15 | | 1 | | TEHSI | | • | Garhi Thorian | Govindpoora | Ditto Lakina Mandawas | | Malpoor Kaliawas Malipoora | Mandera | | Nyanagur Ditto | Nayasar Narbad Khera Nundri Maldeo Ditto | Nundri Medrntan Ditto Ditto Harajpoora |
| 15.23 1.15 | | | Name of Tank. | | | Nagan-ke-borewala | Ruppnt | Phuta Bala Gora Chaura | Rupput Jalea-ki-Nadi Kundal Naya Talao | | Chumaron-ki-Nadi . | Dholf Chat | Rupput Shikasta Naya, Talao Nahar | poorka. Becharli Rupput Palwala | Narbaddia Sagar Narbaddia Singhriawala Chota Talao | Kalalia Nadi Shikasta Rupput Nudri |
| ### 1 | - | | ¥ • | 1 | | | | • • | • • • | • | • | • • | | 9.0 | | 2222 |
| Herrich Lander of Villages and Period Mumber of Villages in Period Serial Mumber of Villages in Period | | | Kame (Cirole, | | | Roam | Ditto | Ditta | Ditte | | | | | | | |
| -803hiliv to radmuk lairab | - | - | Enguna cana unung | | | | 203 | | | ~ | | | | | | |
| 1 HAR 1111 1111 1111 1111 1111 1111 1111 | | gea. Per | silly to redmn's leired | | | | | | | | | | | | | |
| U W D 1 | RIAL | MBER. | Of tanks in repair. Of tanks in disrepair. | - | | | | | | | | | | | | |

| The unter from Kallenokur tank flowr through this Rapput, | There is no states to the | tank. Kack feaks and is usoless. Liss elled by. Ditto Altro. The Rupput is broken Irel | fragation productions from | oos, Hee a lted up, Pacchoo is in Rainsmos | These two tanks are practi | Water goes toto Clebail | |
|---|---------------------------------------|---|-------------------------------|--|-------------------------------------|--|---|
| ': E | 2 | 1 11 | ŧ | 1 , ,8 | ~~ | 111 11 | 1122 11 11 |
| : \$ | 1 | 1, 2 | | 'n. | 1 | 1 ; | 21111 111111 |
| 100 8 | ١ - , | #11 1 | \$9 | 21 53 | | 2: 2no 1 | 11,22 11 |
| = 1 | 1 -12 | ** ~13 | 9 | , , 2 2 | 7. | * 22~ | 88,48 Hr. A |
| 1 1 | 1 1. | 11::: = | | 1:3: | ١, | 11: 11 | **1 11 111 |
| 7-12 | ١٠. | •, | 53 | g . 25 | - | - Fun ! | ** ,55 , ~55 |
| 00) | 1- | • • | ~ | 0 000 | | | 00 00 |
| m- | 3. | a w | | - +m- | | | 24:1 00 t |
| 00) | j . | • • | • | | | 0000 | 00 00 |
| 122 | . a | 211: 0 | | 0 000 | | · | 1 22 00 , |
| | | | | | | | |
| 00 | • | | • | 0 000 | | • ••• | 00 00 000 |
| 00 | 8 : | *; ; o | 000 | u 000 i | 11 | 0 000 0 H+4 | 24 100 1000 04 100 1000 |
| | 00 1 | | 300 | w #44 | 11 | | na nu umu oa too faaa |
| | 00 1 | | Punsira 5 0 0 | | Ditto Chana Mari | | 0 + 100 tana |
| == | :: | Barta Alba 4 Barta Lomba D 10 D 10 D 10 D 10 D 10 D 10 D 10 D 1 | • | Taraghur 2 3 3 1 Jain 2nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1 | | | Baon and |
| == | Amgabar 3 8 | Alba a 4 4 Lourba | Paneira 5 0 | w #44 | | | Baon and |
| Rupper Gallewell, Himmethore 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | Amighurana Amighut 3 8 | Tochu Barranh Barta Alba Gantha Barta Anna Anna Anna Anna Anna Anna Anna An | Natewals Punsira 5 0 | Practice of Practice of Practice of Particle of Partic | Belmatkela Ditto Chantemala, Chante | Kales Ditto 2 6 1 | Deck Billion 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| mela Hinnethoof . 3 3 2 oth j . Ditto . 3 3 | Amigharasia Amighut 3 8 | Deto Iven Barrenia, Burta Alia 4 4 Deto Chaltenia Brena Carta Camba Deto Public-Alexagest Dito Deto Ganco para (Dito Carta Car | Punsira 5 0 | Taraghur 2 3 3 1 Jain 2nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1nd 1 | Belmatkela Ditto Chantemala, Chante | Ditte Nets Ditte David |
| Rupper Gallewell, Himmethore 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | Amighurana Amighut 3 8 | Tochu Barranh Barta Alba Gantha Barta Anna Anna Anna Anna Anna Anna Anna An | Natewals Punsira 5 0 | Practice of Practice of Practice of Particle of Partic | Belmatkela Ditto Chantemala, Chante | Ditte Nets Ditte Deck Billion 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| Ditto Ruppet Settlewek Himmetrose 1 1 Ditto Montery Second 1 Ditto The Character Total Ciris Beaver 1 Ditto 1 | 7 6 Chang Amighurais Amighet . 3 8 | Deto Iven Barrenia, Burta Alia 4 4 Deto Chaltenia Brena Carta Camba Deto Public-Alexagest Dito Deto Ganco para (Dito Carta Car | Ditto Naturals Punaira 9 0 | Disco Practiced, Tracking as Rep. 2.2. Disco Discourse and Practiced and | Dito Belmiltela Ditto | Ditto Meta | The content of the |
| 9 200 Ditto Grayet Schiswig, Himmetroon 1 2 2 2 Ditto Ditto Grayet Scottel Ditto 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 | 97 6 Chage Amighuwala , Amighut , 2 8 | 11 D C | 64 Ditto Nelewals Punsirs 9 0 | District State of Sta | 20 Ditto . Chanteels Chans Minst | Ditte Sites Ditte 1 c | B Die Darbeite Diese S S Diese S S Diese S S Diese S S Diese

List of Government Tanks other than those whose revenue has been assessed in a lump sum, etc.—continued.

| | Ввилокв. | - | | | | Bonofits the wells. Bonefits the wells. |
|---------------------------|------------------------|---------------|-----------|---|----------|--|
| , r | Vater revenue of Ago | | RB. | :::: | 2 2 | ::2:::::::::::::::::::::::::::::::::::: |
| •• | Vater revenue of litte | | Rs. | :::: | 184 | ig :::::::::::::::::::::::::::::::::::: |
| срок. | Vater revenue of Pac | | Rs. | £ :: 8£ | E | 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 3 |
| | Area of Agor. | | | 12 20 22 | 380 | 0 : 2 : 2 : 2 : 2 : 2 : 2 : 2 : 2 : 2 : |
| CARBA | Irrigated by lift. | ĺ | | ::::: | 122 | ° 111111111111111111111111111111111111 |
| TALABI ARBA IN AQUE 8. | Irrigated by sluies. | | | 1 :182 | 95 | :: 12 |
| | .1Vater-rate. | led. | Rs. a. p. | 111 6 13 0 0 113 0 | : | 6 00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| RATES. | SoH-rate. | - contin ned. | Rs. a. p. | 0 00 | : | 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| | On Talabi, Soli-rate. | BEAWUR | Rs. a. p. | 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 | | 444666 4 4 6 4 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 |
| | Name of Village. | TEHSIL B | | Naikalan Ditto Nai Khurd Naya Khera | | Akbayghur Amrpoor Bar Ummedpoor Jo Bonto Ditto Barkechran Ditto Barkechran Ditto Burkechran Ditto Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burkechran Burker Khird Khird Khird Khird Khird Burker Khird Khird Khird Burker Khird |
| | Name of Tank, | | | Powariga Lasaniga Bor Talai Mchala or Bankio Upurla | Chang | Dadra Naragan Deowala Nadi Bajora Sumrai Genra Frutia |
| | Name of Circle. | | | Chang Ditto Ditto Ditto | Total | Shamethur Ditto |
| n Per- | Rumbor of villages i | | | : 23: 13 | :1 | |
| | Serial Number of vill | | | ដ្ឋ :ដូដ្ឋ : | : | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| IAE Bab. | of tanks in disrepair. | | | :e3 : 1 : | 2 | 18 11 15 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 |
| SHRIAL NUMBER. | Of tanks in repair. | | 1 | 8 655 | ध | 101 102 103 103 103 103 103 103 103 103 103 103 |

| | | Water revenue will be levied when this tank is repaired | | | when the tank is repoired liring ion also from ode | Pacebor is in Rhers Danti Pacebor is in Rolean Khers, | | Parettor la la Fatabpoor | Water revenue will be assess- ed when the tank is re raised. | | Perebor is to Butlan. | |
|--|--|--|--|--------------------------------------|---|--|---|---|--|--|-------------------------------------|--|
| Z. | ٠. | 1 | | · , | | 1 | | | 3 | 1, | 1 | |
| 1: | | :: | : 1 : | ;; | 1 1: | | : | | łe s | : 1 | 1 | |
| r a | 250 | 191 | 23 | :3 | 22 | : \$ | 223 | 2 | - a | ឌ ដូនី | 202 | £3 |
| # 2 IS | 324 11 | 28 | 122 | *2 : | # p | upağ. | -g- ; | 222 | | *** | \$1 | 3. |
| - | | ٠, | 1 2 | | , | :11 | | | • | | 1 | 11 |
| g 8 ; | 300 | 22 | 42 | 2 | 23 | n | 220 | 2 " | | a og | 7 | 22 |
| | | | 1 000 | | 00 | • | 000 | • | *** | 0 60 | , i | 00 |
| 9 6 | *** | 94 | M44 | | | | ~~~ | , | | | , ' | |
| | 000 1000 1 | - 0 | 990 | | . 22 | 1 % | 000 | • | *** | 0 00 | • | 45 |
| | | ÷ | 522 | | •• | 1 % | 000 | 2 2 | 22 | : :: | . , | H0 |
| | 900 1991 | 22 | 000 | 2 2 | | | 000 | | 20 | 0 00 | - | 90 |
| , 4 | 2221 | 011 | | 5 6 | | • | ~~~ | | | 4 85 | 918 | ∢0 |
| Dhyron Kharo (Jethghur) ndlawa D Ro | Ditto Sinto | Ditto Jethpoor Mananegla Jethgbar | Jitakhera Jayaskar Dungukera O tto | Deckhera Deckhera (Mana nagis) | Barpoor Grats | Baralpoors Saro h | Surita Ditto | Sawajus Chalaphor Shekhawas Shekhawas | Sheopoora Sheonaga Umrlani | Fathbour Fa a Khera Kana Khera Kana Khera | Kaladara Kaladara Kheta Khera | (Sasmebur) Kherks Khers Kesstpoor Rattun |
| • • • • | | | | ••• | | •• | • | • | | | | ••• |
| Safella Rejwa Phulla Rapput | Kunpa Baori Golla Danda Baj wel rel | Goranda Jethparwala Silota | J tewala Changa kt rel Dungar K kerawala Sankea Bhata | Dec Kharawala Rac ka Chaura Dadela | Naya Talao Ratnpoorwala | Rate Dista Mappot Negarion | Sakhtawale Rad Belly yan | Birka Taka Dadela Ghatessia | Asan ke-nale wala Ban a Bas Andi | Dadela Hankra Andl Gaouwala | Kundis Nera Falao Ebetawala | Kherika kherawala Kesmwais |
| | | | | ••• | | | • • | | | | • | |
| Ditto Ditto | ###################################### | 2222 | 12222 | DE CE | 1 | 2883 2000 | 2553 2553 | 1000 | Ditto | Ditto Ditto | Ditto Ditto | Dutto |
| g 15 | 8 | 28 | 222 | 28 | | 1000 1000 | <u> </u> | 12 E | | 222 | 177 | 385 |
| 13 2 | ğ : 1 | 33 | 153 | 1268 | 43 | 222 | 163 | 155 | 158 | 163 | 164 | 22 |
| 123 | 3,8 | gg 5 | ₹ : | . 9 | 1 | | 2 , ; | | 2 | ,\$ | ţ, | |
| # F | REE | ŭ | 1111 | 127 | 38 | | 202 | 139 | 35 | E 23 | 145 | 82 |

| , etc continued. |
|------------------|
| 38677 |
| lumi |
| in a |
| assessed |
| B been asse |
| 20 |
| revenue l |
| rohose |
| those |
| han |
| other 1 |
| l'anks |
| iovernment T |

| | Ввидпке. | | | | The land under these two | Rupputs is mixed. | - | | - THE | | This land is irrigated from the drainage channel of | Sringgent Tank. There is sometimes a little | irigation. Bonefils tho wells. There is no sluice. |
|-------------------|------------------------|-----------------|---------------------|-------------------|------------------------------------|----------------------|------------------|----------------|---------------------------|---|--|--|--|
| <u>"</u> | ORA lo sunsvor relay? | | Rs. | : | ::: | ::: | 81 | 1,403 | | :::: | :: | : | ::: |
| | Water revenue of lift. | | Zs. | : | ::: | : : : | ಜ | 714 | | : ² : | :: | : | ::: |
| срох | Valee rovenuool Pac | | Rs. | 53 | | 13.0 | 3,200 | 0,759 | | :::82 | :21 | : | : :[|
| | drea of Agor. | | | 13 | 3°: | 13 | 749 | 3,232 | | ::8 | :: | 62 | : [®] ह |
| I AREA | Irrigated by lift. | | | : | ::: | ::: | 23 | 295 | | : :ª : | :: | : | ::: |
| TALLDI ADEA | Irrigated by slutec. | | | 17 | 110 | 910 | 913 | 3,603 | | .:. 27 | :" | : | : :8 |
| | .otor-rotoV | oncluded. | Rs. a. p. | 3 3 | 688 888 600 | 86 87 90 | : | : | | ,1 15 0 2 13 0 | . 1 | : | 2 13 0 |
| RATES. | Soll-mto. | WUE-c oncluded. | Rs. a. p. | 0 12 6 | 0 16 0 0 15 0 0 15 0 | 0 15 0 10 0 0 | : | : | | 0 io 0 10 0 | 0 iii 0 | : | 0 II 0 |
| | On Talabi, Soll-mio. | SIL BEA | Rs. a. p. Rs. a. p. | 3 14 6 | 3 12 0 3 12 0 13 0 | 3 2 0 | : | | | 38 78: | 4 iii 0 | : | 3 8 0 |
| | Name of Village. | TEH | | Kegarpoora (Sham- | Enuly. Lulta. Ditto | Manan Nagla | | | TEHSIL AJMERE. Baheran | Jalaora Dhigarea Ramsar | Srinukgar Thok Baglepeora. | Kana Kheri , | Kekri Ditto |
| | Name of Tank. | | | Relawala | Gorana Bhim Buput Goranawali | Bhindakar Gophara | Shamehur, Cirolo | Telisil Beawur | Anandpoor-ka-Talao | Rani Sagar Barol Tank Rambari Rupurt Shibashta | Sringgar | Kana Kheri-ka-Talao . | Bara Darya. Kesholao Nilwali Nadi |
| | Name of Circle, | | | 200 Shamghur. | Ditto Ditto | Ditto | Total . | Total . | 1-4 | 50 Ditto | | 82 Ditto . | 95 Ditto Ditto |
| | Number of villages r | | | | | 171 241 | <u>: </u> | <u>: </u> : | | <u> </u> | | ~ | 8 :: |
| | Sorial Number of vil | | | 168 | 1 : : 1 96 | | 12 | 47 | | 9 ; ; 69 | : | : | ::: |
| Serial Number. | Of tanks in disrepair. | , <u></u> | | 148 | 150 | ! | | = | | | | 67 | 03 45 FD |

| This tank has only recently been won the control of the control of the tank wells for a few wells parely chabit | Wellis din the Psechar Three is no Psechar tade food has elled un | The tank is melters; does not hold water Benefits the wells | This tack was led by an back store, the mullah, but is long since age less store, and first tank is markers though cond. Chali in Pecchor. | | Wells in Pacchor Water goes to Government gradan; Agor is seldom cultivated |
|---|--|---|---|--|---|
| 11 . | | | 171 1 1 | 1:1 | |
| | 1. 1 | 1:11 | 1111 1 | 8 8 | • |
| 22,3 21 | | 28 1 E | # 8 P | 33 . [2] | |
| ggen i | # 1124875. | °= , 8 2 | 2 28 1 25 | In H In | 8 1 |
| . "1 1111 | : | 1 11 1 | 1::; | 2 2 | , ' |
| ## A * | 1,, ~\$2, | 14, 20 | ° 2° ' | **= [8] | 11 |
| 52,0 : 5 | 1 1 11 11 1 | nn | g n: 14 | 222 | :1 |
| HI | 1: rr1 | 92: | . 15 i. | 0000 | 1 |
| 20 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 1 1188 | en ; ; | u 40 - | - 0000 - 0000 | |
| | 1 | | | | |
| Kekri D tto Ditto Asspeor Gudhi Macas Nrpek | Balwonta B thur Dhawatta Bhimpoora Dracka Gola Ditto | Nandla Ditto Naharpost Natawas Balgbur | Arters Dito 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In 11 In In In In In In In In In In In In In | Lobert Ladore Mebara | Almera Ditto |
| | 1 | 1 | | | |
| Machola Fridala Nabr Nadi Mission Tenk Nadi Harkya | Dhon Nada Ruppu Sh kata Surari Talao Nada Soylon Indi wata Doi wata Di wata Lashingan | | Dadotel "enckofe Tillorpesnwals Bardpoorwals Bardpoorwals Kabkartpawals Gorlawsewals | Naukija Ladpoorwala Mohamee tauk Gangwana | Breauly. Chilla Bibi |
| Ditto | | | g | E | : |
| | | • | | | • |
| 2 2 | | | | | |
| 8 | 2252522 | | 83 A33, A | 1888 | 2 |
| | 1 2252558 8: | n 2 # 1 | 2 A A A A A A | - 222 | |

Appendix I Statement showing the total receive of Symere District

| | | AIMERE AND MHAIRWARRA DISTRICTS | 177 |
|---|---|--|---|
| | Grand Total | 2 | 10 202 97 |
| | Road con | 127. 0 12 | 9 0 |
| | Tolas ces | | |
| c District | Miscallane | 2.00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 2 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| to of assurer | Income Tax | E | |
| totat revenu | Blampe. | 27 4.9 (1972) 4 6 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 | • |
| statement showing the total revenue of symete Militar | Abhares | Arr 6 y 9 6 479 50 9 4 479 50 9 9 4 479 50 9 | |
| Statement & | Customs | 20 of 10 of | |
| | Collections for istumrardare | 100 13 0 7 100 13 0 1 100 13 0 1 100 13 10 100 13 10 100 13 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 10 100 13 | |
| | Govern ment land and re sumed tenu ca | 2 | |
| - | Collections from khaisa villages | 20 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | - |
| ı | 112 | 000000000000000000000000000000000000000 | |

| Appendix J. Statement showing the prices of produce in Ajmere during the famine of 1868-69. | Appendix I. Appendix I. Appendix of produce in Ajmere during the famine of 1868-69. |
|---|---|
|---|---|

| AC | 1 | ŗ | | 43.44 | Toise | Town | Grass. | Bhooga. |
|---|----------|----------|----------|----------|---|----------|----------|--------------------------|
| Month and year. | Y Dead. | Dariey. | zanize. | 17000 | : | | | |
| | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. ch. | Srs. cb. |
| • | | | • | : | | | | |
| • | 16 4 | 21 8 | : | : | 19 8 | 50 | 0 04 | 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| | | | : | : | | | | |
| 1868 | | | : | : | | | 100 | |
| • | | | : | : | | | | |
| | | | : | : | | | | α : : |
| | | | : | : | | | | |
| • | | | : | : | | | | |
| | | | : | : | | | | |
| • | | | : | : | | | | |
| | | | .9 | .: 9 | | | 12 8 | 17 14 |
| | | | 0 9 | 8 | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | | | | | : |
| • • • | | | | | | | | ì |
| • • • • | | | | | | | | : |
| | | | | | | | | : |
| 1870 | | | | | | | | : |
| | | | | | | | | : |
| | | | | | | | | : |
| | | | | | | | | 09 |
| | | | | | | | | 2 |
| | | | | | | | | 2 |

Appendix K.

FORM OF SETTLEMENT MISL.

VILLGE OF BILGWANFOORL, GIRCIE RANSAR PERCUNNAL, AND DISTRICT ATMERS, BHYACHARA. List of papers in the Settlement Mist.

| 1 | - | - | MOTEST AREA. | ARRA | - | | | | TOTAL | TOTAL DEMAND. | ů | | | | |
|--------|-------------------|--------|--------------|------|-----------------------|---------------|----------------|------------|--|---------------|---------|---------|-----------|----------------------------|--------------------------|
| TAIL. | | _ | 1 | | Í | | | | | | | | TOTAE. | | Detailed list of papers. |
| 1 | | _ | - | _ | _ | | LAND BRYGHUR. | | | CHILD | 1 | | | Î | |
| .Rifla | Names of head men | Sha | John Me | | Ehales, Manfee Total. | Khalas | Ehales, Martee | Total. | Total. Ehales. | Maafen | Total. | Kbales. | Magfen. | Total, | |
| ď | _ | _ | - | Ī | | | 1 | | | | | | Re. p. T. | Rs. a p. | |
| - - | | \ \ | 2 | ë, | 0.0 | Be. 4. P | Be. A. P. | 30. P. | Be. a. p Be. a. p. He. a. p. He. a. p Est. a. p. Me. a. p. | | 14 . F. | | | | 3. This list. |
| | | _ | _ | | | _ | | _ | | | _ | | | | 2. Hadbat mep. |
| | _ | _ | _ | | | | _ | | • | | | | _ | _ | 3. Fleld map. |
| | | | | | _ | _ | _ | | | _ | _ | _ | | _ | 4. Village note book. |
| | | _ | _ | | | | | _ | _ | _ | _ | _ | | | 5 Pedigree table. |
| _ | _ | _ | _ | | _ | _ | _ | _ | | _ | | _ | | _ | 5. Index. |
| | | - | | | | - | • | 9 0 79 8 0 | | 20002 | 2 4 2 | 0 28 | : | 7 5 3 850 0 313 3 85 13 34 | 7. Ehateonf. |
| _ | Rama, con of | Jo e | 8 | 5 | 101 | N & IOT TOT W | • | _ | _ | _ | _ | | | | B, Statement of wells. |
| | Вражара | | | | _ | | _ | _ | _ | _ | | | | _ | 9. Lakhiraj |
| | <u>.</u> | _ | | | _ | _ | _ | _ | _ | _ | _ | _ | _ | | 10. Darkbwest. |
| _ | _ | _ | | _ | _ | _ | _ | _ | _ | _ | | _ | | | 11. Wajibular. |
| | _ | _ | | _ | _ | _ | _ | _ | | _ | _ | _ | _ | | 12 Pinel Rubscafe |

| | | | | | | | 7 |
|---------|-----------|----------------------------------|---------------------|-----------|----------------------------------|---------------------|------------------------------------|
| Circle. | Pergunnah | Name of Putwares. | Name of Village. | Tenura, | Khalsa, Jaahire, or ahares | Prevalling quata | Number of yasre in- habited. |
| Rameay. | Ramsar . | Badri gon of Shan- narayan | Bhagwan- | Shyschats | Khalea . | Jat . | 40 years, |

Classification of Area for assessment purposes in Acres.

| | | E | cL | DEI | • | 1 | | | A85 | ESS | ABL | E AB | EA. | | | _ |
|-------------------------|-------------|---------|-----|--------------|--------|------------|---------|----------|--------|---------|-------|------|--------|--------|-------------------|------------------|
| | | _ | Γ | | | Ū. | ATT. | 71° D | 1 | - | ort | YATE | ь. | | Γ | T |
| Name of Surray. | | | | | | _ | [| Ī | 5.00 | regat | ıå | Un | irrig | ojed. | at ed. | 1 |
| | Tatal ares. | Barras. | пп | Rereade fres | Total. | Culturable | Pallow. | Total. | Chabl. | Talebi. | Total | Abs. | Baraul | Zotal, | Total cultivated. | Total nesessable |
| Bevenus sarvey | 43 | | | | • | 3 | ı | | 14 | • | 18 | 3 | 15 | 37 | 35 | 32 |
| Last settlement | 42 | , | 1 | 1 | ه (| 3 | 3 | 4 | 36 | 4 | 18 | 2 | 32 | 17 | 85 | 39 |
| Putwarers' papers, 18 . | | | | orth . | | - 1 | | | | | | | | | | l |
| Ditto, 18 . | 2 | | | tt Jon | otat. | | | 1 | . (| | | - { | | | | ı |
| Ditto, 18 . | BU | ė, | ٩ | itto. | | | | 1 | | | | | | | | l |
| Present moss prement | ١. | | . 1 | ١. | | - 1 | | ı | | | 1 | - 1 | | | | |
| Khalsa | 10 | 4 | - | - | 4 | 3 | 1 | • | 14 | 4 | 18 | | | 10 | 29 | 33 |
| Masfee | 2 | ļ | - | - | | - (| - 1 | | | | _ | | 7 | , | , | |
| Total . | 43 | 7 | _ | - | -6 | 3 | 7 | 4 | 15 | - | 18 | 7 | | ٠, | 35 | <u>=</u> |

Assessment Elalistics.

| Capstilliter. | Part. Pre- | Cupationing, Cart. Pres- |
|-------------------------------|------------|---|
| Area manured | | Number of cultivators (tenants)— Resident |
| | | |
| Percentage on Cultivated | Area. | Non-resident 1 |
| Area under crops— | 1 | Number of owners— |
| 1st order · · · | | Resident 9 11 |
| 2nd ,, • • • | 1 43 | Non-resident |
| 3rd ,, • • • | | Population— |
| Area irrigated | | Cultivating 15 23 |
| Rubbee area • • | -0 | Non-cultivating 1 4 |
| | | Pro h. 1 |
| Pahikhast cultivation . | | Total . 16 27 |
| Resident | | Population per squere mile |
| Area held by maurusce tenants | . 93 | Wells working- |
| " by owners | - 1 | |
| Culturable area | . 10 | Khalea 2 2 |
| a 1 los al | | Moofee |
| Cultivated area per plough- | . 4 | Wells expable of being worked- |
| Khalsa · · · | | *** 1 |
| Manfee | | Mastee |
| Ploughs of residents | . 1 | |
| Joi non-testucino | | Wells out of repair— |
| _ | | Khalea |
| Detail of cattle. | | Maafee |
| | | Character of water- |
| Large cattle— | | Khalra sweet . |
| Bullocks | 30 42 | Master |
| Cows | 15 20 | Average depth of wells- |
| Buffaloes | 7 10 | To water 25 25 |
| - | 52 72 | To bottom 41 41 |
| Total • | 02 72 | Arange cost of a well Rr. 205 205 |
| Bearls of Burden- | | Number of tanks— |
| Camels | . 1 | Marchry |
| · Horses · · · | . 1 | Earthan |
| A = P.C | | Merigani- |
| m 4 1 | . 2 | Amount of land |
| Total . | • | at mercy |
| Sheep and geats | 33 50 | F. L. Col. mars |
| GRAND TOTAL . | 67 124 | Amnorteffani |
| Number of cattle per acre of | | Priva |
| nucultivated | 11 16 | Do-fusitates |
| | | |

Pressure of Revenue

| | P | ROPR | IETAI ATION | RY S. | COL | TOBY EQTI | OF ONS | 8.186xB* | | |
|--|------|-------|----------------|----------|---|----------------|------------|-----------|---|--|
| Astu | BA | L.T.S | Mo | | | | g | net an | Detail of | Rates on cultivated |
| | Land | Price | Land | Price | Demand | Arreage | Remissions | Present : | Conse | land. |
| | | | | | - | | | Ra | Es | Rs a p |
| 1852 1853 1854 1855 1856 1857 1858 1859 1860 | - | | - | | 70 70 70 70 70 70 70 70 70 70 70 70 70 7 | | - | 70 | Inmberdar 4 Zaildar 1 Patwaree 5 District Fund 2 Total de mand 82 | Chahi 4 0 0 Talabi 3 0 0 Abi 1 8 0 Barani 0 5 0 |
| 1861 1862 1863 | - | | | | 70 70 | - | ~ | | | 1 |
| 1863 1865 1860 1867 1863 1869 1870 | | | 2 | 30 | 70 70 70 70 81 70 80 70 | 36 15 10 | 25 15 | | | |

Opinion of Superintendent of Settlement

The village is a small one, but helongs to Jats, and is carefully cultivated. Revenue has been paid with ease except during the famine, in which year there was one mortgage

Proposes Rs. 80

Pedigree Table of owners in the village.

| | ugo Rom Sing Two renorations are villace from Dera came from Naralli ille received as the was a relation of m, and bnilt Bharwana. Ho made a khaisa, illis nadi, and his descen- te since been dants are in possession. both. | iore Jegmalat. Jar got Banna. | Tautoti, and his ciaim was dismissed by decree, dailed 10th Angust 1873. Mana states that Mana states that Mana states that Manadeo lor 10 years manadeo lor 10 years gession, and lives by manadai laboar. When manadai laboar. When poster his shall one can to. | 1) possession. B. b. 14 13 Rs. x. p. 16 9 6 | | | |
|---|---|--|--|---|--------------------------|--|-------------|
| | Thirty rears: cans to tho Bindunyara. 10 bighas bboo s well in the descendants has in possession of | rat. Ratroor, Rabtore Jagmalat. *Ram Sing. | Jedi solais zalB yajiU bolqoba saw yaid osii 10 ozaliv odi oda miala di fara Molaca | lo By possession. B, b. O 16 Bhoom. | ## | Recoived no share, | 6 |
| | Two generations ago Ram Das camo as a faker and bulls a temple to Bagh- natini, Government gare a macico holding of 7 B-10 b. which is still held by the temple. | BAIRAGE, Bamawat, •Ram Dass, †Bajrang Dass, †Bilsy Sin | 2cπ3° | By possession. By possession. B. b. B. b. 7 10 10 13 Manfoe. Bs a. p. | ## } | leas, Absent Left the vil- 18ge, Ont of pos- sossion, Alinov. | 8 2 9 |
| • | About 35 years ago Bhaga- wars, came and settled in the viliage and cultivated some waste family of which his desendants are till in possession as owners. | Bucaut got Mundarlya. Bucaut got Mundarlya. | Has gone to Nearan to live with bis lather-inv. Thann states that Than states that Than sea gone anay. Thank and nothing has been con to be seen to be se | 4 By possession. B. b. A 6 Re. s. p. 0 14 6 | * · · Mark, | Moaning. Aucoetor In possession | Serial No. |
| | About 40 years ago Bhagwana, by the permirsion of Colonel Dixon, founded a hamlet in the wasto and dug a well. Division was made at first by ancestral shares, but the land is beld now according to poseession. | Jer got Naga, Bhagwana. Hana. Baruna. | + Codias, & Bharano, + Gyana, + Moti, Rami, is alive, + Aoti, | sion. By possession. B. b. G. 7 Rs. n. p. 12 0 3 | E A | MARKS USED II MARKS USED II TABLES, | |

Statement of Proprietors.

- 1. Origin of village Soma 40 years ago Bhagwana Jat came from Kurwa and founded a bamble in the waste by permission of Colonel Dixon, and called the village after his own name, Bhagwanpura The owners of other castes j and the community at various times as has been mentioned in the Pedigree Table. Since then it has never been descrited, no land intermixed with other villages, and no tank.
- 2. Division of the property.—Division has taken place by no fixed rule, each held what he obtained.
- 8 Joint Profits —Covners pay per head of cattle in Katik into the common fund. Buffaloes 8 annas, huffaloe crives 4 annas, cows 4 annas, other large cittle 2 annas, sheep and goats one anna. There is a small smount of cultivated land, samilat. Its profits also go to the common stool, from whence the village expenses are paid.
- 4 Mode of payment of revenue—When the village was founded no tevenue was taken for two tears. In the third year it was seeseed at Re. 65, which was distributed over the cultivated land. In the regular settlement it was assessed at Rs. 70, which was distributed by the following rates—Chahi 1-6-5, shi 3 annas, talahi Re 0.0-7, brann 0-3-2. In the present settlement the village has been assessed at Rs. 75 exclusive at cesses.

| morange i | n compo | ٠ ١ | Damina. | DECEM | ' | A CARL ED | -ue | Total Maries | GETAR LOSTY |
|--|-----------|-----------|--------------------------|---|------|--------------|------|--|---|
| By possession D b 1d 4 | By posses | tealqu | 7 B b to 6 Re I | 3 Ja B P | | B b 90 4 | | " B b 17 6 | B b b |
| A tiest: | Non of a | NDers. | Atter | tation of | Unne | a rim | A | itestation of Su | dr Mussario |
| The entries ere in accord- ments and we We have no bl | the with | dour elat | e presence | ed this Ped of all the 5 its entr 6 papers | 035 | pers and | pres | aftested this Pe sence of all the sed mato its our | edigres Table in owners who rectness. |
| | (84) | BAWA | | (64) | Hr | L Bixe. | } | (8ª) 8 | Case Rin |
| | , | PATA | | ith May 18 | 73 | | | 25th July | |

Statement of responsibility of Officials.

| Biguaturo. | Date. | Name of official. | Detail of work. | No. | Attestation of Superintendent. |
|--|------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-----|---|
| هيرا سنگه منصرم | 5th May 1879. | Him Sing | Pedigree Table | 1 |] 8 |
| هيرا سكنه منصرم | 5th May 1873. | Hira Sing | Statement of owners . | 2 | is a Bhyachara ovo, and may bo (8d.) Pouco Max, Deputy Supdi. |
| دزير علي معور | 28th Sept. 1874, | Wazeer Ali | Fairing of Pedigree Table | 3 | 3hynchara one, and Pouro Mar, Deputy Supdt. |
| وزير علي سوهن(ال | 28th Sept. 1874. | Wazeer Ali Sohan Lall | Comparison with rough copy. | 4 | lage is a Bh; (Sd.) F |
| هیرا سنگه منصرم | 5th May 1874. | Hira Sing | Comparison with Khu- teeni. | 5 | correct, the village to be faired. |
| هيرا سنگه منصرم | 5th May 1874. | Hira Sing | Notes opposite each | 6 | |
| پولومل ةيپوئي سپرىدنت | 10th Aug. 1873. | Pohic Mal, Deputy Superintendent, | Final attesting | 7 | attested this Pedigres Table which I found sont 10th Angust 1872. |
| عبدالرحمن منصوم | 20th Sept. 1874. | Abdul Rahman . | Comparison of revenue with Khuteoni. | 8 | edigree Tal |
| هیرا سنگه مذصرم | 18th Sept. 1874. | Hira Sing . | Comparison with decided cases. | 9 | ested this Pedigr 10th Angust 1878. |
| هیرا سنگه منصرم پولو مل دیپوٹی سپرلذنت | 28th Sept. 1874. | Hira Sing } | General recension | 10 | I after |

Index to Khuteoni.

| Number of field. | Number of holding. | Number of field. | Number of holding. | Number of field. | Number of holding, | Number of field. | Number of holding. | Number of field. | Number of holding. |
|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|--------------------------|
| 1 | 7 | 6 | 10 | 11 | 5 | 16 | ž, | 21 | 8 |
| 2 | 2 | 7 | 9 | 12 | ş | 17 | 1 | 22 | 6 |
| 3 | 4 | 8 | 7 | 13 | 7 | 18 | ž | 23 | 7 |
| 4 | 7 | 9 | 7 | 14 | 7 | 19 | 3 | 24 | ē |
| 5 | 7 | 10 | 5 | 16 | 7 | 20 | 2 | 25 | <u> </u> |
| 1 | | | | | | | | Only 25 | fields, |

Klutomi.

Remarks on the mode of distributing the revenue.

The revenue has been fixed by the Settlement Officer at Rs. 75 including Zaildars' and Lumberdars' fees, at the following rates—

| | Á. | | | | | | | | Rs. |
|--------|--------|----|---|------|--|--|----|-----|-----|
| Chahi | 14, at | R. | 4 | ésch | | | | | 56 |
| Talabl | | | | | | | | | 12 |
| Abı | | | | | | | | | 3 |
| Baranı | 8 ,, | * | 1 | ,,, | | | | | 4 |
| | | | | | | | To | TAL | 75 |

The revenue has been distributed over the holdings by these rates, the result was then unnounced to each individual. No objections were offered except by Nanu, who complained that his "nadi" was inferior. Accordingly arbitrators were appointed, who visited the place and fixed a per nore as the assessment of the abi. The arbitrators also decided that the deficiency should be ndded to the assessment of Bijay Sing (Holding No. 5) by an increase in the rate of assessment of his well-land.

The cosses, Rs 7, were then distributed over each holding at the rate of 1 anna 6 pie per rupee of assessment.

(Sd.) ABDUL RAHMAN,

| - | · | | | SETTLEME | ent of | THE | | | | |
|-------------------------|----------------|--|---|--|--------------------------------|--|--------------------------|----------------|-----------------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 6 | 7 | 18 |] 9 | 1 . |
| Hol. | ıtol. | Nome of | Name of culti- | | | | | FIONS. | - | TAIL! |
| Number of Hol- ding. | Name of Patel. | Name of owner with parentage, easte, family | vator with parentage caste,family | . 1 | old. | 10 10 | lean. | Mean. | | |
| Mum | Nam | and residence. | and resi- dence. | | N | North & | South. | East. West. | Barren, | Culturable. |
| <u>6</u> 1 | Ваша. | Rama of No. 1, two shares. Godha and others of No. 2, one share. | Khudkasht of mortgagors. | Saraek Wa | ln. 1: | | 80 | 20 14 25 | | |
| | - 1 | Gyana and others of No. 3, one share. Bijay Sing and others of No. 5, four shares. Total eight shares Mortgagors Karan Chand, son of Hansraj Mahajan, mortgagee. | | | | | | | : | |
| 7 | Do . | Shamilat of the village. | ****** | Nola Ditto . | 1 4 Gosh | a 40 76 10 10 | 51 76 10 | 4 G 4 G 4 G | B. b. 2 6 0 19 0 2 | |
| | | | j | Rasta Nala Gorma Wala Ditto . | 5 8 9 Goshi | 3 3 87 87 83 86 40 40 | 87 80 22 | 22 7 | 4 | 11 |
| | | | 1 | Rasta Ditto . | 13 Gosha | 3 3 3 3 | 3 30 | 25 | | ••• |
| | | | | forma . Ditto . Ditto . | Gosha Alif. Gosha Bo. | 14 11 1 S 0 1 15 16 1 | 50 2 30 2 25 | 6 1 | . 0 | 11 |
| | - | |] | badi . Ditto . | Gesha Alif. Gosha Be. | 18 17 20 20 20 20 30 20 30 | | 8 0 1 | s | • |
| | | | į į | ista Pitto | 23 Gosha | 2 3 2 2 2 2 | 35 35 20 20 | j | | |
| | | | Total . hol | ding . | 9 | ••• | | 7 0 | 5 12 | - |

| Tabbia T | 191 |
|--|---|
| CROL. CROL. Tabloli 24 |
| 6 0 4 0 Jowat Rs. Rs. a. p | |
| 6 0 6 0 Jowat 1 1 1 9 9 The | MARKS. |
| Tr. b | ar bee ad on th rig 1 n a hatas. |
| | |
| | |
| 0 5 0 4 0 9 116 | |
| 011 | , |
| 06 | |
| 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 1 | |
| 0 2 | |
| 1512 | |

| - | | | | | | | | | | | | |
|--------------------|-----|------------------|---|--|---------------------------------|------------------|----------------------------|--------------------------|---------|-------------|--|--|
| - | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | | |
| Number of Holding. | | tel. | Name of | Name of cul- | | | DIME | DIMENSIONS. | | ETAILED | | |
| | | Number of Patel. | Name of owner with parentage caste, family and residence. | parentage, caste, family and resi- | 1 | of field. | Mean | . Mear | n. | Je. | | |
| | Num | Numb | | dence. | | Number of field. | North. | Ea | Barren. | Culturable. | | |
| • | | | | | | | | | | - | | |
| | 7 | Rama. | Shamilat of village. | Dhola, son of Gulla, Jat, of Ram- | Sarhad Wall | a 25 | 36 36 36 | 44 40 47 | 7 | | | |
| | | | | poora, at will. | Ditto . | Gosha. | 38 36 40 | 8 | | | | |
| | | | | | Holding . Shamilat . | $-\frac{1}{10}$ | | | 7 0 | 8 2 | | |
| ! | 8 | Do. | Government . | State. | Road Khalsa . | 21 23 | 185 185 184 | 6 | 2 16 | 8 12 | | |
| | - | | PERMANENT | MAAFEE. | | | 41 | 70 | | | | |
| : | 9 | ··· | Bajrang Das, son of Ram Das Bairagi, Got Ramawat. | Khudkasht . S | Siwana Wala Ditto | 7 Gosha | 42 40 5 10 10 | 64 75 23 20 26 | | ••• | | |
| 10 | | | BHOOM. Bijay Sing and Mod Sing, sons of Ram Sing Rahtore, Jag- malot. | | Rasta Bari- wala. Ditto . | į | 49 50 47 48 50 46 | 75 75 76 5 0 10 | | ••• | | |
| * | | | | | nd Bhoom . | 2 25 fields | | | | 3 12 | | |
| - | | | | | tinago , | TOTAL S | <u>" </u> | ••• | | | | |

| 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 | |
|--|--|
| NAME OF RENT REVENUE | |
| BSIFICATION | |
| Chalicov Abi Total Total Total Total | BR# |
| B b B b B b Bara - 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 | |
| 7 4 7 4 Mung max efual fre of temple habba haba habba |

BEPORT ON THE SETTLEMENT OF THE Responsibility of officials for the Khuleoni.

| - | | | | | |
|------------|--|--------------------------------------|------------------|----------------------------------|----------|
| Serial No. | Description of work, | By whem done. | Date. | Signature. | BEMARKS. |
| 1 | Attestation of Khutconi . | Hira Sing, Munsa- rim. | 15th April 1874. | العبد هيرا سنكه منصرم | |
| 2 | Attostation by Superinten- dent. | Pohlo Mal, Doputy Superintendent. | 20th April 1874, | العبد پولومل ةيپوڻي سپرنڌنٿ | |
| 3 | Fuiring of Khuteoni | Wazecr Ali | 22nd June 1874. | العبد وزيرعلي صحور | |
| 4 | Comparison of faired copy with original. | Wazeer Ali .} Sohan Lall .} | 23rd Jnue 1874. | البعد وزير علي العبد سوهن الل | |
| ā | Totalling the pages and cutering the "brought forward." | Sohan Lall | 23rd June 1974. | العبد سوهن سكَّنَّهُ | |
| 6 | Testing the totale | Abdul Rahman, Muusarim. | 23rd Juue 1874. | العبد عبدالرحمن منصرم | -, |
| 7 | Entry of rent and Govern- ment revenue for each holding. | Sohan Lall, Mohur- rir. | 24th June 1874. | العبد عبدالرحمن منصرم | |
| 8 | Testing Khewat | Abdul Rahman, Munsarim. | 24th June 1874 | العبد سوهن لال | |
| 9 | Comparison of Khewat cu- tries with Pedigree Table, | Sohan Lall, Mohur- rir. | 24th June 1874 | العبد سوهن لال | |
| 10 | comparison of entries in Khuteoni with enses de- cited. | Hera Singb, Munsa- rim. | 24th June 1874. | العبد هيرا سكه منصرم | |
| 11 | eneral examination . | Pohlo Mal, Deputy Superintendent. | 24th June 1874. | العبد پوكومل قيپوٿي سپرنڌنٿ | |

Statement of Wells.

| | Bakeara | The water is excety water is generally abundant; *3 years ago Sam Sing built the well | Water is sweet and abundant SS years aso librawan poilt ils well at his own charge, and all he decorded the west about it is decorded to here about it is well and | under the wells in owned ascerding to possession. |
|--|----------------------|--|--|---|
| .beta. | givil as A | #B | ล | 2 2 |
| 71 | aw 10 feed | 2002 2002 | \$2 | _ |
| o) | Depth bettom, | # | R | |
| _ | Depth to | = | = | |
| 40119. | Circumler in Icet | 2 | # | |
| Namber of Fabr | | 1 lao 2 yoka | 1120, 2 yoke 11 | 2 lee 4 yoke |
| KIND OF | Esciben | | | |
| Name of Well o | | • | - | F |
| | | Gormawala | Pipak Wala | Total . |
| [{+m] fao: | Number of | 1 | 91 | |
| ger al Names of consers of well with Names of persons valor the water with state the water | | Kbudbesht in equal shares | Khudkseht scord ing to shares. | |
| | | Billy fingh Mod fing wast of Ram Sing Rantore Jagmato, Is holding No 6 | (4 sharss)—Rama (holding No 1) 2 Godha and others (holding No 2) one share then and others (holding | one shaff, |
| jj | 25 | ~ | ** | |

Statement of revenue-free land

| Rakire | | | | |
|---|--------|--|---|--|
| Amount of ceses | 8 8 | 8 3 Datrick Fund 0 9 Rural Pollen 0 6 | 1 JE 9 Dattiet Fund 1 0 Rural Police 0 9 | 3 8 0 District Fond 1 9 Barel Police 1 3 |
| Askeam out if it had upt beau manies | Zt 0 p | # # | 115 9 | 0 8 |
| Detail of land | 9 P | 7 10 Cultivated Barani | p 38 Cultivated Barahl | 17 6 |
| Number of Nama of Magleedess with halding is the parentage can a residunce Khuteomi | | Temple of Baghoonethif Poo- larce Bajroug Dass, non of Lambes Diregee | B jay Sing Mod Sing, some of kam Sing, Rebiore | |
| Number of halding to the Khuteoni | | | 10 | |
| Order for tweena-free holding with data and pame of | | Perpetual mastes Order 17th February 18th Colonel Dixon to remain use forms attents attent | Order 3rd June 1824. | |
| o Meser ption of | | Perpetual mastes | Bhoom | |
| - | Į | - | 64 | |

Rama, Lumberdar, preferred this offer to day.

Drdered—The offer is accepted subject to the sanction of Government, Let it be filed with the settlement misl.

(Sd.) J. D. LA Touche, Settlement Offer.

Darkhwast.

I, RAMA, son of Bhag wana, caste Jat, Lumberdar of Bhag wanpoora, agree to pay yearly Rs. 70 besides cesses as under, subject to the sanction of Government:—

Road, school, and village post Rs. 7, being 3.2 per cent. on the Government revenue after deducting lumberdais' fees.

Putwarees' fees at 6.14 per cent. on the fovernment revenue = Rs. 5.

Total Rs. 82 from khureef of Sumbut 1981, corresponding with A.D. 1874, to the rubbee of 1940 Sumbut, corresponding with A.D. 1884, inclusive, ten years, and thenceforward till a new settlement.

The 5th June 1874.

(Sd.) RAMA, Lumberdar.

Wajil-ul-'Arz.

Since a revision of the records is in progress, and we have been called on to declare the customs prevailing in our village, therefore after full consideration we declare as follows:—

CHAPTER I.

Concerning the relations of the village community with the State.

SECTION 1.

Mode of collection and payment of revenue. Rupecs 82 including cesses has been assessed for ten years from khureef of 1874 to rubbee of 1884 inclusive. This has been distributed equally over each holding, and each owner is bound to pay his quota to the lumberdar before the dates fixed for the instalments as under:—

Khureef, 1st January, 8 annas. Rubbee, 15th June, 8 annas.

SECTION 2.

Rights of Government in mines, quarries, nullahs, trees, and forest lauds. There is one nullah which flows in the rains. There are no Government trees and no forest lands, neither are there any mines or quarries. The produce of mines belongs to Government who can quarry for its own purposes without payment, compensating us for the disturbance of the surface of the soil.

CHAPTER T-(copold)

SPOTON 3

Appointment of Badree Petwares, son of Shennaravan Mahajan of Sringcour, has Patwares and been appointed. For his salary we shall pay yearly Rs. 5, and his salary. . •

.

- 12 all secessive information for the preparation of the 1 removal a new rele, who may be the fixed salary. ided he he fit hes

CHAPTER II

Concerning the relations of owners of land among themselves.

Section 1.

Lamberdar and Fatels. therr rights and duties.

The lumberder shall receive 5 per cent, of the not Government revenue Ou his death the eldest son or if he be unfit the younger s us have a claim to speceed If he be a minor a manager will ha appointed If the immberdar die childless or he dismissed for a fault, we shall amount another by a majerity of votes, who shall be angroved by Government.

EVETTON 2.

Management of common land.

The profile of the common land belong to the community, the lumberdar being manager and accounting for recepts. If any sharer or other person with our permission dig a well or make an ambibliosent in common land, he becomes thereby owner of the land so imprived Our cattle grass over the wasts of Rampoora and Kushopoors without payment of any dues,

Section 3.

Thursday of common meome.

The common frame is -1. Gintier grazieg does taken epre in Eatik at the following rst s: - Bullsto, Saucas, Infaio-calf, 4 acquas cow, 4 annas; other cattle, 2 acnas, sheep and goals, 1 acqua.

2. Profits on cultivated land

This income is credited to village expenses

SECRION 4

Village expenses and their definition.

The lumberdar pays all village expenses in the first broken and each barrent an account is made out. If the exceeding the color more or less than the common moome, it is alread amont the

sharers or they make up the deficiency.
Itama of villaga expenses ordinarily are 1 Food of lumberdar when away on vilare lore nove.

2 Turbaus given at funeral feasts.

3. Payment of the village Bulahi Ta. 3 a weet

SECTION 5.

Mode of arritank and responsibility for repair of the dam

There is no talagin car village.

SECTION 6.

Customs relating to the abads. places for storing manure, wells for drinking purpo ses

He can take a secretary to believe the parties of the can take a secretary to be the can take the The income a new party and the table. The in the income are ODE ESCHOLAR IN PROPERTY TO THE MEMBERS IN THE TAXABLE TO THE TAXA with the state and a proper and secretarity Lies we

The limits with one allowing parties settle interface on an

Est other, he would share my my by the

CHAPTER III.

Concerning the relations of owners of land with residents who are not owners.

SECTION 1.

Servico land held free of rent from the village.

There is no solvice land in our villago.

Section 2.

These are the following village servants:-

Rights and duties of village servants.

1. Carpenter who also does smith's work and lives in Rampoora. We provide wood and iron, and pay him yearly I maund pukka per plough.

2. Bulabi who receives Rs. 5 per annum and five seers per

plough per harvest.

3. Kumhar who makes earthenpots and receives ten seers per barvest per plongh.

4. Nai or barber who receives two-half seers per plough.

SECTION 3.

Sums collected non-cultlvators resident in the village.

There are no resident non-cultivators.

Section 4.

dent non-cultivators in their houses.

Rights of resi- There are no resident non-enlivators.

CHAPTER IV.

Concerning the relations of owners of land with tenants.

SECTION 1.

Mode of collecting rent from tenants whether with right of occupancy or otherwiee.

There are no tenants in our village. One cultivates Paliskasht from Rampoora. His rent generally is one-fourth the produce.

SCOTION 2.

Rights of tedun two of stund sell or plant trees and to dig wells.

No tenant can cut or sell trees without the permission of the owners, nor plant trees nor dig a well.

SECTION 3.

Rights of tenants as rogards water from the tank.

There is no tank in our village.

SECTION 4.

Rights of ten- There are no tenants in the village.

ants to grazo.

This Wajib-ul'-arz was attested to-day in the village in presence of Rama, Lumberdar, and Godha Thana, Bijay Sing, Modh Sing, Nanu, and Bhura. They all agreed that it contained their statement and the custom of the village.

Ordered -- That it be filed with the settlement misl.

MAHARAJ KISHN. (Sd.)

The 25th April 1874.

Extra Asstl. Commr.

Tough Rubakes

Proceeding of the Extra Ass sta t Co m as once of Aj ere in the Settlement Department dated 22nd Sentember 1874

This misl prepared under Ajuddhiya Pershad, Superintendent, was produced. A regular settlement was made in this village for 21 years by Colonel Dixon. Wherefore this settlement having expired, the present revision was undertaken in accordance with the orders of the Government of India conveyed in letter No. 377 R., dated 28th October 1871. The hadhast map was first drawn and then the field map with the kluteoni prepared and the Pedigree Tables framed. The papers have be in duly nitested. The original field map has been filed with the misl fair copies have been made of the other papers, and they have been duly tested and compared. The rough copies have been bound separately and filed.

There was only one case of division in this village and the result of the orders has been given effect to.

The method of distribution of the assessed revenue has been explained in the preface to the kbuteoui

Each owner has been given an extract from the Lhuteoni, chowing the land in his possession for which he will pay revenue

Since the mulis now completed let it be sent to the Settlement Officer.

(Sd) Mahapaj Kisha, Lztra Asstt Commr.

The mist is complete, and is reads for transmission to the Office of the Dejuty Commissioner

(Sd) J. D LA TOUCHE, Settlement Officer

[Pars an sere on not printed]

CHAPTER III.

Concerning the relations of owners of land with residents who are not owners.

SECTION 1.

land Service held free of rent from the villago.

There is no service land in our village.

SECTION 2.

These are the following village servants :-

Rights and duties of vilinge scrvants.

1. Carpenter who also does smith's work and lives in Rampoora. We provide wood and iron, and pay him yearly I maund pukka per

2. Bulabi who receives Rs. 5 per annum and five seers per

plough per harvest.

3. Kumhar who makes earthenpots and receives ten seers per barvest per plough.

4. Nai or barber who receives two-half seers per pleugh.

SCOTION 3.

Sums collected from non-cultivators resident in the village.

There are no resident non-cultivators.

Section 4.

dent non-cultivators in their houses.

Rights of resi- There are no resident non-cultivators.

CHAPTER IV.

Concerning the relations of owners of land with tenants.

SECTION 1.

Mode of collecttenants whether with right of occupancy or otherwife.

There are no tenants in our village. One cultivates Paliskasht. ing rent from from Rampoora. His rent generally is one-fourth the produce.

SECTION 2.

Rights of teonuts to out and sell or plant trees and to dig wells.

No tenant can cut or sell trees without the permission of the owners, nor plant trees nor dig a well.

SECTION 3.

ants as regards water from the tank.

Rights of ten. There is no tank in our village.

SECTION 4.

Rights of teu. There are no tenants in the village.

ants to graze.

This Wajib-ul'-arz was attested to-day in the village in presence of Rama, Lumberdar, and Godha Thana, Bijay Sing, Modh Sing, Nanu, and Bhura. They all agreed that it contained their statement and the custom of the village.

Ordered -- That it be filed with the settlement misl.

MAHARAJ KISHN. (Sd.) Extra Asstt. Commr.

The 25th April 1874.

Tenal Rubakar

Proceeding of the Extra Ass ata t Co am as oner of Aga ere 1 the Settle neut Departu ent dated 22nd September 1874

This misl prepared under Ajuddhya Pershad, Superintendent, was produced A regular settlement was made in this village for 21 years by Colonel Dixon. Wherefore thus settlement having expired, the present revision was undertaken in accordance with the orders of the Government of India conveyed in letter No 377 B, dated 28th October 1871. The hadinast map was first drawn and then the field map with the klutteon prepared and the Pedigree Tables framed The papers have be in duly attested The original field map has been filed with the intell 1 ur copies have been made of the other papers and they have been duly tested and compared. The rough copies have been bound separately and filed

There was only one case of division in this village and the result of the orders has been given effect to.

The method of distribution of the assessed revenue has been explained in the preface to the Lhuteom

Each owner has been given an extract from the kbuteoni, showing the land in his possession for which he will pry revenue

Since the misl is now completed let it be sent to the Settlement Officer.

(Sd) Mahabaj Kisha, Extra Asstt Commr

The miel is complete and is ready for transmission to the Office of the Dejuty Commissional

(Sd) J. D LA Touche, Settlement Officer

[Pers an vere on not printed]

Statement of Area of Jaghire and Bhoom,

| | i | DISTRICTS. | 110 | MEKE | АЦБ | MHAI | RWARR |
|------------|---------------------------------|-----------------|---------|--------|-----------------|------------|--------------|
| | -a | INAREBERA IATOT | 87,690 | 14,070 | 5,579 | 1,040 | 20,689 |
| | | Total, | 44,462 | 9,876 | 3,932 | 1,002 | 14,810 |
| IBEA, | Malgoozaber or Assessable area, | Baravi, | 29,305 | 6,446 | 2,359 | 724 | 9,529 |
| SSABLE 4 | | Abi, | 3,359 | 275 | 128 | : | 403 |
| on Assi | | .idalaT | 1,642 | 248 | 92 | 40 | 394 |
| GOOZÁBEB | | chahi, | 10,156 | 2,907 | 1,353 | 224 | 4,484 |
| Mae | MAI Uncultivated. | Total, | 43,228 | 4,194 | 1,647 | 38 | 5,879 |
| , | | Pallow. | 6,277 | 1,407 | . 314 | : | 1,721 |
| | | .eldarutluO | 36,951 | 2,787 | 1,333 | 38 | 4,158 |
| | | .IntoT | 63,148 | 785 | 332 | 13 | 1,130 |
| Unassesed. | | Вечеппе-Ітсе. | 12,883 | : | : | : | : : |
| Ω | | Barreu. | 50,265 | 785 | 332 | 13 | 1,130 |
| | Total | Area. | 150,838 | 14,855 | 5,911 | 1,053 | 21,819 |
| | NATURE OF TENURE. | | | | Bhoom { Jaghire | Istumrar . | Total, Bhoom |
| | | | | | Bhoom | | T |

G. I. C. P. O.—No. 37 F. G.—23-7-1900.—50.

